N.C. Desai

# Chidambara Seva Mandala

1

SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY)
Vartak Wada, Ganesh [illegible] Road,
DOMBIVLI (East) Dist. Thana.

No 0001

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Shri S. S. Bangera

Donation Rs. 25/-  PAL. Kusla

Recieved by

Pd

No 0003

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Shri S. B. Shringare. PAL. Kurla

Donation Rs. 25/=

Recieved by

[signature]

Pd

No 0004

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Shri S.K. Ambre

Donation Rs. 25=00

Rupees twenty five only

Recieved by

[signature]

19-10-82

No 0005

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Shri B. B. Jain PAL - Kurla

Donation Rs. 25=00

Rupees Twenty five only

Recieved by

[signature]

28/10/82

Pd

No 0006

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Sri U. V. Savant PAL Kurla

Donation Rs. 25=00

Rupees twenty five Only

Recieved by

[signature]

20/10/82

pd

No 0007

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Shri. M.C. Ainapure PAL/kala

Donation Rs. 25=00

Rupees twenty five only

Recieved by

[illegible signature]

10/10

Pd

No 0008

SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

# SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Shri. S. G. Parulkar. (Jasmine Apt) Recieved by

Donation Rs. 51-00

Rs: Fifty one only.

Pd

No 0009

SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

# SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor Mr. Kuldeep S. Gandhi

Recieved by

Donation Rs. 25/—

M/s Sharp Prints, 158 Kaliyandar Udyog

[illegible] Bombay - 25

No 0010

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (Regd)

WARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD DOMBIVLI, DIST: THANE

## SILVER JUBILEE JANMOTSAVA

6th DEC 1982

Donor

Donation Rs.

Recieved by

RD-1

No. 18 / 5/12/81

Certified that letter / inland letter card / post card / Book Packet with / without "IS" sent by (name) N C Desai

(address) C/o K. B. Honnalli Honnalli Compound Malamaddi Dharwar.

______ was posted for recorded delivery

postage paid 1=95

| Name and address of the addressee | Date stamp of post office | Signature of P O. Clerk |
|---|---|---|
| Shri: D. N. Kulkarni<br>Kavya Parishat-<br>11. Shankar Street-<br>Opp. Grant Rly Station<br>Bombay 400007 | 5.12.81 ... DHARWAR | [signature] |

Kailas Printers, B-53/PTG/4/76-77—25-4-80—5,00,000

Books

To,

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] — [illegible]

[illegible]

[illegible] — [illegible]

[illegible] — [illegible]

[illegible]
೨೫-೧೨-೫೦.

ಶ್ರೀ [illegible],

ನ. ವಂದನೆ,

[illegible] ಶ್ರೀ C.S. [illegible]
[illegible] ಪ್ರವಾಸ. [illegible], [illegible], [illegible]
[illegible] ಪತ್ರಕರ್ತನ [illegible]
ಕಾಗದ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

ಶ್ರೀ [illegible]

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ୧ | ୧ | ୧୧=୦୦ | ୨୫=୦୦ | ୭୫=୦୦ | ୧୧୧=୦୦ | |
| ୨ | ୨ | ୧୩୬=୦୦ | ୫୦=୦୦ | — | ୧୮୬=୦୦ | |
| ୩ | ୫ | ୧୧=୦୦ | ୩୪=୦୦ | — | ୪୫=୦୦ | |
| ୪ | ୮ | ୧୧୦=୦୦ | — | — | ୧୧୦=୦୦ | |
| ୫ | ୯ | — | ୧୦୨=୦୦ | | ୧୦୨=୦୦ | |
| ୬ | ୧୩ | — | ୨୫=୦୦ | | ୨୫=୦୦ | |
| ୭ | ୧୬ | ୬୬=୦୦ | ୫୦=୦୦ | | ୧୦୪=୦୦ | |
| ୮ | ୧୭ | ୩୪୭=୦୦ | ୧୬=୦୦ | ୩୨୦=୦୦ | ୬୮୩=୦୦ | |
| ୯ | ୧୮ | ୧୭୧=୦୦ | — | — | ୧୭୧=୦୦ | |
| ୧୦ | ୨୦ | ୨୪୨=୦୦ | — | — | ୨୪୨=୦୦ | |
| ୧୧ | ୨୬ | ୧୩୮=୦୦ | — | — | ୧୩୮=୦୦ | |
| ୧୨ | ୨୭ | ୧୦୨=୦୦ | — | — | ୧୦୨=୦୦ | |
| ୧୩ | ୨୮ | ୨୦୬=୦୦ | — | — | ୨୦୬=୦୦ | |
| ୧୪ | ୨୯ | ୧୦୧=୦୦ | — | — | ୧୦୧=୦୦ | |
| ୧୫ | ୪୧ | ୧୧=୦୦ | ୪୫=୦୦ | — | ୫୬=୦୦ | |
| ୧୬ | ୪୨ | ୨୩=୦୦ | ୪୦=୦୦ | — | ୬୩=୦୦ | |
| ୧୭ | ୪୫ | ୫୫=୦୦ | ୨୫=୦୦ | — | ୮୦=୦୦ | |
| ୧୮ | ୪୬ | ୨୩=୦୦ | ୫୮=୦୦ | — | ୮୧=୦୦ | |
| ୧୯ | ୫୦ | ୭୭=୦୦ | — | — | ୭୭=୦୦ | |
| ୨୦ | ୫୩ | ୨୧୪=୦୦ | — | — | ୨୧୪=୦୦ | |
| ୨୧ | ୫୪ | ୧୦୫=୦୦ | ୧୫=୦୦ | ୧୫୦=୦୦ | ୨୭୦=୦୦ | |
| ୨୨ | ୫୭ | — | ୫୦=୦୦ | — | ୫୦=୦୦ | |
| ୨୩ | ୬୦ | ୧୧=୦୦ | ୯=୦୦ | — | ୨୦=୦୦ | |
| ୨୪ | ୬୧ | ୧୧୩=୦୦ | ୫=୦୦ | — | ୧୧୮=୦୦ | ୫୪ — [illegible] |
| ୨୫ | ୬୨ | ୨୧୨=୦୦ | — | — | ୨୧୨=୦୦ | ୩୬ — [illegible] |
| ୨୬ | ୬୩ | ୨୦୭=୦୦ | — | — | ୨୦୭=୦୦ | ୧୧ — [illegible] |
| ୨୭ | ୬୪ | ୧୬୨=୦୦ | ୫=୦୦ | — | ୧୬୭=୦୦ | |
| ୨୮ | ୬୫ | ୧୩୮=୦୦ | — | — | ୧୩୮=୦୦ | |
| | | ୩୦୬୭=୦୦ | ୫୧୬=୦୦ | ୫୪୫=୦୦ | ୪୧୩୧=୦୦ | |

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ២៩ | ៦៦ | ១២៤=០០ | - | - | ១២៤=០០ | |
| ៣០ | ៦២ | ៤៤=០០ | ៥=០០ | | ៤៩=០០ | ៦ = [illegible] |
| ៣១ | ៦៣ | ៦៦=០០ | - | - | ៦៦=០០ | |
| ៣២ | ៦៤ | ១៣៤=០០ | - | - | ១៣៤=០០ | |
| ៣៣ | ៦៥ | ១១០=០០ | - | - | ១១០=០០ | |
| ៣៤ | ៦៦ | ១៣៨=០០ | - | - | ១៣៨=០០ | |
| ៣៥ | ៦៩ | ៣០៧=០០ | - | - | ៣០៧=០០ | |
| ៣៦ | ៨១ | ១១៨=០០ | - | - | ១១៨=០០ | |
| ៣៧ | ៨២ | ៩៩=០០ | ១០=០០ | | ១០៩=០០ | |
| ៣៨ | ៨៣ | ១១០=០០ | - | - | ១១០=០០ | |
| ៣៩ | ៨៤ | ៩៣=០០ | ២=០០ | - | ៩៥=០០ | |
| ៤០ | ៨៥ | ៩៩=០០ | ១៤=០០ | | ១១៣=០០ | |
| ៤១ | ៨៦ | ២៧៨=០០ | - | - | ២៧៨=០០ | |
| ៤២ | ៨៧ | ១១០=០០ | - | - | ១១០=០០ | |
| ៤៣ | ៨៩ | ១០៧=០០ | ២=០០ | | ១០៩=០០ | |
| ៤៤ | ៩០ | ៦៦=០០ | ១៦=០០ | | ៨២=០០ | |
| ៤៥ | ៩៥ | ១០៤=០០ | ៤=០០ | - | ១០៨=០០ | |
| ៤៦ | ៩៦ | ១៨១=០០ | ៥=០០ | | ១៨៦=០០ | |
| ៤៧ | ១០២ | ១៥២=០០ | | | ១៥២=០០ | |
| ៤៨ | ១០៨ | - | ១០=០០ | | ១០=០០ | |
| ៤៩ | ១០៩ | - | ២០ | | ២០=០០ | |
| ៥០ | ១១០ | ៣៣=០០ | - | - | ៣៣=០០ | |
| ៥១ | ១១២ | ២០៤=០០ | - | - | ២០៤=០០ | |
| ៥២ | ១១៣ | ២២២=០០ | - | - | ២២២=០០ | |
| ៥៣ | ១១៤ | ១៣៨=០០ | - | - | ១៣៨=០០ | |
| ៥៤ | ៣០១ | ២១៤=០០ | - | - | ២១៤=០០ | |
| ៥៥ | ១១៨ | ១១០=០០ | - | - | ១១០=០០ | |
| ៥៦ | ១១៩ | ១១០=០០ | - | - | ១១០=០០ | |
| | | ៣៤៧១=០០ | ៨៨=០០ | | ៣៥៥៩=០០ | |

| କ୍ର. ସଂ. | ଖାତା ସଂ. | ପ୍ରସ୍ତାବିତ ଋଣ | [illegible] | ପ୍ରଭାବ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ୫୭ | ୧୨୦ | ୧୬୪=୦୦ | – | – | ୧୬୪=୦୦ | | | |
| ୫୮ | ୧୨୧ | ୪୪=୦୦ | ୩୫=୦୦ | – | ୭୯=୦୦ | | | |
| ୫୯ | ୧୨୪ | ୨୦୮=୦୦ | – | – | ୨୦୮=୦୦ | | | |
| ୬୦ | ୧୨୫ | ୨୭୬=୦୦ | – | – | ୨୭୬=୦୦ | | | |
| ୬୧ | ୧୩୦ | ୧୧୦=୦୦ | – | – | ୧୧୦=୦୦ | | | |
| ୬୨ | ୧୩୧ | ୬୬=୦୦ | – | – | ୬୬=୦୦ | | | |
| ୬୩ | ୧୩୨ | ୧୧୦=୦୦ | – | – | ୧୧୦=୦୦ | | | |
| ୬୪ | ୧୩୩ | ୧୨୪=୦୦ | | – | ୧୨୪=୦୦ | | | |
| ୬୫ | ୧୩୪ | ୩୩=୦୦ | | – | ୩୩=୦୦ | | | |
| ୬୬ | ୧୩୭ | ୧୫୦=୦୦ | | – | ୧୫୦=୦୦ | | | |
| ୬୭ | ୧୩୮ | ୧୬୬=୦୦ | | – | ୧୬୬=୦୦ | | | |
| ୬୮ | ୧୩୯ | ୯୯=୦୦ | ୫=୦୦ | – | ୧୦୪=୦୦ | | | |
| ୬୯ | ୧୪୦ | ୧୫୨=୦୦ | – | – | ୧୫୨=୦୦ | | | |
| ୭୦ | ୧୪୧ | – | ୨୫=୦୦ | – | ୨୫=୦୦ | | | |
| ୭୧ | ୧୪୭ | ୬୯=୦୦ | ୧୨୧=୦୦ | – | ୧୯୦=୦୦ | | | |
| ୭୨ | ୧୪୮ | ୧୦୨=୦୦ | ୧୦=୦୦ | – | ୧୧୨=୦୦ | | | |
| ୭୩ | ୧୪୯ | ୫୫=୦୦ | ୨୫=୦୦ | – | ୮୦=୦୦ | | | |
| ୭୪ | ୧୫୦ | ୩୦୧=୦୦ | ୨୦୦=୦୦ | – | ୫୦୧=୦୦ | | | |
| ୭୫ | ୧୫୧ | ୬୬=୦୦ | | – | ୬୬=୦୦ | | | |
| ୭୬ | ୧୫୪ | ୨୦୬=୦୦ | ୧୦=୦୦ | | ୨୧୬=୦୦ | | | |
| ୭୭ | ୧୫୭ | ୧୩୦=୦୦ | | – | ୧୩୦=୦୦ | ସଂ. ୧୫୬୧. ୬-୯-[illegible] ଆଦାୟ | | |
| ୭୮ | ୧୫୯ | ୩୬=୦୦ | – | – | ୩୬=୦୦ | | | |
| ୭୯ | ୧୭୧ | ୪୭=୦୦ | ୫=୦୦ | | ୫୨=୦୦ | | | |
| ୮୦ | ୧୭୨ | ୧୦୮=୦୦ | | – | ୧୦୮=୦୦ | | | |
| ୮୧ | ୧୭୩ | ୧୧୩=୦୦ | ୧୪=୦୦ | – | ୧୨୭=୦୦ | | | |
| ୮୨ | ୧୭୪ | ୧୨୪ | | | ୧୨୪=୦୦ | | | |
| | | ୩୦୫୯=୦୦ | ୪୫୦=୦୦ | | ୩୫୦୯=୦୦ | | | |

| ಕ್ರ. ಸಂ. | ಸರ್ವೆ ನಂ. | [illegible] ಚ.ಗ | [illegible] ಚ.ಗ | [illegible] ಚ.ಗ | [illegible] ಚ.ಗ. |
|---|---|---|---|---|---|
| ೮೩ | ೧೭೫ | ೯೯=೦೦ | ೫=೦೦ | — | ೧೦೪=೦೦ |
| ೮೪ | ೧೭೬ | ೧೧೦=೦೦ | — | — | ೧೧೦=೦೦ |
| ೮೫ | ೧೭೭ | ೯೯=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | — | ೨೦೦=೦೦ |
| ೮೬ | ೧೭೮ | ೧೧೦=೦೦ | | — | ೧೧೦=೦೦ |
| ೮೭ | ೧೮೧ | ೩೩=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | — | ೧೩೪=೦೦ |
| ೮೮ | ೧೮೨ | ೫೫=೦೦ | ೭೫=೦೦ | — | ೧೩೦=೦೦ |
| ೮೯ | ೧೮೩ | ೧೧೩=೦೦ | — | — | ೧೧೩=೦೦ |
| ೯೦ | ೧೮೭ | ೯೯=೦೦ | | — | ೯೯=೦೦ |
| ೯೧ | ೧೮೯ | ೧೬೪=೦೦ | | — | ೧೬೪=೦೦ |
| ೯೨ | ೧೯೦ | ೩೩=೦೦ | ೨೨೩=೦೦ | — | ೨೫೬=೦೦ |
| ೯೩ | ೧೯೧ | ೧೨೭=೦೦ | | — | ೧೨೭=೦೦ |
| ೯೪ | ೧೯೫ | ೨೧೬=೦೦ | ೯೬=೦೦ | ೧೨೦=೦೦ | ೪೩೨=೦೦ |
| ೯೫ | ೨೦೧ | ೮೮=೦೦ | | — | ೮೮=೦೦ |
| ೯೬ | ೨೦೩ | ೧೧೦=೦೦ | — | — | ೧೧೦=೦೦ |
| ೯೭ | ೨೦೪ | ೧೨೭=೦೦ | ೧=೦೦ | — | ೧೨೮=೦೦ |
| ೯೮ | ೨೦೫ | ೧೧=೦೦ | — | — | ೧೧=೦೦ |
| ೯೯ | ೨೦೬ | ೯೪=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | ೨೨೫=೦೦ | ೪೨೦=೦೦ |
| ೧೦೦ | ೨೦೭ | ೯೯=೦೦ | ೨೫೧=೦೦ | — | ೩೫೦=೦೦ |
| ೧೦೧ | ೨೦೮ | ೪೭=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | — | ೧೪೮=೦೦ |
| ೧೦೨ | ೨೧೧ | ೧೫೦=೦೦ | | — | ೧೫೦=೦೦ |
| ೧೦೩ | ೨೧೨ | ೧೫೦=೦೦ | | — | ೧೫೦=೦೦ |
| ೧೦೪ | ೨೧೩ | ೧೧೦=೦೦ | | — | ೧೧೦=೦೦ |
| ೧೦೫ | ೨೧೪ | ೧೨೪=೦೦ | | — | ೧೨೪=೦೦ |
| ೧೦೬ | ೨೧೫ | ೧೧೩=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | — | ೨೧೪=೦೦ |
| ೧೦೭ | ೨೧೬ | ೧೨೪=೦೦ | | — | ೧೨೪=೦೦ |
| ೧೦೮ | ೨೧೭ | ೧೩೮=೦೦ | | — | ೧೩೮=೦೦ |
| ೧೦೯ | ೨೧೮ | ೧೧೦=೦೦ | | — | ೧೧೦=೦೦ |
| ೧೧೦ | ೨೨೦ | ೯೧=೦೦ | | ೫೪೨=೦೦ | ೬೩೩=೦೦ |
| | | ೨೯೪೪=೦೦ | ೧೧೬೧=೦೦ | ೮೮೭=೦೦ | ೪೯೯೨=೦೦ |

| ಸಂ | ಖಾತೆ ಸಂ. | ಪ್ರ...ತಿ ಹಣ. | ... ಹಣ | ಪ್ರ... ಹಣ. | ... | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ೧೧೧ | ೨೧೯ | ೧೧೦=೦೦ | | – | ೧೧೦=೦೦ | ೬೬೩೩=೦೦ ಹಣ ಬಂದಿದೆ | | |
| ೧೧೨ | ೨೨೧ | ೧೬೬=೦೦ | | – | ೧೬೬=೦೦ | | | |
| ೧೧೩ | ೨೨೨ | ೧೨೪=೦೦ | | – | ೧೨೪=೦೦ | | | |
| ೧೧೪ | ೨೨೩ | ೧೨೪=೦೦ | | – | ೧೨೪=೦೦ | | | |
| ೧೧೫ | ೨೨೪ | ೧೩೮=೦೦ | | – | ೧೩೮=೦೦ | | | |
| ೧೧೬ | ೨೨೫ | ೧೨೭=೦೦ | ೫=೦೦ | – | ೧೩೨=೦೦ | | | |
| ೧೧೭ | ೨೨೬ | ೧೪೧=೦೦ | ೫=೦೦ | | ೧೪೬=೦೦ | | | |
| ೧೧೮ | ೨೨೭ | ೧೮೦=೦೦ | – | – | ೧೮೦=೦೦ | | | |
| ೧೧೯ | ೨೨೮ | ೧೫೦=೦೦ | – | – | ೧೫೦=೦೦ | | | |
| ೧೨೦ | ೨೨೯ | ೧೨೪=೦೦ | – | – | ೧೨೪=೦೦ | | | |
| ೧೨೧ | ೨೩೧ | ೧೨೪=೦೦ | – | – | ೧೨೪=೦೦ | | | |
| ೧೨೨ | ೨೩೨ | ೭೭=೦೦ | – | – | ೭೭=೦೦ | | | |
| ೧೨೩ | ೨೩೩ | ೨೨೦=೦೦ | – | – | ೨೨೦=೦೦ | | | |
| ೧೨೪ | ೨೩೪ | ೨೩೨=೦೦ | – | – | ೨೩೨=೦೦ | | | |
| ೧೨೫ | ೨೩೫ | ೧೨೪=೦೦ | – | – | ೧೨೪=೦೦ | | | |
| ೧೨೬ | ೨೩೬ | ೧೩೮=೦೦ | – | – | ೧೩೮=೦೦ | | | |
| ೧೨೭ | ೨೩೭ | ೧೯೩=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | – | ೨೯೪=೦೦ | | | |
| ೧೨೮ | ೨೩೮ | ೧೧೦=೦೦ | – | – | ೧೧೦=೦೦ | | | |
| ೧೨೯ | ೨೪೩ | ೧೯೭=೦೦ | ೧೦೧=೦೦ | | ೨೯೮=೦೦ | ೧೫೨=೦೦ ಹಣ ಬಂದಿದೆ | | |
| ೧೩೦ | ೨೪೪ | – | – | – | – | [illegible] | | |
| ೧೩೧ | ೨೪೫ | ೭೦೨=೦೦ | – | | ೭೦೨=೦೦ | — [illegible] | | |
| ೧೩೨ | ೨೪೬ | ೨೫೦=೦೦ | – | – | ೨೫೦=೦೦ | | | |
| ೧೩೩ | ೨೪೭ | ೧೫೨=೦೦ | – | – | ೧೫೨=೦೦ | | | |
| ೧೩೪ | ೨೪೮ | ೧೨೪=೦೦ | – | – | ೧೨೪=೦೦ | | | |
| ೧೩೫ | ೨೪೯ | ೧೯೨=೦೦ | – | – | ೧೯೨=೦೦ | | | |
| ೧೩೬ | ೨೫೦ | ೧೯೬=೦೦ | ೨೦೨=೦೦ | – – | ೩೯೮=೦೦ | | | |
| | | ೪೪೧೫=೦೦ | ೪೧೪=೦೦ | | ೪೮೨೯=೦೦ | | | |

| [illegible] ସଂ. | [illegible] ସଂ. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ୧୩୭ | ୨୫୧ | ୧୬୭=୦୦ | ୨୫୧=୦୦ | | ୪୧୮=୦୦ | | [illegible] |
| ୧୩୮ | [illegible] | ୩୩=୦୦ | [illegible] | — | ୩୩=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୩୯ | ୨୫୭ | ୧୩୮=୦୦ | — | — | ୧୩୮=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୦ | ୨୬୧ | ୧୨୪=୦୦ | [illegible] | — | ୧୨୪=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୧ | ୨୬୨ | ୯୯=୦୦ | ୧୦୧=୦୦ | | ୨୦୦=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୨ | ୨୬୩ | ୧୬୭=୦୦ | ୧୦୧=୦୦ | | ୨୬୮=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୩ | ୨୬୪ | ୧୫୨=୦୦ | [illegible] | — | ୧୫୨=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୪ | ୨୬୫ | ୨୦୬=୦୦ | | — | ୨୦୬=୦୦ | | [illegible] |
| ୧୪୫ | ୨୬୬ | ୧୨୪=୦୦ | [illegible] | — | ୧୨୪=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୬ | ୨୬୭ | ୧୩୮=୦୦ | [illegible] | — | ୧୩୮=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୭ | ୨୬୮ | ୧୫୨=୦୦ | [illegible] | — | ୧୫୨=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୮ | ୨୬୯ | ୪୪=୦୦ | ୨୦୨=୦୦ | | ୨୪୬=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୪୯ | ୨୭୩ | ୨୫=୦୦ | — | — | ୨୫=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୦ | ୨୭୪ | ୨୦୮=୦୦ | [illegible] | — | ୨୦୮=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୧ | ୨୭୫ | ୧୯୭=୦୦ | [illegible] | — | ୧୯୭=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୨ | ୨୮୪ | ୧୧୦=୦୦ | [illegible] | — | ୧୧୦=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୩ | ୨୮୫ | ୮୮=୦୦ | [illegible] | — | ୮୮=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୪ | ୨୮୬ | ୧୨୪=୦୦ | [illegible] | — | ୧୨୪=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୫ | ୨୮୭ | ୧୧୩=୦୦ | ୨୩=୦୦ | — | ୧୩୬=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୬ | ୨୮୮ | ୧୩୮=୦୦ | [illegible] | — | ୧୩୮=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୭ | ୨୮୯ | ୧୧=୦୦ | ୯=୦୦ | — | ୨୦=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୮ | ୨୯୦ | ୧୦୫=୦୦ | ୫୯୪=୦୦ | — | ୬୯୯=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୫୯ | ୨୯୧ | ୯୧=୦୦ | [illegible] | — | ୯୧=୦୦ | ୧୧=୦୦ | [illegible] |
| ୧୬୦ | ୨୯୨ | ୯୬=୦୦ | [illegible] | — | ୯୯ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୬୧ | ୨୯୫ | ୭୭ | ୬=୦୦ | | ୮୩=୦୦ | | [illegible] |
| ୧୬୨ | ୨୯୭ | ୧୫୨=୦୦ | [illegible] | — | ୧୫୨=୦୦ | | [illegible] |
| ୧୬୩ | ୨୯୯ | ୧୧୦=୦୦ | | — | ୧୧୦=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| ୧୬୪ | ୩୦୦ | ୧୪୨=୦୦ | ୧୦୬ | — | ୧୫୨=୦୦ | [illegible] | [illegible] |
| | ୬ | ୩୩୩୪=୦୦ | ୧୨୨୬=୦୦ | | ୪୫୬୧=୦୦ | [illegible] | |
| | ୫ | ୪୪୧୫=୦୦ | ୪୧୪=୦୦ | | ୪୮୨୪=୦୦ | [illegible] | |
| | ୪ | ୨୯୪୪=୦୦ | ୧୧୬୧=୦୦ | ୮୨୭ | [illegible] | [illegible] | |
| | ୩ | ୩୦୫୯=୦୦ | [illegible] | | [illegible] | [illegible] | |
| | ୨ | ୩୪୭୧=୦୦ | ୮୮=୦୦ | | [illegible] | ୩୦୦ | |
| | ୧ | ୩୦୬୭=୦୦ | [illegible] | ୫୪୫ | [illegible] | [illegible] | |
| | | ୨୦୨୮୦=୦୦ | ୩୮୫୯=୦୦ | ୧୪୩୨=୦୦ | ୨୫,୫୮୧=୦୦ | | |

KANVA PARISHAT

ALL INDIA

# SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN 1978

ANANDVAN-AGADI, TALUKA : HAVERI, DISTRICT : DHARWAR, (KARNATAKA

काण्व परिषद्

अखिल भारतीय शुक्ल यजुर्वेद सम्मेलन १९७८

आनंदवन – अगडी, जि॰ धारवाड (कर्नाटक)

Haveri
20/3/80.

My dear Nanasaheb Desai

I am forwarding herewith a provisional statement of accounts in respect of the above Sammelan. In the enclosed statement there will be short-fall in respect of payments has to be made. Please arrive at the conclusion and let me know, so that I will be convinient to arrive at the final accounts.

Yours faithfully,
Chidambar Rajpurohit.

# Provisional Statement of Accounts in respect of Shukla Yajurveda Sammelan 1978

| Income | Amount | | | Expenditure | Amount | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Cash Collections | 15 | 081 | - | Grocery | 5 | 400 | - |
| Cheques | 5 | 853 | - | Pendal | 4 | 000 | - |
| | | | | Boards | | 800 | - |
| Excess of Expenditure | | | | Lighting | | 450 | - |
| over Income | 5 | 128 | 75 | Processing | | 200 | - |
| | | | | Fuel | 2 | 000 | - |
| | | | | Yajna Sambhavana | 1 | 330 | - |
| | | | | " Exp. | | 460 | - |
| | | | | Souvenier | 6 | 040 | - |
| | | | | Blocks | | 565 | - |
| | | | | Light Bill | | 86 | - |
| | | | | Crakers | | 100 | - |
| | | | | Bulbs | | 55 | 50 |
| | | | | B'lore Exp. | | 250 | - |
| | | | | Taxi Press people & [illegible] to Anandvan and back | | ~~[illegible]~~ 215 | - |
| | | | | Taxi Hangal (I) | | 200 | - |
| | | | | N.C.D. Exp (I) | 1 | 203 | - |
| | | | | Nadagir Exp for procession etc (I) | | 400 | - |
| | | | | Photo (I) | | 600 | - |
| | | | | Cups Saucers Milk Press Conference etc | | 881 | 25 |
| | | | | Coffee powder Banana leaves | | 680 | - |
| | | | | Kudari cloth | | | |
| | | | | Shop Bill (I) | | 147 | - |
| Rs | 26 | 062 | 75 | Rs | 26 | 062 | 75 |

Anandvan

Please See the enclosed list.

## Explanation to the Statement of Accounts

(1) Account has been given on broad heads rounding off to the nearest hundreds. In case actual payments actual amount is given.

(2) Items marked with (I) in the Statement of accounts shows that expenditure has been already incurred but payment has not been done so far.

(3) There is a balance in the Bank to the extent of Rs - 1518/52 duly taking in to account the up to date receipts as on 20.3.'80.

(4) Since we have given accounts in broad heads differential heads will be shown in the final accounts.

(5) Apart from the items shown with (I) in the Statement of Accounts we have to give around Rs 1100/- to Shri Sheshachal Sadguru Press Anandvan which has not been taken in to account.

(6) Naturally there will be a question how to overcome the deficit. This point has to be discussed in the meeting.

(P.T.O)

[illegible]

[illegible]

೨೫-೧೨-೮೦.

[illegible]

ಸ. ವಂದನೆ,

[illegible]

[illegible]

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ୧ | ୧ | ୧୧=୦୦ | ୨୫=୦୦ | ୭୫=୦୦ | ୧୧୧=୦୦ | |
| ୨ | ୨ | ୧୩୯=୦୦ | ୫୦=୦୦ | – | ୧୮୯=୦୦ | |
| ୩ | ୫ | ୧୧=୦୦ | ୩୪=୦୦ | – | ୪୫=୦୦ | |
| ୪ | ୮ | ୧୧୦=୦୦ | – | – | ୧୧୦=୦୦ | |
| ୫ | ୯ | | ୧୦୨=୦୦ | | ୧୦୨=୦୦ | |
| ୬ | ୧୩ | – | ୨୫=୦୦ | | ୨୫=୦୦ | |
| ୭ | ୧୬ | ୯୯=୦୦ | ୫=୦୦ | | ୧୦୪=୦୦ | |
| ୮ | ୧୭ | ୩୪୭=୦୦ | ୧୬=୦୦ | ୩୦୦=୦୦ | ୬୬୩=୦୦ | |
| ୯ | ୧୯ | ୧୭୧=୦୦ | – | – | ୧୭୧=୦୦ | |
| ୧୦ | ୨୦ | ୨୪୨=୦୦ | – | – | ୨୪୨=୦୦ | |
| ୧୧ | ୨୬ | ୧୩୮=୦୦ | – | – | ୧୩୮=୦୦ | |
| ୧୨ | ୨୭ | ୧୦୨=୦୦ | – | – | ୧୦୨=୦୦ | |
| ୧୩ | ୨୮ | ୨୦୬=୦୦ | – | – | ୨୦୬=୦୦ | |
| ୧୪ | ୨୯ | ୧୦୧=୦୦ | – | – | ୧୦୧=୦୦ | |
| ୧୫ | ୪୧ | ୧୧=୦୦ | ୪୫ | – | ୫୬=୦୦ | |
| ୧୬ | ୪୨ | ୨୨=୦୦ | ୪୦=୦୦ | – | ୬୨=୦୦ | |
| ୧୭ | ୪୫ | ୫୫=୦୦ | ୨୫=୦୦ | – | ୮୦=୦୦ | |
| ୧୮ | ୪୬ | ୩୩=୦୦ | ୫୮=୦୦ | – | ୯୧=୦୦ | |
| ୧୯ | ୫୦ | ୭୭=୦୦ | | | ୭୭=୦୦ | |
| ୨୦ | ୫୩ | ୨୧୪=୦୦ | – | – | ୨୧୪=୦୦ | |
| ୨୧ | ୫୪ | ୧୦୫=୦୦ | ୧୫=୦୦ | ୧୫୦=୦୦ | ୨୭୦=୦୦ | |
| ୨୨ | ୫୭ | – | ୫୦=୦୦ | – | ୫୦=୦୦ | |
| ୨୩ | ୬୦ | ୧୧=୦୦ | ୯=୦୦ | – | ୨୦=୦୦ | |
| ୨୪ | ୬୧ | ୧୧୩=୦୦ | ୫=୦୦ | – | ୧୧୮=୦୦ | ୫୪ = [illegible] |
| ୨୫ | ୬୨ | ୨୨୨=୦୦ | | | ୨୨୨=୦୦ | ୩୬ = " " |
| ୨୬ | ୬୩ | ୨୦୭=୦୦ | | | ୨୦୭=୦୦ | ୧୧ = " " |
| ୨୭ | ୬୪ | ୧୯୨=୦୦ | ୫=୦୦ | – | ୧୯୭=୦୦ | |
| ୨୮ | ୬୫ | ୧୩୮=୦୦ | | | ୧୩୮=୦୦ | |
| | | ୩୦୬୭=୦୦ | ୫୧୯=୦୦ | ୫୪୫=୦୦ | ୪୫୩୧=୦୦ | |

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ౨౯ | ౬౬ | ౧౨౪=౦౦ | — | — | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౩౦ | ౬౭ | ౪౪=౦౦ | ౫=౦౦ | | ౪౯=౦౦ | [illegible] |
| ౩౧ | ౭౩ | ౬౬=౦౦ | — | — | ౬౬=౦౦ | |
| ౩౨ | ౭౪ | ౧౩౪=౦౦ | — | — | ౧౩౪=౦౦ | [illegible] |
| ౩౩ | ౭౫ | ౧౧౦=౦౦ | — | | ౧౧౦=౦౦ | |
| ౩౪ | ౭౬ | ౧౩౮=౦౦ | — | | ౧౩౮=౦౦ | |
| ౩౫ | ౭౯ | ౩౦౭=౦౦ | — | — | ౩౦౭=౦౦ | |
| ౩౬ | ౮౧ | ౧౧౮=౦౦ | — | | ౧౧౮=౦౦ | |
| ౩౭ | ౮౨ | ౯౯=౦౦ | ౧౦=౦౦ | | ౧౦౯=౦౦ | |
| ౩౮ | ౮౩ | ౧౧౦=౦౦ | — | | ౧౧౦=౦౦ | |
| ౩౯ | ౮౪ | ౯౩=౦౦ | ౨=౦౦ | | ౯౫=౦౦ | |
| ౪౦ | ౮౫ | ౯౯=౦౦ | ౧౪=౦౦ | | ౧౧౩=౦౦ | |
| ౪౧ | ౮౬ | ౨౭౮=౦౦ | — | | ౨౭౮=౦౦ | |
| ౪౨ | ౮౭ | ౧౧౦=౦౦ | — | | ౧౧౦=౦౦ | |
| ౪౩ | ౮౯ | ౧౦౨=౦౦ | ౩=౦౦ | | ౧౦౫=౦౦ | |
| ౪౪ | ౯౦ | ౬౬=౦౦ | ౧౯=౦౦ | — | ౮౫=౦౦ | |
| ౪౫ | ౯౫ | ౧౦౪=౦౦ | ౪=౦౦ | | ౧౦౮=౦౦ | |
| ౪౬ | ౯౭ | ౧౮౧=౦౦ | ౫=౦౦ | | ౧౮౬=౦౦ | |
| ౪౭ | ౧౦౨ | ౧౫౨=౦౦ | — | | ౧౫౨=౦౦ | |
| ౪౮ | ౧౦౮ | — | ౧౦=౦౦ | | ౧౦=౦౦ | |
| ౪౯ | ౧౦౯ | — | ౨౦ | | ౨౦=౦౦ | |
| ౫౦ | ౧౧౦ | ౩౩=౦౦ | — | — | ౩౩=౦౦ | |
| ౫౧ | ౧౧౨ | ౨౦౪=౦౦ | — | | ౨౦౪=౦౦ | |
| ౫౨ | ౧౧౩ | ౨౨౨=౦౦ | — | — | ౨౨౨=౦౦ | |
| ౫౩ | ౧౧౪ | ౧౩౮=౦౦ | — | — | ౧౩౮=౦౦ | |
| ౫౪ | ౨౦౧ | ౨౧౪=౦౦ | — | — | ౨౧౪=౦౦ | |
| ౫౫ | ౧౧౮ | ౧౧౦=౦౦ | — | — | ౧౧౦=౦౦ | |
| ౫౬ | ౧౧౯ | ౧౧౦=౦౦ | — | — | ౧౧౦=౦౦ | |
| | | ౩౪౭౧=౦౦ | ౮౮=౦౦ | | ౩౫౫౯=౦౦ | |

| କ୍ର. ନଂ. | ଖତ ନଂ. | [illegible] ଟଙ୍କା | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ମନ୍ତବ୍ୟ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ୫୭ | ୧୨୦ | ୧୬୪=୦୦ | - | - | ୧୬୪=୦୦ | |
| ୫୮ | ୧୨୧ | ୪୪=୦୦ | ୩୫=୦୦ | - | ୭୯=୦୦ | |
| ୫୯ | ୧୨୪ | ୨୦୮=୦୦ | - | - | ୨୦୮=୦୦ | |
| ୬୦ | ୧୨୫ | ୨୭୬=୦୦ | - | - | ୨୭୬=୦୦ | |
| ୬୧ | ୧୩୦ | ୧୧୦=୦୦ | - | - | ୧୧୦=୦୦ | |
| ୬୨ | ୧୩୧ | ୬୬=୦୦ | - | - | ୬୬=୦୦ | |
| ୬୩ | ୧୩୨ | ୧୧୦=୦୦ | - | - | ୧୧୦=୦୦ | |
| ୬୪ | ୧୩୩ | ୧୨୪=୦୦ | - | - | ୧୨୪=୦୦ | |
| ୬୫ | ୧୩୪ | ୩୩=୦୦ | - | - | ୩୩=୦୦ | |
| ୬୬ | ୧୩୭ | ୧୫୦=୦୦ | - | - | ୧୫୦=୦୦ | |
| ୬୭ | ୧୩୮ | ୧୬୬=୦୦ | - | - | ୧୬୬=୦୦ | |
| ୬୮ | ୧୩୯ | ୯୯=୦୦ | ୫=୦୦ | - | ୧୦୪=୦୦ | |
| ୬୯ | ୧୪୦ | ୧୫୨=୦୦ | - | - | ୧୫୨=୦୦ | |
| ୭୦ | ୧୪୧ | - | ୨୫=୦୦ | - | ୨୫=୦୦ | |
| ୭୧ | ୧୪୭ | ୬୯=୦୦ | ୧୨୧=୦୦ | - | ୧୯୦=୦୦ | |
| ୭୨ | ୧୪୮ | ୧୦୨=୦୦ | ୧୦=୦୦ | - | ୧୧୨=୦୦ | |
| ୭୩ | ୧୪୯ | ୫୫=୦୦ | ୨୫=୦୦ | - | ୮୦=୦୦ | |
| ୭୪ | ୧୫୦ | ୩୦୧=୦୦ | ୨୦୦=୦୦ | | ୫୦୧=୦୦ | |
| ୭୫ | ୧୫୧ | ୬୬=୦୦ | - | - | ୬୬=୦୦ | |
| ୭୬ | ୧୫୪ | ୨୦୬=୦୦ | ୧୦=୦୦ | | ୨୧୬=୦୦ | |
| ୭୭ | ୧୫୭ | ୧୩୦=୦୦ | | | ୧୩୦=୦୦ | ଟି. ୧୫୬୧. [illegible] |
| ୭୮ | ୧୫୯ | ୩୬ | | | ୩୬=୦୦ | |
| ୭୯ | ୧୭୧ | ୪୭=୦୦ | ୫=୦୦ | | ୫୨=୦୦ | |
| ୮୦ | ୧୭୨ | ୧୦୮=୦୦ | - | - | ୧୦୮=୦୦ | |
| ୮୧ | ୧୭୩ | ୧୧୩=୦୦ | ୧୪=୦୦ | - | ୧୨୭=୦୦ | |
| ୮୨ | ୧୭୪ | ୧୨୪ | - | | ୧୨୪=୦୦ | |
| | | ୩୦୫୯=୦୦ | ୪୫୦=୦୦ | | ୩୫୦୯=୦୦ | |

| క్ర. సం. | సర్వే నం. | ప్రభుత్వ ధర | [illegible] ధర | [illegible] రూ.గ | మొత్తము రూ.గ |
|---|---|---|---|---|---|
| ౮౩ | ౧౭౫ | ౯౯=౦౦ | ౫=౦౦ | — | ౧౦౪=౦౦ |
| ౮౪ | ౧౭౬ | ౧౧౦=౦౦ | — | — | ౧౧౦=౦౦ |
| ౮౫ | ౧౭౭ | ౯౯=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | — | ౨౦౦=౦౦ |
| ౮౬ | ౧౭౮ | ౧౧౦=౦౦ | — | — | ౧౧౦=౦౦ |
| ౮౭ | ౧౮౧ | ౩౩=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | | ౧౩౪=౦౦ |
| ౮౮ | ౧౮౨ | ౫౫=౦౦ | ౭౫=౦౦ | — | ౧౩౦=౦౦ |
| ౮౯ | ౧౮౩ | ౧౧౩=౦౦ | — | — | ౧౧౩=౦౦ |
| ౯౦ | ౧౮౭ | ౯౯=౦౦ | — | — | ౯౯=౦౦ |
| ౯౧ | ౧౮౯ | ౧౬౪=౦౦ | | — | ౧౬౪=౦౦ |
| ౯౨ | ౧౯౦ | ౩౩=౦౦ | ౨౨౩=౦౦ | | ౨౫౬=౦౦ |
| ౯౩ | ౧౯[illegible] | ౧౨౭=౦౦ | | — | ౧౨౭=౦౦ |
| ౯౪ | ౧౯౫ | ౨౧౬=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | ౧౨౦=౦౦ | ౪౩౭=౦౦ |
| ౯౫ | ౨౦౧ | ౮౮=౦౦ | | — | ౮౮=౦౦ |
| ౯౬ | ౨౦౩ | ౧౧౦=౦౦ | — | — | ౧౧౦=౦౦ |
| ౯౭ | ౨౦౪ | ౧౨౭=౦౦ | ౧=౦౦ | — | ౧౨౮=౦౦ |
| ౯౮ | ౨౦౫ | ౧౧=౦౦ | | — | ౧౧=౦౦ |
| ౯౯ | ౨౦౬ | ౯౪=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | ౨౨౫=౦౦ | ౪౨౦=౦౦ |
| ౧౦౦ | ౨౦౭ | ౯౯=౦౦ | ౨౫౧=౦౦ | — | ౩౫౦=౦౦ |
| ౧౦౧ | ౨౦౮ | ౪౭=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | — | ౧౪౮=౦౦ |
| ౧౦౨ | ౨౧౧ | ౧౫౦=౦౦ | | — | ౧౫౦=౦౦ |
| ౧౦౩ | ౨౧౨ | ౧౫౦=౦౦ | | — | ౧౫౦=౦౦ |
| ౧౦౪ | ౨౧౩ | ౧౧౦=౦౦ | | — | ౧౧౦=౦౦ |
| ౧౦౫ | ౨౧౪ | ౧౨౪=౦౦ | | — | ౧౨౪=౦౦ |
| ౧౦౬ | ౨౧౫ | ౧౧౩=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | — | ౨౧౪=౦౦ |
| ౧౦౭ | ౨౧౬ | ౧౨౪=౦౦ | — | — | ౧౨౪=౦౦ |
| ౧౦౮ | ౨౧౭ | ౧౩౮=౦౦ | | — | ౧౩౮=౦౦ |
| ౧౦౯ | ౨౧౮ | ౧౧౦=౦౦ | — | — | ౧౧౦=౦౦ |
| ౧౧౦ | ౨౨౦ | ౯౧=౦౦ | — | ౫౪౨=౦౦ | ౬౩౩=౦౦ |
| | | ౨౬౪౪=౦౦ | ౧౧౬౧=౦౦ | ౮౮౭=౦౦ | ౪౬౯౨=౦౦ |

| క్ర. సం | సర్వే నం | [illegible] రూ.పై | [illegible] రూ.పై | [illegible] రూ.పై | మొత్తము రూ | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ౧౧౧ | ౨౧౯ | ౧౧౦=౦౦ | – | – | ౧౧౦=౦౦ | ౩౩=౦౦ [illegible] |
| ౧౧౨ | ౨౨౧ | ౧౬౬=౦౦ | – | – | ౧౬౬=౦౦ | |
| ౧౧౩ | ౨౨౨ | ౧౨౪=౦౦ | – | – | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౧౧౪ | ౨౨౩ | ౧౨౪=౦౦ | | – | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౧౧౫ | ౨౨౪ | ౧౩౮=౦౦ | | | ౧౩౮=౦౦ | |
| ౧౧౬ | ౨౨౫ | ౧౨౬=౦౦ | ౫=౦౦ | – | ౧౩౧=౦౦ | |
| ౧౧౭ | ౨౨౬ | ౧౪౧=౦౦ | ౫=౦౦ | | ౧౪౬=౦౦ | |
| ౧౧౮ | ౨౨౭ | ౧౮౦=౦౦ | – | – | ౧౮౦=౦౦ | |
| ౧౧౯ | ౨౨౮ | ౧౫౦=౦౦ | – | – | ౧౫౦=౦౦ | |
| ౧౨౦ | ౨౨౯ | ౧౨౪=౦౦ | – | – | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౧౨౧ | ౨౩౧ | ౧౨౪=౦౦ | | – | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౧౨౨ | ౨౩౨ | ౭౭=౦౦ | | – | ౭౭=౦౦ | |
| ౧౨౩ | ౨౩౩ | ౨౨౦=౦౦ | – | – | ౨౨౦=౦౦ | |
| ౧౨౪ | ౨౩౪ | ౨౩౨=౦౦ | | – | ౨౩౨=౦౦ | |
| ౧౨౫ | ౨౩౫ | ౧౨౪=౦౦ | – | – | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౧౨౬ | ౨౩౬ | ౧౩౮=౦౦ | | – | ౧౩౮=౦౦ | |
| ౧౨౭ | ౨౩౭ | ౧౯౩=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | – | ౨౯౪=౦౦ | |
| ౧౨౮ | ౨౩౮ | ౧౧౦=౦౦ | | – | ౧౧౦=౦౦ | |
| ౧౨౯ | ౨౪౩ | ౧౯౭=౦౦ | ౧౦౧=౦౦ | | ౨౯౮=౦౦ | ౧౫౨=౦౦ [illegible] [illegible] |
| ౧౩౦ | ౨౪౪ | | | | | |
| ౧౩౧ | ౨౪౫ | ౭౦౨=౦౦ | – | | ౭౦౨=౦౦ | — „ [illegible] |
| ౧౩౨ | ౨౪౬ | ౨౫౦=౦౦ | – | – | ౨౫౦=౦౦ | |
| ౧౩౩ | ౨౪౭ | ౧౫౨=౦౦ | | – | ౧౫౨=౦౦ | |
| ౧౩౪ | ౨౪౮ | ౧౨౪=౦౦ | | | ౧౨౪=౦౦ | |
| ౧౩౫ | ౨౪౯ | ౧౯౨=౦౦ | – | – | ౧౯౨=౦౦ | |
| ౧౩౬ | ౨౫౦ | ౧౯౬=౦౦ | ౨౦౨=౦౦ | | ౩౯౮=౦౦ | |
| | | ౪౪౧౫=౦౦ | ౪౧౪=౦౦ | | ౪౮౨౯=౦౦ | |

| ಕ್ರ. ಸಂ. | ಸರ್ವೆ ನಂ. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ಷರಾ. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ೧೩೭ | ೨೫೧ | ೧೬೭-೦೦ | ೨೫೧-೦೦ | | ೪೧೮-೦೦ | |
| ೧೩೮ | ೨೫೫ | ೩೩-೦೦ | | – | ೩೩-೦೦ | |
| ೧೩೯ | ೨೫೭ | ೧೩೮-೦೦ | – | | ೧೩೮-೦೦ | |
| ೧೪೦ | ೨೬೧ | ೧೨೪-೦೦ | | – | ೧೨೪-೦೦ | |
| ೧೪೧ | ೨೬೨ | ೯೯-೦೦ | ೧೦೧-೦೦ | | ೨೦೦-೦೦ | |
| ೧೪೨ | ೨೬೩ | ೧೬೭-೦೦ | ೧೦೧-೦೦ | | ೨೬೮-೦೦ | |
| ೧೪೩ | ೨೬೪ | ೧೫೨-೦೦ | – | | ೧೫೨-೦೦ | |
| ೧೪೪ | ೨೬೫ | ೨೦೬-೦೦ | | | ೨೦೬-೦೦ | |
| ೧೪೫ | ೨೬೬ | ೧೨೪-೦೦ | | | ೧೨೪-೦೦ | |
| ೧೪೬ | ೨೬೭ | ೧೩೮-೦೦ | | | ೧೩೮-೦೦ | |
| ೧೪೭ | ೨೬೮ | ೧೫೨-೦೦ | | | ೧೫೨-೦೦ | |
| ೧೪೮ | ೨೬೯ | ೪೪-೦೦ | [illegible] | | ೨೮೬-೦೦ | |
| ೧೪೯ | ೨೭೩ | ೨೫-೦೦ | | | ೨೫-೦೦ | |
| ೧೫೦ | ೨೭೪ | ೨೦೮-೦೦ | | – | ೨೦೮-೦೦ | |
| ೧೫೧ | ೨೭೫ | ೧೬೭-೦೦ | – | – | ೧೯೭-೦೦ | |
| ೧೫೨ | ೨೮೪ | ೧೧೦-೦೦ | – | | ೧೧೦-೦೦ | |
| ೧೫೩ | ೨೮೫ | ೮೮-೦೦ | | – | ೮೮-೦೦ | |
| ೧೫೪ | ೨೮೬ | ೧೨೪-೦೦ | | | ೧೨೪-೦೦ | [illegible] |
| ೧೫೫ | ೨೮೭ | ೧೧೩-೦೦ | ೨೩-೦೦ | | ೧೩೬-೦೦ | |
| ೧೫೬ | ೨೮೮ | ೧೩೮-೦೦ | | – | ೧೩೮-೦೦ | |
| ೧೫೭ | ೨೮೯ | ೧೧-೦೦ | [illegible] | | ೧೧-೦೦ | |
| ೧೫೮ | ೨೯೦ | ೧೦೫-೦೦ | [illegible] | | [illegible] | |
| ೧೫೯ | ೨೯೧ | ೬೧-೦೦ | | – | ೬೧-೦೦ | ೧೧-೦೦ [illegible] |
| ೧೬೦ | ೨೯೫ | ೯೯-೦೦ | | – | ೯೯ | |
| ೧೬೧ | ೨೯೫ | ೬೭ | ೬-೦೦ | – | ೭೩-೦೦ | |
| ೧೬೨ | ೨೯೭ | ೧೫೫-೦೦ | | – | ೧೫೫-೦೦ | |
| ೧೬೩ | ೨೯೯ | ೧೧೦-೦೦ | | – | ೧೧೦-೦೦ | |
| ೧೬೪ | ೩೦೦ | ೧೫೫-೦೦ | ೧೦-೦೦ | | ೧೫೫-೦೦ | |
| | ೬ | ೩೩೭೪-೦೦ | ೧೨೨[illegible]-೦೦ | | ೪೧೬೧-೦೦ | [illegible] ನಂ. ೧೬೪ |
| | ೫ | ೪೪೧೫-೦೦ | ೪೧೪-೦೦ | | ೪೮೨[illegible]-೦೦ | [illegible] ನಂ. ೫೧ |
| | ೪ | [illegible]-೦೦ | ೧೧೬೧-೦೦ | ೮೮೭-೦೦ | ೪೪೯[illegible]-೦೦ | [illegible] ನಂ. ೮೫ |
| | ೩ | ೩೦೫೯-೦೦ | ೪೫೦-೦೦ | – | ೩೫೦೯-೦೦ | [illegible] ೩೦೦ |
| | ೨ | ೩೪೭೧-೦೦ | ೮೮ | – | ೩೫೫೯-೦೦ | |
| | ೧ | ೩೦೬೭-೦೦ | ೫೫೩ | ೫೪೫-೦೦ | ೪೧೩೧-೦೦ | |
| | | ೨೦,೨೬೦-೦೦ | ೩೮೫೯-೦೦ | ೧೪೩೨-೦೦ | ೨೫,೫೮೧-೦೦ | |

# Explanations to the Statement of Accounts

(1) Account has been given on broad heads rounding off to the nearest hundreds. In case actual payments actual amount is given.

(2) Items marked with (I) in the statement of accounts shows that expenditure has been already incurred but payment has not been done so far.

(3) There is a balance in the Bank to the extent of Rs. 1518/52 duly taking into account the up to date receipts as on 20.3.80.

(4) Since we have given accounts in broad heads differential heads will be shown in the final accounts.

(5) Apart from the items shown with (I) in the Statement of Accounts we have to give around Rs. 1100/- to Shri Sheshachal Sadguru Press Anandvan which has not been taken into account.

(6) Naturally there will be a question how to overcome the deficit. This point has to be discussed in the meeting. The items marked with (I) and balance in the Bank comes to Rs. 4068/52. Still there will be shortfall in respect of expenditures which has been incurred. Since several members have incurred expenditure and part payment has to be made to them what will be the course open to the us.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

## Explanations to the Statement of Accounts

(1) Account has been given on broad heads rounding off to the nearest hundreds. In case actual payments actual amount is given.

(2) Items marked with (X) in the statement of accounts shows that expenditure has been already incurred but payment has not been done so far.

(3) There is a balance in the Bank to the extent of Rs. 1518/52 duly taking into account the up to date receipts as on 20.3.80.

(4) Since we have given accounts in broad heads differential heads will be shown in the final accounts.

(5) Apart from the items shown with (X) in the Statement of Accounts we have to give around Rs. 1100/- to Shri Sheshachal Sadguru Press Anandvan which has not been taken into account.

(6) Naturally there will be a question how to overcome the deficit. This point has to be discussed in the meeting. The items marked with (X) and balance in the Bank comes to Rs. 4068/52. Still there will be shortfall in respect of expenditures which has been incurred. Since several members have incurred expenditure and part payment has to be made to them what will be the course open to the us.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

## Explanations to the Statement of Accounts

(1) Account has been given on broad heads rounding off to the nearest hundreds. In case actual payments actual amount is given.

(2) Items marked with (X) in the statement of accounts shows that expenditure has been already incurred but payment has not been done so far.

(3) There is a balance in the Bank to the extent of Rs. 1518/52 duly taking into account the up to date receipts as on 20.3.80.

(4) Since we have given accounts in broad heads differential heads will be shown in the final accounts.

(5) Apart from the items shown with (X) in the Statement of Accounts we have to give around Rs. 1100/- to Shri Sheshachal Sadguru Press Anandvan which has not been taken into account.

(6) Naturally there will be a question how to overcome the deficit. This point has to be discussed in the meeting. The items marked with (X) and balance in the Bank comes to Rs. 4068/52. Still there will be shortfall in respect of expenditures which has been incurred. Since several members have incurred expenditure and part payment has to be made to them what will be the course open to the us.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

## Provisional Statement of Accounts in respect of Shukla Yajurveda Samelan 1978

| Income | Amount |
|---|---|
| Cash Collections | 15,081.00 |
| Cheques | 5,853.00 |
| Excess of Expenditure Over Income | 5,128.75 |
| Rs. | 26,062.75 |

| Expenditure | Amount |
|---|---|
| Grocery | 5,400.00 |
| Pendal | 4,000.00 |
| Boards | 800.00 |
| Lighting | 450.00 |
| Processing | 200.00 |
| Fuel | 2,000.00 |
| Yajna Sambhavana | 1,330.00 |
| " Exp. | 460.00 |
| Souvenir | 6,040.00 |
| Blocks | 565.00 |
| Light Bill | 86.00 |
| Crackers | 100.00 |
| Bulbs | 55.50 |
| Bangalore Exp. | 25 0.00 |
| Taxi Press people from Hubli to Anandvan and back | 215.00 |
| Taxi Hangal (I) | 200.00 |
| N.C.D. Exp. (I) | 1203.00 |
| Nadgir Exp. for procession etc. (I) | 400.00 |
| Photo (I) | 600.00 |
| Cups Saucers milk Press Conference etc. | 881.25 |
| Coffee powder Banana leaves | 680.00 |
| Kudari Cloth Shop Bill (I) | 147.00 |
| Rs. | 26,062.75 |

Please see the enclosed list.

## Provisional Statement of Accounts in respect of Shukla Yajurveda Samelan 1978

| Income | Amount |
|---|---|
| Cash Collections | 15,081.00 |
| Cheques | 5,853.00 |
| Excess of Expenditure Over Income | 5,128.75 |
| **Rs.** | **26,062.75** |

| Expenditure | Amount |
|---|---|
| Grocery | 5,400.00 |
| Pendal | 4,000.00 |
| Boards | 800.00 |
| Lighting | 450.00 |
| Processing | 200.00 |
| Fuel | 2,000.00 |
| Yajna Sambhavana | 1,330.00 |
| " Exp. | 460.00 |
| Souvenir | 6,040.00 |
| Blocks | 565.00 |
| Light Bill | 86.00 |
| Crackers | 100.00 |
| Bulbs | 55.50 |
| Bangalore Exp. | 25 0.00 |
| Taxi Press people from Hubli to Anandvan and back | 215.00 |
| Taxi Hangal (I) | 200.00 |
| H.C.D. Exp. (I) | 1205.00 |
| Nadgir Exp. for procession etc.(I) | 400.00 |
| Photo (I) | 600.00 |
| Cups Saucers milk Press Conference etc. | 801.25 |
| Coffee powder Banana leaves | 680.00 |
| Kudari Cloth Shop Bill (I) | 147.00 |
| **Rs.** | **26,062.75** |

Please see the enclosed list.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

## Provisional Statement of Accounts in respect of Shukla Yajurveda Samelan 1978

| Income | Amount |
|---|---|
| Cash Collections | 15,081.00 |
| Cheques | 5,853.00 |
| Excess of Expenditure Over Income | 5,128.75 |
| Rs. | 26,062.75 |

| Expenditure | Amount |
|---|---|
| Grocery | 5,400.00 |
| Pandal | 4,000.00 |
| Boards | 800.00 |
| Lighting | 450.00 |
| Processing | 200.00 |
| Fuel | 2,000.00 |
| Yajna Sambhavana | 1,330.00 |
| " Exp. | 460.00 |
| Souvenir | 6,040.00 |
| Blocks | 565.00 |
| Light Bill | 86.00 |
| Crackers | 100.00 |
| Bulbs | 55.50 |
| Bangalore Exp. | 25 0.00 |
| Taxi Press people from Hubli to Anandvan and back | 215.00 |
| Taxi Hangal (X) | 200.00 |
| N.G.D. Exp. (X) | 1205.00 |
| Madgir Exp. for procession etc.(X) | 400.00 |
| Photo (X) | 600.00 |
| Cups Saucers milk Press Conference etc. | 881.25 |
| Coffee powder Banana leaves | 680.00 |
| Khadari Cloth Shop Bill (X) | 147.00 |
| Rs. | 26,062.75 |

Please see the enclosed list.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

**Provisional Statement of Accounts in respect of**
**Shukla Yajurveda Samelan 1978**

| Income | Amount | Expenditure | Amount |
|---|---|---|---|
| Cash Collections | 15,081.00 | Grocery | 5,400.00 |
| Cheques | 5,853.00 | Pendal | 4,000.00 |
| | | Boards | 800.00 |
| Excess of Expenditure | | Lighting | 450.00 |
| Over Income | 5,128.75 | Processing | 200.00 |
| | | Fuel | 2,000.00 |
| | | Yajna Sambhavana | 1,330.00 |
| | | " Exp. | 460.00 |
| | | Souvenir | 6,040.00 |
| | | Blocks | 565.00 |
| | | Light Bill | 86.00 |
| | | Crackers | 100.00 |
| | | Bulbs | 55.50 |
| | | Bangalore Exp. | 25 0.00 |
| | | Taxi Press people from Hubli to Anandvan and back | 215.00 |
| | | Taxi Hangal (I) | 200.00 |
| | | K.C.B. Exp. (I) | 1205.00 |
| | | Nadgir Exp. for procession etc.(I) | 400.00 |
| | | Photo (I) | 600.00 |
| | | Cups Saucers milk Press Conference etc. | 881.25 |
| | | Coffee powder Banana leaves | 600.00 |
| | | Kudari Cloth Shop Bill (I) | 147.00 |
| Rs. | 26,062.75 | Rs. | 26,062.75 |

Please see the enclosed list.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

श्री. चिदंबर महास्वामी जन्मोत्सव

ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜನ್ಮೋತ್ಸವ - ೧೯೭೨

1972

## ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜನ್ಮೋತ್ಸವ - ೧೯೭೨

ಭಕ್ತರಲ್ಲಿ ವಿಜ್ಞಾಪನೆ,

[illegible]

ಡೊಂಬಿವಿಲಿ
೧-೧೦-೭೨

ತಮ್ಮ,
ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಭಕ್ತ ಮಂಡಳಿ
ಮುಂಬಯಿ

### -: ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ :-

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ಕಾಕಡಾರತಿ | ಬೆಳಗ್ಗೆ | ಗಂಟೆ | 5-00 | ರಿಂದ | 5-30 | ರವರೆಗೆ |
| ಪೂಜಾ ಮತ್ತು ಅಭಿಷೇಕ | ,, | ,, | 6-30 | ,, | 7-30 | |
| ಮಹಾ ಪೂಜಾ | ,, | ,, | 7-30 | ,, | 9-00 | ,, |
| ಭಜನೆ | ,, | ,, | 9-00 | ,, | 10-00 | ,, |
| ತೊಟ್ಟಿಲು [illegible] ಭಜನೆ | [illegible] | | 10-00 | ,, | 12-00 | ,, |
| ಮಹಾ ನೈವೇದ್ಯ | ,, | ,, | 12-00 | ,, | 12-30 | ,, |
| ಮಹಾ ಪ್ರಸಾದ | ,, | ,, | 12-30 | ,, | 4-30 | ,, |
| ಪ್ರವಚನ | ಸಾಯಂಕಾಲ | ,, | 5-30 | ,, | 6-30 | ,, |
| ಭಜನೆ | ,, | ,, | 6-30 | ,, | 7-30 | ,, |
| ಮಂಗಳಾರತಿ | ರಾತ್ರಿ | ,, | 7-30 | ,, | 8-00 | ,, |

— ಮಂಗಳಂ —

|| श्री चिदंबर प्रसन्न ||

# श्री. चिदंबर महास्वामींचा जन्मोत्सव

सर्व भक्तांना विनंती

श्री. चिदंबर महास्वामींचा जन्मोत्सव रविवार दि. २६ नोव्हेंबर, १९७२ रोजी डोंबिवली येथील 'ब्राह्मण सभा' या ठिकाणी साजरा करण्याचे ठरविले आहे.

स्वामींच्या सर्व भक्तजनांनी या जन्मोत्सवास उपस्थित राहून तीर्थ प्रसाद घ्यावा आणि स्वामींचा कृपाप्रसादही मिळवावा. अशी नम्र विनंती आहे.

आपले,
श्री. चिदंबर भक्तमंडळ, मुंबई.

## : कार्यक्रम :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (१) | काकड आरती | सकाळी | ५ ते ५-३० |
| (२) | पूजा [illegible] अभिषेक | सकाळी | ६-३० ते ७-३० |
| (३) | महापूजा | सकाळी | ७-३० ते ९ |
| (४) | भजन | सकाळी | ९ ते १० |
| (५) | जन्मोत्सव साजरा | सकाळी | १० ते १२ |
| (६) | महानैवेद्य | दुपारी | १२ ते १२-३० |
| (७) | महाप्रसाद | दुपारी | १२-३० ते ४-३० |
| (८) | प्रवचन | संध्याकाळी | ५-३० ते ६-३० |
| (९) | भजन | संध्याकाळी | ६-३० ते ७-३० |
| (१०) | मंगल आरती | रात्री | ७-३० ते ८ |

**. . . the end of an era.**

Chidambar Temple which went under water.
by the creation of Malaprabha – project.

श्री. चिदंबर महास्वामी जन्मोत्सव

ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜನ್ಮೋತ್ಸವ - ೧೯೭೨

1972

ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜನ್ಮೋತ್ಸವ - ೧೯೭೨

ಸದ್ಭಕ್ತ [illegible]

ಬರುವ [illegible] ದಿನಾಂಕ ೨೬-೧೧-೧೯೭೨ ನೇ ರವಿವಾರ ವಾಡಿಕೆಯಂತೆ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜನ್ಮೋತ್ಸವವನ್ನು ಆಚರಿಸಲು [illegible] [illegible] [illegible] ನಿಶ್ಚಯಿಸಿದೆ. ಉತ್ಸವವು ಡೊಂಬಿವಿಲಿಯ "ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಸಭಾ"ದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿದೆ. ಭಕ್ತರೆಲ್ಲರೂ [illegible] ಬಂದು ತೀರ್ಥ ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿ, ಸ್ವಾಮಿಯ ಕೃಪಾಪೋಷಿತರಾಗಬೇಕೆಂದು ಬೇಡುವ.

ಡೊಂಬಿವಿಲಿ
೧-೧೧-೭೨

ತಮ್ಮ,
**ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಭಕ್ತ ಮಂಡಳಿ**
ಮುಂಬಯಿ.

**-: ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ :-**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ಕಾಕಡಾರತಿ | ಬೆಳಗ್ಗೆ | ಗಂಟೆ | 5-00 | ರಿಂದ | 5-30 | ರವರೆಗೆ |
| ಪೂಜಾ ಮತ್ತು ಅಭಿಷೇಕ | ,, | ,, | 6-30 | ,, | 7-30 | |
| ಮಹಾ ಪೂಜಾ | ,, | ,, | 7-30 | ,, | 9-00 | ,, |
| ಭಜನೆ | ,, | ,, | 9-00 | ,, | 10-00 | ,, |
| ತೊಟ್ಟಿಲಲ್ಲಿ ಹಾಕುವುದು. ಕೀರ್ತನೆ | ಮಧ್ಯಾಹ್ನ | ,, | 10-00 | ,, | 12-00 | ,, |
| ಮಹಾ ನೈವೇದ್ಯ | ,, | ,, | 12-00 | ,, | 12-30 | ,, |
| ಮಹಾ ಪ್ರಸಾದ | ,, | ,, | 12-30 | ,, | 4-30 | ,, |
| ಪ್ರವಚನ | ಸಾಯಂಕಾಲ | | 5-30 | ,, | 6-30 | ,, |
| ಭಜನೆ | ,, | ,, | 6-30 | ,, | 7-30 | ,, |
| ಮಂಗಳಾರತಿ | ರಾತ್ರಿ | ,, | 7-30 | ,, | 8-00 | ,, |

– ಮಂಗಳಂ –

|| श्री चिदंबर प्रसन्न ||

# श्री. चिदंबर महास्वामी जन्मोत्सव

**सर्व भक्तांना विनंती**

श्री. चिदंबर महास्वामी यांचा जन्मोत्सव रविवार दि. २६ नोव्हेंबर. १९७२ रोजी डोंबिवली येथील 'ब्राह्मण सभा' या ठिकाणी साजरा करण्याचे ठरविले आहे.

स्वामींच्या सर्व भक्तजनांनी या जन्मोत्सवास उपस्थित राहून तीर्थ प्रसाद घ्यावा आणि स्वामींचा कृपाप्रसादही मिळवावा. अशी नम्र विनंती आहे.

आपले,
**श्री. चिदंबर भक्तमंडळ, मुंबई.**

## : कार्यक्रम :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (१) | काकड आरती | सकाळी | ५ ते ५-३० |
| (२) | पूजा, [illegible] अभिशेक | सकाळी | ६-३० ते ७-३० |
| (३) | महापूजा | सकाळी | ७-३० ते ९ |
| (४) | भजन | सकाळी | ९ ते १० |
| (५) | जन्मोत्सव साजरा | सकाळी | १० ते १२ |
| (६) | महानैवेद्य | दुपारी | १२ ते १२-३० |
| (७) | महाप्रसाद | दुपारी | १२-३० ते ४-३० |
| (८) | प्रवचनें | संध्याकाळी | ५-३० ते ६-३० |
| (९) | भजन | संध्याकाळी | ६-३० ते ७-३० |
| (१०) | मंगल आरती | रात्रौ | ७-३० ते ८ |

**. . . the end of an era.**

Chidambar Temple which want under water.
by the creation of Malaprabha – project.

॥ श्री चिदंबरो विजयते ॥

# Shri Chidambara Seva Mandala

**(Bombay - Dombivli)**

Registered under Societies Registration Act XXI of 1860-No. MAH/330 (Thane)
and Registered under Public Trust Act of 1950-No. F-250 (Thane)
VARTAKA WADA, GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI (EAST), DIST. THANE.
City Office : D4/22, P. A. Colony, Kurla, BOMBAY-400 070.

Date ____________

ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸೇವಾ ಸಮಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ
ಇವರಿಗೆ ವಂದನೆಗಳು

ನಮಸ್ತೆ.

ನಮ್ಮ ಮಂಡಳದ ಮುಂಬೈ ಮಹಾನಗರದಲ್ಲಿ [illegible]

[illegible]

ಧನ್ಯವಾದಗಳು.

[illegible]

ವಂದನೆಗಳು.

Shri
N. C. [illegible] D. Art (Ptg)
D4/22 Premier Colony
Kurla Bombay
400070 Bombay

पिन PIN

# Shri Chidambara Seva Mandala

(BOMBAY) DOMBIVLI (Regd.)

VARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST : THANE.


Date : 15-2-1983

Dear Devotees,

As you are well aware that right from the inception of the Mandala, constant efforts ware made by the Managing Comittee to secure the land to fulfill the object of the Mandala. Many proposals ware sent from different people, and 10-15 different pieces of land were seen by the Managing Committee along with the members. But for one or the other reason, we could not make any development in securing the land. Legal complications in regard to the ownership of the land, distance of the land, and high cost are the main obstacles faced by the Mandal Inflation in prices of land and other commodities on one side and reduction in receipts and increase in expenditure on the other side made it difficult to purchase land.

In order to mobilise the funds from time to time, cultural programmes like Geeta Ramayana, Santvani, Shahnai by Bhismilla Khan ware arranged and also charity films were shown. Programme brouchers were brought on different occasion by publishing various advertisments which were helped to collect small amount of funds. Mandala is thankful to all members and devotees who had contributed directly or indirectly in raising the funds, and making programme successful.

Now we are pleased to announce that with the blessings of Mahaswamy, and your good wishes, Mandala has decided to purchase a small piece of land approx 560 sq. yd. at the cost of Rs. 70,000/–, situated near the New Bridge at Kopergaon (Dombivali West) and a few minutes walk from Shri. Raghvendra Swami Mutth. An advance of Rs. 21,000/- (Rupees Twenty one Thousand only) has already been paid to owner of the land against the 'Sathekarar'. Balance amount of Rs. 50,000/– is to be paid within short time to complete the sale deed and to get the title of the land.

It is needless to mention here that any job that Mandala takes in hand, will not be possible to complete without the help of every one of you. Managing committee earnestly requests all devotees of Shri. Chidambar Mahaswamyji to ensure your membership with Mandala and contribute generously towards the building fund and co-operate to build this prestigious organisation strong, healthy, rich and prosperous

Further development will be communicated from time to time.

Thanking you,

( S. H. Kulkarni )
Gen. Secretary

( N. C. Desai )
President

# Shri Chidambara Seva Mandala

( BOMBAY ) DOMBIVLI ( Regd. )

VARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST : THANE.

Date : ______________

To,

All members and devotees.

## NOTICE

An extra ordinary General Meeting is hereby called on Sunday the 13th March 1983 at 5 p. m. at Manjunth Vidyalaya, Appi Bhavan near Tilak Talkies, Dombivli to transact the following business :-

1 To announce the development made by the Mandala in regards to the purchase of Land and payments made thereoff.

2 To find out the ways and means to raise the funds to meet the immediate payment of Rs 50,000/- in connection with land acquired by the Mandala.

3 To transact any other business with the permission of the Chair.

( S. H. KULKARNI )

Date : 18-2-1983

Gen. Secretary

**NOTE :—** Managing Committee meeting held at the Registered office of the Mandala on 13-2-83 has approved the action taken for acquiring land approx. 560 sq. yrds. near New Railway Bridge, Kopar Village, Dombivli, a few minutes walk from Shri. Raghvendra Swami Muth under the advice of Shri. S. G. Gadkari, Advocate Dombivli. Mandala has executed Agreement to sale on Advance payment of Rs. 21,000/-to joint owners of the land.

All members and devotees are earnestly requested to attend the meeting at time, date and place mentioned above.

# Shri Chidambara Seva Mandala

( BOMBAY ) DOMBIVLI ( Regd. )

VARTAK WADA, GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST : THANE.

S.H. KULKARNI,
Gen. Secretary.

Date : 17th October, 1983.

Dear Shri B. A. Sagar

It is on 7th February, 1983 you along with your co-partners Mr. B.P. Singh and Smt V.P. Mudgal agreed to sale your land bearing S.No.29, Hisa No. D Part Mouze Kopar to Shri Chidambara Seva Mandala, (Bombay), Dombivli. Accordingly sale of agreement was executed. In accordance with sale of agreement 1st instalment of Rs.21,000/- (Rupees twenty-one thousand only) paid to you by the Mandala by cheque, and accepted by you.

On the day of agreement signed you were informed by our Advocate to fulfill certain legal requirements in connection with title of your land, Rectification in the name of Shri Singh etc. You were also asked to furnish Income-Tax clearance certificate from Income-Tax Officer before the 2nd instalment was to be paid to you and you were agreed to do so. Our advocate agreed to help you in this connection and various dates were given by him to meet him at Kalyan Court. But you and your co-partner Mr. B.P. Singh failed to meet him on given dates with the result the legal requirements remains unsolved.

When we asked you to collect the cheque for Rs.21,000/- (Rupees Twenty-one thousand only) towards the payment of 2nd instalment on due dates surprinsingly you came with your demand that the Income-Tax on the Net Profit derived by you on sale of the said land should be paid by the Mandala. It was informed you that your demand is not part of the agreement and not binding on the Mandala. You were invited to attend the Managing Committee meetings held on 5th June 1983, 12th June, 1983 for discussion. But you failed to attend the said meetings causing inconvenience to members of the Managing Committee. However you attended the Managing Committee Meeting held on 21-8-1983 only to place before the meeting your another demand that Income-Tax on profit derived by Smt. V.P. Mudgal on sale of the said land also should be paid by the Mandala.

It seems that you are more interested in money than solving legal issues. You are knowingly avoiding to accept the payment and postponing the finalisation of the sale deed with one or the other reason. Please note that Mandala shall not be held responsible if the finalisation of the deed is delayed due to non cooperation by you for fulfilment of legal requirement by you and your copartners.

In the said meeting you were once again requested to meet our advocate and clear the legal complications and also requested to attend the Managing Committee meeting on 11-9-1983 for further discussion. In this connection 3 alternative dates were given by our advocate which were communicated vide our letter dated 30-8-1983. We regret to note your absence at Kalyan Court as well as at Meeting on 11-9-1983.

.. 2

Your act of avoiding nature to meet us and our advocate indicate your disinterest in finalising the deed. Further it has been brought to our notice that you with your copartners jointly negotiating with sale agency to sale the said land to other parties which is breach of agreement. Please note that if it is true, you are compelling the Mandala to take legal action against you in the Court of Law.

However Members of Managing Committee desires to settle the problems amicably. You are requested to meet us with prior intimation, and collect the payment of 2nd instalments.

Thanking you,

Yours sincerely,

(S.H. Kulkarni),

To

Shri/Smt.

cc To Mr. D. B. Singh
Shri V. D. Mudgal
Mr. S. G. Gadakari
Mr. N. C. Desai

CHIEF GUESTS

It is decided that we should request Hon'ble Shri R.Gundurao, the Chief Minister of Karnataka to inaugurate the silver jubilee celebration on 5th December evening and request Smt. Varalaxmi R. Gundurao to give away the prizes. It is resolved that we should approach Hon'ble Shri Jayantrao Tilak ex-Minister,Maharashtra State, to preside over the function.

Efforts are already being made to approach Chief Minister of Karnataka, to extend invitation through our friends in Bangalore.

PENDAL

In case we feel that the present accommodation will be inadequate, a separate pendal would be erected. However, we have already booked Brahmana Sabha, Dombivli, for 3 days.

These are the major points discussed in the meeting but any suggestions to make the silver jubilee celebrations more successful are always welcome.

The work allotment is also finalised as detailed below as usual, and expected all the allottees will wholeheartedly discharge their responsibilities and make the 'SILVER JUBILEE' a grand success.

BROCHURE

Since the committee expect more expenditure than usual, it is also decided to print the programme in the form of a "Brochure" containing advertisements to collect more funds.

---

---

Distribution of Work

CO-ORDINATION COMMITTEE MEMBERS :

1) Shri N.C. Desai : President
2) Shri S.R. Kulkarni : Vice-President
3) Shri A.R. Hukkeri : " "
4) Shri S.H. Kulkarni : Genl. Secretary
5) Shri H.H. Kulkarni : Joint Secretary

| Sl | TYPE OF WORKS | Responsibilites entrusted to - |
|---|---|---|
| 1 | Abhisheka - Invitation to brahmins and all other necessary arrangements. | Shri H.H. Kulkarni |
| 2 | Janmotsava Kirtana - | " B.G. Haridas<br>" A.R. Hukkeri<br>" Vasant Patil |

E I L
235294
S.H.Kulkarni

SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY)(REGD)
WARTAKA WADA - DOMBIVLI DIST: THANE

BNPatil

Celebration of 25th Janmotsava of
Swamini on 5th & 6th of Dec. 1982

Shri Chidambara Mahaswami's 236th Janmotsava which falls on 6th December 1982 will be celebrated all over the country, wherever his devotees live, in Bombay. This utsava will be a 'Silver Jubilee' celebration as his devotees started the Janmotsava 25 years ago in Bombay.

To make a grand success of the forthcoming Silver Jubilee celebration, a meeting of all the devotees and members of the managing committee who jointly held on 17th October 1982 to chalk out the programme and distribute the responsibilities to be carried out by each devotee, following decisions have been taken.

HIGHLIGHTS

As was announced earlier, the silver jubilee celebration will be spread over to two days on 5th & 6th December 1982, 6th being the main day of the function.

SATYACHIDAMBARA PUJA

It is planned to perform 101 satyachidambara puja on 5th December 1982. Any devotee can participate in the puja by donating Rs.101.00 towards the expenses and it will be on "first come first serve basis". The donation includes the puja and Annasantarpana expenses. One who desires to participate in the puja should register his name in the Regd. Office or with the Gen. Secretary by paying the donation of Rs.101.00 in advance.

PROCESSION

As part of the silver jubilee celebration, it is decided to organise a grand procession on the evening of 5th December, taking the photo of Mahaswami in a well decorated chariot (Rath) (in a word it will be "Rothotsava"). To make this occasion an attractive event, all the devotees are requested to take part alongwith their families in the procession. We are also extending invitations to other organisations and Bhajana Mandalas to participate in the procession. We will carry beautiful banners and display cards in the procession. The route will be announced later.

[illegible]ION

After the procession, there will be a grand function to release [illegible] and to felicitate the prize winners in the competitions. The Mandala has plans to organise them. A separate committee has been formed to organise these competitions, the subjects of competitions and details will be announced by the committee in due course.

| Sl No. | TYPE OF WORK | | Responsibilities entrusted to |
|---|---|---|---|
| 15) | Supply of wood, coal, Kerosine etc. required for cooking. | : | Shri H.H. Kulkarni<br>" B.N. Patil |
| 16) | Prepartion of Masala powder for cooking: and supply of Supari powder | : | B.G. Haridas |
| 17) | Supply of Milk, curd & Betal leaves | : | V.N. Patil |
| 18) | " Butter | : | " V.T. Mulgund |
| 19) | " Chuda (Pohe) | | " T.N. Joshi |
| 20) | Arrangement for supply of servants for cleaning hall, Utensiles etc. | : | " H.H. Kulkarni |
| 21) | Photography | : | " N.C. Desai |
| 22) | Arrangements for loud speakers etc. | : | " S.R. Kulkarni |
| 23) | Spot collection of donations, Membership fees and other misc. collections and collection. | : | " B.K. Kulkarni<br>Kukanur<br>H.A. Kulkarni<br>S.M. Kulkarni<br>Shamrao Kulkarni |
| 24) | To organise volunteers and volunteers to be supplied as and when required for all purposes (To start functioning at least eight-earlier to the start of the function) | | |
| 25) | Banana leaves | : | V.H. Joshi |

Date of draw on 28.11.1982 at 07.00 P.M. at Mandala office of Dampatis for Pooja. All are requested to give wide publicity amongst all devotees.

NOTE: (The Janmostava falls on 6.12.1982 but function is on 5.12.82 and 6.12.82 (both days). All concerned are requested to co-operate each other in discharging their responsibilities and it is expected that whole work will function smoothly.

2 Please approach Shri H.H. Kulkarni, and Committee members in case of difficulties and for guidance.

3 Please approach Shri V.T. Mulgund for advance payment for purchase etc.

4 Registration of 101 Shri Satya Chidambara Pooja be intimated immediately to the conveyor of Committee Shri V.H. Joshi c/o Vartakwada, (Dombivil) (Office). They requested to bring 2 Tamane, 1 Kalasha, 1 Pali, 1 Thali & 2 Niranjan.

Convene Committee of (each committee) should convene meeting [illegible] should submit report of their action on or before 10.11.1982 [illegible]tak wada office (Dombivli).

(S.H. KULKARNI)
General Secretary

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3) | Evening entertainment Programme | : | Shri [illegible]<br>Shri [illegible]<br>Shri S.[illegible] |
| 4) | Decoration of Utsava Mandap and Publicity Boards etc. | : | Shri H.G [illegible]<br>" M.[illegible]<br>" Ulhas [illegible]<br>" N.C. Desai |
| 4[illegible]) | Decoration of Cradle | : | " T.N. Joshi<br>" B.N. Patil<br>" Shrikant B. Patil |
| 5) | Selection of Dampats for Puja by lot system (Last day to be received application on 26.11.82 | : | " S.R. Kulkarni<br>H.H. Kulkarni<br>S.M. Kulkarni |
| 6) | Bhajanas, Songs for Mangalarti & Puja etc. | : | " B.G. Haridas<br>S.V. Kulkarni |
| 7) | Mahapuja | : | " V.H. Joshi<br>" B.G. Haridas<br>" Pandit Pandurang Joshi<br>" P.E. Dingre |
| 8) | Daxina-collection and distribution | : | " H.A. Kulkarni |
| 9) | Purchase of Flowers and preparation of packets etc. | : | " S.H. Kulkarni<br>" L.H. Kulkarni<br>" S.M. Kulkarni |
| 10) | Prasad (Sunthi sakkari) and preparation of pkts etc. | : | "<br>" B.N. Patil |
| 11) | Tirtha Pradad - Distribution etc. | : | " V.H. Joshi<br>" M.B. Joshi<br>" R.B. Joshi |
| 12) | Supply of Kirana & other necessary articles and Kothi, and disposal of remaining items. | : | " Prabhu Kulkarni<br>" N.D. Jawali<br>" B.N. Patil<br>" A.V. Jog. Sabnis |
| 1[illegible]) | Cooking in charge, supply of vegitables etc. | : | " Jahagirdar, Omkar,<br>N.V. Joshi<br>D.G. Joshi<br>Shindgikar<br>A.N. Desai<br>A.S. Kulkarni<br>S. Padki |
| 14) | Supply of cooking utensils and other essentials misc. general articles and returning them to the concerned parties. | : | Shri H.H. Kulkarni<br>C.B. Phadnis<br>S.H. Kulk[illegible]<br>M.S. [illegible] |

**Shri Chidambara Seva Mandala**

Vartak Wada,
Ganesh Mandir Road,
Dombivli (East).

# Shri Chidambara Seva Mandala

( Regd. ) BOMBA Y- DOMBIVLI

## CELEBRATION of SHRAVANI

Dear Devotee,

Mandala takes pleasure to invite all devotees and members to take part in SHRAVANI Programme to be held on 25-8-1980 at the residence of **Shri V. T. Mulgund**, MB 198/7, Bavan Chawl, Rly. Quarters, Thakurli, Dombivli (West). All are requested to participate.

DOMBIVLI
15-8-80

Yours,
For **Chidambara Seva Mandala**

चिदंबर चरणीं हो विश्राम । पावें दास राजाराम ।।
दास राजाराम । पावें दास राजाराम ।।

*To,*

N.C. Desai

Chidambara Seva Mandala

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY) DOMBIVLI

Registered under Societies Registration act XXI of 1860—No. MAH/330 (Thane)
and Registered under Public Trust of 1950-No. F-250 (Thane)
VARTAKA WADA GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST : THANE.
City Office : D 4/22, P. A. Colony Kurla, Bombay-400 070.



PRESIDENT
Shri N. C. DESAI

VICE-PRESIDENTS
Shri S. R. KULKARNI &
Shri A. R. HUKKERI

GEN. SECRETARY
S. C. MALALI

JT. SECRETARY
Shri S. S. AKKIVALLI

TREASURER
Shri V. T. MULGUND

MEMBERS
Shri H. H. KULKARNI
Shri B. N. PATIL
Shri B. G. HARIDAS
Shri S. M. KULKARNI
Shri N. B. PUJAR
Shri A. V. JOG
Shri A. N. DESAI
Shri S. H. KULKARNI
Shri S. M. DESHPANDE


27th May, 1982.

Dear Shri Nanasaheb,

I am sorry for not being able to attend the meeting on Sunday 23rd May, 1982 in view of unbearable strain of election and Giants Programme.

I have met Shri Mathar and Shri Shetye with Shri B.N. Patil yesterday to have cordial talks regarding proposal. The price remains Rs.19/18 lakhs. The final decision shall be taken in a meeting to be held on any Sunday at Dombivli.

You had proposal to bring Shri Adya and similar great persons for talks. Please find-out the time for meeting and intimate me 15 days in advance to fix the appointment.

Please expedite.

With warm regards,

Yours Sincerely,

(A.R. Hukkeri).

TO

Shri N.C. Desai,
President, S.C.S.M.,
KURLA.BOMBAY.

SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY), DOMBIVLI.
Wartakwada, Ganesh Mandir Road,
DOMBIVLI (East), Dt. Thane.

Date : 7th June, 1982.

TO ALL DEVOTEES, WELL-WISHERS & MEMBERS.

You are well aware that the Bhajana Mandala of our Organisation is conducting Bhajanas on various occasiona at various places and appreciated by the members and devotees for its sweet devotional Abhangas and songs based on classical Ragas and music.

We are pleased to inform you that the Mandala has been invited by Shrirang Awadhoot Parivar, Dombivli to conduct Bhajana programme on the occasion of Shrirang Awadhoot Maharaja's 12th Shri Gurupoornimotsava, on 1st July, 1982 between 5-00 P.M. to 7-15 P.M., at K.N. Kulkarni Mangala Karyalaya, Dombivli (East) and to participate in Dindi procession on 3-7-1982 which will start from Shri Ganapati Mandir, Dombivli at 3-00 P.M. It is our desire to organise the Bhajana Programme and Dindi on larger scale and make grand success.

We earnestly request all the members and devotees of Shri Chidambara Mahaswamy to participate in the programmes with family, friends and relatives.

Members who desire to take part in the Bhajana Programme by reciting Abhangas and devotional songs are requested to intimate their names well in advance to the Mandala.

Thanking you,

(S.H. Kulkarni),
Gen. Secretary,

---

BOOK-POST.

TO Sri, N.C. Desai
D 4/22 PA Colony
Kurla W
Bombay 70

FROM:
Shri Chidambara Seva Mandala,
Wartakwada, Ganesh Mandir Rd.,
DOMBIVLI (E), Dt. Thane.

## SHRI CHIDAMBAR SHEVA MANDALA (REGD.)

Wartakwada, Ganesh Mandir Road,
Dombivli East, Dist. Thane.

## TO ALL DEVOTEES, WELL-WISHERS & MEMBERS

You are well aware that the Mandala is celebrating the JANMOTSAVA since 1958 in the City of Bombay, we are pleased to announce that, this year's UTSAVA will be the 25th Celebration, Mandala has plans to make the coming Janmotsava a SILVER JUBILEE celebration and make it a grand success.

Besides celebrating Janmotsava, Mandala has also spreads its activities in the field of education and other social activities, it is known fact that Mandala has a desire to start a Vedic/Sanscrit Pathashal, as soon Mandala possesses its place, and efforts are being made to acquire a place as early as possible.

It is needless to say that any job the Mandala takes in hand it will not be possible to complete it without the help of every one of you.

To chalk out the plans, in what way to celebrate the SILVER JUBILEE UTSAVA - which falls on 6th December 1982, a special meeting of all of you is called on 23rd May, 1982 at 4 p.m. at the Manjunath High School, Dombivali. A preliminary plans which are already chalked out by the M.C. will put forward to the Special Meeting.

You are requested to please attend the meeting and offer you valuable service.

DOMBIVLI,
10th May 1982

Sincerely Yours
for SHRI CHIDAMBAR SHEVA MANDAL
( H H KULKARNI )

BOOK-POST

From:
Shri Chidambar Sheva Mandala
DOMBIVLI EAST

To

From : N.C. Desai
President
Shri Chidambara Seva Mandal

July 1, 1982

To:

General Secretary

Dear Shri Kulkarni,

I have contacted Shri Vardaraj Adya on phone and explained to him our proposal of purchasing the building which is suggested to us by some of our well-wishers for our Mandala.

Shri Adya was kind enough to hear me and enquired all the details and he suggested to meet him sometime in the next week and for the appointment I have to contact him at the end of this week.

I have promised him to get all the details of the building and the photographs. You are requested to get the plans of the building and other details ready to present Mr. Adya when we all meet him. Kindly circulate this information to all the Members of the Committee and well-wishers of the Mandala.

Thanking you,

Yours faithfully,

( N.C. Desai )
PRESIDENT

From : N.C. Desai
President
Shri Chidambara Seva Mandal

July 1, 1982

To:

General Secretary

Dear Shri Kulkarni,

I have contacted Shri Vardaraj Adya on phone and explained to him our proposal of purchasing the building which is suggested to us by some of our well-wishers for our Mandala.

Shri Adya was kind enough to hear me and enquired all the details and he suggested to meet him sometime in the next week and for the appointment I have to contact him at the end of this week.

I have promised him to get all the details of the building and the photographs. You are requested to get the plans of the building and other details ready to present Mr. Adya when we all meet him. Kindly circulate this information to all the Members of the Committee and well-wishers of the Mandala.

Thanking you,

Yours faithfully,

( N.C. Desai )
PRESIDENT

Shri N. C. Desai 12-3-82.

S/D. Santwani. 79.

Received the sum of Rs One Hundred and Eighty only. (Rs 180=00) Through cheque

(V. T. Mulgund)
TREASURER

12-1-82

Amount Received from

Sri, N C Bebu ... Secretary

1) S/O advt · K P. Hanumantappa · Rs 75-00
S/O ch-7488
2) Janmotsava 80 Dr. N C Bebu Rs 64-00
Book No 46 ch-7489

137-00

Amount of Rs one hundred and thirty-nine Received through Cheques

(Signature)

TREASURER

SHRI CHIDAMBAR SHEVA MANDALA (REGD.)

Wartakwada, Ganesh Mandir Road,
Dombivli East, Dist. Thane.

TO ALL DEVOTEES, WELL-WISHERS & MEMBERS

You are well aware that the Mandala is celebrating the JANMOTSAVA since 1958 in the City of Bombay, we are pleased to announce that, this year's UTSAVA will be the 25th Celebration. Mandala has plans to make the coming Janmotsava a SILVER JUBILEE celebration and make it a grand success.

Besides celebrating Janmotsava, Mandala has also spreads its activities in the field of education and other social activities, it is known fact that Mandala has a desire to start a Vedic/Sanscrit Pathashal, as soon Mandala possesses its place, and efforts are being made to acquire a place as early as possible.

It is needless to say that any job the Mandala takes in hand it will not be possible to complete it without the help of every one of you.

To chalk out the plans, in what way to celebrate the SILVER JUBILEE UTSAVA - which falls on 6th December 1982, a special meeting of all of you is called on 23rd May, 1982 at 4 p.m. at the Manjunath High School, Dombivali. A preliminary plans which are already chalked out by the M.C. will put forward to the Special Meeting.

You are requested to please attend the meeting and offer you valuable service.

DOMBIVLI,
10th May 1982

Sincerely Yours
for SHRI CHIDAMBAR SHEVA MANDAL

( H H KULKARNI )

BOOK-POST

From:
Shri Chidambar Sheva Mandala
DOMBIVLI EAST

To

1974 Balance By NCD

1) Nandkarle & Co Cash Recd SLM 75/=
✓2) Metropolitan / Kalbag 120/ Half Page
✓3) Kala Industries. DMI 200/=
✓4) Vesmax. Kalikar 75/=

1975:

1) Ramaniranan Kedia 250/= –
2) Triveni Process. — 75/= –
~~3)~~ Amar Plastic 120/= Cash Recd

1976

Starline. N.C.Desai 75= Chandar
✓ Display Craft 120/–)
Auto Parts 75/–
Ramniranjan Kedia. 250/=

1978

~~Omega Wells~~

~~Amar Plastic~~

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY) DOMBIVLI

Registered under Societies Registration act XXI of 1860—No. MAH/330 (Thane)
and Registered under Public Trust of 1950-No. F-250 (Thane)
VARTAKA WADA GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST : THANE.
City Office : D 4/22, P. A. Colony Kurla, Bombay-400 070.

The 4th Meeting of the Managing Committee of the Mandala will be held on Sunday, the 9th ~~April~~ May, 1982 at 4.00 P.M. at the residence of Shri A.R. Hukkeri, Dattu Patkar Building Kopar Road, Dombivili(West) to transact the following business:-

PRESIDENT
Shri N. C. DESAI

VICE-PRESIDENTS
Shri S. R. KULKARNI &
Shri A. R. HUKKERI

GEN. SECRETARY
S. C. MALALI

JT. SECRETARY
Shri S. S. AKKIVALLI

TREASURER
Shri V. T. MULGUND

MEMBERS
Shri H. H. KULKARNI
Shri B. N. PATIL
Shri B. G. HARIDAS
Shri S. M. KULKARNI
Shri N. B. PUJAR
Shri A. V. JOG
Shri A. N. DESAI
Shri S. H. KULKARNI
Shri S. M. DESHPANDE

1 To confirm the minutes of the Managing Committee held on 11.4.1982.

2 To consider the Plan Blue Print - of Silver Jubilee Function. ( Plan is to be submitted by Shri N.C. Desai)

3 To Reconsider the decision of Managing Committee to appoint M/s. Maru & Co. as auditors of the Mandala in place of M/s. Shanghavi & Co.

4 To appoint a Land Procurement Sub-Committee for the year 1981-1984.

5 To consider the letter dated 20.4.82 from Shrirang Awadhoot Parivar, Dombivili inviting Mandala to conduct Bhajana on the occassion of Shrirang Awadhoot Maharaj 12th Shri Gurupoornimotsava on 1st June, 1982 and to participate in Dindi

Any other business with the permission of the chair.

All managing Committee Members are requested to attend the meeting without fail.

It has been noticed from the previous meetings that some members attend the meetings late by 30-45 minutes causing inconvenience to other members and absenting themselves for discussion on important matters. Hence all are requested to attend the meeting in time.

To
Shri N.C. Desai
Kurla

S.H. Kulkarni
General Secretary

## CHIDAMBARA SEVA MANDALA SILVER JUBILEE JANAMAUTSAV 1982

### SOME SUGGESTIONS FROM N C DESAI

1. The celebration can be spread out for two days starting from the previous day of the Main Utsav;
2. First day we can start the celebrations from morning either with Rudrabhisheka or with a Ygna of a smaller size according to the availability of Priests;
3. In the evening the photograph of Mahaswami can be brought from a temple in a procession to the venue of the celebration in a well decorated chariot from the main streets of Dombivli;
4. Well decorated banners can be displayed through the procession, matter of the banners depicting about the Mandala and the messages of Swamiji;
5. After installing the photograph of the Swamiji in the venue, a bhajana should be performed, if possible, meals can be served with a simple menu to the attending devotees;
6. It is my suggestion that for this celebration of Silver Jubilee, a pendal should be erected in Nehru Maidan to accommodate large number of devotees coming from different parts of the city;
7. Programme on the main day should be as usual;
8. <u>Finance</u>: It is expected that the expenses would be approx. 3 fold than every year because of pendal and large number of devotees to attend. To raise the funds, it is suggested a souvenir in the form of programme should be printed and advertisements should be collected. Secondly, donations should be collected more from the devotees than usual.
9. The efforts to collect funds for the Silver Jubilee celebrations should start from now onwards only;
10. <u>Kitchen</u>: If the required vessels for cooking are easily available to take to the pendal the kitchen should be erected near the pendal and meals should be served in the pendal itself.

To make these celebrations very successfully the different sub-committees to look after different sections should be formed and every committee should work with devotion.

Other details can be discussed with the Sub-committees when they are formed. In this connection a general meeting of the Members and the devotees should be convened at an early date so that things can be chalked out combindly.

N.C. Desai
President
CHIDAMBARA SEVA MANDALA

S.H. KULKARNI
Dombivili(East)

March 3, 1982

Bhagat Chawl
Rajaji Path
Dombivili East
(Near Sainath Mandir)

To :

The President
Shri Chidambar Seva Mandala
C/o D 4/22, PA Colony
Kurla, Bombay

Dear Sir :

I was surprised to learn that the annual General Meeting of the Mandala has been fixed on 14th March, 1982 without placing the audited Balance Sheet and report before the Managing Committee.

The Managing Committee which was called on 14th February, 1982 to pass the audited Balance Sheet and report was cancelled as to enable members and devotees to participate in the procession organised by the Vishva Hindu Parishad at 3.p.m. The cancellation of the meeting was not intimated to members intime with the result some members arrived at the meeting place at 4 p.m. only to returned with disappointment, since they neither attended the meeting nor took part in the procession. Attendance at the procession was also very poor from our side. Surprisingly General Secretary who was here to attend the meeting on that day was missing from the procession for which the earlier fixed meeting was cancelled.

It was informed me that the statutory auditors had raised strong objection against outstanding amount ( Sundry Debitors) which is appearing in the balance sheet for the past several years in connection with the Advertisements sale or tickets of 'Santwani' programme etc involving responsible office bearers of the mandala. This needs immediate attention of the Managing Committee and efforts to see that the names of the office bearers deleted from the outstanding list before Annual General Meeting held as to avoid embrassing situation at the Annual General Meeting.

It is unconstitutional and illegal to record business as suggested by some members at the meeting on 14.2.1982 which was cancelled.

In the interest of the mandala and the Managing Committee I hope you would take necessary steps to regularise the records of the mandala.

Thanking you,

Very truly yours,

( S.H. KULKARNI )
MEMBER, MANAGING COMMITTEE

cc M.T. Mulgund
Hon. Treasury

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA, (BOMBAY) DOMBIVLI.

Wartak Wada, 1st Floor, Ganesh Mandir Road,
D O M B I V L I (East), Dist. Thane.

## The Names & Addresses of the THIRD Managing Committee.

| Sr. No. | N A M E | Tele No. | Sr. No. | N A M E | Tele No. |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Shri N.C. Desai, President, D-4/22, P.A.L.Colony, Kurla (North), B O M B A Y 400 070. | 678260 (Res) 555110/11 (Office) | 2. | Shri S.R. Kulkarni, Vice-President, Sai Ashram, Shradhanand Road, DOMBIVLI (East). | |
| 3. | Dr. A.R. Hukkeri, Dattu Patkar Bldg., Kopar Road, DOMBIVLI (West). | 674491 Ex.13/14 (Vice-Prst.) | 4. | Shri S.H. Kulkarni, Gen.Secy. Pandurang Nivas, Rajaji Path, Ram Nagar, DOMBIVLI (East). | 235294 |
| 5. | Shri M.H. Kulkarni, Jt.Secy. Wartak Wada, Ganesh Mandir Road, DOMBIVLI (East). | | 6. | Shri V.T. Mulgund, Hon.Treasurer, MB.198/7, Mavan Chawl, Thakurli, DOMBIVLI (West). | |
| 7. | Shri S.C. Malali, Kamal Pushpa Coop. Housing Society, A/13, First Floor, Bandra Reclamation, Bandra (West), BOMBAY - 400 051. | 539770 Ex. 31. | 8. | Shri S.M. Kulkarni, Matru-Pitru Chhaya, Tilaknagar South, DOMBIVLI (East). Dist. Thane (M.S) | 267642 |
| 9. | Shri B.N. Patil, Angel Villa, Karve Rd., Vishnunagar, DOMBIVLI (West). | 267642 | 10. | Shri G.N. Patil, 12, Rampal Somani Bldg. Shivaji Chowk, K A L Y A N. | 332918 |
| 11. | Shri B.G. Haridas, Mahtre Bldg. Terrace Room, Opp. Raghavendra Math, Kopar Road, DOMBIVLI (West). | | 12. | Shri S.M. Deshpande, Barve Bldg. Plot No.50, Jai Hind Colony, DOMBIVLI (West). | |
| 13. | Shri S.L. Deshpande, Ambica Bldg., Savarkar Marg, DOMBIVLI (East). | | 14. | Shri G.G. Sabnis, Narmada Bhavan, Shrikhande wada, Raghuvir Nagar, DOMBIVLI (East). | |
| 15. | Shri N.D. Javali, A-30, Sukhi Jeevan Coop. Hsg. Society, Ramnagar, DOMBIVLI (East). | | 16. | | |

From N.C. Desai

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ಮಂಡ್ಯಕ್ಕೆ ಸಹಕಾರ ಮಾಡಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತೇನೆ ಎಂದು.

ಎಸ್ಸೆಯವರಿಗೆ ಮಂಡ್ಯಕ್ಕೆ ಬಾಗಿ ಸಹಕರಿಸುವುದರಲ್ಲಿಯೂ ನಾವು ಸಫಲರಾಗಿಲ್ಲ. ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ನಾವು ಎಲ್ಲ ಸದಸ್ಯರು ಸೇರಬೇಕು ತ್ತೇವೆ. ನಮ್ಮ ಪ್ರಯತ್ನ ನಡೆದಿದೆ. [illegible] ಕಾರಣಾಂತರಗಳಿಂದಾಗಿ ಈ ಕಾರ್ಯ ಮುಂದುವರಿದಿದೆ - - -

ಆದರೆ ಮಂಡ್ಯವು ಕೃಷಿ [illegible] ಧಾರ್ಮಿಕ [illegible] ಸ್ಥಳ [illegible] ಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯ [illegible] ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಅದಕ್ಕೆ [illegible] ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ ಎಂದು ಅದೆಲ್ಲ [illegible] ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ [illegible] ಬೇರೆ ಹೇಳಬೇಕಿಲ್ಲ. . . .

[illegible] ನಡೆಯುವುದನ್ನು ನಡೆಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು [illegible] ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದ್ದೇನೆ. [illegible] ಏಕೆಂದರೆ [illegible] ಈ ಮಂಡ್ಯ [illegible] ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ - [illegible] ಮಂಡ್ಯದಲ್ಲಿ [illegible] ನಿಮ್ಮ [illegible]

ಮಂಡ್ಯದ [illegible] ಎಂದು [illegible] ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇನೆ.

೨೦೮ [illegible]

ಇಂತು

[illegible signature]

From N. C. Desai

ಶ್ರೀ. ಎನ್. ಆರ್. ಕುಲಕರ್ಣಿ. ~~ಹಾಗು~~
ಶ್ರೀ. ಅಶೋಕ. ಕುಕ್ಕೇರಿ. ಹಾಗು
ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸೇವಾ ಮಂಡಳದ ಆಡಳಿತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರ
ಮುಖಾಂತರ. ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸೇವಾ ಮಂಡಳದ - ಎಲ್ಲ ಸದಸ್ಯರಿಗೆ -

ಮಹನೀಯರೆ

ನಿಮ್ಮೆಲ್ಲ ಸವಿನಯ ವಿಜ್ಞಾಪನೆಗಳು.

ಪ್ರಥಮವಾಗಿ ನಾನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಈ ವಾರ್ಷಿಕ ಸಾಧಾರಣ ಸಭೆಗೆ ಹಾಜರ ಆಗದಿರುವ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳುತ್ತೇನೆ, ಕಾರಣವಿಷ್ಟೇ- ಅಚಾನಕವಾಗಿ ಆಫೀಸಿನ ಬಿಡಬಾರದ ಕೆಲಸಕ್ಕಾಗಿ ನಾನು ಮುಂಬೈಯಿಂದ ಪರದೇಶಕ್ಕೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿ ಬಂತು, ನಿಮಗೆಲ್ಲ ಬೇರೆ ಹೇಳಬೇಕಿಲ್ಲ ನಾವೆಲ್ಲರೂ ಈ ಮಹಾನಗರಕ್ಕೆ ನಮ್ಮ ಹೊಟ್ಟೆಪಾಡನ್ನೆ ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಇಟ್ಟುಕೊಂಡು ಬಂದವರು ಎಂದು ಬಿಚ್ಚುಮಾನಿಂದ ಹೇಳಿದರೆ ತಾವು ಏನನ್ನೂ ಭಾವಿಸಲಾರಿರೆಂದು ನಂಬುತ್ತೇನೆ. ಇಷ್ಟೆ ನಾವು ವಿವಿಧ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ವಿವಿಧ ದರ್ಜೆಯಲ್ಲಿರಬಹುದು, ನಾವು ಹೇಗೆ ಇದ್ದರೂ ಎಲ್ಲಿಯೇ ಇದ್ದರೂ ನಾವೆಲ್ಲ- ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಯ ಭಕ್ತರು,- ಅಂತಲೇ ನೂರಾರು ಮೈಲುಗಳಿಂದ ನಾವು ನಮ್ಮ ಸ್ಥಳಗಳಿಂದ ಬಂದಿದ್ದರೂ, ಸ್ವಾಮಿಯ ಸಾನ್ನಿಧ್ಯ ನಮಗೆ ಸದಾ ಇರಲಿ ಎಂದೇ. ಈ ಮಂಡಳದ ಸ್ಥಾಪನೆಯಾಗಿದೆ,- ಎಲ್ಲ ವ್ಯವಹಾರ ಸಂ ~~[illegible]~~ ಯಿರಬೇಕು, ಕಾರ್ಯವ್ಯವಸ್ಥಿತ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂಬ ~~[illegible]~~ ಉದ್ದೇಶದಿಂದ, ಮಂಡಳದ ನೋಂದಣಿಯಾಯಿತು,- ಅಹುದು ನೋಂದಣಿಯಾದ ಸಂಸ್ಥೆಗಳಲ್ಲಿ- ಕಾಯಿದೆಯ ಕಟ್ಟು ಇರುತ್ತವೆ- ಅವನ್ನು ನಾವು ಶಾಸ್ತ್ರ ನಡೆಸಿಕೊಂಡು ಹೋಗಬೇಕು. ಹಾಗಿದ್ದರು- ಕೆಲ ಚಿಕ್ಕಪುಟ್ಟ ತಪ್ಪುಗಳು ಸಂಭವಿಸುವದು ಸಹಜ, ಕಾರಣ ನಾವು ಈ ಕಾರ್ಯಗಳನು, ನಮ್ಮ ವಿರಾ-ಮನೆಯ ಅಡಚಣೆ. ಮುಂತಾದುವುಗಳನ್ನು ನೋಡಿಕೊಂಡೇ. ಸ್ವಾಮಿಯ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ನೋಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ ಅಲ್ಲವೆ? - - -

ಈ ವರ್ಷದ ವಾರ್ಷಿಕ ವರದಿ ಹಾಗು ಆಡಿಟಿಸಿದ ಲೆಕ್ಕಪತ್ರಗಳು ನಿಮ್ಮ ಕೈಸೇರಿವೆ- ಅದರಲ್ಲಿ- ಕೆಲವೊಂದು ಬಾಕಿ-ಯಿದ್ದಬಗ್ಗೆ- ಲೆಕ್ಕ ಆಡಿಟರು ತೋರಿಸಿದ್ದಾರೆ- ನಿಜ ಬರಬೇಕಾದ ಹಣ ಜಮಾ ಆಗಲಿಕ್ಕಿದೆ- ಅದಕ್ಕೆ ಕಾರಣಗಳು ಹತ್ತೆಂಟು- ಆದರೆ ಇಷ್ಟುಮಾತ್ರ ನಿಜ. ಯಾವ ದುರುದ್ದೇಶದಿಂದಲು ಇದು ಹಾಗಾಗಿಲ್ಲ. ತಾಂತ್ರಿಕ ~~[illegible]~~ ಕಾರಣಗಳು ವೈಯುಕ್ತಿಕ ಅಡಚಣೆಗಳು. ಆದರೆ ನಾವೆಲ್ಲ ನಿರ್ಧರಿಸಿದ್ದೇವೆ -ಅಧಿಕಾರದಲ್ಲಿರಲಿ ಇಲ್ಲವೆ ಇಲ್ಲದಿರಲಿ ಈ ಬಾಕಿಯು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮೊಬಲಗನ್ನು- ಸಾಧ್ಯವಿದ್ದಷ್ಟು ಕಡಿಮೆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ವಸೂಲು ಮಾಡಿ

ಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಜಮಾ ಮಾಡಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತೇವೆ ಎಂದು.

ಎರಡನೆಯದಾಗಿ - ಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಜಾಗ ದೊರಕಿಸುವಲ್ಲಿಯೂ ನಾವು ಸಫಲರಾಗಿಲ್ಲ. ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ - ನಾವು ಎಲ್ಲರ ಸಹಕಾರವನ್ನು ಕೋರುತ್ತೇವೆ. ನಮ್ಮ ಪ್ರಯತ್ನ ನಡೆದೇ ಇದೆ - ಏರುತ್ತಿರುವ ಬೆಲೆಯ ಕಾರಣದಿಂದಾಗಿ - ಈ ಕಾರ್ಯ ಮುಂದೆ ~~ಹೋಗುತ್ತಿದೆ~~ ಹೋಗುತ್ತಲಿದೆ - - - -

ಆದರೆ - ಮಂದಿರವು - ಭಕ್ತಿ ಕಾರ್ಯ~~ಕ್ಕಾಗಿ~~ಕ್ಕೆ ಧಾರ್ಮಿಕ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳಿಂದ - ಕ್ರಿಯಾಶೀಲ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಕಾಲಿಟ್ಟಿದೆ, ~~ಈಗ~~ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯ - ಸ್ವಾಮಿಯ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವ - ವ್ಯವಸ್ಥಿತವಾಗಿ ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ - ಅದಕ್ಕೆ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಭಕ್ತರ - ಸಹಕಾರ ಬರುತ್ತಿದೆ ಎಂದೇ ಅವೆಲ್ಲ ವ್ಯವಸ್ಥಿತವಾಗಿ ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ ಎಂದು ಬೇರೆ ಹೇಳಬೇಕಿಲ್ಲ......

ನನ್ನ ಬುದ್ಧಿಮಟ್ಟಿಗೆ - ನಡೆದುದನ್ನು ನಡೆಯಬೇಕಾದುದನ್ನು ಸಂಕ್ಷಿಪ್ತವಾಗಿ ವಿವರಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದ್ದೇನೆ. ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ನಿಮಗೆ ತಿಳಿಸುವುದೆಂದರೆ - ಅವೆಲ್ಲ ನೆರವೇರಿಸಲ್ಪಡಬೇಕಾದುದೆಂದರೆ. ಈ ಮಂದಿರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಯ ಭಕ್ತರಿಂದ ಕೂಡಿದ್ದು. ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕಾರ್ಯಗಳು ಭಕ್ತರಿಂದ ನಿಶ್ಚಲ ಮನಸ್ಸಿನಿಂದಲೇ ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ - ಯಾವ ರಾಜಕೀಯವೂ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಸೇರಬಾರದು. ಹಾಗಾಗಬಾರದೆಂದು ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕಾದರೆ ನಿಮ್ಮ ಸಹಕಾರವು ಬೇಕೇಬೇಕು.

ಮಂದಿರದ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ನಿಮ್ಮೆಲ್ಲ ಸಹಕಾರ ~~ಮ~~ ಬೇಕೆ ಬೇಕು ಎಂದು ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇನೆ.

ಇಂತಿ ವಂದನೆಗಳು ತಮ್ಮ

ಎ. ದೇವಿದಾಸ

[illegible] FOR [illegible]TORS - 1979-80.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Donations | .. | 2,563-00 |
| 2. | Janmotsava 1977 | .. | 33-25 |
| 3. | " " 1978 | .. | 169-15 |
| 4. | " " 1979 | .. | 385-00 |
| 5. | Geeta Ramayana sale of Tickets. | | 542-00 |
| 6. | Film Show Decr. 1978. | .. | 250-10 |
| 7. | Drama (Marathi) 1979. | .. | 269-00 |
| 8. | Santavani - Sale of tickets. | | 3,744-26 |
| 9. | Shahani - " " 1980. | | 1,704-50 |
| 10. | Advertisements .. 1974 | .. | 770-00 |
| 11. | " " .. 1975 | .. | 640-00 |
| 12. | " " .. 1976 | .. | 835-00 |
| 13. | " " .. 1978 | .. | 1,755-00 |
| 14. | " " .. 1979 | .. | 2,815-00 |
| | | Total Rs. | 16,475-25 |

List of Sundry Creditors for 1979-80.
(Liability for Expenses) ...

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Jasmin Art Printers | ... | 151-20 |
| 2. | Sheshachala Mudranalaya | ... | 122-75 |
| 3. | Audit fees | ... | 225-00 |
| | | Total Rs. | 498-95 |

List of Advances outstanding & Deposits.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Mr. Bengeri-Advocate- | .. | 250-00 |
| 2. | Mr. B.N. Patil | .. | 700-00 |
| 3. | Mr. N.C. Desai | .. | 350-00 —? |
| 4. | Mr. G.N. Patil | .. | 125-00 |
| 5. | Mr. S.C. Malali | .. | 25-00 |
| 6. | Mr. S.S. Akkivalli | .. | 164-45 |
| 7. | Deposit for Film show | .. | 200-00 |
| | | Total Rs. | 1,814-45 |

Gen. Secretary. Hon. Treasurer.

## SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (EL) DOMBIVLI.

## SUNDRY DEBTORS AS ON 30-6-1980

| NAMES | Receipt of Book No. | AMOUNT | Remarks |
|---|---|---|---|
| 1. DONATIONS | | | |
| 1973 | | | |
| 1) Shri H.H.Kulkarni | C-25 | 652-00 | |
| 2) Shri S.C.Malali | C-25 | 1401-00 | |
| 1978 | | | |
| 1) Shri H.H.Kulkarni | C-341-352 | 510-00 | |
| | | 2563-00 | |
| 2. JANMOTSAVA 1977 | | | |
| 1) Shri Vasant Patil | 51 | 33-25 | |
| | | 33-25 | |
| 3. JANMOTSAVA 1978 | | | |
| 1) Shri B.N.Patil | 6 Books | 83-00 | |
| 2) " M.T.Mulgund | 107 | 62-60 | |
| 3) " S.S.Akkivalli | 114 | 23-55 | |
| | | 169-15 | |
| 4. JANMOTSAVA 1979 | | | |
| 1) Shri S.S.Akkivalli | 89 | 97-00 | |
| 2) " Mahajankatti | 94 | 15-25 | |
| 3) " Anand Kulkarni | 100 | 45-50 | |
| 4) " B.N.Patil | 104 | 131-00 | |
| 5) " B.N.Patil | C-67 | 26-25 | |
| 6) " N.C.Desai | 110 | 25-00 | |
| 7) " Vasant Patil | C-88 | 45-00 | |
| | | 385-00 | |
| 5. GEET RAMAYANA Sale Of Tickets | | | |
| 1) Shri Govindrao Paraki | | 40-00 | |
| 2) " Hatkar | | 15-00 | |
| 3) " Mahajankatti | | 177-00 | |
| 4) " Vasant Patil | | 30-00 | |
| 5) " N.B.Pujar | | 75-00 | |
| 6) " U.H.Patil | | 75-00 | |
| 7) " S.S.Akkivalli | | 30-00 | |
| 8) " P.H.Kulkarni | | 100-00 | |
| | | 542-00 | |
| 6. FILM SHOW December 78 | | | |
| 1) Shri SHK.& S.S.A. | | 250-10 | |
| | | 250-10 | |
| 7. DRAMA (Marathi) 1979 | | | |
| 1) Shri S.S.Akkivalli | | 269-00 | |
| | | 269-00 | |

...2

contd.

| NAMES | Receipt or book No. | AMOUNT | Remarks |
|---|---|---|---|
| 8. SANTVANI Sale of Tickets 1979 | | | |
| 1) Shri S.C.Malali | | 2195-00 | |
| 2) " Ashok Hukkeri | | 22-00 | |
| 3) " N.C.Desai | | 380-00 | |
| 4) Mysore Stores (SSA) | | 135-00 | |
| 5) " S.S.Akkivalli | | 575-00 | |
| 6) " (H.H.Kulkarni) — (SSA) | | 67-25 | |
| 7) ~~Counter Sale~~ (SSA) | | 370-00 | |
| | | 3744-25 | |
| 9. SHAHANAI Sale of Tickets 1980 | | | |
| 1) Shri A.R.Hukkeri | | 433-50 | |
| 2) " S.S.Akkivalli | | 215-00 | |
| 3) " Anand Kulkarni | | 90-00 | |
| 4) " Vasant Patil | | 165-00 | |
| 5) " M.T.Mulgund | | 40-00 | |
| 6) " Mahajankatti | | 10-00 | |
| 7) " Amrutrao Desai | | 95-00 | |
| 8) " M.D.Desai | | 65-00 | |
| 9) " Vasant Patil (BNP) | | 40-00 | |
| 10) " V.T.Mulgund | | 40-00 | |
| 11) " B.G.Joshi | | 40-00 | |
| 12) " D.H.Kulkarni | | 120-00 | |
| 13) " Prahlad Kulkarni Kopar | | 20-00 | |
| 14) " Govindrao Paraki | | 15-00 | |
| 15) " D.G.Joshi | | 50-00 | |
| 16) " Arvind Joshi | | 25-00 | |
| 17) ~~Counter Sale~~ (VTM) | | 241-00 | |
| | | 1704-50 | |

SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA DOMBIVLI.

SUNDRY DEBTORS AS ON 30-6-1980

ADVERTISERS

| Sr. No. | Name of Advertisers | Bill No. | Amount Rs. P. | By | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|
| **1974** | | | | | |
| 1. | M/s. Borax Muraji | 9 | 75-00 | NCD | |
| 2. | " Metropolitan | 14 | 120-00 | DMI | |
| 3. | " Kala Industries | 20 | 200-00 | NCD | |
| 4. | " Jasmix Eng. | 41 | 75-00 | NCD | |
| 5. | " Nityanandashram | 42 | 75-00 | SCM | |
| 6. | " Greater Bombay | 59 | 75-00 | GRI | |
| 7. | " Govind Tike | 27 | 75-00 | SCM | |
| 8. | " Ram Dawale | 28 | 75-00 | SCM | |
| | | | 770-00 | | |
| **1975** | | | | | |
| 1. | M/s. Ramniranjan Kedia | 78 | 250-00 | NCD | |
| 2. | " Central Hindu Hotel | 71 | 75-00 | NBP | |
| 3. | " Prakash Health Home | | 120-00 | NBP | |
| 4. | " Triveni Process | 78 | 75-00 | NCD | |
| 5. | " Amar Pla stics | 83 | 120-00 | NCD | — to check |
| | | | 640-00 | | |
| **1976** | | | | | |
| 1. | M/s. R.N.Engineering Co. | 104 | 75-00 | | |
| 2. | " Starline Motors | 116 | 75-00 | NCD | — Gujarathi |
| 3. | " Display Crafts | 124 | 120-00 | NCD- | |
| 4. | " Andheri Elec.&Eng. | 105 | 75-00 | NBH | |
| 5. | " Auto Parts Sales | 133 | 120-00 | NCD | Gujarathi |
| 6. | " Ravi Industries Thane | 135 | 120-00 | KDJ | |
| 7. | " Ram Niranjan Kedia | 146 | 250-00 | NCD ? | |
| | | | 835-00 | | |
| **1978** | | | | | |
| 1. | M/s. Jasmine Arts Printers | 202 | 200-00 | NCD | |
| 2. | " Omega Stn.Mart | 210 | 75-00 | NCD | — I |
| 3. | " Hindustan Highways | 225 | 250-00 | SCM | |
| 4. | " G.M.Samel Photographer | 229 | 75-00 | SCM | |
| 5. | " Sachin Mazur Sah. | 230 | 75-00 | SCM | |
| 6. | " Ramesh Bldrs.(Domb.) | 239 | 120-00 | VNP | |
| 7. | " A.P.Prasad | 240 | 75-00 | VNP | |
| 8. | " Sadanand Hotel | 245 | 75-00 | SCM | |
| 9. | " Dwaraka Shipping | 248 | 120-00 | SCM | |
| 10. | " Supreme Bldrs. | 249 | 120-00 | NBP | |
| 11. | " New Udipi Refreshments | 250 | 75-00 | NBP | |
| 12. | " Nasiman Bakery | 251 | 75-00 | NBP | |
| 13. | " Vaibhav Refreshments | 252 | 75-00 | NBP | |
| 14. | " Sadguru Hotel | 253 | 75-00 | NBP | |
| 15. | " Govardhan das L.DAS Khar | 256 | 120-00 | SCM | |
| 16. | " P.K.Hanumantappa | 261 | 75-00 | NCD | |
| 17. | " Jai Elect.Ind | 272 | 75-00 | Kavi | |
| | | | 1755-00 | | |

...2

contd.

| Sr. No. | | Name of Advertisers | Bill No. | Amount Rs. P. | By | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1979 | | | | | | |
| 1. | M/s. | Gova Constructions | 198 | 200-00 | SCM | |
| 2. | " | Anand Labour Co-op.Society | 302 | 120-00 | SCM | |
| 3. | " | Sahayog Sahakari Society | 300 | 120-00 | SCM | |
| 4. | " | Naik & Associates Thane | 284 | 120-00 | ARK | |
| 5. | " | Hotel Grand Central | | 200-00 | SCM | |
| 6. | " | Dure Build.No5 Bahar Chembur | | 200-00 | SCM | |
| 7. | " | Y.A.Contractor | 198 | 120-00 | SCM | |
| 8. | " | A.G.Vaisha mpayan | 170 | 120-00 | SSA | |
| 9. | " | Simple Services | 309 | 75-00 | SSA | |
| 10. | " | Ratnadeep Sweet Mart | 304 | 75-00 | DGJ | |
| 11. | " | Senior Elect. | 306 | 120-00 | SCM | |
| 12. | " | Dombivli Graha Vastu Bhandar | 319 | 25-00 | SSA | |
| 13. | " | Bharat Watch Co. | 320 | 25-00 | DGJ | |
| 14. | " | Laxmi Watch Co. | 321 | 25-00 | DGJ | |
| 15. | " | Maharashtra Oil Depot | 322 | 25-00 | DGJ | |
| 16. | " | S.Ja in | 324 | 25-00 | SCM | |
| 17. | " | Asian Carpets | 326 | 25-00 | HLK | |
| 18. | " | Na varatna Constructions | 315 | 75-00 | NBH | |
| 19- | " | K.P.Vaidya | 316 | 75-00 | SRK | |
| 20. | " | Punjab Metal Works | 289 | 120-00 | DGJ | |
| 21- | " | Trades Agencies | 285 | 45-00 | DGJ | |
| 22. | " | Hitesh Constructions | 301 | 120-00 | SCM | |
| 23. | " | Dilip Majur Sahakari Sansta | 199 | 200-00 | SCM | |
| 24. | " | Veerendra Labour Co-op.Soc. | 299 | 120-00 | SCM | |
| 25. | " | Simla Labour Co-op.Soc. | 303 | 120-00 | SCM | |
| 26. | " | Tata Hydro Elect. Co. | 228 | 200-00 | SCM | |
| 27. | " | N.G.Wadnere | 288 | 120-00 | SCM | |
| | | | | 2815-00 | | |

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY) DOMBIVLI

Registered under Societies Registration act XXI of 1860—No. MAH/330 (Thane)
and Registered under Public Trust of 1950-No. F-250 (Thane)

VARTAKA WADA GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST : THANE.
City Office : D 4/22, P. A. Colony Kurla, Bombay-400 070.

PRESIDENT
Shri N. C. DESAI

VICE-PRESIDENTS
Shri S. R. KULKARNI &
Shri A. R. HUKKERI

GEN. SECRETARY
S. C. MALALI

JT. SECRETARY
Shri S. S. AKKIVALLI

TREASURER
Shri V. T. MULGUND

MEMBERS
Shri H. H. KULKARNI
Shri B. N. PATIL
Shri B. G. HARIDAS
Shri S. M. KULKARNI
Shri N. B. PUJAR
Shri A. V. JOG
Shri A. N. DESAI
Shri S. H. KULKARNI
Shri S. M. DESHPANDE

The Third Managing Committee Meeting of the Mandla will be held on Sunday, the 11th March, 1982 at 5.00 PM at the residence of Shri S.H. Kulkarni, Pandurang Niwas, Rajaji-path, Ram Nagar( Near Saibaba Mandir), Dombivili(East) to transact the following business:-

1. To confirm the Minutes of the Managing Committee Meeting held on 3.4.82.

2. To consider the suggestions made by Shri SH Kulkarni vide his letter dt.3.3.32( Postponed from previous meeting).

3. Consider the steps to be taken to recover the outstanding Amounts.

4. Consider the celebrations of Silver Jubilee Celebrations(Janmotsava) of Shri Chidambar Swamy and to appoint sub-committee for the purpose.

5. To consider the steps to be taken to increase the membership and admit new members.

6. To fix date, place and time for the next meeting (Managing Committee Meeting).

7. Any other business with the permission of the chair.

All members are earnestly requested to attend the meeting without fail.

S.H. KULKARNI
GENERAL SECRETARY.

To
Shri N C Desai

# AKHIL BHARAT RANVA PARISHAT

BOMBAY

Convention in Karnatak

N.C. DESAI
KURLA. BBAY

[illegible]

Addresses of persons who responded to
[illegible]

1. [illegible]
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 0[illegible]

3. Shri R. [illegible] Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Bellary), KARNATAKA

4. Shri R. G. Kulkarni,
EX.TDB Member
Muddebihar (Dist: Bijapur)
[illegible]

5. Shri [illegible] Gudi
[illegible]
[illegible] KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
[illegible]

7. Shri K. A. [illegible]lkarni
M.Sc. (Agri).
[illegible]
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, Karnataka

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible]
[illegible]
[illegible], BANGALORE [illegible]

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

[illegible]

Some Institutions [illegible]

1. Akhil Bharat Kanva [illegible] (Regd.)
[illegible] Road, BOMBAY 400 007

2. Shri Shukla Yajurved [illegible]
[illegible]

3. Shri [illegible] Trust
[illegible], BANGALORE [illegible]

P.S. [illegible]

# ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು

## ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ-ಜನೆವರಿ ೧೯೭೮.

ಪ್ರಥಮಶಾಖಾ-ಕಾಣ್ವ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಸಮೂಹದ (ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ) ಸಮ್ಮೇಲನ ಒಂದನ್ನು ಬರುವ ಜನೇವರಿಯಲ್ಲಿ ಇದೇ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿಯೇ ನೆರವೇರಿಸ ಬೇಕೆಂದು ನಿರ್ಧರಿಸಲಾಗಿದ್ದು-ಈ ಸಂಬಂಧವಾದ ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನು ದಿನಾಂಕ: ೯-೪-೧೯೭೭ ರಂದು ಸಾಯಂಕಾಲ ೫ ಘಂಟೆಗೆ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಹಾಯಸ್ಕೂಲಿನಲ್ಲಿ ಕರೆಯಲಾಗಿದ್ದು ಸಮಾಜದ ಎಲ್ಲ ಮಹನೀಯರು ಸಭೆಗೆ ಬಂದು ಮಹತ್ತರ ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ನೀಡಬೇಕೆಂದು ಬೇಡಿಕೆ.

ಇಂಥ ಮಹತ್ವದ ಕಾರ್ಯ ನೆರವೇರಬೇಕಾದರೆ ಪ್ರತಿಯೋರ್ವರ ಸಹಾಯ ಸಹಕಾರವಿಲ್ಲದೇ ನಡೆಯಲಾರದೆಂದು ಬೇರೆ ಹೇಳಬೇಕಿಲ್ಲ.

**ದಯವಿಟ್ಟು ಬನ್ನಿ**

**ಆನಂದವನ**
**೫-೪-೧೯೭೭**

**ನಿಮಂತ್ರಕ**
**ಎಸ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ.**

# ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು

## ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ-ಜನೆವರಿ ೧೯೭೮.

ಪ್ರಥಮಶಾಖಾ-ಕಾಣ್ವ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಸಮೂಹದ (ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ) ಸಮ್ಮೇಲನ ಒಂದನ್ನು ಬರುವ ಜನೇವರಿಯಲ್ಲಿ ಇದೇ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿಯೇ ನೆರವೇರಿಸ ಬೇಕೆಂದು ನಿರ್ಧಾರವಾಗಿದ್ದು-ಆ ಸಂಬಂಧವಾದ ಆಲೋಚನಾ ಸಭೆಯನ್ನು ದಿನಾಂಕ : ೯-೪-೧೯೭೭ ರಂದು ಸಾಯಂಕಾಲ ೫ ಘಂಟೆಗೆ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಹಾಯಸ್ಕೂಲಿನಲ್ಲಿ ಕರೆಯಲಾಗಿದ್ದು ಸಮಾಜದ ಎಲ್ಲ ಮಹನೀಯರು ಸಭೆಗೆ ಬಂದು ಮಹತ್ತರ ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ನೀಡಬೇಕೆಂದು ಬೇಡಿಕೆ.

ಇಂಥ ಮಹತ್ವದ ಕಾರ್ಯ ನೆರವೇರಬೇಕಾದರೆ ಪ್ರತಿಯೋರ್ವರ ಸಹಾಯ ಸಹಕಾರವಿಲ್ಲದೇ ನಡೆಯಲಾರದೆಂದು ಬೇರೆ ಹೇಳಬೇಕಿಲ್ಲ.

ದಯವಿಟ್ಟು ಬನ್ನಿ

ಆನಂದವನ
೫-೪-೧೯೭೭

ನಿಮಂತ್ರಕ
ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in [illegible]

### Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

### ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Tirtha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

### Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 11, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd): 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. [illegible] Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihar (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd)
1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. S. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd): 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of 'Kanva Parishad' in [illegible]

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd):
[illegible], Shankarseth Road, BOMBAY-4000[illegible]

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shukleyajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of Kanva Parishad in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 11, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 11, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd): 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd):
1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.P. Member
Muddebihal (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd)
1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd):
1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd):
1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

# KANVA VIKAS

*Marathi Monthly*

Shri **D. N. Kulkarni,**
Editor.

*Address:-*
11, Shankarshet Road,
Grant Road, (W.)
(Opp. Grant Road Railway Station)
BOMBAY-7.

## ADVERTISEMENT TARIFF

# KANVA VIKAS

To ________________________________________

________________________________________

________________________________________

Dear Sir,

## KANVA VIKAS

we have always selected a variety of subjects of everlasting interest and have procured articulars from experts on different subjects. Various instructive thought provoking and interesting items will also be published in our issue to make it enjoyable with the spirit of social uplift and also to make it worth preserving.

Kanva Vikas is a very popular monthly and has a wide circulation throughout India.

We, thererefore request you to release an advertisement for insertion in our issue. We feel confident that a reputed firm such as yours would definately like to take advantage of this issue to pubish its business.

The Schedule of rates is as follows.

| MECHANICAL DATA | | ADVERTISEMENT TARIFF | |
|---|---|---|---|
| Size of the print Aria | 9½"x7½" | Back Cover | Rs. 150-00 |
| Half page print Area | 4"x5½" | Inside Cover (2nd) | Rs. 75-00 |
| Quarter ,, ,, | 4"x2½" | Inside Cover (3rd) | Rs 75-00 |
| | | Half page | Rs. 50-00 |

We shall be glad to have your order in the enclosed form. **The cheque may please be sent in the name of 'Kanva Vikas'**

**D. N. Kulkarni, Editor.**

# ORDER FORM

To
The Editor,
" Kanva Vikas"
11, Shankarshet Road,
Grant Road, (West) Bombay-7.

Dear Sir,

Please reserve for Messrs________________________

______________________________________________

Back Cover/Inside Cover (2) Inside Cover (3) Full/Half page in your Issue at a cost of Rs. 150-00, Rs. 75-00, Rs. 75-00, Rs. 50-00,

We enclose the advartisement matter for printing.

Yours faithfully.

( Signature )

A cheque No. for Rs.______________

is enclosed/Cash of Rs.______________

Address________________________

________________________

________________________

N. C. Desai
G. D. Art (Ptg.)

D-4/22 Premobile Colony
Kurla, BOMBAY-400 070.

[illegible]

[illegible]

ఎన్. సి. దేశాయి
సంతకం.

## KANVA SHAKHIYA EDUCATION FUND TRUST

*Appeal*

卐

Dr. Ram Rajguru.

V. S. Kulkarni, *B. Com.*

Dr. Dadasaheb Bhoge

Deo, *Sanskrit Visharad*

## ADVERTISEMENT TARIFF

**KANVA SHAKHIYA EDUCATION FUND TRUST**
**84, Slater Road, Grant Road, Bombay 7.**

# An Appeal

The importance of education need not be stressed. The Kanva Shakhiya Education Trust is in existence since last twenty five years. The main object of this institution isto help the poor and deserving students by awarding Scholorships for studies. The flame of imparting education to poor students was first lit about twenty five years, and we are proud to inform you that during these last twenty five years we have helped several students and now we intend to celebrate this 25th year on a grand scale that means more money is to be distributed to more students. For this purpose it is necessary to have enough financial resources with this end in view. We intend to publish shortly a "Souvenir", where in further details of this good cause will be published.

May we earnestly request you to co-operate with us by booking advertisement space in the Souvenir and thus help a noble cause.

Thanking you.

This Trust is registered under Act XXI of 1860.

Very truely yours,

**Dr. Ram Rajguru.** **Dr. Dadasaheb Bhoge.**
**V. S. Kulkarni.** *B. Com.* **Deo.** *Sankrit Visharda.*

**RATE OF ADVERTISEMENT**

| | |
|---|---|
| Back Cover | Rs. 200/- |
| Inside Cover, | Rs. 150/- |
| Full Page. | Rs. 100/- |
| Half Page. | Rs. 50/- |

N. B : Cheque may be drawn in favour of "Kanva shakhiya Education Fund Trust."

## COTRACT FORM

To

The President,

Kanva Shakhiya Education Fund Trust,

84 Slater Road,

Grant Road, Bombay – 7.

Dear Sirs,

We are pleased to take a Back cover/Full page/Half page advertisement in the 'Souvenir' to be published shortly in aid of Silver Jubilee year of the Trust.

We enclose one cheque/cash for Rs. towards advertisement charges.

The advertisement/block is also sent herewith.

Yours faithfully,

Name and Address.

Date :

[illegible]

1. Shri [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

2. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] KARNATAKA

3. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

4. [illegible]
[illegible]
[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, [illegible]

6. Shri [illegible] Kulkarni
Desai Galli,
[illegible] (Dist: [illegible])
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni
[illegible] M.Sc.(Agri),
[illegible]
University of Agricultural Sciences
[illegible], Karnataka

8. [illegible]
[illegible]
Dist: [illegible]

9. [illegible]
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
[illegible]
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
[illegible],
[illegible], [illegible]

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
[illegible]

13. [illegible]
Shukrawar Peth
[illegible]

14. [illegible]
Post & At: Maladinal
[illegible]

15. Shri C. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible]
6, [illegible] Layout,
[illegible], BANGALORE 560 008

16. Shri C. H. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Heads" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyatapanidhi Teertha
[illegible]
Kanva Shakha Math
Post: [illegible]
([illegible] Karnataka)

Some Institutions Representing [illegible]

1. [illegible]
[illegible], BOMBAY [illegible]

2. [illegible]
[illegible]

3. [illegible]
[illegible], BANGALORE [illegible]

[illegible] is publishing [illegible] in Sanskrit language. This institution is also interested [illegible] in Kerala. If they get sufficient subscribers [illegible]

Proposed convention of
"Kanva [illegible]"
in Karnataka.

Addresses of persons [illegible] referred to
Shri [illegible] Desai [illegible]

1. Shri [illegible]
High School [illegible]
[illegible]
KARNATAKA

2. Shri [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] Bellary), KARNATAKA

3. Shri [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

4. Shri [illegible]
[illegible]
[illegible]
KARNATAKA

5. Shri [illegible]
[illegible]
[illegible]
Dist: Raichur. KARNATAKA STATE

6. Shri [illegible]
Desai [illegible]
[illegible] (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri [illegible] Rao [illegible]
[illegible]
Dist: Raichur. KARNATAKA

9. Shri [illegible] Rao [illegible]
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur. KARNATAKA

10. Shri [illegible] Desai
[illegible]
[illegible]
Station Road, [illegible]
KARNATAKA

11. Dr. [illegible] Kulkarni, [illegible]
[illegible],
[illegible] Bijapur. KARNATAKA

12. Shri [illegible] Rao
Post: [illegible]
Tal: [illegible], Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri [illegible] Kulkarni
[illegible] Peth
[illegible] (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: [illegible]
[illegible]

15. Shri [illegible] Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible]
[illegible]
[illegible], BANGALORE 560 [illegible]

16. Shri C. [illegible]
Post & At: [illegible]
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] Kanva [illegible]

1. [illegible]
[illegible]
[illegible] Road, [illegible]

2. [illegible]
[illegible] BANGALORE

3. Shri [illegible] Trust
[illegible] BANGALORE 560 [illegible]

[illegible] is publishing a Monthly Magazine - [illegible]
[illegible] language. [illegible] interested [illegible]
[illegible]

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri [illegible] [illegible]

1. Shri C. N. Shrinivasamurti
High School Teacher
Honnali (Dist: [illegible])
KARNATAKA

2. Shri [illegible] Kulkarni
[illegible]ty Officer
[illegible] Sugars & Refineries Ltd.,
[illegible]pet (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 082

4. Shri [illegible] Kulkarni,
[illegible] Member
Muddebihal (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]karni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur. KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, Karnataka

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha (Regd.)
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: N[illegible]
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
Post: Hunasinole, Tal: Surapur, Dist: Gulbarga
(Karnataka)

[illegible] Institutions Representing Kanva Shakha People

1. [illegible]
[illegible] Road, BOMBAY [illegible]

2. [illegible]
[illegible], BA[illegible]

3. Shri [illegible]joshyakha Trust
[illegible], Chamarajpet, BANGALORE 560 018

P.S. [illegible] Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine [illegible] in Marathi language. This institution is also interested [illegible] the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers [illegible] from KARNATAKA.

[illegible]
[illegible]
[illegible] Karnataka

Addresses of [illegible] [illegible]
Shri [illegible]

1. Shri C. [illegible] [illegible]
High School [illegible]
[illegible] (Dist: [illegible]
KARNATAKA

2. [illegible] Kulkarni
[illegible] Officer
[illegible] Ltd.
[illegible] Bellary, KARNATAKA

3. Shri [illegible] S. [illegible]
No.[illegible], [illegible]
1st 'B', Main Road [illegible]
Jayanagar, [illegible]

4. Shri [illegible] Kulkarni,
[illegible]
[illegible] Bijapur
KARNATAKA

5. Shri Bhimasen[illegible]
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA [illegible]

6. Shri [illegible] Kulkarni
Desai [illegible],
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri [illegible] Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur. KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri [illegible] Seva [illegible]
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Post: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur [illegible]

13. Shri [illegible] Kulkarni
[illegible]
[illegible], BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: [illegible]
Via: [illegible], Dist: Raichur [illegible]

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible]
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: [illegible]
[illegible]

Addresses [illegible]

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shri[illegible]
[illegible]
Post: [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] Trust
[illegible] BANGALORE [illegible]

[illegible] in [illegible] language, this [illegible] is also [illegible] from KARNATAKA.

Proposed convention of
"Kanva Parishad"
in Karnataka

Addresses of persons who responded to
Shri N.C.Desai press note

1. Shri G. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet(Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 081

4. Shri R. G. Kulkarni,
EX.TDB Member
Muddebihar (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur,Dist:Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur,Dist:Raichur,Karnataka.

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha(Rgd.)
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Heads" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
Post: Hunasihole, Tal:Surapur,Dist:Gulbarga
(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

1. Akhil Bharat Kanva Parishad (Regd.)
11, Shankarseth Road, BOMBAY 400 007

2. Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha(Rg
6, Muniswami Layout, Ulsoor,BANGALORE

3. Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth,BANGALORE 560 018

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine - KANVA VIKAS in Marathi language, This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Proposed convention of
"Kanva Parishad"
in Karnataka

Addresses of persons who responded to
Shri N.C.Desai press note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet(Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni,
EX.TDB Member
Muddebihar (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimaseha Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur,Dist:Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur,Dist:Raichur,Karnataka.

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha(Rgd.)
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Heads" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
Post: Hunasihole, Tal:Surapur,Dist:Gulbarga
(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

1. Akhil Bharat Kanva Parishad (Regd.)
11, Shankarseth Road, BOMBAY 400 007

2. Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha(R
6, Muniswami Layout, Ulsoor,BANGALORE

3. Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth,BANGALORE 560 018

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine - KANVA VIKAS in Marathi language, This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

[illegible]

1. [illegible]
[illegible]
[illegible]
KARNATAKA

3. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] KARNATAKA

2. Shri G. S. Acharya
No.[illegible], 8th Block
1st 'B', Main Road [illegible],
Jayanagar, BANGALORE 560 0[illegible]

4. [illegible]
[illegible]
[illegible] ([illegible]
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
[illegible] Gudi
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. [illegible]
Desai Galli,
HAVERI (Dist: [illegible]
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]lkarni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR. Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas[illegible]
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. [illegible]
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
[illegible]
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.Sc. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: [illegible]

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, [illegible]

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible]
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
[illegible]

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

1. [illegible]
[illegible] BOMBAY [illegible]

2. [illegible]
6, [illegible]

3. [illegible]
[illegible]

* [illegible]

[illegible]

[illegible]

1. Shri G. [illegible]
High School [illegible]
[illegible]
KARNATAKA

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] KARNATAKA

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] Member
[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasen [illegible]
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

[illegible] K[illegible]
[illegible] Galli,
[illegible] Dist: [illegible]
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]lkarni
[illegible]
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. [illegible]
[illegible]
[illegible] KARNATAKA

9. Shri [illegible]
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
[illegible]
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. [illegible], B. S. A. M.
Sireloni,
[illegible] KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madisbirwar
[illegible]

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
[illegible] Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, Karnataka.

15. Shri G. V. [illegible] Rao.
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda [illegible] Sangh (Regd.)
6, Munieswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Address of 'Religious Head' of Kanvas

Shri Shri Shri Vidya[illegible] Teertha
[illegible]
Kanva [illegible] Math
Post: Huvinahole, Tal: Surapur, Dist: Gulbarga
(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

1. [illegible] (Regd.)
[illegible] BOMBAY [illegible]

2. Shri Shukla Yajurveda [illegible]
6, Munieswami Layout, [illegible] BANGALORE

3. Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28 [illegible] BANGALORE [illegible]

[illegible]

[illegible]

## [illegible]

1. [illegible]
[illegible]
[illegible]
KARNATAKA

2. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] KARNATAKA

3. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

4. [illegible]
[illegible] Member
[illegible] (Dist: [illegible])
KARNATAKA

5. [illegible]
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. [illegible]
[illegible]
[illegible]
KARNATAKA

7. [illegible]
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. [illegible]
[illegible]
[illegible] KARNATAKA

9. Shri [illegible]
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
[illegible]
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
[illegible]

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
[illegible]

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, Karnataka.

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda [illegible]
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

## Addresses of 'Religious Head' of Kanvas

Shri Shri Shri Vidya[illegible] Teertha
Shripadangalvaru
Kanva [illegible] Math
Post: [illegible], Tal: Surapur, Dist: Gulbarga
(Karnataka)

## Some Institutions Representing Kanva Shakha People

1. [illegible]
[illegible], BOMBAY [illegible]

2. Shri Shukla Yajurved [illegible]
6, Muniswami Layout, [illegible]

3. Shri [illegible] Trust
[illegible], BANGALORE [illegible]

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing [illegible]

[illegible]

[illegible]

7. Shri K. A. [illegible]
M.Sc. (Agri.),
[illegible]

9. [illegible]

11. Dr. B. G. [illegible], B.S.A.M.
[illegible]

12. [illegible]

13. Shri [illegible]

15. Shri G. V. [illegible]
[illegible]
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha (Regd.) Dist: Bijapur, KARNATAKA
[illegible]
[illegible], BANGALORE 560 003

[illegible] of "Religious Head" [illegible]

Shri Shri Shri [illegible] Teertha
[illegible]
[illegible]
[illegible] Hunasihole, Tal: Surapur, Dist: Gulbarga
(Karnataka)

[illegible] Kanva Shakha People

1. Akhil Bharat Kanva Parishad (Regd.)
11, Shankarseth Road, BOMBAY 400 007

2. Shri Shukla Yajurved Yuvaka [illegible]
6, Muniswami Layout, [illegible]

3. Shri Shuklayajushakha Trust
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

3. [illegible]
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

4. Shri K. A. [illegible]lkarni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR. Karnataka

5. [illegible]
Near Post Office,
Post: [illegible]
Dist: Raichur. KARNATAKA

7. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
[illegible]
[illegible]

11. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
[illegible]

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible]
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

[illegible]

6. [illegible]
M. [illegible]
[illegible]

8. [illegible]
[illegible]

9. [illegible]
[illegible]

10. Shri H. B. Joshi
[illegible]
Kalaghatagi Chawl,
[illegible], HUBLI
KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
[illegible]

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
[illegible]

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
[illegible]

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidya[illegible] Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
Post: [illegible]

[illegible]

1. [illegible]
[illegible] BOMBAY [illegible]

2. [illegible]

3. Shri Shuklayajushyakha Trust
[illegible]

N.B. Akhil Bharat Kanva Parishad, [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. [illegible]
KARNATAKA

2. [illegible]
KARNATAKA

3. [illegible]
No.[illegible], [illegible] Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 0[illegible]

4. [illegible]
[illegible] Member
[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimaseha Gudi
[illegible]
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur. KARNATAKA STATE

6. [illegible]
KARNATAKA

7. Shri K. A [illegible]
M Sc.(Agri)
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. [illegible]
[illegible] KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur. KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. [illegible], B.S. [illegible]
[illegible]
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri [illegible] Yello [illegible]
[illegible] Peth
[illegible], BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: [illegible]
Via Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

[illegible]. Shri G. V. [illegible] Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangh (Regd.)
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

15. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
[illegible]
Kanva Shakha Math
Post: Hunasihole, Tal: Surapur, Dist: Gul[illegible]
(Karnataka)

Some Institutions Repres[illegible]

1. Akhil Bharat Kanva Parishad (Regd.)
[illegible]

2. Shri Shukla Ya[illegible]
[illegible]

3. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. [illegible]

3. [illegible]

2. [illegible]

4. Shri [illegible]
[illegible] Member
[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. [illegible]
Sarar Gali [illegible]
[illegible] KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri [illegible]
Desai Galli,
HAVERI (Dist: [illegible])
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]karni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao [illegible],
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
[illegible]
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
[illegible]
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S.A.M.
[illegible],
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, Karnataka.

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha (Regd.)
6, Muniswamappa Layout,
[illegible]

16. Shri G. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of 'Religious Heads' of Kanvas

Shri Shri Shri Vidya[illegible]nidhi Teertha
Shripadangalavaru
Kanva Shakha Math
Post: Huns[illegible]hole, Tal: Surapur, Dist: Gulb[illegible]
(Karn[illegible])

Some Institutions Representing [illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]

3. [illegible]

4. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3. Shri Bhimasena Gud
[illegible]

[illegible]

[illegible]
Dist: Bijapur, KARNATAKA

[illegible]

[illegible]

[illegible] Kanvas

[illegible] Tal: Surapur, Dist: Gulb[illegible]

Some Institutions Representing [illegible]

1. Akhil Bharat Kanva Parishad (Regd.)
11, Shankarseth Road, BOMBAY 400 007

2. [illegible]

3. [illegible]

[illegible]

Proposed convention of
"Kanva Parishad"
in Karnataka

Addresses of persons who responded to
Shri W. C. Desai press note

1. Shri C. N. [illegible]
High School Teacher
Honnali (Dist: [illegible])
KARNATAKA

2. Shri R. [illegible] Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. [illegible]
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 0[illegible]

4. Shri R. G. Kulkarni,
[illegible]
[illegible] (Dist: Bij[illegible])
KARNATAKA

5. Shri Bhimaseha Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]lkarni
M.Sc. (Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ram[illegible] Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur. KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Meladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, Karnataka.

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha (Rgd.)
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 00[illegible]

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyatapanidhi Teertha
Shripadangalavaru
Kanva Shakha Math
[illegible], Tal: [illegible], Dist: Gulbarga
(Karnataka)

[illegible]ations Representing Kanwa Shakha People

1. [illegible]
11, [illegible]reeth Road, BOMBAY 400 [illegible]

2. Shri Shukla Yajurveda Yuvaka Sangha (Rgd.)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

3. [illegible] Trust
[illegible], Chamrajpet, BANGALORE 560 018

N.B. [illegible] is publishing a Monthly Magazine [illegible] in Marathi language. This institution is also interested [illegible] in Kannada, if [illegible] sufficient subscribers [illegible] KARNATAKA.

[illegible] convention of
"[illegible]"
in Karnataka

Addresses of [illegible] responded to
Shri N. C. [illegible] note

1. [illegible] C. [illegible] Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri [illegible] Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
[illegible]pet (Dist. Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, [illegible]

4. Shri [illegible] Kulkarni,
[illegible]
Mudde[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]lkarni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Gnyaneshwar Rao Kulk[illegible]
Near Post Office,
Post: [illegible]
Dist: Raichur, KARNATAKA.

10. Shri N. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
[illegible] Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahasa Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: [illegible]
Via: [illegible], Dist. Raichur, Karnataka

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible] Yajurveda Yuvaka Sangha (Regd.)
[illegible]
[illegible]

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: [illegible]
Dist: [illegible], KARNATAKA

Addresses of "Religious Heads" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shripad[illegible]
Kanva Shakha Math
Post: [illegible], Tal: [illegible], Dist: Gulbarga
(Karnataka)

[illegible] Kanva Shakha [illegible]:

[illegible]

[illegible] Trust
[illegible], BANGALORE 560 018

[illegible], Bombay, is publishing a Monthly Magazine [illegible]
[illegible] This institution is also interested to [illegible]
[illegible] get sufficient subscribers and [illegible]
[illegible]

Proposed convention of
"Kanva Parishad"
in Karnataka

Addresses of persons who responded to
Shri N.C.Desai press note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.
Hospet (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. [illegible]
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 082

4. Shri [illegible] Kulkarni
EX.TDB Member
Muddebihal (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]karni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri [illegible] Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station [illegible], HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Meladkal
Via: [illegible], Dist: Raichur, Karnataka

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible] Yajurveda Yuvaka Sangha (Regd.)
6, Muniswamappa Layout,
Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, [illegible]

Addresses of "Religious Head." of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
[illegible], [illegible] Surpur, Dist: Gulbarga
(Karnataka)

[illegible] Representing Kanva Shakha People

1. Akhil [illegible] (Regd.)
11, [illegible]seth Road, BOMBAY 400 [illegible]

2. Shri [illegible] Yajurved [illegible] Sangha (Regd.)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

3. Shri [illegible] Trust
[illegible], Chamarajpet, BANGALORE 560 018

N.B. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly [illegible]
[illegible] in Marathi language. This institution is also [illegible]
[illegible] in Kannada, [illegible] sufficient [illegible]
[illegible] KARNATAKA.

## Addresses of persons who responded to Shri N.C. Desai press note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   [illegible] (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road [illegible],
   Jayanagar, BANGALORE 560 081

4. Shri R. G. Kulkarni,
   EX. [illegible] Member
   [illegible] (Dist: Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL -583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]
   M.Sc.(Agri),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur, KARNATAKA

9. [illegible]
   [illegible] Post Office,
   [illegible]
   Dist: Raichur, [illegible]

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl,
    [illegible]
    [illegible]

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandra[illegible]
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur [illegible]

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, [illegible]

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
    Secretary,
    [illegible] Yajurveda Yuvaka Sangha (Regd.)
    [illegible] Layout,
    Ulsoor, BANGALORE 560 008

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: [illegible]

## Addresses of "Religious Heads" of Kanvas

Shri Shri Shri Vidyataponidhi Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
Post: Hunasihole, Tal: [illegible], Dist: Gulbarga
(Karnataka)

## [illegible] Representing Kanva Shakha People

1. [illegible] (Regd.)
   [illegible] 400 [illegible]

2. Shri [illegible]
   [illegible]

[illegible] Trust
[illegible] BANGALORE 560 018

P.S. [illegible], Bombay, is publishing a Monthly Magazine [illegible] VIKAS in Marathi Language. This institution is also [illegible] [illegible] got sufficient [illegible]

Proposed convention of
"Kanva Parishad"
in Karnataka

Addresses of persons who responded to
Shri N.C. Desai [illegible]

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 081

4. Shri [illegible] Kulkarni,
[illegible]
[illegible]
KARNATAKA

5. Shri Bhimaseha Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL -[illegible]31
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]lkarni
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S.A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yallo Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Muladkal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, [illegible]

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible] Yuvaka Sangha (Regd.)
6, Muniswamappa Layout,
Hosoor, BANGALORE 560 [illegible]

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

Addresses of "Religious Head" of Kanvas

[illegible] Shri Vi[illegible] Teertha
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
[illegible], Tal: S[illegible]pur, Dist: Gulbarga
(Karnataka)

[illegible] Kanva [illegible]

[illegible]
[illegible], BANGALORE [illegible] [illegible] Layout, [illegible]

3. Shri Shuklayajushyakha Trust
[illegible], Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

P.S. [illegible], Bombay, is publishing a Monthly Magazine [illegible] in Marathi language. This institution is also interested [illegible] the few pages in Kannada, if they get sufficient [illegible] from KARNATAKA.

Proposed convention of
"Kanva Parishad"
in Karnataka

Addresses of persons who responded to
Shri [illegible] Desai [illegible]

1. Shri C. R. [illegible]
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. [illegible] Kulkarni
[illegible]ty Officer
[illegible] Refineries Ltd.,
[illegible] (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road [illegible],
Jayanagar, [illegible] 560 0[illegible]

4. Shri [illegible] Kulkarni,
[illegible]
[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL [illegible]
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]
M.Sc.(Agri),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences
DHARWAR, Karnataka

8. Shri [illegible] Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur, KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur. KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri [illegible]chala Seva [illegible]
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
[illegible]loni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
[illegible], BELGAUM (Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal
Via: [illegible], Dist: Raichur, Karnataka

15. Shri G. V. Prabhakar Rao,
Secretary,
[illegible] Yajurveda Yuvaka Sangha (Rgd.)
[illegible]ppa Layout,
[illegible], BANGALORE 560 0[illegible]

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur. KA[illegible]

Addresses of "Religious Heads" of Kanvas

[illegible] Shri [illegible]
Shripadangalvaru
Kanva Shakha Math
Post: [illegible], Tal: [illegible] Dist: [illegible]
(Karnataka)

[illegible] Kanva Shakha [illegible]

1. [illegible]

2. [illegible]
5, [illegible] Layout, [illegible]

[illegible] Trust
[illegible], BANGALORE 560 019

P.S. [illegible] Kanva Parishad, [illegible], is publishing a Monthly Magazine [illegible] in Marathi language. This institution is also interested [illegible] the language in Kannada, if they get sufficient subscribers [illegible] from KARNATAKA.

N. C. Desai
G. D. Art (Ptg.)

D-4/22 Premoblie Colony
Kurla, BOMBAY-400 070.

(೪)

೨೫-೨-೨೨

[illegible] -.
[illegible] .

ಈ ಕಾಗದ [illegible] ನಿಮ್ಮ [illegible]
ಊರಿಗೆ ಮುಟ್ಟಬಹುದು.

ನಿಮ್ಮ [illegible] ನಮಗೆಲ್ಲ ಅತ್ಯಂತ ಆನಂದ ಆದರೆ- [illegible] [illegible] [illegible] ಈ [illegible] ಇವತ್ತಿಷ್ಟೆ ಬಂದು [illegible].

ನಾನು [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. ಈ [illegible]. ನಾನು [illegible] ಈ [illegible] Dr. C.M. Kulkarni [illegible] [illegible].

ಶ್ರೀ [illegible] ನನ್ನ ಪತ್ರಕ್ಕೆ [illegible], [illegible] — [illegible] [illegible] — . [illegible] [illegible].

[illegible] Photo [illegible] ಮುಂದಿನ ಪತ್ರದ ಜೊತೆ ಕಳಿಸುವೆ.

[illegible] ಆಶೀರ್ವಾದಗಳು.
[illegible] ಆಶೀರ್ವಾದ

ನಿಮ್ಮ
[illegible]

(1) Shri N. G. Kulkarni
Post. Kamadolli
Via. Kundagol
Dist. Dharwar (Karnataka)

(2) Shri H. H. Kulkarni
[illegible] Wada
[illegible] Mandir Road
Dombivli Dt: Thana.
Maharashtra

(3) ~~Shri~~ Dr. C. M. Kulkarni
Sushila Niwas
[illegible] Wali Bldg
[illegible] Bombay - 63.

(4) ~~Shri~~ Shri H. B. Kulkarni
Income Tax Office
SATARA Maharashtra

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

4

COPY

Shri D H Bairami
State Bank of India
Belgaum Karnataka

Shri R.K. Bahadur Ram

Belgaum.

Addresses of

(5)

COPY

(5)

Address of Kanva Sanstha

Akhil Bharat Kanva Parishat.
11, Shankar Seth Road
Bombay 400007
President: Shri D.N. Kulkarni

~~Religious ...~~ Kanva Parishat is publishing a Monthly Magazine "Kanva Vikas" in Marathi Language. They also desire to print few pages in Kannada if they get subscribers from Karnataka ~~It will~~ interested persons may contact them.

[illegible] convent[illegible]
"Kanva Parish[illegible]"
in Karnataka

Addresses of pers[illegible]
Shri N.C. Des[illegible]

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
[illegible]
KARNATAKA

2. Shri R. [illegible] Kulkarni
Security Officer
[illegible]
[illegible], KARNATAKA

[illegible]

[illegible] Shri [illegible] Kulkarni,
[illegible]
[illegible] (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri [illegible]
[illegible]
Dist: [illegible]

6. Shri [illegible]
[illegible]
[illegible] (Dist: [illegible])
KARNATAKA

7. Shri K. A. [illegible]
[illegible]
Asst. [illegible]
University of Agricultural [illegible]
[illegible], Karnataka

8. Shri Ramarao [illegible]
Sindhanur
Dist: [illegible], KARNATAKA

9. Shri [illegible] Kulkarni
Near Post Office,
[illegible]
Dist: [illegible], KARNATAKA

10. Shri N. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,
Station Road, HUBLI
KARNATAKA

11. Dr. [illegible]
[illegible]
Dist: Bijapur, [illegible]

12. [illegible]
Post: Madichirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur (Karnata[illegible]

[illegible]

13. [illegible]
Post & At: Malachal
Via: Gabbur, Dist: Raichur, [illegible]

[illegible]

[illegible]

Akhil Bharat Kanva Parishad (Regd.)
[illegible] Road, BOMBAY [illegible]

[illegible]
6, Munisvami Layout, Ulsoor, BANGALORE

[illegible] Trust
[illegible], BANGALORE [illegible]

[illegible] Kanva Parishad, Bombay, [illegible]
[illegible] in Marathi language. This institution is also interested to publish
[illegible]

D4/22, Premobile Colony,
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಯವರೇ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶಾಕ್ತ ಪರಿಷತ್ತು –
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೊದಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ. ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಮಾಡಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವುದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನೇ ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ. ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಸು ಬಿಳದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ.

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ S. ರಾಘವೇಂದ್ರ ರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

-ವಾಸ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು, [illegible]
ಸಮಾಯಗದಿಂದ ಆತನವರ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ಅನುಕೂಲ [illegible]
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂತಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯಗಳು ಇವೆ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು' ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು-ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲುಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರಗಳು ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಕರು ಮಹಾ-ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಕರು, ಸ್ವಾಗತಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ಪ್ರವೇಶ ದರವನ್ನೂ' ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ ದೇಸಾಯಿ.

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ಸಮಾಜದ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇದಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

D4/22, Premobile Colony,
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೆ,

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕನ್ನಡ ಪರಿಷತ್ತು-
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ. ಅಂಥಹವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಸಹಾಯ ನೀಡಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೆಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೆ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

<u>ಎಲ್ಲಿ ?</u>

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯವು. ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯವು. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣವು ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri.) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕೆ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

<u>ಯಾವಾಗ ?</u>

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು [illegible]
ನವೆಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ಯೋಗ್ಯವಾದುದೆಂದು [illegible]
ಬಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಾ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ [illegible] ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು. ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ '[illegible]'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ~~ಈಗ~~ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೊಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸದಸ್ಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ನಾಯಕರ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಘಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

D4/22, Premobile Colony,
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೆ,

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾವ್ಯ ಪರಿಷತ್ತು–
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲಿ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೆ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ. ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಸಿದ್ಧರ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು ನೋಡ[illegible] ನವೆಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ಯೋಗ್ಯ[illegible] ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯ[illegible]

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯಗಳಿವೆ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದಲೇ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು. ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕತೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು, ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ನಿಶ್ಚಿತ ಮಾಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಪ್ರಕಟವಾಗುವ 'ಸ್ಮರಣಿಕೆ'ಯನ್ನೂ ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಶೇಖರಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳು ಕುರಿತು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ.
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl,Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur,Dist:Raichur,KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd):
1, Shankarseth Road,BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 11, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿಕೊಂಡು ಮುಂದಿ- ನವೆಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ಯೋಗ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ. [illegible] ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕಾಣಿ ಜನರ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ಬಹುಮುಖ್ಯವಾದ ವಿಷಯ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚಿಸಿಯೇ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕತೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾ-ಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕರೆದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ದೇಣಿಗೆ'ಯನ್ನೂ ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕಾಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ.
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ.: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಘಗಳು ಇದ್ದರೆ- ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ-

Proposed convention of "Kanva Parishad' in Karnataka

dresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist: Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
11, Shankarseth Road, BOMBAY-400007: 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೆ,

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕನ್ನಡ ಪರಿಷತ್ತು –
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿದೆ. ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಮಾಡಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೆಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವುದು ಯೋಗ್ಯ. ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ನಿರ್ಧರಿಸಲು ಬಯಸಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನನ್ನ ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ದಯಮಾಡಿ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಗೊತ್ತಿರುವ ವಿಷಯ. ಅವರ ಜನ್ಮಭೂಮಿಯ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಸಿದ್ಧರ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮಹಾರಾಜ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಇತರ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣವೂ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವಾಗಿದೆ.

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಬಿ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸು-

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿ [illegible]
ನವಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ [illegible]
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂತಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ್ದು ಇದೆ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದಲೇ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವುದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವುದು. ಅಂದಾಜು-ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~ಸಿದ್ಧ~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವುದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಖಾತೆ'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ~~ಈಗ~~ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವುದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

---

ಪಿ.ಸಾ.: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ನಾಯಕರ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ. ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಘಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

### Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
High School Teacher
Honnali (Dist: Shimoga)
KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
Security Officer
India Sugars & Refineries Ltd.,
Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
No.623, 8th Block
1st 'B', Main Road Banashankari,
Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
Ex.T.D.B. Member
Muddebihal (Dist:Bijapur)
KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
Sardar Galli
P.O. KOPPAL-583231
Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
Desai Galli,
HAVERI (Dist: Dharwar)
KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
Asst. Entomologist
University of Agricultural Sciences,
DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
Sindhanur
Dist: Raichur,
KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
Near Post Office,
Post: MASKI
Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
Shri Sheshachala Seva Samiti
Kalaghatagi Chawl, Station Road,
HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
Hireloni,
Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
Post: Madishirwar
Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
Shukrawar Peth
Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
Post & At: Maladkal - 584113
Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
Rtd. Circle Inspector of Police
Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
Post & At: NIDONI
Dist: Bijapur, KARNATAKA

### ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

### Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Bellary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihar (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl,Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur,Dist:Raichur,KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road,BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd): 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

## Proposed convention of Kanva Parishad in [illegible]

Addresses of persons who responded to Shri [illegible]. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

[illegible]
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೆ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು - ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾವು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ಆರಿಸಿ ಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವುದು ಲೇಸು, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ, ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕೆ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯುವುದು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸು-

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿಕೊಂಡು [illegible] ನವಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ಯೋಗ್ಯವಾಗಬಹುದೆಂದು ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ವ್ಯವಹಾರಗಳ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದಲೇ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ- ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ- 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ದೇಣಿಗೆ'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಶೇಖರಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚು ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಕೋರಿಕೆ-

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹಾಶಯರೇ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶಾಕ್ತ ಪರಿಷತ್ತು-
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥಹವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹಾಶಯರ ವಿಳಾಸ-ಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರ-ವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

<u>ಎಲ್ಲಿ?</u>

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಸಿದ್ಧರ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕೆ. ರಾಘವೇಂದ್ರ ರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂ-ಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

<u>ಯಾವಾಗ?</u>

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸು-

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ [illegible]
ಸಮಾಜಗಳಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ [illegible]
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ [illegible] ಅನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಎಷ್ಟೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು. ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲುಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕತೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಖಾತೆ'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಶೇಖರಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸದಸ್ಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ.: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ಜಾತಿಯ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ. ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಘಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೆ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ನಾಣ್ಯ ಪರಿಷತ್ತು-
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯುತ್ತಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಮಾಡಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲಿ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವುದು ಅವಶ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನೇ ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೆ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ S. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ ?

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸ-

-ವಾಗ ಹಣ, ನೀರು ಮುಂತಾದ [illegible]
ನಾನಾ ಭಾಗದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗೆ ನಿಯಮ [illegible]
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯವನ್ನು [illegible]

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಾ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕಾಣಿ ಜನರ ಬಹುಮಂದಿಯ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ಪಟ್ಟಿ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ~~ಈ~~ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು' ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ಬ್ಯಾಂಕಿನ ಖಾತೆ'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ~~ಈಗ~~ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕಾಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳು ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚು ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

[illegible], [illegible]
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೇ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಸಂಘ-
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥಹವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನೂ ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದು ಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬಯಸಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

<u>ಎಲ್ಲಿ?</u>

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕೆ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

<u>ಯಾವಾಗ?</u>

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸ-

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ...

ಸಮಾಲೋಚನೆಯಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ...

ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯ ...

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕೊಂಕಣಿ ಜನರ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯಗಳು ಇವೆ. ಅವನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವುದು ಹಣ. ~~ಈ~~ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವುದು. ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲುಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವುದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕರೆದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ದೇಣಿಗೆ'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ~~ಈಗ~~ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕೊಂಕಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೊಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವುದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ

ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದ್ಯೆನಾಯ.

---

ವಿ. ಸೂ.: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕೊಂಕಣಿ ಭಾಷೆಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ. ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೇ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು— ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೇ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸ-ಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರ-ವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದು ಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವುದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

<u>ಎಲ್ಲಿ?</u>

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ. ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕೆ.ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂ-ಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೇ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

<u>ಯಾವಾಗ?</u>

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯುವದು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸು-

— ಮುಂದೆ ನೋಡಿರಿ.

-ವಾಸ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು [illegible]
[illegible]ದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ಅನುಕೂಲವಾಗುತ್ತದೆ [illegible]
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕಾಣಿ ಜನರ (ಬಹುಮಾನದ) ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚೆ ಬೇಕಾದ ವಿಷಯ. ಅವನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದಲೇ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಎಷ್ಟೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು' ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲುಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕತ್ತಿ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕರೆದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯಿಂದಲೇ 'ದೇಣಿಗೆ'ಯನ್ನು ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ~~ಹೊರಡು~~ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕಾಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳ ಕರಡು ಮಾತ್ರ ಎಲ್ಲ ಸದಸ್ಯರೂ ಬಿಚ್ಚು ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬಿನ್ನೈಸಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ.
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ.: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಸದಸ್ಯರ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ. ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸದಸ್ಯರು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೆ,

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶಾಕ್ತ ಪರಿಷತ್ತು—
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥಹರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ಸ್ವಂತ ಉತ್ತರವನ್ನೂ ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂಬುದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೆ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

<u>ಎಲ್ಲಿ?</u>

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಎ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

<u>ಯಾವಾಗ?</u>

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸಿ:-

— ಹಿಂದೆ ನೋಡಿ.

D4/22, Premobile Colony,
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೇ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶಾಕ್ತ ಪರಿಷತ್ತು –
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ಸ್ವತಃ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೆ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :–

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ. ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಸಿದ್ಧದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಎ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸು-

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು ...
ನಮ್ಮೂರಿನಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ ...
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕಾಣಿ ಜನರ (ವಿಷಯಗಳ) ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ(ದ್ದು) ಇವೆ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~...~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕೂಡಿದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯವರಿಂದ 'ದೇಣಿಗೆ'ಯನ್ನೂ ಎತ್ತಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ಈಗ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕಾಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕಾಣಿಕಾರ್ಯದ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಕೂಡಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳು ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹಾಶಯರೆ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶಾಕ್ತ ಸಂಪ್ರದಾಯ–
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥಹಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹಾಶಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲಿ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :–

<u>ಎಲ್ಲಿ?</u>

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಪೀಠದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

<u>ಯಾವಾಗ?</u>

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸು:

-ವಾಸ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳು. [illegible]

ನವಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗೆ ನಿಯಂ... [illegible]

ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯವಾದ ಮೇ... [illegible]

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂತಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಕಾಣಿ ಜನರ ಬಹುಮುಖದ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚಿಸಿಯೇ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ~~ಈ~~ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು' ಸಿದ್ಧ ಮಾಡಿದಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕರೆದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬೇರೆಯೇ 'ಬ್ಯಾಂಕ ಖಾತೆ'ಯನ್ನು ತೆರೆಯಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ~~ಈಗ~~ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಕಾಣಿ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯೆಂದು ಇಂಗ್ಲೀಷ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳು ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸದಸ್ಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

ವಿ. ಸೂ: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಕಾಣಿ ಸಮಾಜದ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸದ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಇದ್ದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ.

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasmurti
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri R. [illegible] Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri G. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'B', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist:Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri [illegible]
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. [illegible]
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shrinivas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.S. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 
11, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd)
6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine- KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

N. C. Desai
G.D. Art (Ptg.)

D-4/22 Premobile Colony
Kurla, BOMBAY-400 070.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Proposed convention of "Kanva Parishad" in Karnataka

Addresses of persons who responded to Shri N. C. Desai's Press Note

1. Shri C. N. Shrinivasamurthy
   High School Teacher
   Honnali (Dist: Shimoga)
   KARNATAKA

2. Shri B. N. Kulkarni
   Security Officer
   India Sugars & Refineries Ltd.,
   Hospet (Dist: Ballary), KARNATAKA

3. Shri S. S. Acharya
   No.623, 8th Block
   1st 'E', Main Road Banashankari,
   Jayanagar, BANGALORE 560 041

4. Shri R. G. Kulkarni
   Ex.T.D.B. Member
   Muddebihal (Dist: Bijapur)
   KARNATAKA

5. Shri Bhimasena Gudi
   Sardar Galli
   P.O. KOPPAL-583231
   Dist: Raichur, KARNATAKA STATE

6. Shri V. J. Kulkarni
   Desai Galli,
   HAVERI (Dist: Dharwar)
   KARNATAKA

7. Shri K. A. Kulkarni, M.Sc.(Agri.),
   Asst. Entomologist
   University of Agricultural Sciences,
   DHARWAR, Karnataka

8. Shri Ramarao Shriniyas Rao Kulkarni
   Sindhanur
   Dist: Raichur,
   KARNATAKA

9. Shri Chayeshwar Rao Kulkarni
   Near Post Office,
   Post: MASKI
   Dist: Raichur, KARNATAKA

10. Shri H. B. Joshi
    Shri Sheshachala Seva Samiti
    Kalaghatagi Chawl, Station Road,
    HUBLI, Karnataka

11. Dr. B. G. Kulkarni, B.E. A.M.
    Hireloni,
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

12. Shri R. Chandrahas Rao,
    Post: Madishirwar
    Tal: Sindhanur, Dist: Raichur(Karnataka)

13. Shri Dhondo Yello Kulkarni
    Shukrawar Peth
    Tilakwadi, BELGAUM(Karnataka)

14. Shri Raghavendra Desai
    Post & At: Maladkal - 584113
    Via: Gabbur, Dist: Raichur, KARNATAKA

15. Shri S. Raghavendra Rao,
    Rtd. Circle Inspector of Police
    Somavarpeth, Raichur(Karnataka)

16. Shri C. M. Joshi
    Post & At: NIDONI
    Dist: Bijapur, KARNATAKA

ADDRESS OF "RELIGIOUS HEAD" OF KANVA

Shri Vidyataponidhi Teertha Shripadangalvaru
KANVA SHAKHA MATH
Post: Hunasihole, Tal: Surapur,
Dist: Gulbarga(Karnataka)

Some Institutions Representing Kanva Shakha People

Akhil Bharat Kanva Parishad(Regd): 1, Shankarseth Road, BOMBAY-400007

Shri Shukla Yajurved Yuvaka Sangha (Regd) 6, Muniswami Layout, Ulsoor, BANGALORE

Shri Shuklayajushyakha Trust
27-28, 3rd Road, Chamarajpeth, BANGALORE 560 018

---

P.S. Akhil Bharat Kanva Parishad, Bombay, is publishing a Monthly Magazine-KANVA VIKAS in Marathi language. This institution is also interested to publish the few pages in Kannada, if they get sufficient subscribers and contributors from KARNATAKA.

Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹಾಶಯರೇ,

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು-
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥಹರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ಸ್ವತಃ ಉತ್ತರವನ್ನೂ ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹಾಶಯರ ವಿಳಾಸಗಳನ್ನು ಬೇರೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೀ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವುದು ಯೋಗ್ಯ, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನೇ ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ. ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಸಧ್ಯದ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ, ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ, ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ ಕೆ. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನೂ ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸಿ-

...., BOMBAY 400 070
Kurla, BOMBAY 400 070

ಮಹನೀಯರೇ

ವಿಷಯ: ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು-
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ.

ಮೇಲಿನ ವಿಷಯವಾಗಿ ನಾನು ಹೊರಡಿಸಿದ ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆಯ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಕೆಲವರಿಂದ ನನಗೆ ಉತ್ತರ ಬಂದಿವೆ, ಅಂಥವರಲ್ಲಿ ಕೆಲವರಿಗೆ ನಾನು ನೇರ ಉತ್ತರವನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದೇನೆ. ಉತ್ತರ ಬರೆಯದಿದ್ದರೂ ಕೆಲವರು ನಾನು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಹೋದಾಗ ನನ್ನೊಡನೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಅಧಿವೇಶನದ ನೆರವೇರಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಹಾರ್ದಿಕ ಸ್ವಾಗತ ಬಯಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಇದುವರೆಗೆ ನನ್ನೊಡನೆ ಪತ್ರವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರ ವಿಳಾಸ-ಗಳನ್ನು ಒಂದೆಡೆ ಅಚ್ಚುಹಾಕಿ ಇದರೊಡನೆ ಕಳುಹಲಾಗಿದೆ, ತಮ್ಮ ತಮ್ಮೊಳಗೆ ಪತ್ರ-ವ್ಯವಹಾರ ಮಾಡಿ ಈ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲಿ ಎಂದು ಈ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದು ಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ.

ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ? ಎಲ್ಲಿ? ಯಾವಾಗ? ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ಮುಂತಾದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿಯೇ ಚರ್ಚಿಸಿ ನಿರ್ಧರಿಸುವದು ಒಳ್ಳೇದು, ಆ ಕಾರ್ಯಕ್ಕಾಗಿ ಒಂದು ಮಧ್ಯವರ್ತಿ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಸೂಚಿಸಲು ಬೇಡಲಾಗಿದೆ.

ಈ ವಿಷಯಗಳ ಬಗ್ಗೆ ನಾನು ಕೆಲವು ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಅವಗಾಹನೆಗಾಗಿ ಇಡುತ್ತಿದ್ದೇನೆ, ಸಂಕೋಚವಿಲ್ಲದೇ ತಮ್ಮ ಅಭಿಪ್ರಾಯ, ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಕಳುಹಲು ಬೇಡಿಕೆ. :-

ಎಲ್ಲಿ?

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆಯ, ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ, 'ಅಗಡಿ' ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಹಾರಾಜರು ಅವತರಿಸಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿತ ವಿಷಯ ಅವರ ಪುಣ್ಯಭೂಮಿ "ಆನಂದವನ"ದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಒಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯ. ಈ ವಿಷಯವಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಸಿದ್ಧರ ಗುರುಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಒಪ್ಪಿಗೆಯೂ ಇದೆ, ಹವೆ, ನೀರು, ಹಾಗು ಉಳಿದ ಅಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಅಲ್ಲಿ ಅನುಕೂಲವೂ ಆಗಿದೆ

ಇನ್ನು ಧಾರವಾಡದ ಶ್ರೀ K.A ಕುಲಕರ್ಣಿ (University of Agri) ಯವರು ಧಾರವಾಡದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಯಚೂರಿನ ಶ್ರೀ S. ರಾಘವೇಂದ್ರರಾಯರು ರಾಯಚೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿ ಎಂದು ಸೂಚಿಸಿದ್ದಾರಲ್ಲದೆ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ತೋರಿದ್ದಾರೆ.

ಯಾವಾಗ?

ಯಾವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಧಿವೇಶನ ನಡೆಯಬೇಕು ಎಂದು ವಿಚಾರಿಸ-

— ಹಿಂದೆ ನೋಡಿರಿ.

-ವಾಗ ಹವೆ, ನೀರು ಮುಂತಾದ ಅನುಕೂಲತೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿ [illegible]
ನವಂಬರದಿಂದ ಜನವರಿ ಕೊನೆವರೆಗಿನ ಸಮಯ [illegible]
ಒಂದು ವಿಚಾರ, ನಿರ್ಣಯ, ಎಲ್ಲರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದ ಮೇಲೆ.

## ಅಧಿವೇಶನ ಹೇಗೆ?

ಹೇಗೆ? ಎಂದರೆ, ಅಧಿವೇಶನ ಎಷ್ಟು ದಿನ ನಡೆಯಬೇಕು, ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಗಾಣಿಗ ಜನರ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು ಮುಂತಾದ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯಗಳ ಪಟ್ಟಿ. ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷ ಚರ್ಚೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧರಿಸಬೇಕು.

## ಹಣಕಾಸು

ಕಾರ್ಯ ಯಾವುದೇ ಇದ್ದರೂ ಅದಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಬೇಕಾಗುವದು ಹಣ. ~~ಈ~~ ಕಾರ್ಯಕ್ಕೆ ಎಷ್ಟು ಹಣ ಬೇಕಾದೀತು ಎಂದು 'ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ'ಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ, ಕಲೆಹಾಕುವ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಹುಡುಕುವದು, ಅಂದಾಜು ಪಟ್ಟಿ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕಾದರೆ 'ಮನರಂಜನೆ' ಮೊದಲು ಮಾಡಿ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿವರ ~~[illegible]~~ ಸಿದ್ಧವಾಗಬೇಕು. ಅಂದರೆ ಮಾತ್ರ ಈ ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗುವ ಹಣ ಕಲೆ ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವದು.

ರೂಢಿಯ ಪ್ರಕಾರ, ಅಧಿವೇಶನದ ಪೋಷಕರು, ಮಹಾಪೋಷಕರು, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು, ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಅವರಿಂದ ವಂತಿಗೆಯನ್ನು ಕಲೆಹಾಕುವದು, ಆದರೆ ವಂತಿಗೆ 'ಎಷ್ಟು' ಎಂಬುದು, ಸಭೆ ಕರೆದಾಗಲೇ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಬೇಕು. ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆಂದೇ ಬ್ಯಾಂಕಿನಲ್ಲಿ 'ಖಾತೆ'ಯನ್ನು ತೆರೆಯಬೇಕು.

ಇನ್ನೊಂದು ವಿಚಾರವೆಂದರೆ ~~ಈಗ~~ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವ 'ಗಾಣಿಗ ವಿಕಾಸ' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ವಿಶೇಷ ಸಂಚಿಕೆಯನ್ನು ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಹೊರಡಿಸಿ, ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಗಾಣಿಗ ಸಮಾಜದ ಬಗ್ಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯಿಸಿ ಆ ಸಂಚಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಜಾಹೀರಾತುಗಳನ್ನು ಕಲೆಹಾಕಿ ಮುದ್ರಿಸಿ ಹಣ ಶೇಖರಿಸುವದು ಇನ್ನೊಂದು ವಿಧಾನ.

ಇವೆಲ್ಲ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ವಿಚಾರಗಳು ಕರಡು ಮಾತ್ರ. ಎಲ್ಲ ಸಹೃದಯರೂ ಬಿಚ್ಚುಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ

ವಂದನೆಗಳು.

ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ
ನಾನಾಸಾಹೇಬ
ದೇಸಾಯಿ.

---

ವಿ. ಸೂ.: ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿದ್ದ ಗಾಣಿಗ ಸಮಾಜದ ಸಂಘಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ವಿಳಾಸ[illegible] ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದೇನೆ, ಇವಲ್ಲದೆ ಬೇರೆ ಸಂಘಗಳು ಇದ್ದ[illegible] ನನಗೆ ತಿಳಿಸಲು ಬೇಡಿಕೆ-

Kanva Parishat
1978
Addresses

## Bombay Cont'd.

(67) K.K. Mujumdar
(68) D.M. Inamdar.
(69) R.S. Patil.
(70) G.V. Rangaswamy.
(71) V G & S.V. Hullyalakar
(72) D.K. Mandon. Bcs
(73) P.L Mandrawadkar Ambarnath.
(74) K.P. Hanumantappa
(80) D.G. Joshi Mulund.
(81) S K Lawate Mulund.
(82) K.V Narayanswamy Worli
(83) S.N. Mudhidar ~~Bandra~~ Matunga
(84) Bala Sripad Hegde Bandra.
(85) P.K. Nair Dadar
(86) K.V. Patel.
(87) S S Kulkarni Mulund
(88) K. Sudhakaran Santacruz
(89) Khanolkar Vile parle
(90) Ghorse Colaba
(91) D.K. Shah. Santacruz.
(92) P.B. Kashikar "
(93) R.P. Desai Mulund
(94) B.R. Mangalwede Adarsh Nagar
(95) Dr M.V. Natu
(96) M.K. Patil
(97) N.V. Rajan Borivli
(98) N.C. Ghanmodali Vileparle
(99) M M Kulkarni
(100) S C Kulkarni
(101) S C Kanpur
(102) V.H Joshi
(103) H.L. Kulkarni
(104) P.R. Kulkarni

## Bombay Cont'd

(105) P.K. Joshi Goregaon
(106) Sunil Khanolkar Malad
(107) D.M. Dhadwal Versova
(108) RajGopalan Prabhadevi
(109) Ganapati "
(110) Jayant Telang Tardeo
(111) Chandrakant Prabhadevi
(112) G.V Baji Malad
(113) K S Hegde
(114) V.T Patil
(115) Arun Patel
(116) B.S Kulkarni Andheri
(117) Adya.
(118) Nagesh Sirbannavar
(119) Murali
(120) Arvind Nadkarni
(121) Vasudev Murdi
(122) A.S.K. Rao. H.D
(123) Sumati D'Souza H.D
(124) Sheshkumar H.D
(125) S.N. NagaRajRao Chembur
(126) N. AnandRao "
(127) K.K Shetty "

CONT'D.

## HUBLI & DHARWAD CITY

| | | |
|---|---|---|
| (38) | P.V. Acharya | Hubli |
| (39) | S.R. Bahaddur Desai | Hubli |
| (40) | PALANKAR BROS | DWR |
| (41) | Shri Sharma | Hubli |
| (42) | G.C. Inamdar | DWR |
| (43) | M.D. Joshi | " |
| (44) | Shantaram Savadi | " |
| (45) | Nanda Masti | " |
| (46) | H.G. Kulkarni | DWR |
| (47) | V.H. Deshpande | " |
| (48) | N.M. Kulkarni | DWR |
| (49) | L.M. Nadigound | " |

## DHARWAD DIST CONT'D

| | | |
|---|---|---|
| (35) | Dhotikal | Ilkal |
| (36) | | |

## FOREIGN LETTER'S.

(1) SARALA.
(2) R.C. KULKARNI.
(3) S.D. KULKARNI.
(4) ANANT AITHAL
(5) JOHAR
(6) [illegible] DILIP.

## BOMBAY CONT'D

| | | |
|---|---|---|
| (34) | B.R. Desai | mulund |
| (35) | G.B. Joshi | – Deonar. |
| (36) | Ghan malad. | Malad |
| (37) | G.R. inamdar | worli |
| (38) | G.V. Joglekar | Thane |
| (39) | Yashwant chettal | Bandra |
| (40) | V.T. mulgund | Dombivli |
| (41) | S.R. Kulkarni | " |
| (42) | A.R. Hukkeri | " |
| (43) | B.N. Patil | " |
| (44) | M.T. mulgund | " |
| (45) | V.N. Patil. | " |
| (46) | B.G. Haridas | " |
| (47) | G.N. Patil | " |
| (48) | V.H. Joshi | " |
| (49) | Jog | " |
| (50) | S.H. Kulkarni | " |
| (51) | S.M. Kulkarni | " |
| (52) | Javali | " |
| (53) | Amingadi | " |
| (54) | Gudad / Joshi | " |
| (55) | G.A. Desponde | " |
| (56) | B.K. Kulkarni | " |
| (57) | B.D. Desai | " |
| (58) | Dersekar | " |
| (59) | L.G. Kulkarni | " |
| (60) | Kambar through H.H.K | " |
| (61) | D.V. Kulkarni | malad. |
| (62) | Karpurkar | |
| (63) | mehrawade R.G | |
| (64) | Dr chandur | |
| (65) | Sholapurkar | |
| (66) | Vasu chari ✓ | |

## TUMKUR & OTHER PLACES

1. G.K. Agadikar Tumkur
2. Savadi Bros. Harihar
3. Krishnamurthy (Ramman Honnalli)
4. R.N. Byadagi Davangere
5. K. Mahabal Rao "
6. D.K. Kulkarni "

## GUJRAT

1. Mannari Anand
2. Kotakoti "
3. S.M. Puthran Ahmedabad
4. C.L. Kulkarni Bhuj

# Shri Gajanan Prasann

| Bombay | Banglore |
|---|---|
| (1) A Shankar 13.5.87 | (1) B.A Patil. |
| (2) Vyasaraya Balla. 13.5.87 | (2) S.K. Kulkarni |
| (3) Shripati Ballar 13.5.87 | (3) C.S. Manjunath. |
| (4) prof. G.D. Joshi 13.5. | (4) N.S. Joshi |
| (5) Sanjeev Laxmeshwar 13.5. | (5) K.S.~~A~~. Narayanswamy. |
| (6) R.V. murti. 13.5 | (6) M.B. Sing |
| (7) Byatanal. | (7) Y.N.K. |
| (8) VenuGopal. | (8) Khadri Shamanna |
| (9) Kalkoti | (9) H.N. murti |
| (10) S.K. Gulwadi | (10) H.V. Nagarajrao |
| (11) D.K. mendon. | (11) K.S. Niranjan. |
| (12) Dr muttagi | (12) T.K. Rao |
| (13) G.V. Kulkarni | (13) Jairam. |
| (14) C.K. Dixit | (14) M.L. Kulkarni |
| (15) Muddebihal | (15) V.G. Wadeyar |
| (16) Gangadhar Heglur | (16) N.R. Karpur (through S.K. Kulkarni) |
| (17) mutalik. G.B. | (17) M.S.S. murti |
| (18) S.N. Gopal Rao | (18) V.C. Hittalmani |
| (19) Adur Dombivli | (19) D.A. Nanjundeshwara |
| (20) prof. S.S. Dadwad. | (20) H.S. Ventakt Ramne |
| (21) D.N. Kulkarni | (21) Natrathnakar Banashankari |
| (22) S.J. Kulkarni | (22) Niranjan & Smt Niranjan. |
| (23) Subraya Bhat | (23) R.T. Gatti |
| (24) Ramchandra ~~Vakil~~ [illegible] | (24) R. Gundurao |
| (25) B.R. mangalwede | (25) C.M. Kulkarni |
| (26) Havanur | (26) B. Rangaswamy. |
| (27) V.G. Patil-Kulkarni: | (27) Uday Chatterji — 18/5 |
| (28) M.K. Kulkarni | (28) N.M. Chandrashekhar |
| (29) Sunagond | (29) ~~[illegible]~~ |
| (30) D.R. Gudi | (30) ~~[illegible]~~ |
| (31) Hukkeri Kalawada. | (31) Anandu H.S |
| (32) G.B. Joshi | (32) [illegible] |
| (33) Dambal. | (33) G.V. [illegible] Rai |

## MYSORE

1. P.R. Tippeswamy.
2. Indramma Dr G. Venkataramania
3. M.S.K. murti

## BANGLORE CONT'D

34. Bhimsen Gudi
35. Gundurao Desai
36. S.M. Joshi
37. C.S. Kulkarni
38. Subraya. A.
39. M.S.K. murti

## HUBLI & DHARWAD CITY

1. S.V. Patil.
2. M.N. Mohishi
3. D.V. Acharya
4. Shivananda Joshi
5. M. NagarajRao
6. M.B. Despande.
7. Shiddapur M.R.
8. K.B. Kulkarni
9. Sharad Kaujalagi
10. K.B. Patil.
11. K.B. Patil-Kulkarni
12. Manoj Patil-Kulkarni
13. G.V. Vajpeyee.
13. V.P. Bengeri
14. Manoor.
15. Nazare
16. D.H. Kulkarni
17. H.B. Joshi & Co.
18. Divakar. M. Savadi
19. R.H. Sabannavar
20. Padki (ಸಾಂಬಸುತ, ಕರ್ನಾಟಕ)
21. Somanath Kulkarni
22. G.B. Joshi Manohar Granthmala
23. S.S. Wadeyar
24. Channveer Kanvi
25. Ramesh C/o murti
26. Marthand. D. Joshi
27. C.S. Kulkarni Post- dharwad.
28. Shri Sheshachal Seva Sameti DWR
29. L.V. Kanvikar
30. V.A. Bhandiwad.
31. R.B. Honnatti
32. B.R. Honnatti

## BIJAPUR AND DHARWAD DIST

1. Shri Ved Krishnacharya Rajpurohit Azadi
2. Chidambar Swamiji Anandvan.
3. Shri Guddappa Pujari Devaragudda.
4. C.S Rajpurohit Gadag
5. Vasant B. Hejib Gadag.
6. N.G. Kamadolli
7. Tadkod Bindurao deshpande
8. Chidambar Pujar Bagalkot
9. S.T. mulgund Indi
10. Anna Saheb. Ron.
11. Sadguru Atmanand Swamiji Naganur
12. S.R. motebennur Haveri
13. C.M. Kulkarni Tadas.
14. Ramarao kelkar Haveri.
15. R.N. Walvekar
16. U.N. Walvekar
17. M.B. Bahaddur Desai DWR
18. N.D. Kulkarni Haveri
19. Suresh kotyalkar Jamkhandi
20. N.R. J[illegible] H[illegible]
21. K.R. Karpur Bidar
22. Vasant Desai
23. S.N. Rajpurohit
24. YOGAPPANAVAR.
25. V[illegible] K[illegible]
27. N.B. Sardeshpande.
28. L.B. maski
29. B.S. Kulkarni Danihatti
30. H.C. Kulkarni Yelgudda
31. Gokann N [illegible]
32. G.R. Kulkarni Yelgudda
33. H.C. Kulkarni Ron
34. A.L.B. Desai Gangavati

## BELGAUM CITY & DIST

1. Shri Annadixit muragod.
2. S.N. Kulkarni Dodwad.
3. Shri Sunder dixit Saundatti.
4. R.K. Bahaddur Desai
5. Raghu. Desai.
6. Bhimrao kulkarni muragod.
7. Yogappanavar Chikkodi
8. D.H. Badami Saundatti
9. Ramesh Padaki "
10. B.G. Kulkarni Khanapur
11. K.R. Kulkarni "
12.

## SHIVMOGGA Dist-

1. R B. Inamdar — Shivmogga
2. C. Gopinath — "
3. Banerjee Govindacharya — Manipal
4. Gururaj — "
5. Raghavendra Guruji — Basavapattana
6. Ramchandra Kulkarni — Sagar.

## HANGAL

1. M.M. Kulkarni
2. R.H. Kulkarni
3. K.H. Joshi
4. J.N. Desai
5. B.B. Desai
6. V.N. Desai
7. L.H. Kulkarni — Sangur
8. Subbanna Havanagi
9. Kittanna Chimmalagi
10. Gajananrao Kulkarni
11. Jagannathrao Rithi
12. [illegible] Nadagir
13. K.L. Rajpurohit

B.N. Desai

## PUNE & Other Maharashtra City.

1. T L Kulkarni
2. Sankannvar.
3. P K. Bengeri
4. H.B. Kulkarni — Satara.
5. L.S. Kulkarni — Nagpur.
6. V.N. Kalluskar — Jaipur.
7. S.S. Akkivalli — Kolhapur
8. K.K. Ghule. — Manmad
9. J.S. Dixshit — "
10. Shrinivas kumar. — Pune.
11. S.N. Desai — Talegaon
12. M.D. Kanitakar — Pune
13. R.G. Havanur — Sholapur

Shri Gajanan Prasann

## Bombay

1. A Shankar 13.5.81
2. Vyasaraya Balla. 13.5.81
3. Shripati Ballar 13.5.81
4. Prof. G.D. Joshi 13.5.
5. Sanjeev Laxmeshwar 13.5.
6. R V. murti. 13.5.
7. Byatanal.
8. VenuGopal.
9. Kalkoti
10. S.K. Gulwadi
11. D.K. mendon.
12. Dr muttagi
13. G.V. Kulkarni
14. C.K. Dixit.
15. Muddebihal.
16. Gangadhar Heglur.
17. mutalik. G.B.
18. S.N. GopalRao
19. Adur Dombivli
20. prof. S.S. Dodwad.
21. D.N. Kulkarni
22. S.J. Kulkarni
23. Subraya Bhat
24. Ramchandra ~~Vakil~~ Ucchil
25. B.R. mangalwede
26. Havanur
27. V G Patil-Kulkarni.
28. m.K. Kulkarni
29. Sarnagoud
30. D.R. Gudi
31. Hukkeri Kalawada.
32. G.B. Joshi
33. Dambal.

## Banglore.

1. B.A. Patil.
2. S.K. Kulkarni
3. C.S. Manjunath.
4. N.S. Joshi
5. K.S.~~H.~~ NarayanSwamy.
6. m.B. Sing.
7. Y.N.K.
8. Khadri Sharmanna
9. H.N. murti
10. H.V. Nagarajrao.
11. K.S. Niranjan.
12. T.K. Rao
13. Jairam.
14. m.L. Kulkarni
15. V.G. Wadeyar
16. N.R. Karpur (through S.K. Kulkarni)
17. m.S.S. murti
18. V.C. Hittalmani
19. D.A. Nanjundeshwara.
20. H.S. VenkatRamne.
21. Natratnakar Banashankari
22. Niranjan & Smt Niranjan.
23. R.T. Gatti
24. R. Gundurao
25. C m. Kulkarni
26. B. Rangaswamy.
27. Uday Chatterji — 18/5
28. N.m. Chandrashekhar
29. ~~[illegible]~~
30. ~~[illegible]~~
31. Ananthi H.S.
32. m.R. Seturam.
33. G.V. Venktesh Rao.

## MYSORE

1. P.R. Tippe Swamy.
2. Indramma Dr G. Venkatramania
3. M.S.K. Murti

## BANGLORE CONT'D

(34) Bhimsen Gudi
(35) Gundurao Desai
(36) S.M. Joshi
(37) C.S. Kulkarni
(38) Subraya A
(39) M.S.K. Murti

## HUBLI & DHARWAD CITY

1. S.V Patil.
2. M.N. Mohisi
3. D V. Acharya
4. Shivananda Joshi
5. M. Nagaraj Rao
6. M.B. Despande.
7. Shiddapur M.R.
8. K.B. Kulkarni
9. Sharad Kaujalagi
10. K.B. Patil.
11. K.B. Patil-Kulkarni
12. Manoj Patil-Kulkarni
13. G.V. Vajpeyee.
13. V.P. Bengeri
14. Manoor.
15. Nazare.
16. D.H. Kulkarni
17. H.B. Joshi & Co.
18. Divakar. M. Savadi
19. R.H. Sabannavar.
20. Padki (ಸಂಯುಕ್ತ ಕರ್ನಾಟಕ).
21. Somanath Kulkarni
22. G B. Joshi Manohar Granthmala
23. S.S. Wadeyar.
24. Channveer Kanvi
25. Ramesh C/o Murdi
26. Marthand. D. Joshi
27. C S. Kulkarni Fort Dharwad.
28. Shri Sheshachal Seva Samiti DWR
29. L V. Kanvikar
30. V.A Bhandiwad
31. R.B. Honnatti
32. B.R Honnatti

Dombivli

S.M. Kulkarni
M.V. Deushkar
M.C. Ainapur
Vasant Kalkoti
H.H. Kulkarni
G.A. — NP
Adur — NR
B.G. Mutalik — NR
B.J. Joshi — NR
Muddebihal — NR
G.G. Neglur — NR
[illegible] — NR
[illegible]
[illegible]
[illegible] ✓
[illegible] ✓
[illegible] — NR
[illegible] G. Kulkarni ✓
[illegible] NR
[illegible] ✓
[illegible] ✓
S.G. [illegible]
A.N. [illegible]
S.R. Kulkarni
G.A. Deshapande
Shrinivas Kalkoti
A. [illegible]
Vasant Patil ✓
[illegible] ✓
B.N. Patil ✓
S.T. Mulgund ✓
S.M. Deshapande
[illegible]
B.G. Haridas ✓
S.H. Kulkarni
Smt. & Shri P.T. Kulkarni (२३७०)
[illegible] ✓
[illegible] ✓
B.K. Kulkarni ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓
S.J. Kulkarni ✓
[illegible] ✓
S.V. Kulkarni (Singer) ✓
[illegible] Kulkarni ✓
Arvind Sindagikar ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓
[illegible] ✓

K.N. Joshi
V.N. Jahagirdar
N.V. Joshi
Dixit
Paspulleear
Mallerao Deshapande
Raghavachar Joshi
Mysore Store Shetty
A. [illegible]
S.S. Kulkarni ✓
Vasant Patil
[illegible] Teacher ✓
A.S. Kulkarni —
K.C. Joshi —
G.G. Joshi —

N.B. Kulkarni ✓

[illegible]
G.N. Patil ✓ Posted
V.H. Joshi ✓
Bindorao Mulund ✓
P.S. Kulkarni Andheri
B.M. Kulkarni
D.R. Gudi
K.D. Savadi HHK ✓
Sion
Dr. C. Gopinath ✓
S.S. Kanpur Borivali ✓
B.R. Kulkarni Mulund

Bangalore:

| | |
|---|---|
| 11.5.81 B A Patil (2) Letter | 1) V.T. Mulgund |
| Joshi (Shantaram) | 2) S R Kulkarni |
| S.K. Kulkarni 15.5.81 | 3) A.R. Hukkeri |
| C S Manjunath | 4) B N Patil |
| M.S.S. Murthi ? | V N Patil |
| K T Pandurang | M.T. Mulgund |
| * K.S.N. Narayanswamy 15.5.81 | B.G. Haridas. |
| M.B. Singh 15.5.81 | G N Patil |
| Y.N.K. 15.5.81 | V H Joshi |
| Khadri Shamanna 15.5.81 | Jog |
| H N Murthi 15.5.81 | S.H. Kulkarni |
| ~~K.S.N. Murthi~~ | S.M. Kulkarni |
| H.V. Nagaraja Rao 15.5.81 | Javali |
| * K S Niranjan | G. Ambapati ? |
| T.K. Rao | Guddad / Joshi |
| Jairam 15.5.81 | G.A. Deshapande |
| V C Hillalamani | B.K. Kulkarni |
| M.F. Kulkarni | S.D. Desai |
| Ilal | ~~Doraiswamy~~ |
| D.A. Nanjundeshwara | Kumbari |
| B.S. Muddapur | Deuskar L.G. Kulkarni |
| V.G. Wadeyar 15.5.81 | |
| N.R. Kapur | |
| N.R. Kapur Haveri | |

C S Kulkarni
Bendigeri Chawl
Fort. Dharwar ?

Mysore K.R. Kalpur

Bal Raje Office

P.R. Tippeswamy 15.5.81

Indiramma Dr. G. Venkatram 15.5.81

M.S.K. Murthi C.L.

H.S. Venkat Ramree 15.5.81
Jayanagar, Blore

C. Gopinath Shimoga 15.5.81

D H Badami 15.5.81 } Saundatti
Ramesh Padki 15.5.81

G.K. Agadikar (Ranebennur) 15.5.81

Savdi Bros. (Harihar)

Bhimarao Kulkarni Murogod 15.5.81

Mannan } Anand
Kurtakoti } Anand.

~~K.T. Pandurang~~

Yugappanavar (Chikkodi)

S.S Akkivalli Kolhapur

S.T. Mulgund Indi

~~Virupakshappa~~ Maga

~~Anna Saheb~~ Ron

Shri. Sheshachala
Seva samithi
Borankar Chawl
San. Road Dharwar

N. S. N. MURTHY
Flat 9, GAURI GIRIDHAR (II fl.)
PESTOM SAGAR, CHEMBUR

V L Talwadekar
Talwadekar
6-52 BIT Block
Bellasis Road
B'bay 8

✓ (1) Shri H. R. Govind
✓ (2) Shri H. V. Krishnan
✓ (3) Shri T. H. Balasubramanian
✓ (4) Shri C. V. Ranganathan
✓ (5) Shri T. N. Eswaran
✓ (6) Shri V. S. Venkateswaran

✓ 7 Bupendran
(8) ~~Rajeshwar~~ Ramani
Somnath Rao
✓ A-205 / Janak Deep
7 Bunglow
Versova

---

✓ Nathan

LIST OF STATIONARIES

1. MYSORE SANDAL 12 Nos.
2. SUNLIGHT. 12 Nos.
3. POWDER (FACE) 1 BIG.
4. TOOTH POWDER 1 No (MONKEY)
5. CASTER OIL. 1 Bottle.
6. TOOTH PASTE. 2 Nos 500 grams.
7. WASHING POWDER POINT 5 Kg.
8. SNOW (VANISHING CREAM) PONDS 1 No.
9. MARLEY COOKER 9 Ltrs
10. Cup Saucer 1 doz.
11. Dettol.
12. Palmolive shaving cream.
13. Eue de Colgne.
14. After shave lotion.
15. Napkins.
16. SHAMPOO.
17. SHIKAKAI
18. HORLICKS.
19. Coconut oil
20. Blades - Topaz

SRI Chidambara Prasanna.

Details of delegation fees | Donation collected by (Sri G.V Venkatesh Rao & G.K. Subba Rao, B'Lore) for A.I.S.Y. Sammelan '78.

| SL.No | Book no/R.no | Name | Amount |
|---|---|---|---|
| 1 | 81/0801 | SRI. C.R. Dattatreya | 11.00 |
| 2 | 0802 | " M.L. Shamasundar | 11.00 |
| 3 | 0803 | " C.S. Shrinivasa Murthy | 11.00 |
| 4 | 0804 | " Raghavendra Rao | 5.00 |
| 5 | 0805 | " C.M. Kulkarni | 25.00 |
| 6 | 0806 | " H.B. Purohit | 11.00 |
| 7 | 0807 | " M.S. Narasimha Murthy | 11.00 |
| 8 | 0808 | " H. Viswanath | 11.00 |
| 9 | 0809 | " B.S. Prabhakar | 11.00 |
| 10 | 0810 | " B. Anantha Rao | 11.00 |
| 11 | 82/0811 | " H.S. Nagaraja | 11.00 |
| 12 | 0812 | " Dr M.V. Venkatesh | 11.00 |
| 13 | 0813 | " K.G. Krishna Murthy | 11.00 |
| 14 | 0814 | " G.A. Kampal Rao | 11.00 |
| 15 | 0815 | " K.L. Ramakrishna Rao | 11.00 |
| 16 | 0816 | " K. Janakirama Rao | 11.00 |
| 17 | 0817 | " Sripada Rao | 11.00 |
| 18 | 0818 | " A.R. Kulkarni | 11.00 |
| 19 | 0819 | " Gopalkrishna Kanpari | 11.00 |
| 20 | 0820 | " N.H. Rama Murthy | 10.00 |
| 21 | 83/0821 | " B.N. Viswanath | 11.00 |
| 22 | 0822 | " B.S. Sheshadri | 11.00 |
| 23 | 0823 | " L.V. Javali | 11.00 |
| 24 | 0824 | " M.S. Viswanath | 11.00 |
| 25 | 0825 | " G.N. Kallihal | 11.00 |
| 26 | 0826 | " S.B. Guttal | 11.00 |
| 27 | 0827 | " L.S. Govinda Rao | 11.00 |
| 28 | 0828 | " K.G. Nagaraja Rao | 11.00 |
| 29 | 0829 | " G.S. Acharya | 11.00 |
| 30 | 0830 | " G.V. Prabhakar Rao | 11.00 |
| | | | 337.00 |

Contd. 2.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | B/F | 337.00 |
| 31 | 84/0831 | Sri. | D.V. Shama Rao. | 11.00 |
| 32 | 0832 | " | S. Aswathanarayana Rao | 11.00 |
| 33 | 0833 | " | K. Murthy Rao | 11.00 |
| 34 | 0834 | " | K. Rama Rao | 11.00 |
| 35 | 0835 | " | D. Venkatachaliah | 11.00 |
| 36 | 0836 | " | D.K. Murthy | 11.00 |
| 37 | 0837 | " | K.S. Gopinath | 11.00 |
| 38 | 0838 | " | B.S. Satyanarayana | 11.00 |
| 39 | 0839 | " | K.S. Hanumantha Rao | 2.00 |
| 40 | 0840 | " | K.V. Ramachandra. | 5.00 |
| 41 | 85/0841 | " | K.V. Ramaswamy | 11.00 |
| 42 | 0842 | " | G.V. Rathanga Pani | 11.00 |
| 43 | 0843 | " | K.N. Gopalkrishna | 11.00 |
| 44 | 0844 | " | R. Jayaraman | 11.00 |
| 45 | 0845 | " | G.R. Ramachandra Rao | 11.00 |
| 46 | 0846 | " | M. Venkataramaiah | 5.00 |
| 47 | 0847 | " | C.V. Subba Rao | 20.00 |
| 48 | 0848 | " | V. Venkataramaiah | 11.00 |
| 49 | 0849 | " | Vidwan. N. Sheshadri | 11.00 |
| 50 | 0850 | " | H.S. Ramanath | 11.00 |
| 51 | 86/0851 | " | B. Ranganath | 11.00 |
| 52 | 0852 | " | Suryanarayana Rao | 5.00 |
| 53 | 0853 | " | Kodandarama Rao. M.R. | 11.00 |
| 54 | 0854 | " | H.V. Shrinivasamurthy | 11.00 |
| 55 | 0855 | " | N.R. Karpur | 101.00 |
| 56 | 0856 | " | D.P. Murthy. | 101.00 |
| 57 | 0857 | " | N.L. Balakrishna | 5.00 |
| 58 | 0858 | " | C.S. Vijayatheertha | 11.00 |
| 59 | 0859 | " | K. Ramachandra Kulkarni | 11.00 |
| 60 | 0860 | " | Lakshmana Patil | 11.00 |
| 61 | 87/0861 | | Vidwan S. Venkatesh Bhat. | 11.00 |
| | | | | 834.00 |

cont-3.

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | B/F | 834.00 |
| 62 | 0862 | Sri N.L. Narayanaswamy | 11.00 |
| 63 | 0863 | " K.H. Narayana Rao | 11.00 |
| 64 | 0864 | " M.P. Anantha achar | 11.00 |
| 65 | 0865 | " A. Nagaraja Rao | 11.00 |
| 66 | 0866 | " R. Srinivasachar | 11.00 |
| 67 | 0867 | " H.S. Narasimha Murthy | 11.00 |
| 68 | 0868 | " A. Purushotam | 11.00 |
| 69 | 0869 | " Vidwan B.G. Jayaramachar | 11.00 |
| 70 | 0870 | " Gundu Rao | 11.00 |
| 71 | 89/ 0881 | Sri M.K. Pujar | 11.00 |
| 72 | 0882 | " A.K. Kulkarni | 11.00 |
| 73 | 0883 | " Satyanarayana Rao | 25.00 |
| 74 | 0884 | " A.R. Patil | 5.00 |
| 75 | 0885 | " B. Srinivasamurthy | 11.00 |
| 76 | 0586 | " G.V. Vishwanatha Rao | 11.00 |
| 77 | 0587 | " D.S. Srinivasa Rao | 11.00 |
| 78 | 0888 | " Satyanarayana | 11.00 |
| 79 | 0889 | " K.S. Akshobyam | 11.00 |
| 80 | 0890 | " G. Narayana bhat | 2.00 |
| 81 | 90/ 0891 | " Srinivasamurthy | 2.00 |
| 82 | 0892 | " Y.G.L. Narasimha Rao | 11.00 |
| 83 | 0893 | " L.B. Venkatachalaiah | 11.00 |
| 84 | 0894 | " Srinivasa Rao | 10.00 |
| 85 | 0895 | " Chandrashekaraiah | 2.00 |
| 86 | 0896 | " H.K. Rajapurohit | 11.00 |
| 87 | 0897 | " L.S. Vasantha kumar | 11.00 |
| 88 | 0898 | " B. Rama Rao | 2.00 |
| 89 | 0899 | " T.R. Pyati | 11.00 |
| 90 | 0900 | " B. Venkatesh | 11.00 |
| | | | 1124.00 |

Cont 4 P.T.O.

(4)

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | B/F | 1124.00 |
| 91 | 57/0571 | Sri. P.V.S. Sharma. | 5.00 |
| 92 | 0572 | Smt. D. Prema. | 5.00 |
| 93 | 0573 | Sri Jagantha Rao | 5.00 |
| 94 | 0574 | " R.S. Vasudeva Murthy | 5.00 |
| 95 | 0575 | " D. Krishna Murthy | 5.00 |
| 96 | 0576 | " L. Krishna Murthy | 5.00 |
| 97 | 0577 | " P. Ramesh | 5.00 |
| 98 | 0578 | " L. Gururaja Rao | 5.00 |
| 99 | 0579 | " P. Ramachar | 5.00 |
| 100 | 0580 | " M.R. Siddalingaiah | 5.00 |
| 101 | ~~58~~ 60/0601 | Sri S.K. Kulkarni | 20.00 |
| | | | 1194.00 |

(Rs one thousand ninety three only)

Total 1194.00

Sl.no 56 (R) Less 101.00

1093.00

G. Venkatesh Rao

[signature]

B/L... 24/12/78

Particulars of ~~delegates~~ Reception Committee members who have paid Rs 25/ and above.. Page 1

| S.No | Receipt No | Name and address | Amount |
|---|---|---|---|
| 1 | × 2051 | Bharda Company Azad Road Bijapur | 75-00 |
| 2 | × 2052 | Gokhale & Co. Bijapur | 75.00 |
| 3 | × 2053 | Arogya Nivas. Bijapur. | 75-00 |
| 4 | × 2055 | Mr. G.M. Kulkarni. Shiral chetty chowk Bijapur | 25 00 |
| 5 | × 2056 | Mr. K.H. Patil. Ramprasad Galli Bijapur | 25.00 |
| 6 | 2057 | Mr. R.S. Kulkarni, Miragi Taq Indi | 101.00 |
| 7 | 0012 | Mr. Narayan Rao Padaki, Divan Devadi | 62.00 |
| 8 | 0015 | Mr. Umakant Rao. Sub. Div. Officer. Aurangabad | 25.00 |
| 9 | 0016 | Mr. S.D. Kulkarni, Aurangabad. | 25 .00 |
| 10 | 2858 | Mr S.H. Hejib. Dajiban Pet. Hubli | 25 00 |
| 11 | 2421 | Mr. G.C. Kulkarni. At Karadagi Taq Savanur | 51.00. |
| 12 | 2422 | Mr. D.M. Kulkarni at Karadagi Taq Savanur | 51-00 |
| 13 | 2423 | Mr. G.B. Kulkarni At Karadagi Taq Savanur | 51-00 |
| 14 | 2425 | Chairman D.P.P Society Karadagi Taq Savanur. | 101.00 |
| 15 | 0539 | Yagnavalka Yuvakasangh Jayanagar Bangalore | 101-00 |
| 16 | 0540 | Mr M.R. Sethuram. Jayanagar Bangalore | 25 00 |
| 17 | 1802 – | Mr. V.R. Kulkarni Mulagund | 101-00 |
| 18 | 2033 | Dr. G.S. Joshi Mamadapur. Bijapur | 25-00 |
| 19 | 2038 | Mr. G.G. Deshpande. Godbole Mala Bijapur | 25-00 |
| 20 | 2303 – | Mr. D.B. Kulkarni. Ranibennur | 25.00 |
| 21 | 1461 | Yogis Yagnavalka Sangh. Bellary | 101.00 |
| 22 | 1465 – | Mr. K Vithal Rao Gandhi Nagar Bellary | 25.00 |
| 23 | 2734 – | Mr. C.R. Kulkarni Muddebihal | 25.00 |
| 24 | 2735 – | Mr. K.P. Sarafa. Vanahalli Muddebihal | 25 00 |
| 25 | 2736 – | Mr. S.V. Kulkarni. Hulagabal. Muddebihal | 25.00 |
| 26 | 2737 | Mr V.B. Kulkarni, Bailkur Muddebihal | 25 00 |
| 27 | 2738 | Mr Mallarao Kulkarni Hulagabal " | 25.00 |
| 28 | 2739 | Mr. R.G. Kulkarni, Nalavadagi " | 25.00 |
| 29 | 2740. | Mr. Y.B. Kulkarni Muddebihal | 25.00 |
| 30 | 2061 – | Mr R.T. Desai. Jamakhandi. | 251-00 |
| 31 | 2861 | Mr. C.N. Desai. Agadi | 25.00 |
| 32 | 2744 | Mr. N.K. Kulkarni Nagura. Muddebihal | 25 .00 |
| 33 | 2745 | Dr. S.G. Hadalageri, Muddebihal | 25.00 |
| 34 | 2746 | Mr. V.K. Deshpande Muddebihal | 25.00 |

Sarvasri

| | | | |
|---|---|---|---|
| 35 | 2747 | x M.R. Deshapande Muddebihal | 25.00 |
| 36 | 2748 | x N.V. Sastry Muddebihal | 25.00 |
| 37 | 2749 | x B.M. Kulkarni Muddebihal | 25.00 |
| 38 | 2750 | x D.G. Kulkarni Muddebihal | 25.00 |
| 39 | 0191 | J.M. Pathak, Dombivali, Bombay | 25.00 |
| 40 | 0192 | Dr. G.G. Pathavardhana, Dombivali Bombay | 10[illegible].00 |
| 41 | 0195 | K.G. Kulkarni, Goregaon Bombay | 25.00 |
| 42 | 0200 | M.S. Deshapande Bombay | 25.00 |
| 43 | 2721 | V.R. Kulkarni Talikoti, Muddebihal | 25.00 |
| 44 | 0181 | N.B. Pujara, Shimpoli, Bombay | 51.00 |
| 45 | 0184 | S.S. Karpura Bombay | 25.00 |
| 46 | 0187 | N.K. Huilgol, Bombay | 51.00 |
| 47 | 2078 | Dr. G.D. Badachikar Medical officer ~~Banahatti~~ | 25.00 |
| 48 | 2074 | N.G. Bagalkot, Rabakavi, Jamalchausi. Banahatti. | 101.00 |
| 49 | 1531 | G.K. Karpur Mahim Bombay | 101.00 |
| 50 | 1538 | V.S. Karpur Mulund Bombay | 25.00 |
| 51 | 1540 | Chidambar Sankannavar Bombay | 25.00 |
| 52 | 1581 | K.K. Timmapur Dombivali, Bombay | 25.00 |
| 53 | 1326 | R.K. Nadager, Kundagol. | 25.00 |
| 54 | 2961 | K.B. Visvanathaia, Kittanakere, Donanakere Po Arasikeri | 25.00 |
| 55 | 2963 | K.V. Srinivasaiah " " | 25.00 |
| 56 | 2966 | K. Laxminarayanappa do. do | 25.00 |
| 57 | 2906 | L.L. Joshi, T.P.C. Bankapur | 25.00 |
| 58 | 2276 | D.M. Kulkarni, Guttal. | [illegible].00 |
| 59 | 0651 | V.R. Kulkarni, Forest Conservator Sivamogge | 25.00 |
| 60 | 0652 | L.P. Nanjundappa, Lakavalli Dist Sivamogge | 25.00 |
| 61 | 2993 | S.M. Joshi Haveri | 25.00 |
| 62 | 2996 | C.M. Kulkarni Haveri | 25.00 |
| 62 | 2144 | S. Ganesha Rao At Doopadahalli, Kotlur | 25.00 |
| 64 | 2150 | Chidambar Seva Sangh, Davanageri | 101.00 |
| 65 | 1112 | P.V. Joshi, K.F.C. Hubli | 51.00 |
| 66 | 1113 | V.G. Maholi, K.F.C. Hubli | 51.00 |
| 67 | 1114 | V.R. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| 68 | 2231 | V.L.B. Desai Agadi | 25.00 |
| 69 | 2238 | R.C. Kulkarni Haveri | 25.00 |

Sarvari

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 70 | 2292 | B.B.B. Desai | Agadi | 25.00 |
| 71 | 2203 | L.S.B. Desai | Agadi | 25.00 |
| 72 | 2204 | N.N.B. Desai | Agadi | 25.00 |
| 73 | 2207 | S.M. Agadikar | Agadi | 25.00 |
| 74 | 0731 | Rama Rao Hulkar | Dharwar | 101.00 |
| 75 | 1722 | M.T. Kulkarni | Malatesh krupa 269 Bangalore | 25.00 |
| 76 | 2288 | B.C. Badami Naik | Haveri | 25.00 |
| 77 | 0954 | C.V.B. Visvavalka Rao | Srinivaspura | 25.00 |
| 78 | 3955 | C.R. Subba Rao | Srinivasapur Dist Kolar | 25.00 |
| 79 | 3956 | C.N. Sathyadeva | Srinivasapur Dist Kolar | 25.00 |
| 80 | 3960 | B.S. Kulkarni | Devihousura | 51.00 |
| 81 | 2321 | K. Sathya Narayanarao | officer of S.B.H Hydrabad | 25.00 |
| 82 | 2322 | V.N. Joshi | officer of C.B. India Lingampally Hydrabad | 51.00 |
| 83 | 2323 | Ramakrishna Rao | Advocate Hydrabad | 25.00 |
| 84 | 2327 | G.N. Shirodakar | Income Tax officer Hydrabad | 25.00 |
| 85 | 2328 | G.V.L. Narasinha Rao | Advocate Hydrabad | 25.00 |
| 86 | 2329 | H.G. Imarati | Administrative officer LIC Hydrabad | 25.00 |
| 87 | 2365 | Mohana Rao Kulkarni | Yagnavalka Sangh Hydrabad | 51.00 |
| 88 | 2366 | Ramachandra Rao Deshapande | Housing Society Adhyaksha - Hydrabad | 51.00 |
| 89 | 2368 | S.K. Duragaiah | Yagnavalka Sangh " | 25.00 |
| 90 | 2370 | Yagnavalka Sangh | Hydrabad | 101.00 |
| 91 | 1701 | S.K. Mulagund | Aladakatti Haveri | 25.00 |
| 92 | 0805 | C.M. Kulkarni | Rajaji Nagar 269 Ist Main Block Bangalore | 25.00 |
| 93 | 0806 | H.B. Purohit | 34/A Rajaji Nagar Bangalore | 25.00 |
| 94 | 1194 | S.B. Joshi | S.B.I Dharwar | 25.00 |
| 95 | 1199 | T.C. Patil Vakil | Hosayellapur Dharwar | 51.00 |
| 96 | 1713 | H.B. Joshi | Kalaghatagi Chawl Hubli | 25.00 |
| 97 | 1714 | P.H. Savadi | K.E.C. Hubli | 25.00 |
| 98 | 1715 | C.M. Savadi Joshi | M.S.R.T.C Hubli | 25.00 |
| 99 | 2163 | K.S. Kamarao | Sikarapura | 25.00 |
| 100 | 2164 | S. Ananda Rao Betura | Sikaripur | 25.00 |
| 101 | 3615 | S.S. Bhima Rao | " | 25.00 |
| 102 | 3883 | Sathyanarayana Rao | No 114 Banashankari Bangalore 50 | 25.00 |
| 103 | 1761 | G.B. Joshi Athani | Kanva Samiti | 101.00 |
| 104 | 1947 | Shukla Yajurveda Sabha | Madras | 221.00 |

Page - 41

| | | | |
|---|---|---|---|
| 105 | 1918 | S N Kulkarni Sulikatti Hubli | 25.00 |
| 106 | 1949 | A S Joshi, Narayanapura, Tq Surpur, Dist Gulbarga | 25.00 |
| 107 | 1990 | J. N. Desai | 25.00 |
| 108 | 3634 | Venkoba Rao Desai Kamalapur via Hospet | 51.00 |
| 109 | 3635 | Bengallu Narasihachar Kamalapur Hospet | 51.00 |
| (110) | 3637 | K Raghavendra Rao . Hospet | 51.00 |
| (111) | 3639 | K Swamirao Hospet | 25.00 |
| 112 | 2247 | Kamadhar B. Honnatti . Dharwar | 25.00 |
| 113 | 2261 | K.N Deshapande Garag Dharwar | 25.00 |
| 114 | 2262 | S.N Deshapande Garag Dharwar | 25.00 |
| 115 | 2263 | H.D. Kulkarni Garag Dharwar | 25.00 |
| 116 | 2264 | K.D. Kulkarni Garag . Dharwar | 25.00 |
| 117 | 2267 | B.C. Deshapande Tadakod Dharwar | 25.00 |
| 118 | 0541 | R.S. Dixit Davangere | 25.00 |
| 119 | 0542 | Shri Chandra Sekhar Dixit | 75.00 |
| 120 | | Printing Press | |
| 121 | 0547 | Vijay Distributors Gadag | 75.00 |
| 122 | 0548 | N. B. Mutalik Gadag | 25.00 |
| 123 | 1815 | Yajnavalkya Samity Sahabad | 75.00 |
| 124 | 1829 | S. B. Kulkarni Devagiri | 25.00 |
| 125 | 2975 | K B Dinakar Byadagi | 25.00 |
| 126 | 2980 | M C Kulkarni Talkies Byadagi | 25.00 |
| 127 | 1122 | S B Patil 14/84 TKT Dandeli | 25.00 |
| 128 | 1123 | Laxminarayan Manager Canara Bank | 25.00 |
| 129 | 1124 | M M Patil Dandeli [illegible] | 25.00 |
| 130 | 1125 | T Prabhakar Rao, TKT Quarters Dandeli | 25.00 |
| (131) | 1126 | - R S Kulkarni Type 37 Dandeli | 25.00 |
| (132) | 1127 | - B J Kulkarni [illegible] Hubli | 25.00 |
| (133) | 1128 | - S.S. Punyavant Keshwapur " | 25.00 |
| (134) | 2487 | - B. G. Shellikeri, Hubli | 25.00 |
| (135) | 2488 | - B. H. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| (136) | 2489 | - M. M. Joshi K.S.R.T.C Hubli | 25.00 |
| (137) | 2490 | - D. M Kulkarni Hubli | 25.00 |
| (138) | 1009 | - S T Kanavi Ghantiker, Hubli | 25.00 |
| (139) | 10[illegible] | - R R Kulkarni Hosur Hubli | 1012.00 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 140 | 2356 | Krishanrao Kulkarni Hydrabad. | 25-00 |
| 141 | 2358 | J.V Rama murty S.C Astt H.S " | 25-00 |
| 142 | 0855 | N.R. Karpur no 3736 Gayitrinagar | 101-00 |
| 143 | 0856 | D.P Murty no.166 4th Cross B.lore | 101-00 |
| 144 | 2229 | M.V Havanur Agadi Bagalkot 19 | 25-00 |
| 145 | 2211 | C.V. Kulkarni Teacher | 25-00 |
| 146 | 2331 | G Venkatrao, Canara Bank Hydrabad. | 51-00 |
| 147 | 2333 | Ramakrishnarao, Advocate " | 25-00 |
| 148 | 2335 | S Narayanrao Salt agent " | 25-00 |
| 149 | 2336 | V. J Sastry 33/4R1/ | 25-00 |
| 150 | 2337 | Sitaram. V. Housing, 1.8.4392 " | 51-00 |
| 151 | 1243 | G. C. Nadagouder Vishweshwar N. Hubli | 25-00 |
| 152 | 1264 | S. L Gadi vidyanagar. Hubli | 51-00 |
| 153 | 1265 | R. B. Kalliwal Hubli | 25-00 |
| 154 | 1246 | B. P. Deshpande Hubli | 25-00 |
| 155 | 1247 | B.T. Patil Kulkarni Hubli | 25-00 |
| 156 | 1248 | N. K. Agadi Hubli | 25-00 |
| 157 | 1249 | A. L. B. Desai Hubli | 25-00 |
| 158 | 1250 | M. M. Joshi K.E.C Hubli | 25-00 |
| 159 | 2345 | G. Shrinivasrao Manager C.B of I Hydrabad | 25-00 |
| 160 | 2491 | D.V Anantnarayan Hubli | 25-00 |
| 161 | 2492 | P.G Tabib pleader Hubli | 51-00 |
| 162 | 2493 | D. N Phatak Rupam Talkies Hubli | 25-00 |
| 163 | 2494 | B.T. Bangalore Ashoknagar Hubli | 101-00 |
| 164 | 2495 | G. M Kori Killa Hubli | 51-00 |
| 165 | 2496 | K.P. Joshi Savokar Bldg Vidyanagar | 101-00 |
| 166 | 0086 | D.N Amrapurkar City Ahmednagar | 25-00 |
| 167 | 2604 | K. L. Desai Sudi Ron. | 25-00 |
| 168 | 2671 | L R. Kulkarni T.D.B.O. Ron. | 25-00 |
| 169 | 2672 | V. S. Kulkarni Ron. T. Ron | 25-00 |
| 170 | 2673 | D. S. Kulkarni Kurahatty. | 25-00 |
| 171 | 2621 | Dr. K.V Joshi Chikmagudda Badami | 51-00 |
| 172 | 2622 | Malarah Bhattaru Pujar " " | 101-00 |
| 173 | 2623 | Yajeshwar Bhatta Pujar " " | 25-00 |
| 174 | 2624 | J. S. Pujar " " " | 25-00 |

6

| | | | |
|---|---|---|---|
| 175 | 2635 | S.P Rao, Badami Bijapur | 25=00 |
| 176 | 2636 | J.V. Kulkarni Badami. Badami | 25=00 |
| 177 | 2637 | N.K. Bangalore Section O, Badami | 25=00 |
| 178 | 2641 | R.J. Kulkarni Ron. Dharwar | 51=00 |
| 179 | 2643 | V.M. Kulkarni R.T. Ron " | 25=00 |
| 180 | 2645 | R A Kulkarni H M Ron | 25=00 |
| 181 | 2646 | V.V. Joshi Ron Ron, Dharwar | 25=00 |
| 182 | 2650 | K.R Kulkarni R Teacher Ron | 25=00 |
| 183 | 2653 | D.L. Kulkarni Kiruhatty Ron | 25=00 |
| 184 | 2661 | P.N Kulkarni Harsur Guledgudda | 25.00 |
| 185 | 2664 | Sri M.S. Joshi Hirehal Tq Ron | 25.00 |
| 186 | 1231 | K.N. Nimbargi Hubli | 25.00 |
| 187 | 1234 | G.N. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| 188 | 1235 | M.L. Kulkarni (Agadi) Hubli | 25.00 |
| 189 | 1237 | R.K. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| 190 | 1238 | S.H. Patil M.H.B. Hubli | 25.00 |
| 191 | 1239 | R.N. Chakravarti Hubli | 25.00 |
| 192 | 1240 | B.G. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| 193 | 1011 | Tippaji B. Parvati Hubli | 25.00 |
| 194 | 1012 | G.S. Pachalag Hubli | 25.00 |
| 195 | 2471 | G.G. Kulagiady Durgadbail | 25.00 |
| 196 | 2462 | T.G. Kulkarni Hubli (Bagewadi) Hubli | 25.00 |
| 197 | 2469 | S.G Patil Vikasnagar Hubli | 25.00 |
| 198 | 2470 | L.D. Desai Old Hubli Hubli | 25.00 |
| 199 | 2451 | T. Chalambar Math (Durgadbail) Hubli | 25.00 |
| 200 | 2452 | H.S. Doddawad Hubli | 25.00 |
| 201 | 2453 | R.J. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| 202 | 2454 | K.B.P. Kulkarni Hubli | 25.00 |
| 203 | 2455 | N.K. Kulkarni Old Hubli Hubli | 25.00 |
| 204 | 2456 | S.V. Kulkarni Old Hubli Hubli | 25.00 |
| 205 | 2457 | S.N. Kulkarni Old Hubli MS Road | 25.00 |
| 206 | 2458 | P.K. Mutalik K.E.C. Hubli | 25.00 |
| 207 | 2459 | S.A. Rajapurohit Old Hubli | 25.00 |
| 208 | 2460 | V.K. Patil C/o C.K. Karjagi Hubli | 25.00 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 209 | 1561 | Dr. D R M. Nadagowda Hubli | 25.00 |
| 210 | 1562 | Mr. R.B. Desai Hubli | 25.00 |
| 211 | 1565 | R.V. Rajpurohit Hubli | 25.00 |
| 212 | 2180 | L. Laxminarayan Rao Kamalapur | 25.00 |
| 213 | 2132 | T.S. Kanamadi Hadagali Davangere Distt. | 25.00 |
| 214 | 2641 | Channabasava Swamiji Diggavi | 101.00 |
| 215 | 2648 | R.S. Venkatesh Rao Shobana Chitradurga | 25.00 |
| 216 | 1734 | N.D. Kulkarni Shirshi Haveri | 25.00 |
| 217 | 2501 | Govinda Setty Dodmani Mulagunda | 251.00 |
| 218 | 2502 | S.R. Chadapalli Mulagunda | 51.00 |
| 219 | 2503 | K.N. Desai Mulagunda | 25.00 |
| 220 | 2505 | Dr. M.C. Saraf Mulagunda | 25.00 |
| 221 | 1373 | D.H. Koppal Bishop Mallikarjun | 25.00 |
| 222 | 1394 | Dr. Saraf Sr. Hosa Yellapur Dharwar | 25.00 |
| 223 | 1369 | L.G. Kulkarni Station Road Dharwar | 51.00 |
| 224 | 1491 | G. Ramesan Acharya Bellary | 25.00 |
| 225 | 1132 | S.B. Kulkarni M.P.C. Hirekalagi | 25.00 |
| 226 | 1133 | G.C. Joshi M.P.C. Hirekalagi | 25.00 |
| 227 | 1881 | L.P. Desai advocate Ranebennur | 25.00 |
| 228 | 1335 | G.N. Kulkarni Syndicate Bank | 25.00 |
| 229 | 2119 | G.B. Kollurayai Church street Savinagi Byadagi Davangere | 51.00 |
| 230 | 0755 | L.K. Kulkarni 291 SPM Road Belgaum | 25.00 |
| 231 | 0759 | D.B. Inamadar Audit office Khanapur Belgaum | 25.00 |
| 232 | 1491 | H Devaraj B.F Civil Hunasagi | 25.00 |
| 233 | 1492 | T.P. Padmanabhan Chamrajpet Bangalore | 51.00 |
| 234 | 1493 | V.S. Shridharmurty Hunasagi | 51.00 |
| 235 | 1496 | T. Hanamanthrao Azadnagar Raichur | 25.00 |
| 236 | 1498 | S.D Joshi DesaiGalli Haveri | 51.00 |
| 237 | 1499 | ~~D.B " " Haveri~~ | 51.00 |
| 238 | 1500 | J D. Joshi N.I B C 85215 | 25.00 |
| 239 | 1896 | S.P. Bhaddur Desai Agadi | 101.00 |
| 240 | 2257 | S.P. Patil Kanvalli T Haveri | 25.00 |
| 241 | 2252 | D.S. Kulkarni Kanavalli Haveri | 25.00 |
| 242 | 2255 | C.L. Patil Kanawalli Haveri | 25.00 |
| 243 | 2101 | S. NarayanRao Mittawalli Davanagere | 51.00 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 244 | 1963 | R. R. Nadagouda, Garag Dharwar | 25=00 |
| 245 | 1904 | G. V. Mutalik nadagowad Tadakod " | 25=00 |
| 246 | 1371 | N. D Bijapur Lakamanahalli Dharwar | 25=00 |
| 247 | 1373 | G. M. Mulagund State Bank Collony Dharwar | 25=00 |
| 248 | 1374 | M. B. Patil Kulkarni Mosur Naik. Dharwar | 25=00 |
| 249 | 1380 | V. D. Kulkarni Madihal Dharwar | 25=00 |
| 250 | 0621 | Desai Ramrao, Kamalpur | 25=00 |
| 251 | 0623 | K. Madhavrao, Kamalpur | 25=00 |
| 252 | 0625 | K Muralidhar Rao. " | 25=00 |
| 253 | 0626 | M, Praneshrao Kamalpur | 25=00 |
| 254 | 0627 | B. Shriniwashacharya. " | 25=00 |
| 255 | 0628 | Desai Chidamberrao. " | 25=00 |
| 256 | 6629 | B. Praladharao. Kamalapur | 25=00 |
| 257 | 0630 | K Rangarao. Kamalpur | 25=00 |
| 258 | 0786 | S. K. Joshi Railway Hospital. Belgaum. | 25=00 |
| 259 | 0788 | S. R. Patil T Bailhogal: Gov. hospital | 25=00 |
| 260 | 0787 | ~~K. V. Karpur Tippadoni D~~ [illegible] Patil [illegible] Ramdurg [illegible] | 101=00 |
| 261 | 2561 | K. V. Karpur Tippadoni Dharwar | 25=00 |
| 262 | 2567 | B. L Kulkarni Shiggon | 25=00 |
| 263 | 0003 | Gadgil Bombay (DNK. | 25=00 |

N. C. Desai
G. D. A. (Pr.)

D-4/22 Premobile Colony
Kurla, BOMBAY - 400 070.

---

ಶ್ರೀ. [illegible]
ಶ್ರೀ. [illegible]
ಶ್ರೀನಿವಾಸಪುರ. ಜಿ. ಕೋಲಾರ

---

Trimatastha Sangha
Shri. A. Nagarajaya -
Near Railway Gate
Gandhi Nagar
Yelahanka
Bangalore. North.

---

ಶ್ರೀ [illegible]
Post } Sedam
Tal: }
Dist: Gulbarga

---

ಶ್ರೀ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ರಾವ್.
[illegible]
[illegible] Mulabagilu
Dist. Kolar

---

[illegible]
[illegible] P O
Doddaballapur
Taluk. Kolar Dist

---

[illegible]
[illegible] P. 2 At
Tq. Channarayapatna
Dist: Hassan.

---

Shri. Ramakrishna rao
advocate
Kachiguda
Hyderabad.

---

ಶ್ರೀ [illegible]
Post: [illegible]
[illegible]
Dist: Kolar

---

ಶ್ರೀ [illegible]
[illegible] - Post.
Tal: [illegible]
Di: Raichur,

---

Shri J. B. Venkobacharya
[illegible]
[illegible], [illegible]
Dt: Raichur

Shri. B.R. Kulkarni C/o Kanvamath.

---

[illegible]

C/o K.S. Sheshappa

Shri Krishna Bharan

Chintamani. Kolar. Dist.

Shri Ramarao Paga

S.P.

Bidar.

Shri G. Vasudeo Rao.

Asst: Ex. Engineer.

Chulki Nala

Post } Basavakalyan
Tal }

Dist Bidar.

---

Shri. Yajnavalkya Sangha

Hyderabad

House No 4-7;178 Residancy Staff Qrtss

Esamiah Bazar.

Presi: Manohar Rao Kulkarni Sey S.K. Durgaih

---

[illegible] Bhimacharya Jahagirdar

Koppal.

Shri. B. Sethurao

Advocate

Post } Hindapur
Tal }

Dist. Anantpur

AP

---

Shri K [illegible]appajja

Music Teacher

Govt: College

Kolara, (Karnataka)

Sanyas Deepika.

Yajnavalkya

---

Shri. H.B. Purohit.

34/A First ~~Floor~~ Block. Rajaji Nagar

Bangalore 10 560010

Shri Bhimarendar Jahagirdar

Printing Press

Near Bus stand

Lingasur | Dt. Rai[chur]

N. C. Desai
G. D. Art (Prg.)
D-4/22 Premobile Colony
Kurla, BOMBAY - 400 070.



Sri Govinda Rao Kulkarni
ಶಿಕ್ಷಕ ಬಂಗಲೆ
Yadgir
Dt: Gulbarg.

Shri Pandurang Ramchandra Naik
Saraff
Po at } Nilang
Dist: Bidar.

Shri Narasing Rao Vakil
Po Tk } Jevargi
Dt. Gulbarga

Dr. Badri Narayan Paga M.B.B.S
PO Tk } Jevargi
D Gulbarga.

Shri Ramachandra Rao Kulkarni
Po at } Dubalgandi
Tal: Humnabad
Dist: Bidar.

Shri Sethu Madhava Rao Balganur
Revenue Inspector
Tahasil office
Shahapur.
Gulbarga Dist.

Shri Pampanabhatt Joshi
Po at } Nandawadgi
Tal. Hunagunda
Dist: Bijapur

G. K. Srinivasa Rao
C/o Dr. S. Maheswaran MBBS
Geeta Clinic
Rama Samudram (Punganur)
Dt. Chitoor. AP.

Shri Sheshacharya Uravakond
ಉರವಕೊಂಡ
Anantpur AP.

Shri Manik Rao Deshpande
Po at } Bhalki
Dist: Bidar.

Shri V. G. Naik C/o G. V. Naik
Nursing Home
Near Teeranga Talkies
(Gulbarga)

ಶ್ರೀ ...
Post } Chilapur
D. Gulbarga

Shri Sivamirao Desai
Advocate

Dr. G. Srinivasan
"Satyasri"
164, I Main Road,
Jayalakshmipuram,
Mysore - 12.

K. S. Ramakrishna Rao
No. 36, Jayalakshmipuram I Main
Mysore - 570012, Karnataka.

1) it Regarding · 500/-

NB Pujar
6 Kasturi.
Kastur Park
Sinpoli Rd Borivili West
Bbay 92

(18) Shri Shukla Yajurveda Yuvak Sangh
Kama Nilaya
38 Krishnappa Block 15th Cross
Maheshwaram Bangalore. 560003

(23) Yajnavalkya
Seva Kutir
Vangepuram Post
Via: Guntur
A.P

(19) Swa Shakha Samithi
Shri. C B. Anantramrao
Shrinivaspur Dist. Kalar

(20) Shri. Brahma Chaitanya Ashram
Post: Vidurashwatha
Tal: Gouribidanoor
Dist: Kalar

(21) Shri. Shiva Chidambara Seva Samiti
Vanigeri Post
Tal: Yalaburga
Dist: Raichur.

22) Srinivas Shukhyajushakha Sangh
Post. Tubagere
Doddaballapur Taluk
Dist. Bangalore

(9) Shukla Yajurveda Yuvak Sangh
No. 6 Muniswamappa layout
Alsoor Bangalore - 6

(10) Shukla Yajurveda Yajnyavalkya Mahasabha
Kemp Wanjamba Agrahar
Mysore

(11) Shri. P S. Shrinivasan B.Sc BL
~~Advocate~~ & Mirasdar
Manjai Pugalur P.O. Trichy Dist Kerala. 639113
Shri Yajnavalkya Jayanti Mahotsava Sabha

12)- Yajnavalkya Seva Sangha
X III/172 Near Kalyan Mantapa
Adoni. 518301 Dist Karnool. AP
Shri Indrajalam. K.S. Sheshappa

13) Shri Shuklayajurved Shakha Swagat Samiti
Chintamani Kolar Dist.

14) Shri Yogishwar Yajnavalkya Sangha (R)
Bellary 583101

15) Shri. Yajnavalkya Sangha
Bidarahalli Hoskote, Taluk
Dist: Bangalore

16) Shri Shukla Yajurveda Mahasabha
Shri. Yajnavalkya Ashram
Mulbagilu, Dist: Kolar

17) Shri. Shukla Yajurveda Yajnavalkya Sangha
Yarabrahalli (Gautamgiri Kshetra -
Timmaraya Swami Betta) Avati. Station

11 Hanumant Rao
Retd. Excise Supdt.
Jawahar Nagar
Raichur. [illegible] [illegible]

Kanva Institutions

Shri Yajnyavalkya Yuvak Sangha
(1) 363 16th Main Road IV th 'T' Block
Jayanagar Bangalore 560011

(2) Akhil Karnataka Kanva Abhyudaya Samithi
143, 7th Cross 1st Stage Indira Nagar
Bangalore 560038

(3) Shukla Yajushakha Sangh
Tumkur

(4) Shri Yajnyavalkya Seva Sangh
~~Adoni Kurnool Dist AP~~
13/174 Near Kalyan Mantap Adoni 518 301 (AP)

(5) Yogiswar Yajnavalkya Utsav Samiti
Koppal Dt. Raichur.

(6) Shri Yajnavalkya Sangha
4-7-178, Essamia Bazar
Hyderabad 500027 — AP.

(7) Shri Yajnya Valkya Swayam Sevak Sangh
Raichur

(8) Shukla yajushakha Trust
Yajnyavalkyashram
3rd Road Chamarajpeth Bangalore 560018

G.V. Venkatesh Rao
Head Clerk
General Manager's office
Telephones Bangalore

—

A. Subramanya
Clerk Town Municipal Counsil
Tarikere - 577228
Chikkamagalur Dist

I.C. Dixit. B.D.O
[illegible] office. [illegible] Dt Bijapur.

Shri R. G. Nadgawda
[illegible] Tax Sales Tax Practiser
[illegible] Belgaum

Shri. N.N. Jahagirdar BSc LLB
At. Post: Hirenural
Tal: Muddebihal - Dt Bijapur

For ads. Maltesh N.B Desai State Bank of India
Haveri

[illegible]
ಬ್ರಹ್ಮಚೈತನ್ಯ ಮಂದಿರ [illegible]
ಹನುಮಂತ ನಗರ ಬೆಂಗಳೂರು.
} For [illegible]

ಶ್ರೀ. S.V. [illegible]
[illegible]

[illegible]

## Action Committee:

1. K.Subbaroyan — MIMA 454857/375442
   B-5 Crystal
   Altamount Road,
   Bombay 26

2. A.S.K. Rao — 472678/252371
   4 Padmalaya
   Wadala
   Bombay 31

3. N.V.Ballal — 268031 (Caltex)
   2 Gr.floor
   Rambhavan
   Wadala
   Bombay 31

4. C.D.Joshi — (Jhun Jhunwala College)
   72/2433
   Nehrunagar
   Kurla
   Bombay 24

5. N.C Desai — Ph: 555111 - after office hrs care: 551282 ✓
   D4/22 Premobile Colony (Premier automobiles)
   Kurla
   Bombay 70

6. V.S.Kalkoti — (UDCT) 476361
   (Stores)
   University Dept. of Chemical Technology
   Matunga C.Rly.
   Bombay 19

7. G.S.Kulkarni — 452595
   98 M.B.Raut Rd.
   Shivaji Park
   Bombay 28

8. Ramachandra Uchil — Mercantile Bank 258602
   Shanti Nivas
   Walji Ladha Rd.
   Mulund West
   Bombay 80

9. K.T.Venugopal
   A 19/3 Karbhari Compound
   Subash Road
   Jogeshwari
   Bombay 60

10. C.S.Jagirdar — (UDCT) 476361
    University Dept. Chemical Technology
    Matunga C.Rly
    Bombay 19

11. Dr.S.Havanur — 219111(TIFR)
    Tata Institute of Fundamental Research
    Homi Bhaba Road,
    Colaba
    Bombay 5

12. G.V.Kulkarni
    8A/15 Jawahar Co-op.Housing Society
    Govind Nagar
    Borivli West
    Bombay 92

13. Mangala R.Swamy — 483105
    298 Balachandra Rd
    Matunga C.Rly
    Bombay 19.

14. S.N.Mudbidri — 356124
    Narendra Niwas — 474737
    Ambedkar Rd
    Bombay 19

(15. C.S.Jagirdar
    University Dept.of
    Chemical Technology
    Matunga C.Rly.
    Bombay 19. )

16. S.K.Gulwady ✓
    G/3 Guruprasad Co-op
    Housing Society
    Hanuman Road,
    Vile Parle
    Bombay 57
    SK

17. J. N. Iyer — 473768
    321 -C Deodhar Rd — 377103
    Matunga C.Rly.
    Bombay 19

15A. B.Rudramurti ✓ — 253714
    Shiv Sagar — 457588
    Worli Sea Face — 256722
    Bombay 18 — 296519

N C Desai

Govt of Maharashtra

No EDD 1078/50802/D-X
Social Welfare, Cultural Affairs
Sports and Tourisn Department.
Mantralaya Annexe, Bombay 400032
Dt. 11th Jan. 1980

To Shri. P. R. Dixit
"Sahi Smruti"
Tilak Nagar Dombivli (East)

Sub: Monetry help and old age Pension.

Sir,

I am directed to acknowledge receipt of your letter dated 2-11-1978 on the subject mentioned above and to state that it has been forwarded to the director of social welfare Maharashtra State, Pune, for further action. Further Correspondance if any, may pleax be added to that officer directly.

Yours faithfully
Sd
(R. N. Dhaye)
Desk officer.

ಅಖಿಲ ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪರಿಷತ್ (ರಿ.)

ಶಾಖೆ: ಉಡುಪಿ - ಮಣಿಪಾಲ


ಅಧ್ಯಕ್ಷ:

ಬನ್ನಂಜೆ ಗೋವಿಂದಾಚಾರ್ಯ
ಪ್ರಧಾನ ಉಪ ಸಂಪಾದಕ
'ಉದಯವಾಣಿ' ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ
ಮಣಿಪಾಲ–576 119

ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷರು:

1) ಕೆ. ಹರಿದಾಸ ಉಪಾಧ್ಯಾಯ
ಪ್ರಾಂಶುಪಾಲ
ಸಂಸ್ಕೃತ ಕಾಲೇಜು, ಉಡುಪಿ

2) ಎಂ. ಎಸ್. ಅನಂತಕೃಷ್ಣಾಚಾರ್ಯ
ನಿವೃತ ಮುಖ್ಯೋಪಾಧ್ಯಾಯ
ಎಸ್. ಎಂ. ಎಸ್. ಪಿ. ಪ್ರೌಢ ಶಾಲೆ
ಉಡುಪಿ–576 101

ಕೋಶಾಧ್ಯಕ್ಷೆ:

ಶ್ರೀಮತಿ ಕಸ್ತೂರಿ ಸಿ. ಪೈ
84, ಕೋ–ಓಪರೇಟಿವ್ ಕಾಲನಿ
ಮಣಿಪಾಲ–576 119

ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ:

ಎಚ್. ಕೃಷ್ಣ ಭಟ್
ಸಂಸ್ಕೃತ ಉಪನ್ಯಾಸಕ
ಎಂ. ಜಿ. ಎಂ. ಕಾಲೇಜು, ಉಡುಪಿ

ಸಹ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳು:

1) ಕೃಷ್ಣಮೂರ್ತಿ ನಿಟಿಲಾಪುರ
ಉಪ–ಸಂಪಾದಕ
'ಉದಯವಾಣಿ' ಮಣಿಪಾಲ–576 119

2) ಕೆ. ವಾದಿರಾಜ ಆಚಾರ್ಯ
ಸಂಸ್ಕೃತ ಅಧ್ಯಾಪಕ
ಯು. ಕಮಲಾ ಬಾಯಿ ಪ್ರೌಢ ಶಾಲೆ
ಕಡಿಯಾಳಿ, ಉಡುಪಿ


Manipal
21-8-81

Dear Desaiji,

Congratulations for your informative photofeature on Late Deen Dayal, which will, I am sure, be very interesting and appealing to our readers. I will publish it in Udayavani's Magazine Section shortly. But, I think, it will be more effective if the article is published along with some more rare photographs from the collection of the Dayal family. Would you please collect and send them to me at your earliest?

In anticipation of your positive reply,

Yours,

[signature]

Bannanje Govindacharya
Magazine Editor

# Philosophy of a sage

**By C. M. KULKARNI**

THE life and teachings of Shri Chidambara Maha Svami are of special significance today. Though there are thousands of his devotees in Maharashtra and Karnataka, few of the younger generation are likely to be familiar with the life and teachings of this great saint.

Born in Kengeri (Dist. Belgaum) about 200 years ago, Shri Chidambara Svami was believed to be an avatara of Lord Shiva. His father, Shri Martanda Dikshita was a great devotee and pleased the supreme God by his severe penance at Chidambaram (Annamalai). Many a miracle performed by this great yogi and his divine son are recorded in the writings of the contemporaries. Many more are being attributed to Chidambara Svami even today. Of course God has not ceased to reveal himself! Even if some of us do not believe in miracles, there are many aspects of Svamiji's life that are worth recalling.

Shri Chidambara Maha Svami lived in an age of political confusion and uncertainty. There was no peace and security for the people of the Deccan which was cut up among many warring powers — the Peshvas, the Nizam, the Sultan of Mysore, a host of smaller rulers like those of Naragunda, Savanur, Savadatti Havanur, Kittur, Kurandawad, not to mention the petty chiefs of ambiguous strength and status styled as Desai, Deshpande, Jagirdar, etc. On top of it, there were the English playing their 'divide and profit' game. They had humbled the Nizam, but could not tolerate the Peshwa and the Tiger of Mysore.

The Deccan witnessed the worst days in its history. Never before was there such anarchy. Armies were moving up and down the whole territory destroying crops and looting villages and towns. There was no proper administration. Adventurers took full advantage of the situation. They collected troops on their own and indulged in loot and arson. Of such free-booters and most

It must be made clear that there were no communal riots as such. All people — Hindus and Muslims — suffered. The free-booters did not discriminate between them. There are cases of Hindu Sardars looting the Mathas and Shrines and Muslim chiefs making good the loss of these institutions by their generous donations. People were in great misery. They needed guidance, hope and confidence and exactly these were supplied by the Maha Svami in abundance.

Chidambara Maha Svami

Shri Chidambara Svami is a shining example of the Indian tradition of Saints, who flourished in critical periods to save society from despair. If we survey our history, we find that at all critical periods, our society, religion and culture were saved and preserved by saints and not by rulers or politicians (who incidentally were creators of critical periods).

Saints by preaching intense devotion to God, affection for all and offering help and succour to the needy always gave fresh hope and courage to the people. They have always shown an intuitive capacity for organization. They did succeed in bringing together all people whatever their religion, caste

Shri Chidambara Svami remained a house-holder to the last; he did not preach renunciation of the world. He preached the way of bhakti and brotherhood of man. His one simple passion was to feed all. He gave food, shelter, medical aid and all that was possible to the needy. His jayanti is performed by mass bhajans and mass meals. He attracted people from all religions, all creeds and all castes. Hindus, Muslims, Christians and even foreigners (employees of the English Company), flocked to him for help and guidance.

He did not condemn any caste or religion. He preached that all should live in peace and harmony. By his scholarship, his unlimited affection and marvellous capacity for organization, Shri Chidambara Svami was able to bring peace to millions.

He toured the districts of Dharwar, Bijapur and Belgaum —which were worst affected. Famine had reduced the population to destitution. Svami started a campaign of 'Anna Dana.' The rich were persuaded to open their stocks of jowar and distribute it free among the needy. He performed a great 'Yajna' on the banks of the Malaprabha which lasted for several weeks during which millions were fed without any distinction of caste, creed or religion.

Svamiji's special concern for the poor and his spirit of renunciation were brought out in an episode that took place on the last day of the 'Yajna'. A period of two hours was reserved, according to tradition, for accepting dana. Several wealthy and princely devotees were waiting with sanads of land grants, gold, jewellery etc. to be offered to the Svamiji. There were also innumerable poor persons with whatever little they could save to offer to their beloved Master.

Svamiji's close relatives had arranged to give a chance to the wealthy first but Svamiji received the humble first and the appointed hour was soon over. The wealthy had to take away their wealth. Svamiji ad-

tion the petty chiefs of ambiguous strength and status styled as Desai, Deshpande, Jagirdar, etc. On top of it, there were the English playing their 'divide and profit' game. They had humbled the Nizam, but could not tolerate the Peshwa and the Tiger of Mysore.

The Deccan witnessed the worst days in its history. Never before was there such anarchy. Armies were moving up and down the whole territory destroying crops and looting villages and towns. There was no proper administration. Adventurers took full advantage of the situation. They collected troops on their own and indulged in loot and arson. Of such free-booters and most notorious was one Dhondji Wagh. He created havoc and misery in the Deccan.

Shri Chidambara Svami is a shining example of the Indian tradition of Saints, who flourished in critical periods to save society from despair. If we survey our history, we find that at all critical periods, our society, religion and culture were saved and preserved by saints and not by rulers or politicians (who incidentally were creators of critical periods).

Saints by preaching intense devotion to God, affection for all and offering help and succour to the needy always gave fresh hope and courage to the people. They have always shown an intuitive capacity for organization. They did succeed in bringing together all people whatever their religion, caste or belief. The way of Bhakti is really a marvel. It is an all-purpose programme.

Shri Chidambara Temple — Gurla-Hosur

Svamiji's special concern for the poor and his spirit of renunciation were brought out in an episode that took place on the last day of the 'Yajna'. A period of two hours was reserved, according to tradition, for accepting dana. Several wealthy and princely devotees were waiting with sanads of land grants, gold, jewellery etc. to be offered to the Svamiji. There were also innumerable poor persons with whatever little they could save to offer to their beloved Master.

Svamiji's close relatives had arranged to give a chance to the wealthy first; but Svamiji received the humble first and the appointed hour was soon over. The wealthy had to take away their wealth. Svamiji advised them to distribute it among the needy.

Svamiji attracted devotees from far and near. The greatest of his devotees was Rajarambuva from Babulgaon in Maharashtra. He travelled on foot all the way to Murgod in Karnataka and spent his life at the feet fo his Master. Rajarama has left about a lakh of abhangas, many of which are recited every day by the devotees. He is believed to be an avatara of Tukarama. Rajarama was to Chidambara what Tukarama was to Vithoba (Vithoba Tukarama, Chidambara Rajarama).

Svamiji was a teacher to many chiefs of States, merchants, cultivators and learned Brahmanas. His correspondence with Bajirao II has been published in five volumes by the Itihasa Samshodhaka Mandala, Poona. This mine of information for the cultural history of the 18th century Deccan is yet to be properly exploited. Svamiji's life and teachings are an eternal source of inspiration to those who want to promote harmony among the people.

ॐ

# SHRI CHIDAMBARA SEVA MANDALA (BOMBAY) DOMBIVLI

Registered under Societies Registration act XXI of 1960-No. MAH/330 (Thana)
and Registered under Public Trust Act of 1950-No. F-250 (Thana)

VARTAKA WADA GANESH MANDIR ROAD, DOMBIVLI, DIST: THANA.

President: Dr. C. M. KULKARNI
Vice Presidents: N. C. DESAI & S. R. KULKARNI
Gen. Secretary: S. C. MALALI
Jt. Secretary: H. H. KULKARNI
Treasurer: V. T. MULGUND

Members: S. M. KULKARNI, B. N. PATIL, N. B. PUJAR, G. A. DESHPANDE, B. K. KULKARNI, V. H. JOSHI, G. N. PATIL, K. N. JOSHI, B. G. HARIDAS.

December 10, 1980

Dear Shri Phadke Sahib,

Kindly accept sincere thanks on my personal behalf and on behalf of the Mandala for writing an article on Shri Chidambara Mahaswamy in the issue of Yogasidhi - the Deepavali special issue.

I am also one of the devotees of the Swamiji and I too write articles in my mothertongue Kanada language. I have written about Swamiji in many leading Kanada magazines and newspapers with relevant photographs connected with Swamiji's life and places.

Your article would be more attractive if it had included with few photographs connected with Swamiji. In case if you write any article about Swamiji in future, please do not hesitate to ask me for the relevant photographs. I have almost covered the places connected with Swamiji and I have good stock of photographs.

On 27th of November, 1980 when the Swamiji's 202nd Birthday was celebrated, I wrote a small article in Marathi language which appeared in 'Mumbai Sakal' (on 27th November). This article is mainly concentrated on Sant Rajaram, the greatest devotee of Shri Swamiji who hails from Babulgaon a village near Punatamba in Ahmednagar district who spent his entire life with Swamiji and written Abhangas numbering more than 1,40,000 copies about whom there is no mention in your article. I request you kindly to go through the article.

I have sent one photograph of the Gurlahosur temple which immersed in the water created by a lake because of a dam, another photograph of the temple in Muragod and a pamphlet containing the photograph of Swamiji for your preliminary information.

Once again the Mundala thanks you for the trouble you have taken to write an article. I conclude this letter with my kind regards.

Yours sincerely,

( N.C. Desai )
President

Shri V.K. Phadke,
333, Narain Peth,
Poona-30.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

December 10, 1980

Dear Shri Phadke Sahib,

Kindly accept sincere thanks on my personal behalf and on behalf of the Mandala for writing an article on Shri Chidambara Mahaswamy in the issue of Yogasidhi - the Deepavali special issue.

I am also one of the devotees of the Swamiji and I too write articles in my mothertongue Kanada language. I have written about Swamiji in many leading Kanada magazines and newspapers with relevant photographs connected with Swamiji's life and places.

Your article would be more attractive if it had included with few photographs connected with Swamiji. In case if you write any article about Swamiji in future, please do not hesitate to ask me for the relevant photographs. I have almost covered the places connected with Swamiji and I have good stock of photographs.

On 27th of November, 1980 when the Swamiji's 202nd Birthday was celebrated, I wrote a small article in Marathi language which appeared in 'Mumbai Sakal' (on 27th November). This article is mainly concentrated on Sant Rajaram, the greatest devotee of Shri Swamiji who hails from Babulgaon a village near Puntambe in Ahmednagar district who spent his entire life with Swamiji and written Abhangas numbering more than 1,40,000 copies about whom there is no mention in your article. I request you kindly to go through the article.

I have sent one photograph of the Gurlahosur temple which immersed in the water created by a lake because of a dam, another photograph of the temple in Muragod and a pamphlet containing the photograph of Swamiji for your preliminary information.

Once again the Mandala thanks you for the trouble you have taken to write an article. I conclude this letter with my kind regards.

Yours sincerely,

( N.C. Desai )
President

Shri V.K. Phadke,
333, Narain Peth,
Poona-30.

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD.
BOMBAY

COPY

December 10, 1980

Dear Shri Phadke Sahib,

Kindly accept sincere thanks on my personal behalf and on behalf of the Mandala for writing an article on Shri Chidambara Mahaswamy in the issue of Yogasidhi - the Deepavali special issue.

I am also one of the devotees of the Swamiji and I too write articles in my mothertongue Kanada language. I have written about Swamiji in many leading Kanada magazines and newspapers with relevant photographs connected with Swamiji's life and places.

Your article would be more attractive if it had included with few photographs connected with Swamiji. In case if you write any article about Swamiji in future, please do not hesitate to ask me for the relevant photographs. I have almost covered the places connected with Swamiji and I have good stock of photographs.

On 27th of November, 1980 when the Swamiji's 202nd Birthday was celebrated, I wrote a small article in Marathi language which appeared in 'Mumbai Sakal' (on 27th November). This article is mainly concentrated on Sant Rajaram, the greatest devotee of Shri Swamiji who hails from Babulgaon a village near Puntamba in Ahmednagar district who spent his entire life with Swamiji and written Abhangas numbering more than 1,40,000 copies about whom there is no mention in your article. I request you kindly to go through the article.

I have sent one photograph of the Gurlahosur temple which immersed in the water created by a lake because of a dam, another photograph of the temple in Muragod and a pamphlet containing the photograph of Swamiji for your preliminary information.

Once again the Mandala thanks you for the trouble you have taken to write an article. I conclude this letter with my kind regards.

Yours sincerely,

( M.C. Desai )
President

Shri V.K. Phadke,
333, Narain Peth,
Poona-30.

(1)

[illegible]
21-8-81

ಪ್ರಿಯ ದೇಸಾಯಿಯವರೆ,

ನಿಮ್ಮ ಲೇಖನದೊಂದಿಗೆ ಬಂದ ಪತ್ರವನ್ನು ಈಗ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ್ದೇನೆ. [illegible] ಪುಸ್ತಕವನ್ನು ಕಂಡು [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ಅದನ್ನು [illegible] [illegible] [illegible] ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡುತ್ತೇನೆ.

[illegible] [illegible] ನಾನು ಕಂಡಿದ್ದೇನೆ ನಾನು [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 15 ದಿವಸ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ಯಿತ್ತು.

[illegible] [illegible] ಪತ್ರ [illegible] [illegible] ಪತ್ರ [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತೇನೆ

ಇತಿ

[illegible]

# ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಸ್ಥಾಪಿಸಲು ನಿರ್ಧಾರ

27-12-78

ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ೨೬— ಶೇರ ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಪತ್ತು ಸಹಕಾರಿ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂದು ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಕೊನೆಯ ದಿನವಾದ ನಿನ್ನೆ ಸರ್ವಾನುಮತದಿಂದ ಗೊತ್ತುವಳಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಲಾಯಿತು.

ಈ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಉದ್ದಿಮೆ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗೆ ಮೀಸಲಾಗಿರಬೇಕೆಂದೂ ನಿರ್ಧಾರ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದ್ದು, ಅಖಿಲ ಕರ್ನಾಟಕ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಮಂಡಳಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕು ಹಾಗೂ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿಯ ಸಂಸ್ಥೆಗೆ ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದ ಸಂಸ್ಥೆಗಳನ್ನು ಸಂಲಗ್ನಗೊಳಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಗೊತ್ತುವಳಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಲಾಗಿದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪ್ರಕಟಿಸಿ ಸುಲಭ ಬೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಅದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ದೊರೆಯುವಂತಾಗಬೇಕು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕು. ವಧೂವರರ ಯಾದಿ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ವರದಕ್ಷಿಣೆ ನಿಷೇಧಿಸಬೇಕೆಂದೂ ನಿರ್ಧಾರ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲಾಯಿತು.

## ಸನ್ಮಾನ

ಇದೇ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಪಂಡಿತರಾದ ಶ್ರೀ ಈಶ್ವರಶಾಸ್ತ್ರಿ ಸಾಂಗ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಶ್ರೀ ಅರವಿಂದ ದೀಕ್ಷಿತರು ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ, ವಿಧಾಯಕ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಾದ ಶ್ರೀ ರಾಮಣ್ಣ ಹುಕ್ಕೇರಿ, ಧಾರವಾಡ ಹಾಗೂ ಹಿರಿಯ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ಯೋಧರಾದ ಧೋಂಡೋಯಲ್ಲೋ ಕುಲಕರ್ಣಿ, ಬೆಳಗಾವಿ ಅವರನ್ನು ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಶಾಲು ಹೊದಿಸಿ, ಮಾಲೆ ಹಾಕಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಿದರು. ಶ್ರೀ ನಾಡಗೇರ ವಾಮನರಾಯರು ಹಾನಗಲ್ಲ, ಜಿ. ಕೆ. ಜೋಶಿ ವಿಜಾಪುರ. ದಿ.ನಾ ಕುಲಕರ್ಣಿ ಮುಂಬೈ, ಎಸ್. ಕೆ. ದುರ್ಗಯ್ಯ ಹೈದರಾಬಾದ ಹಾಗೂ ಕೃಷ್ಣಮೂರ್ತಿ ಅಯ್ಯರ ಮದ್ರಾಸ ಅವರನ್ನೂ ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು.

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಅವರು ತಮ್ಮ ಸಮಾರೋಪ ಭಾಷಣದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದಿಯರು ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಸುಸಂಘಟಿತರಾಗಿ ತಮ್ಮ ಉನ್ನತಿ ಸಾಧಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಕರೆ ಇತ್ತರು.

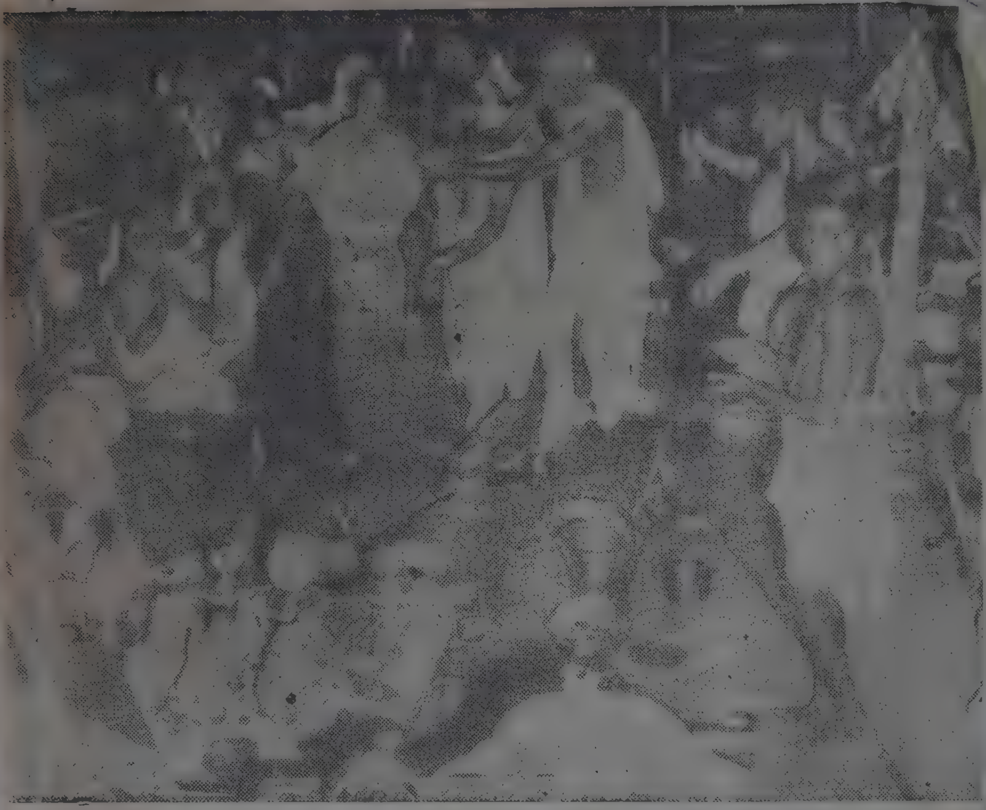

ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ ಆನಂದವನ(ಅಗಡಿ)ಯಲ್ಲಿ ದಿ. ೨೫ ರಂದು ನಡೆದ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತಾ
ಸ್ವಾಹಾಕಾರ ಯಜ್ಞದ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಪೂರ್ಣಾಹುತಿ ಹಾಕುತ್ತಿರುವ ದೃಶ್ಯ

# ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಹಾವನೂರ

ಅಗಡಿ(ಹಾವೇರಿ): ೨೨: ಅಖಿಲಭಾರತ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಅಂಗವಾಗಿ, ದಿ. ೨೪ರಂದು ಜರುಗುವ ಉದ್ಘಾಟನಾ ಸಮಾರಂಭಕ್ಕೆ ರಾಜ್ಯದ ಕಾನೂನು ಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ಎಲ್. ಜಿ. ಹಾವನೂರ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಯಾಗಿ ಭಾಗ ವಹಿಸುವರು.

ಸಮಾರಂಭದ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಕಾಣ್ವ ಮಠದ ವಿದ್ಯಾತಪೋನಿಧಿಶ್ರೀಗಳು ವಹಿಸುವರು.

ಶ್ರೀಮಂತ ಶ್ರೀ ಬಹದ್ದೂರ ದೇಸಾಯಿ ಅವರ ವಾಡೆಯಲ್ಲಿದ್ದ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ದೇವಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ದಿ: ೨೪ ರಂದು ಪಾದುಕಾ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾಪನೆ ಜರುಗುವದು.

ವಿ.ಕ. 23-11-81

# ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಉಪದೇಶ ಇಂದಿಗೂ ಅರ್ಥಪೂರ್ಣ

26-12-78

( ಪ್ರೇಷಿತ ಪ್ರತಿನಿಧಿಯಿಂದ )

ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ), ೨೫–ಮಹಾ ಪುರುಷ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ತಮ್ಮ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿಪಾದಿಸಿರುವ ಲೌಕಿಕ ತತ್ವಗಳು ಈ ತಾಂತ್ರಿಕ ಯುಗದಲ್ಲಿ ಹಿಂದಿನಕ್ಕಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚು ಅತ್ಯವಶ್ಯವಾಗಿವೆಂದು ಬಸವಾಪಟ್ಟಣದ ಶ್ರೀ ರಾಘವೇಂದ್ರ ಗುರೂಜಿಯವರು ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಎರಡನೇ ದಿನದ ಅಧಿವೇಶನವನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸುತ್ತ ಇಲ್ಲಿ ಇಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಯಜ್ಞವೆಂದರೆ ಬದುಕುವದಕ್ಕಾಗಿ ಮಾಡಬೇಕಾದ ಕರ್ಮ. ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಮಾನವ ಐದು ಯಜ್ಞಗಳನ್ನು ಮಾಡಬೇಕಾಗಿದೆ. ಭೂತದಯೆ ತೋರಿಸುವದು ಭೂತ ಯಜ್ಞ. ಮಾನವರನ್ನು ಉಪಚರಿಸುವದು ಮಾನವಯಜ್ಞ. ತಂದೆತಾಯಿಗಳನ್ನು ಸಂತೈಸುವದು ಪಿತೃಯಜ್ಞ. ಋಷಿ ತತ್ವಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದು ಋಷಿ ಯಜ್ಞ. ಮತ್ತು ದೇವರಲ್ಲಿ ಸೇರುವದು ದೇವ ಯಜ್ಞ. ಈ ಮಾರ್ಗ ರೂಪಿಸಿಕೊಂಡು ಬದುಕುವುದಕ್ಕೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಿಂದ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ದೊರೆಯುತ್ತದೆಂದು ಅವರು ಸೋದಾಹರಣವಾಗಿ ವಿವರಿಸಿದರು.

ಸಾವು, ರೋಗ, ಬಡತನ, ಚಿಂತೆಗಳು ಹಿರಿಯರು ನಮಗೆ ಬಿಟ್ಟುಹೋದ ಆಸ್ತಿಗಳು. ಇವುಗಳಿಂದ ಬಿಡುಗಡೆಯಾಗಲು ಮಾನವ ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಹುಟ್ಟಿಬರಲು ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಾವಿಲ್ಲದ ಮನೆ, ರೋಗವಿಲ್ಲದ ಮನೆ, ಬಡತನವಿಲ್ಲದ ಮನೆ, ಚಿಂತೆಯಿಲ್ಲದ ಮನೆಯೆಂದರೆ ಭಗವಂತನ ಮನೆಯೊಂದೇ. ಅಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಇದೇ ಮೋಕ್ಷ. ಮುಕ್ತಿಮಾರ್ಗವೆಂದು ಗುರೂಜಿಯವರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಭಗವಂತನಲ್ಲಿ ಸೇರುವುದು ಅದ್ವೈತ. ಭಗವಂತನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸೇರುವುದು ದ್ವೈತ. ಫಲರೂಪದಲ್ಲಿ ದ್ವೈತ–ಅದ್ವೈತಗಳು ಒಂದೇ ಎಂದು ಅವರು ಅಪ್ಪಣೆ ಕೊಡಿಸಿದರು.

ದುಃಖದಲ್ಲಿ ವ್ಯತ್ಯಾಸವೇ ಸುಖ. ಸುಖ ದುಃಖಗಳು ವ್ಯತ್ಯಸ್ಯ ಆಗುತ್ತಿರುತ್ತವೆ. ತಾನೂ ಉದ್ಧಾರ ಆಗಬೇಕು. ಇತರರೂ ಉದ್ಧಾರ ಆಗಬೇಕು. ಇದೇ ಬದುಕಿನ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಮಾರ್ಗವೆಂದು ಗುರೂಜಿ ಹೇಳಿದರು.

ಸಾಂಗ್ಲಿಯ ಪಂಡಿತ ಈಶ್ವರಶಾಸ್ತ್ರಿ ದೀಕ್ಷಿತರು ಮಾತನಾಡಿ "ಯಜ್ಞವೆಂದರೆ ವಿಷ್ಣು. ಗತಿಯೆಂದರೆ ಜ್ಞಾನ. ಅಧೋಗತಿ ಯಾವುದು ಉಚ್ಚಗತಿಯಾವುದು ಎಂಬುದನ್ನು ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸತ್ಕರ್ಮ ಮಾಡಲು ಬದುಕಬೇಕು ಎಂಬುದನ್ನು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಬೋಧಿಸಿದ್ದಾರೆಂದರು.

ಸೋನ್' ಟುಟಕ್'

# ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಉಪದೇಶ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಶ್ರೀ ದೊಡ್ಡವಾಡ ಗೋವಿಂದ ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳು ಮಾತನಾಡಿ, ಸಮಾಜದ ಋಣ ತೀರಿಸುವದು ಮಾನವನ ಆದ್ಯ ಕರ್ತವ್ಯವೆಂದರು.

ನಸ್ತ್ರೀ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯಮ್ ಅರ್ಹಸಿ ಎಂದು ಮನು ಹೇಳಿದರೂ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅವರ ಮೋಕ್ಷ ಪತ್ನಿ ಮೈತ್ರೇಯಿ ವೇದಶಾಸ್ತ್ರ ಪಂಡಿತೆಯಾದರು. ಮೈತ್ರೇಯಿ ಮತ್ತು ಗಾರ್ಗಿಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಭಾರತದ ಸಾಧನೆಯ ಸಂಕೇತಗಳೆಂದು ಹೇಳಿದವರು. ಪ್ರೊ॥ ಭುವನೇಶ್ವರಿ ಸಂದರೇಶ ಹಾಗೂ ವಿಜಯಭಾರತಿ ಸೇತುರಾಮ. ಉಪನಿಷತ್ ಕಾಲದ ಅತಿದೊಡ್ಡ ದಾರ್ಶನಿಕರೆಂದು ಪ್ರೊ॥ ರಾನಡೆ ಅವರೇ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರನ್ನು ಕೊಂಡಾಡಿದ್ದಾರೆಂದು ಶ್ರೀ ಜಿ. ಕೆ. ಜೋಶಿ ಹೇಳಿದರು.

ಪ್ರಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ಅವರು ಮಾಲಾರ್ಪಣೆ ಮಾಡಿ ಗುರೂಜಿಯವರನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಸಹಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಎನ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತ ಪರಿಚಯಿಸಿದರು.

22-1-79

# ಕಲಾವಿದರಿಗೆ ಪ್ರಜಾಶ್ರಯ ಬೇಕು

ಹಾವೇರಿ ೨೦— ಚಿತ್ರಕಲಾಕಾರರಿಗೆ ಈಗ ಪ್ರಜಾಶ್ರಯ ಅವಶ್ಯವಾಗಿದೆ ಎಂದು ಸಂಯುಕ್ತ ಕರ್ನಾಟಕ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಸಂಯೋಜನಾಧಿಕಾರಿ ಶ್ರೀ ಬಾಳಕೃಷ್ಣ ಹೆಗಡೆ ಇಂದಿಲ್ಲಿ ಹೇಳಿದರು.

ಕಲಾವಿದ ಶ್ರೀ ನಾನಾಸಾಹೇಬ ದೇಸಾಯಿ ಅವರ ಸತ್ಕಾರ ಹಾಗೂ ಅವರ ಚಿತ್ರಕಲಾ ಪ್ರದರ್ಶನ ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಅವರು ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದರು.

ನವ್ಯ ಚಿತ್ರಕಲೆ ಹಾಗೂ ವಾಸ್ತವ್ಯ ಚಿತ್ರಕಲೆ ಬಗೆ ಮಾತನಾಡಿದ ಹೆಗಡೆ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಇರಬಹುದಾದ ಚಿತ್ರಕಲಾ ಅಭಿರುಚಿಗೆ ಪಾಲಕರು ಪೋಷಣೆ ನೀಡಬೇಕೆಂದು ವಿನಂತಿಸಿದರು.

ಹಾವೇರಿಯ ಸಿವ್ಹಿಲ್ ಜಜ್ ಶ್ರೀ ವಿ.ಆರ್. ಕಾತರಕಿ ಪ್ರದರ್ಶನ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು

ತಮ್ಮ ಸತ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಉತ್ತರಿಸಿದ ಶ್ರೀ ನಾನಾಸಾಹೇಬ ದೇಸಾಯಿ ಆಧುನಿಕ ಉದ್ಯಮಗಳಲ್ಲೂ ಅಭಿರುಚಿಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಚಿತ್ರಕಲೆ ಬಳಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದೆಂದರು. ತಾವು ಹುಟ್ಟಿದ ತಾಲೂಕಿನಲ್ಲಿ ಸತ್ಕಾರ ಏರ್ಪಡಿಸಿದ್ದಕ್ಕೆ ಶ್ರೀ ದೇಸಾಯಿ ಕೃತಜ್ಞತೆ ಏರ್ಪಡಿಸಿದ್ದರು.

ಪ್ರದರ್ಶನದಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು ೨೫ ತೈಲ ಹಾಗೂ ಜಲ ವರ್ಣ ಚಿತ್ರಗಳಿವೆ. ನೈಸರ್ಗಿಕ ಚಿತ್ರಣಗಳು ನವ್ಯ ಚಿತ್ರಗಳು ಇದರಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದು ನಗರದ ಹೈಸ್ಕೂಲಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರದರ್ಶನದ ಏರ್ಪಾಡಾಗಿದ್ದು ನಾಳೆಯೂ ಇದು ನಡೆಯಲಿದೆ.

ಇಲ್ಲಿಯ "ಗೆಳೆಯರ ಬಳಗ" ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಏರ್ಪಡಿಸಿತ್ತು. ಮೊದಲು ಇದರ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ರಾಜಪುರೋಹಿತ ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಶ್ರೀ ಸುರೇಶ ರಾಜಪುರೋಹಿತ ಪರಿಚಯ ಮಾಡಿದರು. ಶ್ರೀ ಕಿತ್ತೂರ ಆಭಾರ ಮನ್ನಿಸಿದರು.

## ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ
ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು
ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು
ನಡೆಸಿದೆ. ಆದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ
ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ
ಸಮ್ಮೇಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ
ಪರಿಷತ್ತು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ
ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು
ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ
ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ
ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇದೀಗ
ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜು
ರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದ
ಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ
ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿ
ತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ ಕಲಿತವರಿಗೂ
ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ
ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯಾ
ಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ
ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು
ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ
ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ
ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು
ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ ಚಿಂ ಬ ಮೂರ್ತಿ
ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ– ಗುರುಬಂಧು
ಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿ
ದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾ
ಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾ
ಡಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆ
ಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ
ನಿಜ ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ
ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ?
ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ
ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ
ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರ
ಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

### ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ
ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ
ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು)
ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ
ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವು
ದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು.
ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ
ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕ
ರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ
ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜು
ರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರ
ಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರ
ದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರು ಮುಂದಾಗಿ
ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆ
ಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್"
ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು
ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು.
ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ
ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ
ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸ
ಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ.
ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತ
ವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ
ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ
ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯ
ಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ
ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆ
ಆಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ
ದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

Phone: P. B. X. 4303 to 4
Resident Editor: M. Nagaraja

ಸ. ಕ 29-12-78

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಲನ

ವರದಿ— **ಕೆ ಬಿ ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ**

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟುಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪದಿಂದ ಅದನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ನಿರ್ವ್ಯಾಜಿಸನಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನ ವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಲನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ, ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳುನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೫೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಲನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಪುಟಕ್ಕೆ

# ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತೆಯ ಮೆರವಣಿಗೆ

24-12-78

( ನಮ್ಮ ಪ್ರತಿನಿಧಿಯಿಂದ )

ಅಗಡಿ : ೨೩ — ಯೋಗೇಶ್ವರ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ವಿರಚಿತ ಶ್ರೀ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತೆಯನ್ನು ಅಂಬಾರಿಯಲ್ಲಿ ಅತ್ಯಂತ ವಿಜೃಂಭಣೆಯಿಂದ ಮೆರವಣಿಗೆ ಮಾಡುವುದರೊಂದಿಗೆ ನಾಳೆಯಿಂದ ಎರಡು ದಿನ ನಡೆಯುವ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದಿಗಳ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಕಹಳೆಯು ಇಂದು ಮೊಳಗಿತು.

ಮುಂಡಗೋಡದ ವೇ. ಮೂ. ದಿವಾಕರ ದೀಕ್ಷಿತ, ಚಿದಂಬರ ನಗರದ ವೇ. ಮೂ. ಸುಂದರೇಶ ದೀಕ್ಷಿತ ಮತ್ತು ಅಗಡಿಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಶ್ರೀ ವೆಂಕಟೇಶ್ವರ ದೇವಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತೆ ಗ್ರಂಥದ ಪೂಜೆ ನೆರವೇರಿಸಿದ ಬಳಿಕ ಮೆರವಣಿಗೆ ಆರಂಭವಾಗಿ ಅಖಂಡ ಎರಡು ಗಂಟೆ ನಡೆದು ಸಮ್ಮೇಳನ ನಡೆಯುವ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪಕ್ಕೆ ಬಂದು ತಲುಪಿತು.

ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು, ಜಗದ್ಗುರು ಆದ್ಯ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯರು ಹಾಗೂ ಶ್ರೀ ಮಧ್ವಾಚಾರ್ಯರ ಭಾವಚಿತ್ರಗಳುಳ್ಳ ಅಲಂಕೃತ ವಾಹನವು ಅಂಬಾರಿಯನ್ನು ಹಿಂಬಾಲಿಸುತ್ತಿದ್ದರೆ ಎಲ್ಲಕ್ಕೂ ಮುಂದುಗಡೆ ಗಜರಾಜ ನರ್ತಿಸುತ್ತ ಸಾಗಿದ್ದ.

ವೇದಘೋಷ, ಡೊಳ್ಳು ಕರಡಿ ವಾಜಲು ಮತ್ತಿತರ ಮಂಗಲವಾದ್ಯಗಳ ನಿನಾದ, ಗಗನ ಬಿರಿವಂತೆ ಕೂಗುತ್ತಿದ್ದ ಚಿದಂಬರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜಯಘೋಷಗಳ ಮಧ್ಯೆ ಸಾಗಿದ ಸುಮಾರು ಒಂದು ಮೈಲುದ್ದದ ಮೆರವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಸಹಸ್ರಾರು ಭಕ್ತರು ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದರು. ಸಹಸ್ರಾರು ಭಕ್ತರು ಮೆರವಣಿಗೆಯನ್ನು ನೋಡಿ ಆನಂದಿಸಿದರು.

೨೩-೧೧-೨೮

# ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಜೀವನ ಮತ್ತು ಸಂದೇಶ

**ವಿಜಯ ಭಾರತಿ ಸೇತುರಾಮು**

"ರತ್ನಗರ್ಭಾವಸುಂಧರಾ" ಪೃಥ್ವಿಯ ಗರ್ಭದಲ್ಲಿ ಆಗೊಮ್ಮೆ ಈಗೊಮ್ಮೆ ರತ್ನಸದೃಶರಾದ ಮಹಾನುಭಾವರು ಅವತರಿಸಿ ಬರುವುದುಂಟು. ಹಾಗೆ ಅವತರಿಸಿಬಂದ ಕೆಲವೇ ಮಹಾನುಭಾವರಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರೂ ಒಬ್ಬರು.

ಕಾರ್ತೀಕಮಾಸ ಜ್ಯೋತಿರ್ಮಾಸ ಇದು ಅವರು ಜನ್ಮತಳೆದ ಪುಣ್ಯಮಾಸ. ಬಹುಕಾಲದಿಂದ ಸಂತಾನ ಸೌಭಾಗ್ಯವಿಲ್ಲದೆ ಅದೇ ಕೊರತೆಯಲ್ಲಿಯೇ ನೊಂದು ಬೆಂದು, ಕೊನೆಗೆ ಕೇದಾರೇಶ್ವರನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಪುತ್ರ ಭಿಕ್ಷೆಗಾಗಿ ತಪಶ್ಚರ್ಯೆಗೆ ನಿಂತ ಸಾತ್ವಿಕ ದಂಪತಿಗಳಾದ ದೇವರಾತ ಹಾಗು ಸುನಂದಾದೇವಿ ಇವರಿಗೆ ಹನ್ನೆರಡು ವರ್ಷಗಳ ಸುದೀರ್ಘ ತಪಸ್ಸಿನ ಫಲವಾಗಿ ದೈವಾಂಶ ಸಂಭೂತರಾದ ಭಗವನ್ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಜನಿಸಿದರು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕನೆಂದು ಅವನಿಗೆ ನಾಮಾಭಿದಾನಮಾಡಿದರು.

ಕಾಲೋಚಿತವಾಗಿ ಉಪನಯನ ದೀಕ್ಷಿತನಾದ ಮೇಲೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯನನ್ನು ತಂದೆ ದೇವರಾತರು ವೇದಾಧ್ಯಯನಕ್ಕಾಗಿ ಗುರುಕುಲವಾಸಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿದರು. ಚತುರ್ವೇದ ಪಾರಂಗನಾಗಬೇಕೆಂಬ ಅಭಿಲಾಷೆಯಿಂದ ಬಾಸ್ಕಲ ಋಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಋಗ್ವೇದವನ್ನೂ, ಜೈಮಿನಿ ಋಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಮವೇದವನ್ನೂ, ಆರುಣಿ ಋಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಅಥರ್ವವೇದವನ್ನೂ ಅಧ್ಯಯನಮಾಡಿ ಕೊನೆಗೆ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಸೋದರಮಾವನಾದ ವೈಶಂಪಾಯನರಲ್ಲಿ ಅಧ್ಯಯನ ಮಾಡಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಆಶ್ರಮ ಒಂದು ವಿಶ್ವ ವಿದ್ಯಾನಿಲಯವೇ ಆಗಿತ್ತು. ಅಲ್ಲಿ ನೂರಾರು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ವ್ಯಾಸಂಗ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿನ ರಾಜನಾದ ಸುಪ್ರಿಯ ಇದಕ್ಕಾಗಿ ನೆರವು ನೀಡುತ್ತಿದ್ದ. ಕೆಲವು ಸಮಯಾನಂತರ ರಾಜನಿಗೆ ಕುಷ್ಟರೋಗ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡಿತು. ಇದರ ಪರಿಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಗುರುಗಳಾದ ವೈಶಂಪಾಯನರು ವಿಶೇಷ ಪೂಜಾದಿಗಳನ್ನು ದಿನವೂ ನೆರವೇರಿಸಿ ಮಂತ್ರಜಲವನ್ನು ದಿನವೂ ಒಬ್ಬೊಬ್ಬ ಶಿಷ್ಯನೊಡನೆ ಅರಮನೆಗೆ ಕಳಿಸಿಕೊಡುತ್ತಿದ್ದರು.

## ಕೊರಡು ಚಿಗುರಿತು

ಒಮ್ಮೆ ಈ ತೀರ್ಥಜಲವನ್ನು ರಾಜನಲ್ಲಿಗೆ ಒಯ್ಯುವ ಸರದಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಿಗೆ ಬಂದಿತು. ಗುರುಗಳು ನಡೆಸುತ್ತಿದ್ದ ಈ ಕಾರ್ಯ ಅವರಿಗೆ ಮೊದಲಿನಿಂದಲೂ ಹಿಡಿಸಿರಲಿಲ್ಲ. ಸುಪ್ರಿಯರಾಜ ವಿಷಯಲಂಪಟ. ತನ್ನ ಅನೀತಿಯುತವಾದ ನಡವಳಿಕೆಯಿಂದ ತಾನೇ ಈ ಸ್ಥಿತಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದಾನೆ. ಅವನ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ಅವನಲ್ಲಿ ಎಳ್ಳಷ್ಟೂ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪವಿಲ್ಲ. ಜಪತಪಾದಿಗಳಲ್ಲಿ ಶ್ರದ್ಧೆಯಿಲ್ಲ. ದೈವೀಶಕ್ತಿಯಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಲ್ಲ. ಇಂಥವನಿಗೆ ತಮ್ಮ ತಪಶ್ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ವೃಥಾ ವ್ಯಯಮಾಡುವುದೆ? ಛೆ- ಇದು ಧರ್ಮವಲ್ಲ ಎಂದು ಅವನು ಆಲೋಚಿಸುತ್ತಿದ್ದ. ಆದರೆ ಗುರ್ವಾಜ್ಞೆ ಎಂದು ಎದುರಾಡದೆ, ಮಂತ್ರಜಲವನ್ನು ರಾಜನಲ್ಲಿಗೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋದ. ರಾಜನಲ್ಲಿ ತೀರ್ಥೋದಕವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಬೇಕೆಂದು ವಿನಂತಿಸಿಕೊಂಡ. ಬಂದಿದ್ದ ತೇಜಸ್ವಿಯ ಅಂತಃಶಕ್ತಿ ತಿಳಿಯದೆ ಸುಪ್ರಿಯ ರಾಜ ಉದಾಸೀನದಿಂದ ತೀರ್ಥಜಲವನ್ನು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಎಲ್ಲಾದರೂ ಇಟ್ಟು ಹೋಗೆಂದು ಹೇಳಿದಾಗ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಿಗೆ ಕೋಪ ತಡೆಯದಾಯ್ತು. ಆ ತೀರ್ಥಜಲವನ್ನು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಇದ್ದ ಒಂದು ಮರದ ಕೊರಡಿನ ಮೇಲೆ "ಮಧುವಂತಿ" ಮಂತ್ರವನ್ನು ಪುನರುಚ್ಛರಿಸುತ್ತ ಪ್ರೋಕ್ಷಣೆ ಮಾಡಿ ಯಾವಮಾತನ್ನೂ ಆಡದೆ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋದರು. ಕೆಲವೇ ನಿಮಿಷಗಳಲ್ಲಿ ಒಣಗಿ ಬರಡಾಗಿದ್ದ ಮರದ ಕೊರಡು ವಸಂತವಿಲಾಸದ ವೃಕ್ಷದಂತೆ ಬೆಳೆ. ಚಿಗುರು ಮೊಗ್ಗು ಹೂಗಳಿಂದ ನಳನಳಿಸಿತು. ಇದನು ಕಂಡ ರಾಜ ದಿಗ್ಭ್ರಮೆಗೊಂಡ. ಬಾಗಿಲಿಗೆ ಬಂದ ಭಾಗ್ಯವನ್ನು ಬೇಡವೆಂದುದಕ್ಕೆ ತೀವ್ರವಾಗಿ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಟ್ಟ

ಮತ್ತೆ ಮಂತ್ರಜಲವನ್ನು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಕೈಯಲ್ಲಿಯೇ ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರಲ್ಲಿಗೆ ಹೇಳಿ ಕಳುಹಿಸಿದ. ರಾಜಾಜ್ಞೆ ಎಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರೂ ಒಪ್ಪಿದರು. ಆದರೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಒಪ್ಪಲಿಲ್ಲ. ಗುರುಹಿರಿಯರಲ್ಲಿ ಗೌರವವಿಲ್ಲದ ತನ್ನ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ಪರಿತಾಪವಿಲ್ಲದ ದೈವದಲ್ಲಿ ಭಕ್ತಿಶ್ರದ್ಧೆಗಳಿಲ್ಲದ ಇಂತಹ

ಯೋಗೀಶ್ವರ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು

ಅಹಂಭಾವಿಗೆ ನಮ್ಮ ತಪಃಶಕ್ತಿಯನ್ನು ವಿನಿಯೋಗಿಸಬಾರದು. ಅವನ ಹೃದಯ ಶುದ್ಧವಾದ ಹೊರತು ಅವನಿಗೆ ಏನನ್ನೂ ಮಾಡುವುದು ಸರಿಯಲ್ಲ. ಗುರ್ವಾಜ್ಞೆ ಎಂದು ಒಮ್ಮೆ ಹೋಗಿಬಂದೆ. ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಹೋಗುವುದು ನನ್ನಿಂದ ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ" ಎಂದು ಕಟ್ಟುನಿಟ್ಟಾಗಿ ತಿಳಿಸಿಬಿಟ್ಟರು. ಇದರಿಂದ ತುಂಬಾ ಕುಪಿತರಾದ ವೈಶಂಪಾಯನರು "ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಪುರಸ್ಕರಿಸದೆ ಅವಿಧೇಯನಾಗಿ ನಡೆದುಕೊಂಡ ನಿನಗೆ ನನ್ನ ಆಶ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸ್ಥಳವಿಲ್ಲ. ನನ್ನಿಂದ ನಿನಗೆ ದತ್ತವಾಗಿರುವ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮತ್ತೆ ನನಗೆ ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿ ಈ ಆಶ್ರಮದಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋಗು. ಇನ್ನು ನಾನು ನಿನಗೆ ಗುರುವಲ್ಲ ನೀನು ನನಗೆ ಶಿಷ್ಯನಲ್ಲ" ಎಂದರು. ಕೋಪದಲ್ಲಿ ಅರಿವನ್ನು ಮರೆತವರೊಡನೆ ವಾದಿಸಿ ಫಲವಿಲ್ಲವೆಂದು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ದೈವ ನಡೆಸಿದಂತಾಗಲಿ ಎಂದು ಗುರುವಿನಿಂದ ಬಂದ ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಜ್ವಾಲೆಯ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಗುರುವಿಗೇ ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿ ಆಶ್ರಮವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಟು ಹೋದರು.

## ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ

ಗುರುವಿನಿಂದ ಪರಿತ್ಯಕ್ತರಾದ ದುಃಖ ಅವರನ್ನು ಹಗಲಿರುಳು ದುಃಖತಪ್ತರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿತು. ಹಾಗೆಯೇ ಅದು ಹೊಸದೊಂದು ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕೆಂಬ ಛಲವೂ ಆಯಿತು. ದೇವಿ ಗಾಯತ್ರಿಯನ್ನು ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಉಪಾಸನೆ ಮಾಡಿದರು. ಆಕೆಯ ಆದೇಶದಂತೆ ಸೂರ್ಯಭಗವಾನನನ್ನು ಕುರಿತು ತಪಸ್ಸನ್ನಾಚರಿಸಿದರು. ಅವರ ತೀವ್ರ ತಪಸ್ಸಿಗೆ ಒಲಿದ ಸೂರ್ಯದೇವ ಅವರಿಗೆ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದ. ಅದೇ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದವಾಯಿತು. ಅಂದಿನಿಂದ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಬ್ರಹ್ಮರ್ಷಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಾದರು.

ಸಂನ್ಯಾಸಿಯಾಗುವ ಹಂಬಲವಿದ್ದರೂ ತಂದೆಯ ಅಪ್ಪಣೆಯಂತೆ ಋಷಿ ಕಾತ್ಯಾಯನರ ಮಗಳಾದ ಕಾತ್ಯಾಯಿನಿಯನ್ನು ವಿವಾಹವಾಗಿ ಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿ ತಮ್ಮ ವಂಶಾನುಗತವಾಗಿ ಬಂದ ಯಜ್ಞಕಾರ್ಯವನ್ನು ಮುಂದುವರೆಸಿದರು.

ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ತಪೋಪದೇಶಗಳಿಗೆ ಮನಸೋತು ಅವರನ್ನೇ ಗುರುವಾಗಿ ಪಡೆದು ಅವರ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದಲ್ಲಿಯೇ ತಾನು ಸಾಧನೆ ನಡೆಸಿ ಸಿದ್ಧಿಯನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕೆಂಬ ಉತ್ಕಟ ಇಚ್ಛೆಯಿಂದ ಅವರಲ್ಲಿ ಜ್ಞಾನಭಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ಬೇಡಿಬಂದ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಮಹಿಳೆ ಮಿತ್ರಾಋಷಿಗಳ ಮಗಳು ಮೈತ್ರೇಯಿ. ಮೊದಮೊದಲು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಅವಳನ್ನು ಶಿಷ್ಯಳನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಲು ಒಪ್ಪಲಿಲ್ಲ. ಅವರ ಪತ್ನಿ ಕಾತ್ಯಾಯಿನಿ ಮೈತ್ರೇಯಿಗೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿದ್ದ ಅಗಾಧ ಭಕ್ತಿ. ಹಾಗೂ ಜ್ಞಾನದ ಸಾಧನೆಯಲ್ಲಿ ಸಫಲತೆಯನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕೆಂಬ ಅದಮ್ಯ ಆಕಾಂಕ್ಷೆ ಇವುಗಳನ್ನು ಗುರುತಿಸಿ ಆಕೆಯನ್ನು ಶಿಷ್ಯಳನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಬೇಕೆಂದು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತಾಳೆ. ಯಾವ ಪ್ರಾಪಂಚಿಕ ಆಸೆಗಳೂ ಇಲ್ಲದೆ ಸ್ಫಟಿಕದಂತೆ ಪರಿಶುದ್ಧಳಾಗಿದ್ದ ಮೈತ್ರೇಯಿಯನ್ನು ಕೊನೆಗೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಮೋಕ್ಷ ಪತ್ನಿಯನ್ನಾಗಿ [illegible]
ಗಳಲ್ಲಿ ಮಾರ್ಗ

ಶ್ರಿ

ಬೇರೊಂದು
ಹಂಚಿಕೊಂಡ
ಒಂದು ಕಡೆ,
ಉತ್ಕೃಷ್ಟ ಅ
ಒಂದು ಕಡೆ. ಇ
ಶ್ರೇಷ್ಠರನ್ನು
ಸಂಗಮವಾಗಿದೆ.

ಯಾಜ್ಞವಲ್
ಅವರು ಜಗತ್
ದಾರಣ್ಯ ಉ
ಜ್ಯೋತಿರ್ಲಿಂಪಿ.
ಜ್ಞಾನ ಜ್ಯೋ
ರುವ ಈ ದೀಪ
ಬೆಳಗುತ್ತಿವೆ.

ಬದುಕೇ
ಬೇಕಾದ ಮ
"ಯಜ್ಞ"
ಕೊಟ್ಟರು. ಪ
ಜ್ಞಗಳ ಪ್ರಾಪ

---

# ನ್ಯಾಯದಾನಕ್ಕೂ 'ಕ್ಯೂ'

( ನಮ್ಮ ಪ್ರತಿನಿಧಿಯಿಂದ )

ಬೆಳಗಾವಿ ೨೨- ನ್ಯಾಯ ದಾನದಲ್ಲಿ ಆಗುವ ವಿಲಂಬವನ್ನು ಭಾರತದ ಸರ್ವೋಚ್ಚ ನ್ಯಾಯಾಲಯದ ಮುಖ್ಯ ನ್ಯಾಯಾಧೀಶ ಶ್ರೀ ವೈ. ವಿ. ಚಂದ್ರಚೂಡ ಅವರು ದರ್ಜಿ, ರೇಶನ್ ಅಂಗಡಿ ಮತ್ತು ಡಾಕ್ಟರರ ಕಾರ್ಯ ವಿಲಂಬಕ್ಕೆ ಹೋಲಿಸಿದರು.

ಡಾಕ್ಟರರು ರೋಗಿಗೆ ತಪಾಶಿಸಲು ಅಪಾಯಿಂಟಮೆಂಟು ಕೊಡುತ್ತಾರೆ. ರೇಶನ್ ಅಂಗಡಿಯವ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ಬನ್ನಿ ಎಂದು ಹೇಳ್ತಾನೆ. ದರ್ಜಿ ಒಂದು ಶರ್ಟ ಹೊಲಿಯಲು ೧೫ ದಿನ ಬೇಕು ಎಂದು ಹೇಳ್ತಾನೆ. ನ್ಯಾಯದಾನವೂ ಹಾಗೆಯೇ ಎಂದರು ಶ್ರೀ ಚಂದ್ರಚೂಡ.

ಗೋಗಟೆ ವ್ಯಾಖ್ಯಾನ ಮಾಲೆಯನ್ನು ಉದ್ಘಾಟಿಸಿ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದ ಅವರು ದರ್ಜಿ, ರೇಶನ್ ಅಂಗಡಿ ಮತ್ತು ಡಾಕ್ಟರರ ವಿಲಂಬಕ್ಕಿಂತ ನಮ್ಮ ವಿಲಂಬ ದೊಡ್ಡದು ಎಂದರು ನಗುತ್ತ.

ನ್ಯಾಯದಾನದಲ್ಲಿಯ ವಿಲಂಬಕೆ ತನ್ನದೇ ಆದ ಕೆಲ ತಾಂತ್ರಿಕ ಕಾರಣಗಳಿವೆ. ಸೂಟಿಯಲ್ಲಿ ನಾವು ಕೆಲಸ ಮಾಡಬೇಕೆ" ಆಗ ಸಾಕ್ಷಿಗಳು ಸಿಗುವದಿಲ್ಲ. ರಾತ್ರಿ ಎಂಟು ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ ಕೆಲಸ ಮಾಡಬೇಕೆಂದರೆ ಅರೆಸ್ಟ್ ಆಜ್ಞೆಗಳಿಗೆ ಇಡೀ ರಾತ್ರಿ ಸಹಿ ಹಾಕಬೇಕಾಗುತ್ತಿದೆ ಎಂದೂ ಶ್ರೀ ಚಂದ್ರಚೂಡ [illegible] ನಗೆಯ

# ಲೌಕಿಕ-ಪಾರಲೌಕಿಕದ ಸಾಮರಸ್ಯಕ್ಕೆ ಕರೆ

25-12-78

ಬರ

ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ೨೪– ಶುಕ್ಲಯಜು ರ್ವೇದದ ಆದ್ಯ ಪ್ರವರ್ತಕ ಯೋಗೇಶ್ವರ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಹರ್ಷಿಗಳ ಸ್ಫೂರ್ತಿದಾಯಕ ಜೀವನವನ್ನೇ ಆದರ್ಶವಾಗಿಟ್ಟು ಕೊಂಡು ಲೌಕಿಕ ಪಾರಲೌಕಿಕಗಳ ಮೇಳ ಸಾಧಿಸಬೇಕು: ಹಾಗೂ ತನ್ಮೂಲಕ ಲೋಕ ಮಂಗಲ ಸಾಧಿಸಬೇಕೆಂದು ಆಂಧ್ರದ ಮಾಜೀ ವಿಧಾನಸಭಾ ಸದಸ್ಯರಾದ ನಿಜಾಮಾಬಾದ ಜಿಲ್ಲೆ ಕೊಟ್ಟಗೀರದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆಯವರು ಇಂದಿಲ್ಲಿ ಕರೆ ನೀಡಿದರು.

ಹತ್ತನೆಯ ಕಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷಸ್ಥಾನ ದಿಂದ ಮಾತನಾಡಿದ ಅವರು ತತ್ತ್ವಜ್ಞಾನದ ಆದರ್ಶ ಹಾಗೂ ಸಮಾಜ ಜೀವನ ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ವಿರೋಧಿವುಂಟಾಗಿರುವದು ಹಾಗೂ ಪಾರಮಾರ್ಥಿಕ ಸತ್ತೆ ಹಾಗೂ ವ್ಯವಹಾರಿಕ ಸತ್ತೆ ಇವುಗಳ ನಡುವೆ ಸಂಬಂಧವಿಲ್ಲದಂತಾಗಿರುವದು ಇವುಗಳಿಂದಲೇ ಜಗತ್ತು ಹಲವಾರು ಜಟಿಲ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಆಗರವೆನಿಸಿದೆಂದರು.

ಸತ್ಯ ಅಹಿಂಸೆಯ ತತ್ವಜ್ಞಾನವನ್ನು ನಮ್ಮದಾಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಲೇಬೇಕು. ಅದರಿಂದಲೇ ಪ್ರೇಮದ ಗಂಗಾ ನದಿ ಎಲ್ಲೆಡೆ ಹರಿಯ ಹತ್ತಿ ಜಗತ್ತು ತಾಪ, ದುಃಖ ದುಮ್ಮಾನ ಸಂಕಷ್ಟಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತಗೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಇದರಿಂದಲೇ ಭಾರತವನ್ನು ಗುರುವೆಂದು ಇಡೀ ಜಗತ್ತೇ ಮನ್ನಿಸುತ್ತದೆಂದವರು. ನುಡಿದು ಅದ್ವೈತ ನಿಷ್ಠೆಯಿಂದ ಇಂದು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದೆಂದರು. ಅದ್ವೈತ ಹಾಗು ಸಮನ್ವಯ ಈ ಎರಡು ಶಬ್ದಗಳೆಂದರೇನೇ ಭಾರತೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿ. ಸಮಾಜ ಜೀವನದ ಆದರ್ಶ ಹಾಗೂ ಸಾಮೂಹಿಕ ಸಾಧನೆಯ ಸಂಕೇತಗಳಿವು ಎಂದೂ ವಿವರಿಸಿದರು.

ಧರ್ಮವೇ ವಿಶ್ವಕ್ಕೆ ಚೈತನ ಸ್ವಧರ್ಮದ ಪಾಲನೆ ಅಪರಾಧವಲ್ಲ ಆದರೆ ಬೇರೆ ಧರ್ಮ

—ಓನ್ ಘಟಿಕ

# ಲೌಕಿಕ-ಪಾರಲೌಕಿಕ ಸಾಮರಸ್ಯಕ್ಕೆ ಕರೆ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ವನ್ನು ದ್ವೇಷಿಸುವುದು ಅಪರಾಧ. ಅವಿದ್ಯೆಯು ಕಾಮ, ಕರ್ಮ ಬಂಧನದಿಂದ ಬಿಡುಗಡೆಗೊಳಿಸಲಾರದು. ಶರೀರತ್ರಯ ಹಾಗೂ ಪಂಚಕೋಶಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತನಾಗುವುದು ಅಸಾಧ್ಯ. ಎಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ಇದನ್ನು ಸಾಧಿಸಿ ಪರಮಾತ್ಮ ಭಾವವನ್ನು ಜೀವ ಹೊಂದುವುದಿಲ್ಲವೋ ಅಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ಪೂರ್ಣ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲವೆಂದೂ ವಿವರಿಸಿದರು.

ದಾನ ದಯೆ ಮತ್ತು ದಯಾಗುಣಗಳಿಂದ ಯುಕ್ತರಾಗಿ ಮಾನವರು ಮಾನವರಾಗಿ ಹೇಗೆ ಬಾಳಬೇಕು ಎಂಬುದನ್ನು ಯೋಗೀಶ್ವರ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ತಮ್ಮ ಬೃಹದಾರಣ್ಯಕದಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶಿಸಿದ್ದು, ಲೌಕಿಕ ವ್ಯವಹಾರವನ್ನು ಬೋಧಿಸುವ ಬೃಹದಾರಣ್ಯಕ ಉಪನಿಷತ್ತು, ಉಪನಿಷತ್ತುಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಶ್ರೇಷ್ಠವಾದುದು ಎಂದು ವೇದ ಶಾಸ್ತ್ರ ಪಂಡಿತರಾದ ಶ್ರೀ ಅರವಿಂದ ದೀಕ್ಷಿತರು ಮಾತನಾಡುತ್ತ ಹೇಳಿದರು.

ಪ್ರಜಾಪತಿ ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಬ್ರಹ್ಮಚರ್ಯ ವ್ರತ ಸ್ವೀಕಾರ ಮಾಡಿದ ದೇವರು, ಮಾನವರು ಮತ್ತು ಅಸುರರಿಗೆ ಈ "ದ"ಕಾರಾತ್ಮಕ ಉಪದೇಶ ನೀಡಿದರು ಎಂಬುದನ್ನು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಮನನೀಯವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿದ್ದು, ಇಡೀ ಮಾನವತೆಯನ್ನೇ ಕುರಿತು ನೀಡಿದ ಉಪದೇಶ ಇದಾಗಿದೆಂದು ಶ್ರೀ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯರು ತಮ್ಮ ಭಾಷ್ಯದಲ್ಲಿ ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆಂದೂ ಶ್ರೀ ದೀಕ್ಷಿತರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಪ್ರಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಹತ್ತನೇ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಧ್ವಜಾರೋಹಣವು ಶ್ರೀ ಸುಂದರೇಶ ದೀಕ್ಷಿತರಿಂದ ನೆರವೇರಿತು. ಶ್ರೀ ಚಕ್ರವರ್ತಿ ನರಸಿಂಹ ಶಾಸ್ತ್ರಿ ಮತ್ತು ಘನಪಾಟಿ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ನಾಡಗೇರ ಅವರಿಂದ ವೇದಮಂತ್ರ ಘೋಷವಾಯಿತು. ಶ್ರೀಮತಿ ಕುಸುಮಾವತಿ ಕುಲಕರ್ಣಿ ತಂಡದವರಿಂದ ಸ್ವಾಗತ ಗೀತೆ, ಶ್ರೀಮತಿ ವಿಜಯಭಾರತಿ ಸೇತುರಾಮರಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸುಪ್ರಭಾತವಾಯಿತು. ಈ ಸಮ್ಮೇಲನ ಕುರಿತು ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್.ಸಿ ದೇಸಾಯಿ ವಿವರಿಸಿದ ನಂತರ ಹಿಂದಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ನಾ. ಸ. ಪೊಹಂಡುಳಕರರ ಪರವಾಗಿ ಸಹಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಪಾಂಡೆ ಈಗಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಅವರಿಗೆ ಅಧಿಕಾರ ಹಸ್ತಾಂತರವಾಯಿತು. ಪ್ರೊ. ಸುರೇಶ ದೊಡವಾಡ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಪ್ರೊ. ರಾಯಬಾಗಿ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ನೂತನ ಅಧ್ಯಕ್ಷರನ್ನು ಪರಿಚಯಿಸಿದರು.

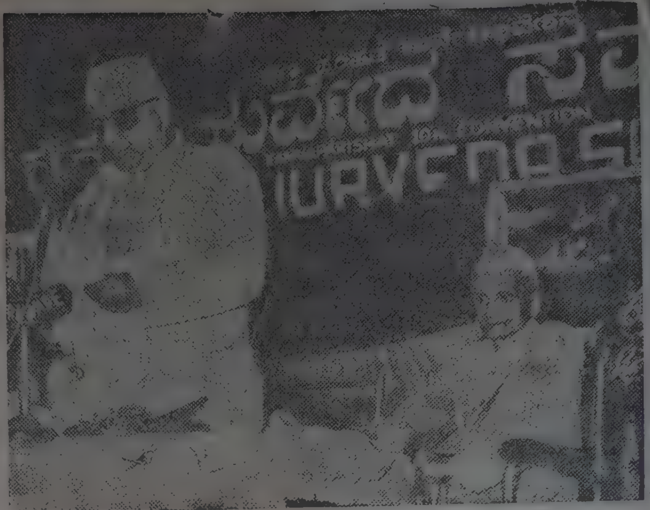

ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಸಪಾಂಡೆ ಅಧ್ಯಕ್ಷೀಯ ಭಾಷಣ ಮಾಡುತ್ತಿರುವದು. ಅವರ ಪಕ್ಕಕ್ಕೆ ಇರುವವರು ಸ್ವಾಗತಾಧ್ಯಕ್ಷ ಸೀತಾರಾಂ ನಾಯಕರು.

ಕಾದಂಬರಿ ತಾತ ಗಳಗನಾಥರು ಮತ್ತು ಇತಿಹಾಸ ಸಂಶೋಧಕ ದಿ. ಎನ್. ಎಸ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತರನ್ನು ಬೆಳಕಿಗೆ ತಂದ ಶೇಷಾಚಲ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ತಪೋಭೂಮಿ ಆನಂದ ವನದ ಹಿರಿಮೆಯನ್ನು ಎತ್ತಿ ತೋರಿಸಿದ ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕರ ಭಾಷಣವನ್ನು ಸಹ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಎನ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತರು ಓದಿ ಹೇಳಿದರು.

ಆಗಡಿಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ನಂದಾದೀಪ ಬೆಳಗಿಸಿ ಸಮ್ಮೇಳನ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು. ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ಸಂದೇಶವಾಚನ ಮಾಡಿದರು. 'ಆನಂದವನ' ಸಂಸ್ಮರಣ ಸಂಚಿಕೆಯನ್ನು ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕರು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿದರು. ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ರಾಜಪುರೋಹಿತ ಆಭಾರಮನ್ನಿಸಿದರು.

## ಪ್ರಥಮ ಉಪಗ್ರಹ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಕಾರ್ಯವನ್ನು ೧೯೭೩ರಲ್ಲಿ ವಿಕ್ರಮ ಸಾರಾಭಾಯಿ ಅಂತರಿಕ್ಷ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರದಲ್ಲಿ ಕೈಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ. ಇತರ ಸುಮಾರು ೪೫ ಭಾರತೀಯ ಉದ್ದಿಮೆಗಳು ಹಾಗೂ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಈ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತವಾಗಿವೆ. ಈ ಯೋಜನೆಯಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು ೩೦೦ ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳು ಹಾಗೂ ಎಂಜಿನಿಯರರು ತೊಡಗಿದ್ದಾರೆ.

ಎಸ್. ಎಲ್ ವ್ಹಿ–೩ ೨೨.೭ ಮೀಟರ ಉದ್ದವಿದ್ದು; ೧೭ ಟನ್ ಭಾರದ್ದಾಗಿದೆ ಅದರ ನಾಲ್ಕೂ ಹಂತಗಳು ಈಗ ಮುಗಿಯುತ್ತ ಬಂದಿದ್ದು ಅವುಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ವಾಗಿಯೆ ಶ್ರೀಹರಿಕೋಟಾಕ್ಕೆ ಸಾಗಿಸಿ ಅಲ್ಲಿ ಜೋಡಿಸಲಾಗುವದು.

ಈ ಯೋಜನೆ ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ಮುಕ್ತಾಯವಾಯಿತೆಂದರೆ; ಭಾರತದ ಅಂತರಿಕ್ಷ ಸಂಶೋಧನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಮಹತ್ವದ ಮೈಲುಗಲ್ಲು ಎನಿಸುವದು —ಪಿ.ಟಿ.ಐ.

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಳನ

ವರದಿ— **ಕೆ ಬಿ ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ**

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟುಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪದಿಂದ ಅದನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಲನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳು ನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೫೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಲನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಪುಟಕ್ಕೆ

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಳನ

ವರದಿ— ಕೆ. ಬಿ. ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟು ಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪದಿಂದ ಅದನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತಿರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಲನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳುನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೫೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಲನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಘಟ್ಟ

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಳನ

ವರದಿ— ಕೆ ಬಿ ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಯ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಉನ್ನತಿಕ [illegible] [illegible] ಶಾಖೆ [illegible] ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ [illegible] ಸಾಧನವನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಅವರ ಇಬ್ಬರಲ್ಲಿ ಅದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡ ಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಹಟ್ಟಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಒಪ್ಪಿದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರಿ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪತಾಳಿ ಅದನ್ನು [illegible]. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತಿರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ಸಾತ್ಯಸಾಮ್ಯವಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಅಗಸನಾಳ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶ ಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳು ನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು [illegible] ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು [illegible] ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಳನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸಕ್ತಿ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಪುಟಕ್ಕೆ

# ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿದೆ. ಅದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಸಮ್ಮೆಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇದೀಗ ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ ಕಲಿತವರಿಗೂ ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ ಚಿಂ ಬ ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ- ಗುರುಬಂಧುಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾಡಿದ್ದೀರಿ, ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ ನಿಜ. ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

## ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು) ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು. ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರೇ ಮುಂದಾಗಿ ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್" ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆ ಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ. ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆಯಾಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

...bli. Phone: P. B. X. 4303 to 4...
Resident Editor: M. Nagaraja...

## ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿದೆ. ಅದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಸಮ್ಮೆಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು, ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇದೀಗ ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ ಕಲಿತವರಿಗೂ ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ ಜೀ. ಬ. ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ– ಗುರುಬಂಧುಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾಡಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ ನಿಜ. ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

### ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು) ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು. ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರೇ ಮುಂದಾಗಿ ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್" ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ. ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆಯಾಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

...bli. Phone: P. B. X. 4303 to 4...
, Resident Editor: M. Nagaraja

# ಲೌಕಿಕ-ಪಾರಲೌಕಿಕ ಸಾಮರಸ್ಯಕ್ಕೆ ಕರೆ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ವನು ದ್ವೇಷಿಸುವುದು ಅಪರಾಧ. ಅವಿದ್ಯೆಯು ಕಾಮ, ಕರ್ಮ ಬಂಧನದಿಂದ ಬಿಡುಗಡೆಗೊಳಿಸಲಾರದು. ಶರೀರತ್ರಯ ಹಾಗೂ ಪಂಚಕೋಶಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತನಾಗುವುದು ಅಸಾಧ್ಯ. ಎಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಇದನ್ನು ಸಾಧಿಸಿ ಪರಮಾತ್ಮ ಭಾವವನ್ನು ಜೀವ ಹೊಂದುವುದಿಲ್ಲವೋ ಅಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ಪೂರ್ಣ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲವೆಂದೂ ವಿವರಿಸಿದರು.

ದಾನ ದಯೆ ಮತ್ತು ದಯಾಗುಣಗಳಿಂದ ಯುಕ್ತರಾಗಿ ಮಾನವರು ಮಾನವರಾಗಿ ಹೇಗೆ ಬಾಳಬೇಕು ಎಂಬುದನ್ನು ಯೋಗೀಶ್ವರ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ತಮ್ಮ ಬೃಹದಾರಣ್ಯಕದಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶಿಸಿದ್ದು, ಲೌಕಿಕ ವ್ಯವಹಾರವನ್ನು ಬೋಧಿಸುವ ಬೃಹದಾರಣ್ಯಕ ಉಪನಿಷತ್ತು ಉಪನಿಷತ್ತುಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಶ್ರೇಷ್ಠವಾದುದು ಎಂದು ವೇದ ಶಾಸ್ತ್ರ ಪಂಡಿತರಾದ ಶ್ರೀ ಅರವಿಂದ ದೀಕ್ಷಿತರು ಮಾತನಾಡುತ್ತ ಹೇಳಿದರು.

ಪ್ರಜಾಪತಿ ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಬ್ರಹ್ಮಚರ್ಯ ವ್ರತ ಸ್ವೀಕಾರ ಮಾಡಿದ ದೇವರು, ಮಾನವರು ಮತ್ತು ಅಸುರರಿಗೆ ಈ "ದ"ಕಾರಾತ್ಮಕ ಉಪದೇಶ ನೀಡಿದರು ಎಂಬುದನ್ನು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಮನನೀಯವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿದ್ದು. ಇಡೀ ಮಾನವತೆಯನ್ನೇ ಕುರಿತು ನೀಡಿದ ಉಪದೇಶ ಇದಾಗಿದೆಂದು ಶ್ರೀ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯರು ತಮ್ಮ ಭಾಷ್ಯದಲ್ಲಿ ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆಂದೂ ಶ್ರೀ ದೀಕ್ಷಿತರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಪ್ರಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಹತ್ತನೇ ಶಾಖಾ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಧ್ವಜಾರೋಹಣವು ಶ್ರೀ ಸುಂದರೇಶ ದೀಕ್ಷಿತರಿಂದ ನೆರವೇರಿತು. ಶ್ರೀ ಚಕ್ರವರ್ತಿ ನರಸಿಂಹ ಶಾಸ್ತ್ರಿ ಮತ್ತು ಘನಪಾಟಿ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ನಾಡಗೇರ ಅವರಿಂದ ವೇದಮಂತ್ರ ಘೋಷವಾಯಿತು. ಶ್ರೀಮತಿ ಕುಸುಮಾವತಿ ಕುಲಕರ್ಣಿ ತಂಡದವರಿಂದ ಸ್ವಾಗತ ಗೀತೆ, ಶ್ರೀಮತಿ ವಿಜಯಭಾರತಿ ಸೇತುರಾಮರಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸುಪ್ರಭಾತವಾಯಿತು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ಕುರಿತ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್.ಸಿ ದೇಸಾಯಿ ವಿವರಿಸಿದ ನಂತರ ಹಿಂದಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ನಾ. ಸ. ಪೊಹಂಕಾಳಕರ ಪರವಾಗಿ ಸಹಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಪಾಂಡೆ ಈಗಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಅವರಿಗೆ

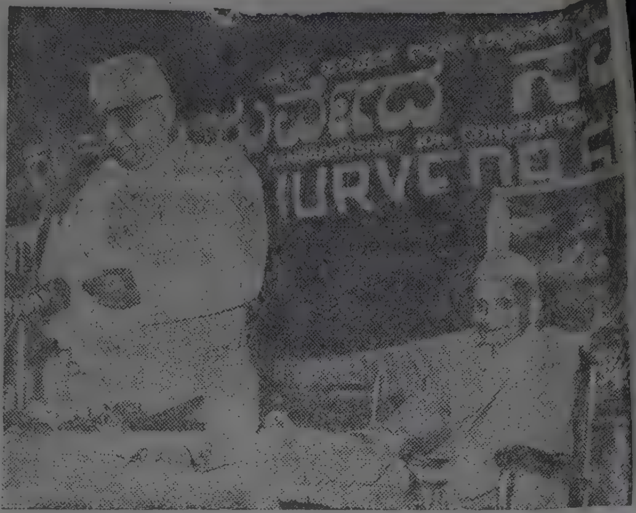

ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಅಧ್ಯಕ್ಷೀಯ ಭಾಷಣ ಮಾಡುತ್ತಿರುವದು. ಅವರ ಪಕ್ಕಕ್ಕೆ ಇರುವವರು ಸ್ವಾಗತಾಧ್ಯಕ್ಷ ಸೀತಾರಾಂ ನಾಯಕರು.

ಅಧಿಕಾರ ಹಸ್ತಾಂತರವಾಯಿತು. ಪ್ರೊ. ಸುರೇಶ ದೊಡವಾಡ ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಪ್ರೊ. ರಾಯಬಾಗಿ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ನೂತನ ಅಧ್ಯಕ್ಷರನು ಪರಿಚಯಿಸಿದರು.

ಕಾದಂಬರಿ ತಾತ ಗಳಗನಾಥರು ಮತ್ತು ಇತಿಹಾಸ ಸಂಶೋಧಕ ದಿ. ಎನ್. ಎಸ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತರನ್ನು ಬೆಳಕಿಗೆ ತಂದ ಶೇಷಾಚಲ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ತಪೋಭೂಮಿ ಆನಂದವನದ ಹಿರಿಮೆಯನ್ನು ಎತ್ತಿ ತೋರಿಸಿದ ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕರ ಭಾಷಣವನ್ನು ಸಹಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಎನ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತರು ಓದಿ ಹೇಳಿದರು.

ಅಗಡಿಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ನಂದಾದೀಪ ಬೆಳಗಿಸಿ ಸಮ್ಮೇಳನ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು. ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ಸಂದೇಶವಾಚನ ಮಾಡಿದರು. 'ಆನಂದವನ' ಸಂಸ್ಮರಣ ಸಂಚಿಕೆಯನು ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕರು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿದರು. ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ರಾಜಪುರೋಹಿತ ಆಭಾರಮನ್ನಿಸಿದರು.

25-12-78

ಸಕ
25-12-78

# ಲೌಕಿಕ-ಪಾರಲೌಕಿಕದ ಸಾಮರಸ್ಯಕ್ಕೆ ಕರೆ

ಬರ

ಆನಂದವನ (ಆಗಡಿ) ೨೪– ಶುಕ್ಲ ಯಜು ರ್ವೇದದ ಆದ್ಯ ಪ್ರವರ್ತಕ ಯೋಗೇಶ್ವರ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಹರ್ಷಿಗಳ ಸ್ಫೂರ್ತಿದಾಯಕ ಜೀವನವನ್ನೇ ಆದರ್ಶವಾಗಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ಲೌಕಿಕ ಪಾರಲೌಕಿಕಗಳ ಮೇಳ ಸಾಧಿಸಬೇಕು: ಹಾಗೂ ತನ್ಮೂಲಕ ಲೋಕ ಮಂಗಲ ಸಾಧಿಸಬೇಕೆಂದು ಆಂಧ್ರದ ಮಾಜೀ ವಿಧಾನಸಭಾ ಸದಸ್ಯರಾದ ನಿಜಾಮಾಬಾದ ಜಿಲ್ಲೆ ಕೊಟ್ಟಗೀರದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆಯವರು ಇಂದಿಲ್ಲಿ ಕರೆ ನೀಡಿದರು.

ಹತ್ತನೆಯ ಕಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷಸ್ಥಾನ ದಿಂದ ಮಾತನಾಡಿದ ಅವರು ತತ್ವಜ್ಞಾನದ ಆದರ್ಶ ಹಾಗೂ ಸಮಾಜ ಜೀವನ ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ವಿರೋಧವುಂಟಾಗಿರುವದು ಹಾಗೂ ಪಾರಮಾರ್ಥಿಕ ಸತ್ತೆ ಹಾಗೂ ವ್ಯವಹಾರಿಕ ಸತ್ತೆ ಇವುಗಳ ನಡುವೆ ಸಂಬಂಧವಿಲ್ಲದಂತಾಗಿರುವದು ಇವು ಗಳಿಂದಲೇ ಜಗತ್ತು ಹಲವಾರು ಜಟಿಲ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಆಗರವೆನಿಸಿದೆಂದರು.

ಸತ್ಯ ಅಹಿಂಸೆಯ ತತ್ವಜ್ಞಾನವನ್ನು ನಮ್ಮದಾಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಲೇಬೇಕು. ಆದರಿಂದಲೇ ಪ್ರೇಮದ ಗಂಗಾ ನದಿ ಎಲ್ಲೆಡೆ ಹರಿಯ ಹತ್ತಿ ಜಗತ್ತು ತಾಪ, ದುಃಖ ದುಮ್ಮಾನ ಸಂಕಷ್ಟಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತಗೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಇದರಿಂದಲೇ ಭಾರತವನ್ನು ಗುರುವೆಂದು ಇಡೀ ಜಗತ್ತೇ ಮನ್ನಿಸುತ್ತದೆಂದವರು ನುಡಿದು ಅದ್ವೈತ ನಿಷ್ಠೆಯಿಂದ ಇಂದು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದೆಂದರು. ಅದ್ವೈತ ಹಾಗು ಸಮನ್ವಯ ಈ ಎರಡು ಶಬ್ದಗಳೆಂದರೇನೇ ಭಾರತೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಸಮಾಜ ಜೀವನದ ಆದರ್ಶ ಹಾಗೂ ಸಾಮೂಹಿಕ ಸಾಧನೆಯ ಸಂಕೇತಗಳಿವು ಎಂದೂ ವಿವರಿಸಿದರು.

ಧರ್ಮವೇ ವಿಶ್ವಕ್ಕೆ ಚೈತನ ಸ್ವಧರ್ಮದ ಪಾಲನೆ ಅಪರಾಧವಲ್ಲ ಆದರೆ ಬೇರೆ ಧರ್ಮ

—ಸ್ವಂ ಸುದ್ದಿ

# ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿದೆ. ಅದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಸಮ್ಮೇಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇಂದಿಗ ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ ಕಲಿತವರಿಗೂ ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ [illegible] ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ– ಗುರುಬಂಧುಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾಡಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ ನಿಜ ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

## ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು) ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು. ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರೇ ಮುಂದಾಗಿ ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್" ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ. ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆಯಾಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

...ph. Phone: P. B. X. 4303 to 4...
Resident Editor: M. Nagaraja...

# ಪೇಜಾವರ ಶ್ರೀಗಳಿಂದ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನ ಉದ್ಘಾಟನೆ

ಅಗಡಿ (ಹಾವೇರಿ) ೨೦– ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನವನ್ನು ಇಲ್ಲಿಯ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿಸಲಾಗಿರುವ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಪೇಜಾವರ ಮಠಾಧೀಶರಾದ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದಂಗಳವರು ಇದೇ ದಿ. ೨೧ ರಂದು ಮುಂಜಾನೆ ೯ಕ್ಕೆ ಉದ್ಘಾಟಿಸುವರು. ಶ್ರೀ ಕಾಣ್ವ ಮಠದ ವಿದ್ಯಾತಪೋನಿಧಿ ಶ್ರೀಗಳು ಸಭಾಧ್ಯಕ್ಷತೆ ವಹಿಸುವರು. ಶ್ರೀ ಕೂಡ್ಲಿ ಶೃಂಗೇರಿ ಜಗದ್ಗುರುಗಳು ಸಂಸ್ಮರಣ ಸಂಚಿಕೆ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡುವರು. ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ (ಆಂಧ್ರ) ಸಮ್ಮೇಲನಾಧ್ಯಕ್ಷರು. ಶ್ರೀ ಈಶ್ವರಶಾಸ್ತ್ರಿ ಸಾಂಗ್ಲಿ ಮೊದಲಾದ ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಉಪನ್ಯಾಸ.

ದಿ. ೨೨ ರಂದು ಮುಂಜಾನೆ ೯ ಕ್ಕೆ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಹಾಗೂ ಮಹಿಳಾ ಗೋಷ್ಠಿ. ಅಪರಾಹ್ನ ೪ ಕ್ಕೆ ಸತ್ಕಾರ. ಗೊತ್ತುವಳಿಗಳ ಸ್ವೀಕಾರ ಮತ್ತು ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಿಂದ ಸಮಾರೋಪ.

ಶನಿವಾರ ದಿ. ೨೨ ರಂದು ಸಂಜೆ ೬ಕ್ಕೆ ಆನೆ ಅಂಬಾರಿ ಮೇಲೆ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಗ್ರಂಥವನ್ನಿಟ್ಟು ವೆಂಕಟೇಶ್ವರ ದೇವಸ್ಥಾನದಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪಕ್ಕೆ ಮೆರವಣಿಗೆ. ಶ್ರೀ ಪೇಜಾವರ ಮಠಾಧೀಶರು, ಶ್ರೀ ಕಣ್ವ ಮಠಾಧೀಶರು, ಬಸವಾಪಟ್ಟಣದ ಶ್ರೀ ರಾಘವೇಂದ್ರ ಗುರೂಜಿಯವರು, ಶ್ರೀ ಸುಂದರೇಶ ದೀಕ್ಷಿತರು ಮತ್ತು ಶ್ರೀ ದಿವಾಕರ ದೀಕ್ಷಿತರನ್ನು ಮೆರವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪಕ್ಕೆ ಕರೆತರಲಾಗುವದು.

ಈಗಾಗಲೇ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತಾ ಸ್ವಾಹಾಕಾರ ಯಜ್ಞದ ಪೂರ್ಣ ಕುಂಭವು ದಿ. ೨೩ ರಂದು ಜರುಗುವುದು.

25-12-78

# ಲೌಕಿಕ-ಪಾರಲೌಕಿಕ ಸಾಮರಸ್ಯಕ್ಕೆ ಕರೆ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ವನ್ನು ದ್ವೇಷಿಸುವುದು ಅಪರಾಧ. ಅವಿದ್ಯೆಯು ಕಾಮ, ಕರ್ಮ ಬಂಧನದಿಂದ ಬಿಡುಗಡೆಗೊಳಿಸ ಲಾರದು. ಶರೀರತ್ರಯ ಹಾಗೂ ಪಂಚಕೋಶ ಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತನಾಗುವುದು ಅಸಾಧ್ಯ. ಎಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ಇದನ್ನು ಸಾಧಿಸಿ ಪರಮಾತ್ಮ ಭಾವವನ್ನು ಜೀವ ಹೊಂದುವುದಿಲ್ಲವೋ ಅಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ಪೂರ್ಣ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲವೆಂದೂ ವಿವರಿಸಿದರು.

ದಾನ ದಯೆ ಮತ್ತು ದಯಾಗುಣಗಳಿಂದ ಯುಕ್ತರಾಗಿ ಮಾನವರು ಮಾನವರಾಗಿ ಹೇಗೆ ಬಾಳಬೇಕು ಎಂಬುವನ್ನು ಯೋಗೀಶ್ವರ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ತಮ್ಮ ಬೃಹದಾರಣ್ಯಕದಲ್ಲಿ ಉಪದೇಶಿಸಿದ್ದು, ಲೌಕಿಕ ವ್ಯವಹಾರವನ್ನು ಬೋಧಿಸುವ ಬೃಹದಾರಣ್ಯಕ ಉಪನಿಷತ್ತು, ಉಪನಿಷತ್ತುಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಶ್ರೇಷ್ಠವಾದುದು ಎಂದು ವೇದ ಶಾಸ್ತ್ರ ಪಂಡಿತರಾದ ಶ್ರೀ ಅರವಿಂದ ದೀಕ್ಷಿತರು ಮಾತನಾಡುತ್ತ ಹೇಳಿದರು.

ಪ್ರಜಾಪತಿ ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳಾದ ಬ್ರಹ್ಮಚರ್ಯ ವ್ರತ ಸ್ವೀಕಾರ ಮಾಡಿದ ದೇವರು, ಮಾನವರು ಮತ್ತು ಅಸುರರಿಗೆ ಈ "ದ"ಕಾರಾತ್ಮಕ ಉಪದೇಶ ನೀಡಿದರು ಎಂಬುದನ್ನು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಮನನೀಯವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿದ್ದು. ಇಡೀ ಮಾನವತೆಯನ್ನೇ ಕುರಿತು ನೀಡಿದ ಉಪದೇಶ ಇದಾಗಿದೆಂದು ಶ್ರೀ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯರು ತಮ್ಮ ಭಾಷ್ಯದಲ್ಲಿ ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆಂದೂ ಶ್ರೀ ದೀಕ್ಷಿತರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಪ್ರಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಹತ್ತನೇ ಶಾಖಾ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಧ್ವಜಾರೋಹಣವು ಶ್ರೀ ಸುಂದರೇಶ ದೀಕ್ಷಿತರಿಂದ ನೆರವೇರಿತು. ಶ್ರೀ ಚಕ್ರವರ್ತಿ ನರಸಿಂಹ ಶಾಸ್ತ್ರಿ ಮತ್ತು ಘನಪಾಟಿ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ನಾಡಗೇರ ಅವರಿಂದ ವೇದಮಂತ್ರ ಘೋಷವಾಯಿತು. ಶ್ರೀಮತಿ ಕುಸುಮಾವತಿ ಕುಲಕರ್ಣಿ ತಂಡದವರಿಂದ ಸ್ವಾಗತ ಗೀತೆ. ಶ್ರೀಮತಿ ವಿಜಯಭಾರತಿ ಸೇತುರಾಮರಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸುಪ್ರಭಾತವಾಯಿತು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ಕುರಿತ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್.ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ವಿವರಿಸಿದ ನಂತರ ಹಿಂದಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ನಾ. ಸ. ಮೋಹಂ...ಳಕರ ಪರವಾಗಿ ಸಹಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಪಾಂಡೆ ಈಗಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಅವರಿಗೆ

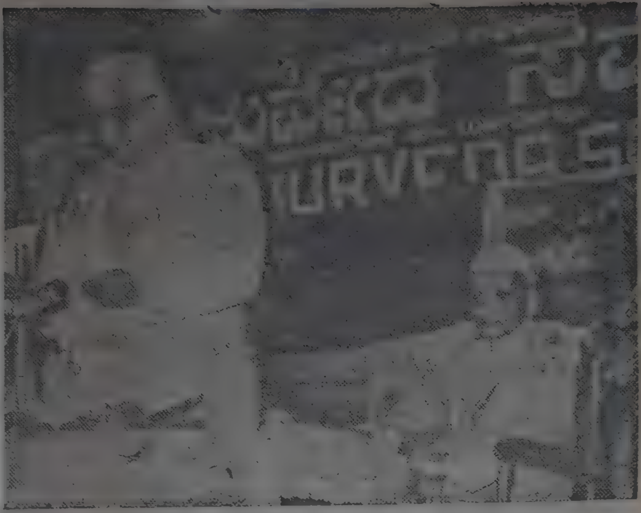

ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಅಧ್ಯಕ್ಷೀಯ ಭಾಷಣ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು. ಅವರ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಇರುವವರು ಸ್ವಾಗತಾಧ್ಯಕ್ಷ ಸೀತಾರಾಂ ನಾಯಕರು.

ಅಧಿಕಾರ ಹಸ್ತಾಂತರವಾಯಿತು. ಪ್ರೊ. ಸುರೇಶ ದೊಡವಾಡ ಮರಾಠಿಯ ಹಾಗೂ ಪ್ರೊ. ರಾಯಬಾಗಿ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ನೂತನ ಅಧ್ಯಕ್ಷರನ್ನು ಪರಿಚಯಿಸಿದರು.

ಕಾದಂಬರಿ ತಾತ ಗಳಗನಾಥರು ಮತ್ತು ಇತಿಹಾಸ ಸಂಶೋಧಕ ಎ. ಎಸ್. ಎಸ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತರನ್ನು ಬೆಳಕಿಗೆ ತಂದ ಶೇಷಾಚಲ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ತಪೋಭೂಮಿ ಆನಂದವನದ ಹಿರಿಮೆಯನ್ನು ಎತ್ತಿ ತೋರಿಸಿದ ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕರ ಭಾಷಣವನ್ನು ಸಹ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಎನ್. ರಾಜಪುರೋಹಿತರು ಓದಿ ಹೇಳಿದರು.

ಆಗಮಿಸಿದ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ನಂದಾದೀಪ ಬೆಳಗಿಸಿ ಸಮ್ಮೇಳನ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು. ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ಸಂದೇಶವಾಚನ ಮಾಡಿದರು. ಆನಂದವನ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಸಂಚಿಕೆಯನ್ನು ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕರು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿದರು. ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ರಾಜಪುರೋಹಿತ ಆಭಾರಮನ್ನಿಸಿದರು.

ಪ್ರ.ಕ. ೧೧-೧೧-೭೮

# ಪೇಜಾವರ ಶ್ರೀಗಳಿಂದ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನ ಉದ್ಘಾಟನೆ

ಅಗಡಿ (ಹಾವೇರಿ) ೨೧– ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನವನ್ನು ಇಲ್ಲಿಯ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿಸಲಾಗಿರುವ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಪೇಜಾವರ ಮಠಾಧೀಶರಾದ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದಂಗಳವರು ಇದೇ ದಿ. ೨೪ ರಂದು ಮುಂಜಾನೆ ೯ಕ್ಕೆ ಉದ್ಘಾಟಿಸುವರು. ಶ್ರೀ ಕಾಣ್ವ ಮಠದ ವಿದ್ಯಾತಪೋನಿಧಿ ಶ್ರೀಗಳು ಸಭಾಧ್ಯಕ್ಷತೆ ವಹಿಸುವರು. ಶ್ರೀ ಕೂಡ್ಲಿ ಶೃಂಗೇರಿ ಜಗದ್ಗುರುಗಳು ಸಂಸ್ಮರಣ ಸಂಚಿಕೆ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡುವರು. ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ (ಆಂಧ್ರ) ಸಮ್ಮೇಲನಾಧ್ಯಕ್ಷರು. ಶ್ರೀ ಈಶ್ವರಶಾಸ್ತ್ರಿ ಸಾಂಗ್ಲಿ ಮೊದಲಾದ ವಿದ್ವಾಂಸರಿಂದ ಉಪನ್ಯಾಸ.

ದಿ. ೨೫ ರಂದು ಮುಂಜಾನೆ ೯ ಕ್ಕೆ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಹಾಗೂ ಮಹಿಳಾ ಗೋಷ್ಠಿ. ಅಪರಾಹ್ನ ೪ ಕ್ಕೆ ಸತ್ಕಾರ. ಗೊತ್ತುವಳಿಗಳ ಸ್ವೀಕಾರ ಮತ್ತು ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಿಂದ ಸಮಾರೋಪ.

ಶನಿವಾರ ದಿ. ೨೩ ರಂದು ಸಂಜೆ ೬ಕ್ಕೆ ಆನೆ ಅಂಬಾರಿ ಮೇಲೆ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಗ್ರಂಥವನ್ನಿಟ್ಟು ವೆಂಕಟೇಶ್ವರ ದೇವಸ್ಥಾನದಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪಕ್ಕೆ ಮೆರವಣಿಗೆ. ಶ್ರೀ ಪೇಜಾವರ ಮಠಾಧೀಶರು, ಶ್ರೀ ಕಣ್ವ ಮಠಾಧೀಶರು, ಬಸವಾಪಟ್ಟಣದ ಶ್ರೀ ರಾಘವೇಂದ್ರ ಗುರೂಜಿಯವರು, ಶ್ರೀ ಸುಂದರೇಶ ದೀಕ್ಷಿತರು ಮತ್ತು ಶ್ರೀ ದಿವಾಕರ ದೀಕ್ಷಿತರನ್ನು ಮೆರವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಮಂಟಪಕ್ಕೆ ಕರೆತರಲಾಗುವದು.

ಈಗಾಗಲೇ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತಾ ಸ್ವಾಹಾಕಾರ ಯಜ್ಞದ ಪೂರ್ಣ ಕುಂಭವು ದಿ. ೨೫ ರಂದು ಜರುಗುವುದು.

# ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿದೆ. ಅದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಸಮ್ಮೇಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇದೀಗ ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ ಕಲಿತವರಿಗೂ ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ ಚಂ. ಬ. ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ– ಗುರುಬಂಧುಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾಡಿದ್ದೀರಿ, ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ ನಿಜ ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

## ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು) ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು. ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರೇ ಮುಂದಾಗಿ ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್" ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ. ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆಯಾಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

oli, Phone: P. B. X. 4303 to 43
Resident Editor: M. Nagaraja

# ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕರ ಜೀವನ ಮತ್ತು ಸಂದೇಶ

ವಿಜಯ ಭಾರತಿ ಸೇತುರಾಮು

"ರತ್ನಗರ್ಭಾವಸುಂಧರಾ" ಪೃಥ್ವಿಯ ಗರ್ಭದಲ್ಲಿ ಆಗೊಮ್ಮೆ ಈಗೊಮ್ಮೆ ರತ್ನಸದೃಶರಾದ ಮಹಾನುಭಾವರು ಅವತರಿಸಿ ಬರುವುದುಂಟು. ಹಾಗೆ ಅವತರಿಸಿಬಂದ ಕೆಲವೇ ಮಹಾನುಭಾವರಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರೂ ಒಬ್ಬರು.

ಕಾರ್ತೀಕಮಾಸ ಜ್ಯೋತಿರ್ಮಾಸ ಇದು ಅವರು ಜನ್ಮತಳೆದ ಪುಣ್ಯಮಾಸ. ಬಹುಕಾಲದಿಂದ ಸಂತಾನ ಸೌಭಾಗ್ಯವಿಲ್ಲದೆ ಅದೇ ಕೊರತೆಯಲ್ಲಿಯೇ ನೊಂದು ಬೆಂದು, ಕೊನೆಗೆ ಕೇಧಾರೇಶ್ವರನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಪುತ್ರ ಭಿಕ್ಷೆಗಾಗಿ ತಪಸ್ಸಿಗೆ ನಿಂತ ಸಾತ್ವಿಕ ದಂಪತಿಗಳಾದ ದೇವರಾತ ಹಾಗು ಸುನಂದಾದೇವಿ ಇವರಿಗೆ ಹನ್ನೆರಡು ವರ್ಷಗಳ ಸುದೀರ್ಘ ತಪಸ್ಸಿನ ಫಲವಾಗಿ ದೈವಾಂಶ ಸಂಭೂತರಾದ ಭಗವನ್ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಜನಿಸಿದರು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕನೆಂದು ಅವನಿಗೆ ನಾಮಾಭಿದಾನಮಾಡಿದರು.

ಕಾಲೋಚಿತವಾಗಿ ಉಪನಯನ ದೀಕ್ಷಿತನಾದ ಮೇಲೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯನನ್ನು ತಂದೆ ದೇವರಾತರು ವೇದಾಧ್ಯಯನಕ್ಕಾಗಿ ಗುರುಕುಲವಾಸಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿದರು. ಚತುರ್ವೇದ ಪಾರಂಗನಾಗಬೇಕೆಂಬ ಅಭಿಲಾಷೆಯಿಂದ ಬಾಸಲ ಋಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಋಗ್ವೇದವನ್ನೂ, ಜೈಮಿನಿ ಋಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಮವೇದವನ್ನೂ, ಆರುಣಿ ಋಷಿಗಳಲ್ಲಿ ಅಥರ್ವವೇದವನ್ನೂ ಅಧ್ಯಯನಮಾಡಿ ಕೊನೆಗೆ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಸೋದರಮಾವನಾದ ವೈಶಂಪಾಯನರಲ್ಲಿ ಅಧ್ಯಯನ ಮಾಡಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಆಶ್ರಮ ಒಂದು ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯವೇ ಆಗಿತ್ತು. ಅಲ್ಲಿ ನೂರಾರು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ವ್ಯಾಸಂಗ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿನ ರಾಜನಾದ ಸುಪ್ರಿಯ ಇದಕ್ಕಾಗಿ ನೆರವು ನೀಡುತ್ತಿದ್ದ. ಕೆಲವು ಸಮಯಾನಂತರ ರಾಜನಿಗೆ ಕುಷ್ಠರೋಗ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡಿತು. ಇದರ ಪರಿಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಗುರುಗಳಾದ ವೈಶಂಪಾಯನರು ವಿಶೇಷ ಪೂಜಾದಿಗಳನ್ನು ದಿನವೂ ನೆರವೇರಿಸಿ ಮಂತ್ರಜಲವನ್ನು ದಿನವೂ ಒಬೊಬ್ಬ ಶಿಷ್ಯನೊಡನೆ ಅರಮನೆಗೆ ಕಳಿಸಿಕೊಡುತ್ತಿದ್ದರು.

## ಕೊರಡು ಚಿಗುರಿತು

ಒಮ್ಮೆ ಈ ತೀರ್ಥಜಲವನ್ನು ರಾಜನಲ್ಲಿಗೆ ಒಯ್ಯುವ ಸರದಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಿಗೆ ಬಂದಿತು. ಗುರುಗಳು ನಡೆಸುತ್ತಿದ್ದ ಈ ಕಾರ್ಯ ಅವರಿಗೆ ಮೊದಲಿನಿಂದಲೂ ಹಿಡಿಸಿರಲಿಲ್ಲ. ಸುಪ್ರಿಯರಾಜ ವಿಷಯಲಂಪಟ. ತನ್ನ ಅನೀತಿಯುತವಾದ ನಡವಳಿಕೆಯಿಂದ ತಾನೇ ಈ ಸ್ಥಿತಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದಾನೆ. ಅವನ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ಅವನಲ್ಲಿ ಎಳ್ಳಷ್ಟೂ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪವಿಲ್ಲ. ಜಪತಪಾದಿಗಳಲ್ಲಿ ಶ್ರದ್ಧೆಯಿಲ್ಲ. ದೈವೀಶಕ್ತಿಯಲ್ಲಿ ನಂಬಿಕೆಯಿಲ್ಲ. ಇಂಥವನಿಗೆ ತಮ್ಮ ತಪಶ್ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ವೃಥಾ ವ್ಯಯಮಾಡುವುದೆ? ಛೆ– ಇದು ಧರ್ಮವಲ್ಲ ಎಂದು ಅವನು ಆಲೋಚಿಸುತ್ತಿದ್ದ. ಆದರೆ ಗುರ್ವಾಜ್ಞೆ ಎಂದು ಎದುರಾಡದೆ, ಮಂತ್ರಜಲವನ್ನು ರಾಜನಲ್ಲಿಗೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಹೋದ. ರಾಜ್ಯನಲ್ಲಿ ತೀರ್ಥೋದಕವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಬೇಕೆಂದು ವಿನಂತಿಸಿಕೊಂಡ. ಬಂದಿದ್ದ ತೇಜಸ್ವಿಯ ಅಂತಃಶಕ್ತಿ ತಿಳಿಯದೆ ಸುಪ್ರಿಯ ರಾಜ ಉದಾಸೀನದಿಂದ ತೀರ್ಥಜಲವನ್ನು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಎಲ್ಲಾದರೂ ಇಟ್ಟು ಹೋಗೆಂದು ಹೇಳಿದಾಗ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಿಗೆ ಕೋಪ ತಡೆಯದಾಯ್ತು. ಆ ತೀರ್ಥಜಲವನ್ನು ಅಲ್ಲಿಯೇ ಇದ್ದ ಒಂದು ಮರದ ಕೊರಡಿನ ಮೇಲೆ "ಮಧುಮತಿ" ಮಂತ್ರವನ್ನು ಪುನರುಚ್ಚರಿಸುತ್ತ ಪ್ರೋಕ್ಷಣೆ ಮಾಡಿ ಯಾಪವಕಾಶನ್ನೂ ಕೊಡದೆ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋದರು. ಕೆಲವೇ ನಿಮಿಷಗಳಲ್ಲಿ ಒಣಗಿ ಬರಡಾಗಿದ್ದ ಮರದ ಕೊರಡು ವಸಂತಮಾಸದ ವೃಕ್ಷದಂತೆ ಬೆಳೆ ಚಿಗುರು ಮೊಗ್ಗು ಹೂಗಳಿಂದ ನಳನಳಿಸಿತು. ಇದನು ಕಂಡ ರಾಜ ದಿಗ್ಭ್ರಮೆಗೊಂಡ. ಬಾಗಿಲಿಗೆ ಬಂದ ಭಾಗ್ಯವನ್ನು ಬೇಡವೆಂದುದಕ್ಕೆ ತೀವ್ರವಾಗಿ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಟ್ಟ.

ಮತ್ತೆ ಮಂತ್ರಜಲವನ್ನು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಕೈಯಲ್ಲಿಯೇ ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರಲ್ಲಿಗೆ ಹೇಳಿ ಕಳುಹಿಸಿದ. ರಾಜಾಜ್ಞೆ ಎಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರೂ ಒಪ್ಪಿದರು. ಆದರೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಒಪ್ಪಲಿಲ್ಲ. ಗುರುಹಿರಿಯರಲ್ಲಿ ಗೌರವವಿಲ್ಲದ ತನ್ನ ತಪ್ಪಿಗಾಗಿ ಪರಿತಾಪವಿಲ್ಲದ ದೈವದಲ್ಲಿ ಭಕ್ತಿಶ್ರದ್ಧೆಗಳಿಲ್ಲದ ಇಂತಹ

ಯೋಗೀಶ್ವರ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು

ಅಹಂಭಾವಿಗೆ ನಮ್ಮ ತಪಃಶಕ್ತಿಯನ್ನು ವಿನಿಯೋಗಿಸಬಾರದು. ಅವನ ಹೃದಯ ಶುದ್ಧವಾದ ಹೊರತು ಅವನಿಗೆ ಏನನ್ನೂ ಮಾಡುವುದು ಸರಿಯಲ್ಲ. ಗುರ್ವಾಜ್ಞೆ ಎಂದು ಒಮ್ಮೆ ಹೋಗಿಬಂದೆ. ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಹೋಗುವುದು ನನ್ನಿಂದ ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ" ಎಂದು ಕಟ್ಟುನಿಟ್ಟಾಗಿ ತಿಳಿಸಿಬಿಟ್ಟರು. ಇದರಿಂದ ತುಂಬಾ ಕುಪಿತರಾದ ವೈಶಂಪಾಯನರು "ನನ್ನ ಮಾತನ್ನು ಪುರಸ್ಕರಿಸದೆ ಅವಿಧೇಯನಾಗಿ ನಡೆದುಕೊಂಡ ನಿನಗೆ ನನ್ನ ಆಶ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸ್ಥಳವಿಲ್ಲ. ನನ್ನಿಂದ ನಿನಗೆ ದತ್ತವಾಗಿರುವ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮತ್ತೆ ನನಗೆ ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿ ಈ ಆಶ್ರಮದಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋಗು. ಇನ್ನು ನಾನು ನಿನಗೆ ಗುರುವಲ್ಲ ನೀನು ನನಗೆ ಶಿಷ್ಯನಲ್ಲ" ಎಂದರು. ಕೋಪದಲ್ಲಿ ಅರಿವನ್ನು ಮರೆತವರೊಡನೆ ವಾದಿಸಿ ಫಲವಿಲ್ಲವೆಂದು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ದೈವ ನಡೆಸಿದಂತಾಗಲಿ ಎಂದು ಗುರುವಿನಿಂದ ಬಂದ ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಜ್ವಾಲೆಯ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಗುರುವಿಗೇ ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿ ಆಶ್ರಮವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಟು ಹೋದರು.

## ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ

ಗುರುವಿನಿಂದ ಪರಿತ್ಯಕ್ತರಾದ ದುಃಖ ಅವರನ್ನು ಹಗಲಿರುಳು ದುಃಖಿತಪ್ತರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿತು. ಹಾಗೆಯೇ ಅದು ಹೊಸದೊಂದು ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕೆಂಬ ಛಲವೂ ಆಯಿತು. ದೇವಿ ಗಾಯತ್ರಿಯನ್ನು ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಉಪಾಸನೆ ಮಾಡಿದರು. ಆಕೆಯ ಆದೇಶದಂತೆ ಸೂರ್ಯಭಗವಾನನನ್ನು ಕುರಿತು ತಪಸ್ಸನ್ನಾಚರಿಸಿದರು. ಅವರ ತೀವ್ರ ತಪಸ್ಸಿಗೆ ಒಲಿದ ಸೂರ್ಯದೇವ ಅವರಿಗೆ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಅನುಗ್ರಹಿಸಿದ. ಅದೇ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವಾಯಿತು. ಅಂದಿನಿಂದ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಬ್ರಹ್ಮರ್ಷಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಾದರು.

ಸಂನ್ಯಾಸಿಯಾಗುವ ಹಂಬಲವಿದ್ದರೂ ತಂದೆಯ ಅಪ್ಪಣೆಯಂತೆ ಋಷಿ ಕಾತ್ಯಾಯನರ ಮಗಳಾದ ಕಾತ್ಯಾಯಿನಿಯನ್ನು ವಿವಾಹವಾಗಿ ಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿ ತಮ್ಮ ವಂಶಾನುಗತವಾಗಿ ಬಂದ ಯಜ್ಞಕಾರ್ಯವನ್ನು ಮುಂದುವರೆಸಿದರು.

ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ತಪೋಪದೇಶಗಳಿಗೆ ಮನಸೋತು ಅವರನ್ನೇ ಗುರುವಾಗಿ ಪಡೆದು ಅವರ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದಲ್ಲಿಯೇ ತಾನು ಸಾಧನೆ ನಡೆಸಿ ಸಿದ್ಧಿಯನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕೆಂಬ ಉತ್ಕಟ ಇಚ್ಛೆಯಿಂದ ಅವರಲ್ಲಿ ಜ್ಞಾನಭಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ಬೇಡಿಬಂದ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಮಹಿಳೆ ಮಿತ್ರಾಋಷಿಗಳ ಮಗಳು ಮೈತ್ರೇಯಿ. ಮೊದಮೊದಲು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಅವಳನ್ನು ಶಿಷ್ಯಳನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಲು ಒಪ್ಪಲಿಲ್ಲ. ಅವರ ಪತ್ನಿ ಕಾತ್ಯಾಯಿನಿ ಮೈತ್ರೇಯಿಗೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿದ್ದ ಅಗಾಧ ಭಕ್ತಿ ಹಾಗೂ ಜ್ಞಾನದ ಸಾಧನೆಯಲ್ಲಿ ಸಫಲತೆಯನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕೆಂಬ ಅದಮ್ಯ ಆಕಾಂಕ್ಷೆಇವುಗಳನ್ನು ಗುರುತಿಸಿ ಆಕೆಯನ್ನು ಶಿಷ್ಯಳನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಬೇಕೆಂದು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತಾಳೆ. ಯಾವ ಪ್ರಾಪಂಚಿಕ ಆಸೆಗಳೂ ಇಲ್ಲದೆ ಸ್ಫಟಿಕದಂತೆ ಪರಿಶುದ್ಧಳಾಗಿದ್ದ ಮೈತ್ರೇಯಿಯನ್ನು ಕೊನೆಗೆ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಮೋಕ್ಷಪತ್ನಿಯನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸುತ್ತಾರೆ. ಅವಳ ಯೋಗಸಾಧನೆಗಳಲ್ಲಿ ಮಾರ್ಗ ದರ್ಶನ ನೀಡುತ್ತಾರೆ.

## ತ್ರಿವೇಣಿ ಸಂಗಮ

ಬೇರೊಂದು ಹೆಣ್ಣಿನ ಉದ್ಧಾರಕ್ಕಾಗಿ ತನ್ನ ಪತಿಯನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಂಡ ಉದಾತ್ತ ಮನೋಭಾವದ ಕಾತ್ಯಾಯಿನಿ ಒಂದು ಕಡೆ, ಪ್ರಾಪಂಚಿಕ ಸೌಖ್ಯಗಳನ್ನೆಲ್ಲ ತ್ಯಜಿಸಿ ಉತ್ಕೃಷ್ಟ ಆತ್ಮಸಂಯಮದಿಂದ ಕೂಡಿದ ಮೈತ್ರೇಯಿ ಒಂದು ಕಡೆ. ಇವರಿಬ್ಬರು ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಂತಹ ಋಷಿಶ್ರೇಷ್ಠರನ್ನು ಸಂಗಮಿಸಿ ಇದೊಂದು ಸುಂದರ ತ್ರಿವೇಣಿ ಸಂಗಮವಾಗಿದೆ.

ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಜೀವನವೇ ಒಂದು ತಪೋ ಭೂಮಿ. ಅವರು ಜಗತ್ತಿಗೆ ನೀಡಿದ ಈಶಾವಾಸ್ಯ ಹಾಗು ಬೃಹದಾರಣ್ಯ ಉಪನಿಷತ್ತುಗಳು ಕೇವಲ ಶ್ಲೋಕಗಳಲ್ಲ. ಜ್ಯೋತಿರ್ಲಿಪಿ. ಅವರ ಬದುಕೇ ಅದಕ್ಕೊಂದು ಭಾಷ್ಯ. ಜ್ಞಾನ ಜ್ಯೋತಿಗೆರೆದ ತೈಲಧಾರೆ. ಅವರು ಹಚ್ಚಿಟ್ಟಿರುವ ಈ ದೀಪದಿಂದ ನೂರಾರು ಹಣತೆಗಳು ಬೆಳಗಿವೆ. ಬೆಳಗುತ್ತಿವೆ.

ಬದುಕೇ ಒಂದು ಯಜ್ಞಕುಂಡ. ಕರ್ಮವೇ ಅಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲಿಸಬೇಕಾದ ಹೋಮ ಎಂದು ಹೇಳಿ ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು "ಯಜ್ಞ" ಎನ್ನುವ ಪದಕ್ಕೆ ಒಂದು ಹೊಸ ಅರ್ಥವನ್ನು ಕೊಟ್ಟರು. ಮಾನವರಾದ ನಾವು ಸಲ್ಲಿಸಬೇಕಾದ ಪಂಚಯಜ್ಞಗಳ ಪ್ರಾಮುಖ್ಯತೆಯನ್ನು ಒತ್ತಿ ಹೇಳಿದರು.

—ಶ್ರೀ ನೆಯ ಪ್ರಚಿಕೆ

# ...ತ್ರ ಸರಕಾರ ದುಬಾರಿ!

ವಿತರಣೆಯನ್ನು ತನ್ನ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ ತೆಗೆದು ಕೊಂಡ ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ನು ಈಗ ತಾನೇ ನಿಯಂತ್ರಣ ಕಳೆದುಕೊಂಡಿದೆಯೆಂದು ನೊಂದವರ ನುಡಿ. ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ನಿನ ಈ ಅಕ್ರಮ ವ್ಯವಹಾರಕ್ಕೆ ಸ್ಥಳೀಯ ಜನತೆ ಪ್ರತಿಭಟನೆ ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದೆ. ಸ್ಥಳೀಯ ಜನಸೇವಕ ಸಂಘದಿಂದ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಈ ಸಂಬಂಧದಲ್ಲಿ ಲಿಖಿತ ದೂರು ಕೂಡ ಹೋಗಿದೆ.

ದೂರಿನ ಪ್ರತಿಯನ್ನು ಕೆ.ಎಫ್.ಸಿ. ಎಸ್.ಸಿ.ಯ ಜಿಲ್ಲಾ ವ್ಯವಸ್ಥಾಪಕರಿಗೂ ಸಲ್ಲಿಸಲಾಗಿದೆಯೆಂದು ಸಂಘದ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಎನ್.ಟಿ. ಕವರಿ ತಿಳಿಸಿದರು.

ಸರಕಾರ ಹಿಂದೆ ಮಾಡಿದ್ದ ಆಜ್ಞೆಯ ಪ್ರಕಾರ ಚೀಲಕ್ಕೆ ೨೩-೭೦ರೂ. ಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚಿಗೆ ವಿಧಿಸಲು ಅವಕಾಶವಿಲ್ಲ.

**ಅಧಿಕಾರ ಇಲ್ಲ**

ಸರಕಾರ ನಿಗದಿಮಾಡಿದ ದರಕ್ಕಿಂತ ಪ್ರತಿ ಚೀಲಕ್ಕೆ ೩-೫೦ರೂ. ಅಧಿಕ ಬೆಲೆ ವಸೂಲು ಮಾಡುವ ಅಧಿಕಾರ ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ನಿಗೆ ಇಲ್ಲವೆಂಬುದನ್ನು ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯ ಸರಕಾರಿ ಅಧಿಕಾರಿಯೊಬ್ಬರು ಒಪ್ಪುತ್ತಾರೆ. ಹಾಗೆ ಅಧಿಕ ಬೆಲೆಗೆ ವಿಕ್ರಯಿಸಿದ ಆಪಾದನೆ ಮೇಲೆಯೇ ಖಾಸಗಿ ವ್ಯಾಪಾರಿಯೊಬ್ಬರ ಲೈಸನ್ಸನ್ನು ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಗಳು ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ರದ್ದು ಮಾಡಿದರೆಂದು ಆ ಅಧಿಕಾರಿಯ ಹೇಳಿಕೆ.

ಸರಕಾರದ ಆಜ್ಞೆ ಮೀರಿದ ಖಾಸಗಿ ವ್ಯಾಪಾರಿಯ 'ಲೈಸನ್ಸ್ ರದ್ದು' ಮಾಡಿದ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಗಳು, ಸರಕಾರದ ಅಂಗವಾದ ಕರ್ನಾಟಕ ಆಹಾರ ಮತ್ತು ನಾಗರಿಕ ಪೂರೈಕೆ ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ನಿನ ಅಕ್ರಮ ವ್ಯವಹಾರದ ವಿರುದ್ಧ ಏನು ಕ್ರಮ ಜರುಗಿಸಬಹುದೆಂದು ಜನತೆ ಎದುರು ನೋಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ.

ವಿಚಾರ ಸಂಕಿರಣ ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಆಗಮಿಸಿದ ಕರ್ನಾಟಕ ಔದ್ಯೋಗಿಕ ಹಣಕಾಸು ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ ಮ್ಯಾನೇಜಿಂಗ ಡೈರೆಕ್ಟರ ಶ್ರೀ ಟಿ. ಪಿ. ಇಸ್ಸಾರರು ಜಿಲ್ಲೆ ಮೀನುಗಾರರು ಮುಂದೆ ಬಂದರೆ ತಮ್ಮ ಸಂಸ್ಥೆ ಮಾರಿಬಲೆ ಮತ್ತು ಮಾರಿಬಲೆ ದೋಣಿಗಳನ್ನು ಕೊಳ್ಳಲು ಸಹಾಯ ನೀಡುವದೆಂದು ಭರವಸೆ ಇತ್ತರು. ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ರಾಮಚಂದ್ರ ಅವರು ಉದ್ದಿಮೆ ಸ್ಥಾಪನೆಗೆ ಮುನ್ನ ಸರಿಯಾಗಿ ಯೋಜನೆ ಕೈಕೊಳ್ಳಬೇಕಾದುದರ ಅವಶ್ಯಕತೆಯನ್ನು ತಿಳಿಸಿ ಹೇಳಿದರು.

ಪ್ರಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಛೇಂಬರ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀ ಎನ್. ಕೆ. ಪೈ ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಉದ್ದಿಮೆ ಮತ್ತು ವಾಣಿಜ್ಯ ಶಾಖೆ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕ ಶ್ರೀ ರಾಮಣ್ಣ ನಾಯಕರು ವರದಿ ಒಪ್ಪಿಸಿ ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ಹೊಸದಾಗಿ ಉದ್ದಿಮೆ ಸ್ಥಾಪಿಸುವವರಿಗೆ ತರಬೇತಿ ಸೌಕರ್ಯ, ಕಾರವಾರ, ದಾಂಡೇಲಿ ಮತ್ತು ಶಿರ್ಸಿಗಳಲ್ಲಿ ಶೆಡ್‌ಗಳ ಲಭ್ಯತೆ ಮೊದಲಾದವನ್ನು ವಿವರಿಸಿದರು. (ಸ್ವ. ಸು)

## ...ಯ ಜಾಲ ★ ಡಾನ್‌ಬ್ಯಾರಿ

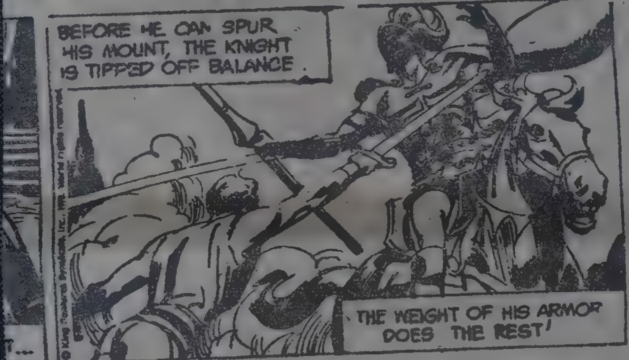


...ರುತ್ತಾನೆ. ಫ್ಲಾಶ್ ಅದನ್ನೆದುರಿಸಲು ಸಜ್ಜಾಗುತ್ತಾನೆ ಸರದಾರನು ತನ್ನ ...ರದಿ ಜೋಲಿ ತಪ್ಪುವಂತೆ ಮಾಡುತ್ತಾನೆ. ಕವಚದ ಭಾರ ಅವನನ್ನು ಕೆಳ

## ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿದೆ. ಅದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಸಮ್ಮೇಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇದೀಗ ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ ಕಲಿತವರಿಗೂ ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ ಚಿಂ. ಬ; ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ– ಗುರುಬಂಧುಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾಡಿದ್ದೀರಿ, ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ ನಿಜ. ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

### ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು) ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು. ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರೇ ಮುಂದಾಗಿ ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್" ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ. ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆಯಾಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

...blli. Phone: P. B. X. 4303 to 4...
..., Resident Editor: M. Nagaraja

## ಸಮ್ಮೇಳನ

(ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ ಬಂದುದು)

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಎಂಬ ಶಾಶ್ವತ ಸಂಸ್ಥೆ ಇದ್ದು, ಅದು ಈ ಹಿಂದೆ ಒಂಭತ್ತು ಅಧಿವೇಶನಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿದೆ. ಅದರ ಹತ್ತನೇ ಅಧಿವೇಶನದ ಅಂಗವಾಗಿಯೇ ಈ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯ ಸಮ್ಮೇಲನ ಕರೆಯಲಾಗಿತ್ತಾದರೂ ಈ ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಬಿಟ್ಟು ಹೊರಗಿನ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ಇನ್ನು ಮೇಲೆ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿದೆ ಎಂಬ ಅಂಶವೂ ಸುಸ್ಪಷ್ಟವಾಯಿತು.

ಬ್ರಾಹ್ಮಣರಲ್ಲಿಯೇ ಅಲ್ಪಸಂಖ್ಯಾಕರಾಗಿ ಆರ್ಥಿಕವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕವಾಗಿ ಇದೀಗ ಅತ್ಯಂತ ಹೀನ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಉನ್ನತಿಯಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲು ಸಂಘಟಿತರಾಗಬೇಕೆಂಬ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲರಲ್ಲಿಯೂ ಒಮ್ಮತ ಕಂಡು ಬಂದಿತು. ಕಲಿಯದವರು ಎಷ್ಟೋ. ಕಲಿತವರಿಗೂ ನೌಕರಿ ಇಲ್ಲ. ಹೆಣ್ಣು ಮಕ್ಕಳ ಮದುವೆ ಮಾಡುವುದೇ ಒಂದು 'ದೊಡ್ಡ' ಸಮಸ್ಯೆಯಾಗಿದೆ. ಇಂಥ ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನ ತಮ್ಮನ್ನು ತಾವು ಹೊಗಳಿಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿಯೇ ವ್ಯರ್ಥವಾಗಿ ಕಾಲಹರಣ ಮಾಡಿತು ಎಂದು ಕಳವಳ ಹಾಗೂ ಅಸಮಾಧಾನ ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಿದ ಕೆಲವು ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀ ಚಿಂ ಬ. ಮೂರ್ತಿ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಇತ್ತ ಉತ್ತರ- ಗುರುಬಂಧುಗಳಾದ ನಾಲ್ಕೈದು ಸಹಸ್ರ ಜನ ಇಲ್ಲಿ ಸೇರಿದ್ದೀರಿ. ಪರಸ್ಪರ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗಿದ್ದೀರಿ. ಕೂಡಿ ಉಂಡಿದ್ದೀರಿ ಕೂಡಿ ಮಾತಾಡಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಸಂಘಟನೆಯೂ ಒಂದು ಸಾಧನೆಯಲ್ಲವೇ? ತೀವ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಇವೆ ನಿಜ. ಆದರೆ ಅವೆಲ್ಲವನ್ನು ಒಂದೆರಡು ದಿನಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಹರಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ನಾವೆಲ್ಲ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆಯಾದರೂ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರೋಣ ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡೋಣ ಸಂಘಟನೆ ಹೆಚ್ಚಿದಂತೆ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಗಳೂ ದೊರೆಯುತ್ತವೆ."

### ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯ

ಸಮ್ಮೇಳನಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀ ಮಾಧವರಾವ ದೇಶಪಾಂಡೆ ಹಾಗೂ ಮನೋಹರರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಆ ಇಬ್ಬರೂ ಆಂಧ್ರದವರು) ಅವರ ಮಾತಿನಲ್ಲಿ ಹೇಳುವುದಾದರೆ–"ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣ ಕೊಟ್ಟರೂ ಇಷ್ಟೊಂದು ಜನ ಸೇರುವುದಿಲ್ಲ. ಸೇವೆಯಂತೂ ದೂರವೇ ಉಳಿಯಿತು. ಆದರೆ ಈ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಶಾಖೆಯ ಜನ ತಾವಾಗಿಯೇ ಬಂದು ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕರಾಗಿ ದುಡಿಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ನೋಡಿ ನಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಷ್ಟೊಂದು ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರನ್ನು ನಾವು ಒಂದೆಡೆ ನೋಡಿರಲೇ ಇಲ್ಲ". ಅವರು ಹೊರಡಿಸಿದ ಉದ್ಗಾರದಲ್ಲಿ ಅರ್ಥವೂ ಇದೆ.

ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರೇ ಮುಂದಾಗಿ ಶೇರು ಬಂಡವಾಳ ಕೂಡಿಸಿ ತಮ್ಮ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ "ಕಾತ್ಯಾಯನಿ ಬ್ಯಾಂಕ್" ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಕೈಕೊಂಡ ಮಹತ್ವದ ನಿರ್ಣಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನಿಧಿ ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವದು ಹಾಗೂ ವಿವಿಧೆಡೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯಗಳನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಗಳೂ ಶ್ಲಾಘನೀಯವೇ. ಅವು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುತ್ತವೆಯೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ಉನ್ನತಿಗೆ ನೆರವಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಹಾಗೂ ಈ ಸಮಾಜದವರ ಆರ್ಥಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸ್ಥಿತಿಗತಿಯ ಸಮಗ್ರ ಸಮೀಕ್ಷೆಯಾಗಬೇಕು ಎಂಬ ಅಂಶ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಿಂದ ಸುವ್ಯಕ್ತ.

oli. Phone: P. B. X. 4303 to 4
Resident Editor: M. Nagaraja

# ಇರುವಿಕೆ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಳನ

ವರದಿ— **ಕೆ ಬಿ ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ**

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟು ಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪ [illegible] ವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ [illegible] ವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಳನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹಂಚು ಹರಿದು ಹೋಗಿರುವ [illegible] ಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳು ನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೩೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಳನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು. ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

**ಕೊನೆಯ ಹುಟ್ಟಿಕ್ಕೆ**

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಳನ

**ವರದಿ— ಕೆ. ಬಿ. ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ**

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟುಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪದಿಂದ ಅದನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತಿರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಲನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳು ನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೫೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಲನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಪುಟಕ್ಕೆ

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಳನ

ವರದಿ— ಕೆ. ಬಿ. ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟುಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪದಿಂದ ಅದನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಲನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳು ನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೫೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಲನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಟಿಪ್ಪಣಿ

# ಇರುವಿನ ಅರಿವು ಮೂಡಿಸಿದ ಸಮ್ಮೇಲನ

ವರದಿ— **ಕೆ. ಬಿ. ಪಾಟೀಲ ಕುಲಕರ್ಣಿ**

ಅಗಡಿ, ೨೮:— ವೈದಿಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಚರಿತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಅದೊಂದು ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಭಾವಶಾಲಿ ಕಾಲ. ಯಜುರ್ವೇದ ವಿದ್ಯಾಪೀಠದ ಕುಲಗುರು ಮತ್ತು ಮಹಾಭಾರತದ ಪ್ರವಕ್ತಾರ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಬಳಿ ಯಜುರ್ವೇದಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿಸಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಕ್ಕಾಗಿ ಉದ್ದಾಲಕ ಆರುಣಿಯನ್ನೂ ಋಗ್ವೇದಕ್ಕಾಗಿ ಶಾಕಲ್ಯ ಮುನಿಯನ್ನು ಯೋಗ ವಿದ್ಯೆಗಾಗಿ ಹಿರಣ್ಯನಾಭರನ್ನು ಆಶ್ರಯಿಸಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಆದ್ಯಗುರು ವೈಶಂಪಾಯನ ಮತ್ತು ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರಲ್ಲಿ ಮತಭೇದ ಉಂಟಾಗಿ ಪ್ರಸಂಗ ವಿಕೋಪಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು. ತಮ್ಮಿಂದ ಕಲಿತ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಮರಳಿಕೊಡಬೇಕೆಂದು ವೈಶಂಪಾಯನರು ಪಟ್ಟುಹಿಡಿದರು. ಅದಕ್ಕೆ ಹಿಂಜರಿಯದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ವಮನ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಹಿಂದಿರುಗಿಸಿದರು. ವೈಶಂಪಾಯನರ ಉಳಿದ ಶಿಷ್ಯರು ತಿತ್ತಿರೀ ಪಕ್ಷಿಗಳ ರೂಪದಿಂದ ಅದನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ವಿದ್ಯಾಹೀನರಾದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಯಜುರ್ವೇದವನ್ನು ಪಡೆದು ಮೊದಲಿನಂತೆ ಪ್ರತಿಭಾವಂತರಾದರು. ಅಂದಿನಿಂದ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರು ಸೂರ್ಯನಿಂದ ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದವೆಂತಲೂ ವೈಶಂಪಾಯನರ ಸಂಪ್ರದಾಯದ ಮೂಲ ಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕೆ ಕೃಷ್ಣ ಅಥವಾ ತೈತ್ತರೀಯ ಎಂಬ ಉಪ ಪದಗಳು ಅಂಟಿಕೊಂಡವು. ವಿಷಯ ನಿರೂಪಣೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಕೃಷ್ಣಯಜುರ್ವೇದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ವಿಸ್ತೃತ ಮತ್ತು ಸುಸಂಗತವಾಗಿದೆ. ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ಮೃತಿಗೆ ಮನುಸ್ಮೃತಿಯ ಸರಿಸಮಾನ ಸ್ಥಾನವಿದೆ.

## ಸಾಹಸದ ಯತ್ನ

ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ ೨೮ ಮತ್ತು ೨೯ ರಂದು ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ) ದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದದ ಸಮ್ಮೇಲನವು ಭಾರತದ ನಾನಾ ಭಾಗಗಳಲ್ಲಿ ಹರಿದು ಹಂಚಿ ಹೋಗಿರುವ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದೀಯರನ್ನು ಪ್ರಥಮಬಾರಿಗೆ ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿಸಿ ಅವರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಚಿಂತನ ಮಂಥನ ಮಾಡುವ ಸಾಹಸದ ಪ್ರಯತ್ನವಾಗಿತ್ತು.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಅಖಿಲ ಭಾರತಮಟ್ಟದ ಸ್ವರೂಪ ಬಾರದೇ ಹೋದರೂ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರ ಮತ್ತು ತಮಿಳು ನಾಡುಗಳಿಂದ ಸುಮಾರು ೫೦೦ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿ ಇದಕ್ಕೊಂದು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದ ಮಟ್ಟವನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿಯ ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದಿಯರ ಸಂಸ್ಥೆಗಳೊಡನೆ ಸಂಪರ್ಕ ಬೆಳೆಸಿ ಆ ಭಾಗಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಕರೆತರಲು ತಮಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಮ್ಮೇಲನದ ಸಂಘಟಕರೇ ಸ್ವತಃ ಒಪ್ಪಿಕೊಂಡರು. ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯರ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯರಾದ ಕಾಣ್ವರ ಅನುಯಾಯಿಗಳೇ ವಿಶೇಷವಾಗಿದ್ದು, ಇನ್ನೊಬ್ಬ ಪ್ರಮುಖ ಶಿಷ್ಯ ಮಾಧ್ಯಂದಿನರ ಅನುಯಾಯಿಗಳು ಅಷ್ಟೊಂದು ಆಸ್ಥೆ ತೋರಿಸದಿದ್ದುದೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯ ಘಟಕ್ಕೆ

THE PREMIER AUTOMOBILES LTD
BOMBAY.

COPY

AUGUST 30, 1977

Dear Shri Nagraja Rao,

Kindly excuse me for the delay in replying your letter dated 8th August 1977 ( D.O. No.DAM/ACT/II/CSW/39/77-78 ).

I am so happy and proud to know that you are eager to have the photographic ~~ex~~ enlargements of Shri Chidambara Devasthan of Gurlahosur which submerged in the Navilu Theerth.

Since my offer of supplying you the enlargements was not accepted I guess that you wish to have your own enlargements.

Once again I am forced to express my decision that I am unable to part with the negatives.

Under the circumstances, I come with a suggestion that I should come personally to Mysore with the negatives and stay till the enlargements are printed. Ofcourse, this can be done only at the cost of your Office. If this is agreeable to you kindly inform me or otherwise my offer of supplying you enlargements stands good.

From both of your letters I am not able to know the purpose of having these enlargements. Will you please inform me ?

With kind regards,

Yours sincerely,

N. C. Desai

Shri M. S. Nagaraja Rao
Director- Archaeology & Museums
KARNATAKA
The Palace Complex
MYSORE 570 001

M. S. Nagaraja Rao

Director of Archaeology & Museums
KARNATAKA

Tel. Off. 22672
Res. 21125

The Palace Complex,
MYSORE - 570001

D.O. No.DAM/ACT II/CSW/39/77-78

8th August 1977.

Dear Shri Desai,

Ref:- Letter dated July 26, 1977.

I am in receipt of your above letter. Please be kind enough to send all the negatives pertaining to Sri Chidambara Mahaswami temple of Gurlahosur available with you by registered post to this Office early.

The same will be returned to you safely after taking the required size enlargements in this Office.

Yours sincerely,

M.S. Nagaraja Rao

(M.S. Nagaraja Rao)

Sri N.C. Desai,
D-4/22, Premobile Colony,
Kurla, BOMBAY - 400 070.

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 80

Dept. R

Mr. N. C. Desai
D 4/22 Premobile Colony
Kurla
Bombay

पिन PIN 400070

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

జ్వరమా ?
మలేరియా కావచ్చు !
క్లోరోక్విన్ బిళ్ళలు వాడండి.
(ఖాళీ కడుపున తీసుకోనరాదు).

| వయస్సు | 0-1 | 1-4 | 4-8 | 8-14 | 14+ |
|---|---|---|---|---|---|
| మాత్రలు | 1/2 | 1 | 2 | [illegible] | 4 |

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

3-C Monisha
130 St. Andrews Road
Bandra, Bombay 400 050
7th April 1980

Dear Mr. Desai,

In December 1979, I had given you some photographs pertaining to the Deen Dayal photographic exhibition for your proposed article in Sudha and Kannada Prabha. These were given with the request that they should be returned immediately after use alongwith two copies of the publication carrying the article.
Four months have elapsed and till today I have not received either the photos or the published articles. Would you please let me know the outcome ? You are aware that the photographs were on sale for Rs.60/- each and were given to you free of cost as a special case. However if you are unable to return these kindly send the payment for the same.

Thanking you,

Yours sincerely,

Hemlata Jain

Mrs. Hemlata Jain

Mr. N.C.Desai
D4/2 Premobile Colony
Kurla, Bombay 400 070

lingering devotee; the busy bazars and melas and bathing ghats; the sacred rivers, the rock-cut temples, and the communities of sacred apes; the palaces, the forts, the zenanas, the tombs, the beautiful lakes, all the striking scenes and incidents of the panorama with which we are familiar, and which yet possess for us an exhaustless interest. Here, too, the East and the West meet, and the prosaic works of utility find a place. The grand architectural legacy of the Mughal Empire is surrounded by the achievements of modern engineering science -- the canals and roads, and railway and bridges, which are the substantial gift of English practicality and enterprise. As illustrations of the various stages in the historical development of India these photographs have a very special interest while they will be universally admired for their artistic beauty.

India is prodigal of subjects for the lens, and it may fairly be said that no artist has made more of his opportunities than Lala Deen Dayal, who has roamed over the whole of Northern India, in pursuit of the beautiful, the characteristic, and the picturesque. He has levied rich tribute in the divenely dowered capital of Akbar, and he has gathered many a gem in Delhi, Secunderabad, Gwalior, Bundelkhund, Rewa, Ajmer, Jaipur, Ulwar, Bharatpur, Deeg, Bhopal, Sanchi, Malwa and Indore. On the West he has carried his search as far as Bombay, while on the East he is quite at home in the City of Palaces, investing many or our familiar views with quite a novel charm. From an artistic standpoint, the views of Darjeeling are by no means the least remarkable. The photographing of aerial effects has made wonderful progress in the past few years. and the Darjeeling specimens from the Indore studio are deserving of high praise. They are delicately shaded and present a bright, luminous appearance, the heaped up masses of cloud and the trailing disphanous shroud of mist being clearly, and yet slightly, defined.

In any such collection, as a matter of course, one naturally turns to the views of Agra, and the artist is seen at his best in his photographs of the famous buildings.

May New Delhi

100 ಯ ರಾಜಮುಸಾವರಜಂಗ್ ಫೋಟೋಗ್ರಾಫಿ ಇಂದು ಸಂಗ್ರಹ ಶಿಲ್ಪ ನಗ್ನ ಮಾರ್ಗ

Man for ahead of his time
Assemble his own Cameras
he started coating of gold Cloride for his glass negatives ---
appointed court photographer by 6th nizam and he titled
him. Raja Musavir Jung (Bold Photographic Warrior).
1st Studio in
2nd in Bombay [illegible]. Photos by Mrs Leverick
Died in 1910 Nizam Died in 1911.
the family fell on bad times.
Sold 50,000 negatives as scrap.

Born 1840

Times
Cameras were large as there were no enlargers.

Short history of business.

PWD doing - in 1863

In 1965 he was noticed by Henry Daly agent to
Gorner Gen of India
In 1868 next agent of Governer General
took greater interest and assigned him to
photograph monuments album was present
to queen Victoria - which is now in the
Drawing room of Windsor Castle.
Photographic record of Prince of Wales visit
to India
1885 Lord Dufferin given a letter of introduction
to Nizam he appointed him court photographer

18th July, 1899.

SHORT ACCOUNT OF MY PHOTOGRAPHIC CAREER BY LALA DEEN DAYAL.

(In his own words).

" I was born at Sardana near Meerut in 1844 and am by caste a Jain. I received the technical part of my education in Thompson's Civil Engineering College, Roorkee, after which I was engaged in D.W. Secretariat office at Indore in 1866 as a Head Estimator and Draughtsman. In 1874 I began to study photographyas an amateur, and was greatly encouraged in my efforts by Sir Henry DalyA.G., K.C.B., who was ever ready to patronize and help me as far as possible; through him I was able to secure a group of Lord Northbrook and friends during his visit to Indore and also a group of H.R.H. The Prince of Wales and Royal Party in 1875-6.

I accompanied Sir Henry Daly on his tour in Bundelkhand, photographing views, native chiefs etc etc-----After his retirement I was patronized by the successive Agent Governor Generals of C.I. Agency, and in 1882-3 I travelled throughout Bundelkhand with Sir Lepel Griffin and photographed almost all the ancient architecture of that country; these photos were afterwards brought in book form by Sir Lepel Griffin and published and printed in the autotype process(~~permanwnt~~ (permanent) by the " Autotype Company" of London at the expense of the Government.

In 1885 I was able to secure a group of H.E. Lord Dufferin and Marquis of Ava with Sir Lepel Griffin, and having done some photographic work for Lady Dufferin which gave her entire satisfaction, I was subsequently appointed photographer to H.E. The Viceroy.

In addition to the above I may mention that my services were so much appreciated by Maharaja Holkar that he granted me a small Jagir in property ----- Maharaja Dhar also greatly appreciated my work----- threee pages of the " Graphic" were devoted to my photos of the Delhi Camp of Excercise, and at frequent intervals pictures of any Indian event of importance.

Having found that the public greatly apppeciated my views and a consequent demand for them having arisen, I took furlough for two years in order to complete my series.

Whislt at Simla I again secured two groups from H.E. The Viceroy (Lord Dufferin) a family and a " Legislative Council " group, in addition to groups for Sir Fredricks Roberts, (being nominated for "Photographer to H.E. the Commander in Chief in India)--- Sir Edward Bradford --- Sir Alfred Lyall -- Sir Auckland Colvin.

A SHORT HISTORY OF OUR BUSINESS

The firm of Raja Deen Dayal & Sons was established in 1865 by the late Lala Deen Dayal (afterwards called Raja Bahadur Mussavir Jung) who was the founder of the Firm.

As a student Deen Dayal passed through the college of Engineering in Rookee in 1862 obtaining 258 marks from 260 maximum for drawing and his success evoked from the Professors of the college high compliments, and he was directed to join the Engineering office at Indore.

He entered Government service in 1863 and was appointed Head Estimator and Draftsman within two years from this he acquired the art of photography by his own perseverance and skill. In 1865 he came under the notice of Sir Henry Daly the Agent to the Governor General of India who expressed approval of Raja Deen Dayal's work and appointed him to take photographs of the Agent Governor-General's Tour in Central India. In 1868 the next Agent to the Governor General Sir Lepel Griffin took much interest in Lala Deen Dayal's photographic work and commissioned him to photograph all the Temples and palaces in India of which a beautiful Album was made and specially presented to Her Imperial Majesty Queen Victoria the Late Queen Empress of India which was greatly admired by all who had the privilege of viewing it and occupies a prominent position to this day in Windsor Castle Drawing Room.

When His Majesty the Late King Edward VII visited India as Prince of Wales in 1876, a series of pictures of the State entry into Indore, Jeypore, Delhi, etc. were taken by Deen Dayal and the pictures were highly valued by the late Queen.

The late Raja Deen Dayal specialised in Military photography and during the tenure of office in India of Earl Roberts a series of pictures of the Panipat manoeuvres in the Punjab and other parts of India were taken at His Lordship's request and His Excellency Field Marshall Earl Roberts gave a special letter of honour.

Successive Viceroys since Lord Northbrook took much interest in the work produced by Raja Deen Dayal who was permitted to accompany them to take photos of the various tours which they made in India and on every occasion letters of appointment were given.

In the year 1885 Lord Dufferin gave Raja Deen Dayal a special letter of introduction to His Highness the Nizam of Hyderabad who finding the Artist possessed exceptional skill was pleased to appoint him his Court Photographer and induced him to settle down at Hyderabad and thus the Firm of Raja Deen Dayal & Sons came into existence at Secunderabad. His Highness the Nizam was further pleased to bestow upon Raja Deen Dayal a special grant of Rs 500/- per mensem for life and the title of Raja Bahadur Mussavir Jung. High Highness in one of his shooting excursions was greatly pleased with the artistic quality of the work done by Raja Deen Dayal that he expressed his satisfaction in the following verse which he composed on the occasion.

"In the art of picture making
Skill surpassing all
A master even of masters
Is Raja Deen Dayal"

In the year 1887 Her Imperial Majesty the late Queen Empress of India granted a Royal warrant, and the only special appointment for the first time in this country. The Firm of Raja Deen Dayal & Sons with a special staff at a great outlay followed their Royal Highness, the Prince and Princess of Wales on their Indian tour in 1905 - 1906 and were the only firm of Photographers who were present on small occasions and took photographs in every town and city visited by the Royal visitors and secured a collection of nearly 3000 photographs which were greatly admired by H.R.H. and a special letter, expressing their Royal Highness satisfaction was given to the firm.

"The photographic business at present is being managed by his grandson Ami Chand Deen Dayal under the name of Ami Chand & Sons. Mr. Ami Chand A.R.P.S. has an experience of over sixty years in the business and is H.E.H. the Nizam's photographer and holds an appointment to Shri Ali Yavar Jung present Governor of Bombay. He has a good knowledge of History of Hyderabad in pictures during the past 80 years."

Bombay,
6th April, 1891

Sir,

I received all the photographs and Albums. The work is perfect - better it is impossible. Please send me a dozen more of my large portraits; send them to King, King & Co., he will send them to Russia. The Certificate you will receive from Russia.

Sd/-
GRAND DUKE ALEXANDER OF RUSSIA

Bombay,
14th June, 1893

Lala Deen Dayal Esq.,
Photographer,
Secunderabad.

Sir,

I am desired by the Chief Chamberlain of His I. and R. Majesty's household to forward to you a pin with the Imperial Initials in diamonds, and beg to enclose a translation of a letter which accompained the same, with the request to be kind enough to acknowledge their receipt in due time.

I have, & C.,
Sd/-
C.B. PRUMLER,
Acting Counsul-General.

Translation of a letter from Court Tranthmaunsdorf, Chief Chamberlain to H.I. & R. Highness the Emperor of Austria, Hungary, dated Vienna, 30th April 1893, No. 428, to Mr Ch.B. Prumler, Acting Consul-General for Austria, Hungary, Bombay.

In answer to your favour No. 501, dated 3rd March 1893, I beg to request you to communicate the following officially to Lala Deen Dayal Esq.

That the Album has been at his request presented to His I & R. Majesty.

That the same found favour and has been graciously accepted.

That His I. & R. Majesty ordered that the enclosed Initial pin be presented to him as a sign of Imperial pleasure.

Camp, Central India
3rd December, 1885.

Moonshee Deen Dayal, an official in the Secretariat Office at Indore has taken two years furlough with the intention of photographing the most interesting places in Northern India. He is an accomplished Photographer, and His Royal Highness the Prince of Wales, Lord Durferin, and Lord Ripon have been much pleased with his work.

LEPEL GRIFFIN, K.C.S.I.
Agent to the Governor-General for Central India.

SNOWDON
Simla
7th September, 1887.

My Dear Sir,

I am desired by the Commander-in-Chief to express to you His Excellency's best thanks for the very handsome album of Views of India which you have been so good as to send him, and which His Excellency has much pleasure in accepting.

Believe me, &c.,
Sd/-
NEVILLE CHAMBERLAIN.Major.
Interpreter to Commander-in-Chief

Meerut,
March 10, 1888.

Lala Deen Dayal, Photographer of Indore, has done a good deal of work for the Commander-in-Chief. He informs His Excellency that he proposes to travel about India to complete his series of Indian Views, and I am desired by Sir Frederick Roberts to give him this letter as a means of introduction to any gentlemen who may wish to give him work to do.

He is an excellent photographer and very enterprising, his charges are moderate, and his courteous manners make it a pleasure to have any business to transact with him. His Excellency hopes that this letter may be of use to him in his travels.

Sd/-
NEVILLE CHAMBERLAIN
Persian Interpreter to H.E.
the C.in-c.

Viceregal Lodge,
Simla.

12th May, 1896

Sir,

I have received the two Albums of Views of places of interest in India, which you have been good enough to send for the acceptance of the Viceroy and for myself.

I am desired by His Excellency to thank you for this interesting commencement of Photographic Views published by Indian Enterprise. The series, from its portable and descriptive notes, should become popular among Indian travellers.

The selection appears to have been made with much judgement.

I remain,

Sd/-
C. CARDAGH
Private Secretary to the Viceroy

GOVERNMENT HOUSE, CALCUTTA

21st December, 1885

The Countess of Dufferin has seen a very large number of Mr. Deen Dayal's pictures, and she considers him a first rate photographer.

She has pleasure in saying how much she has admired his most interesting Albums, full of Views taken in Rajputana and Central India.

Mr DEEN DAYAL also did some private work for Lady Dufferin, which he executed to her complete satisfaction.

The Right Honourable the Earl of Dufferin, Viceroy and Governor-General of India, is pleased to appoint.

LALA DEEN DAYAL

Photographer to His Excellency,

By

His Excellency's Command.

Sd/-
W. BERESFORD, Major
Military Secretary to the Viceroy

Simla, 28th August, 1885

(1) LETTERS OF APPOINTMENT

The Right Honorable the Earl of Elgin and Kincardine, Viceroy and Governor-General of India, is pleased to appoint.

LALA DEEN DAYAL & SONS
Photographers to
His Excellency

By His Excellency's Command,

Sd/-
A. DURAND, Lt. Col.
Military Secretary to
the Viceroy

Military Secretary's Office,
Calcutta,
The 27th January, 1896

September 28th, 1887
Poona

To

Lala Deen Dayal,

Dear Sir,

I am desired by His Royal Highness the Duke of Connaught to inform you that you are hereby appointed Photographer to His Royal Highness.

Yours faithfully
Sd/-

A.W. BEECHER, Lieut-Col.,
Equerry to H.R.H. The Duke of Connaught.

15th October, 1895

The Residency
Hyderabad.

On leaving Hyderabad for England, I give this testimonial to Lala Deen Dayal & Sons with great pleasure.

Their work as photographers is excellent - could not be better.

Sd/-
KENNETH MACKENZIE, Col.,
Resident of Hyderabad.,
(Deccan)

GOVERNMENT HOUSE, CALCUTTA

January 12th, 1894

I write to inform you that His Excellency the Marquess of Lansdowne has been very much pleased with the Photographic work which you have done for His Excellency during his Excellency's Viceroyalty of India.

Sd/-
WILLIAM BERESFORD, Col.,
Military Secretary to the Viceroy,

Poona,
August 16th, 1889.

Lala Deen Dayal
Photographer.

Dear Sir,

I am desired by His Royal Highness the Duke of Connaught to write and inform you that he has been most highly pleased with all the photographs that he has seen done by you. You have been in attendance on various occasions when Their Royal Highness have been visiting at the Courts of Indian Princes and also at Camps of Exercise, and on every occasion your groups and views and individual photographs have given the greatest satisfaction. His Royal Highness is of opinion that you are decidedly the best native photographer he has seen in India.

Hoping this letter may be of use to you, written as it is by His Royal Highness' Command.

I remain,
Yours faithfully,
Sd/- A.E. BEECHER, LIEUT-COL.,
Enquerry to H.R.H. The Duke of Connaught.

Extract from an office note recorded by Col. C.S. Thomson, R.E. Secy. to Agent to the Governor General for Central India, on his retiring from P.W.D. dated 22nd Februagy, 1888.

Lala Deen Dayal (who for many years was our head Draftsman and Estimator) always gave unqualified satisfaction in the discharge of his duties, being as willing and zealous as intelligent. His skill as a Photographer was always at the disposal of Government, and I hope that the day may yet come when his pictures in the "Famous Monuments of Central India", may bring him remuneration as well as fame. He has now left the service of Government, and, as a Pensioner and professional Photographer, I hope he may meet with the reward which his industry deserves.

Ladies and Gentlemen,

I have great pleasure in welcoming our honoured guest Dr Mulk Raj Anand, Management of Grindlays Bank and you all to this unique display of photographs dating back to the 1870s.

This exhibition has been inspired by that great exponent of our culture, author and philosopher Dr Mulk Raj Anand, and it is but natural that he should inaugurate it. During the last 2 years there has been a tremendous revival of interest in 19th century photography particularly in the west. The purpose of this exhibition is to provide an opportunity to our people to see and appreciate the art of Lala Deen Dayal the finest Indian photographer of the Victorian era.

Deen Dayal has been acclaimed all over the world in London in New York but in his own country most people have not heard of him. In December 1977 an exhibition of his photographs was held in London and the Sunday Times magazine carried an 8 page article. This year the 1979 Photography Annual carried 12 pages of Deen Dayal's pictures. With all the publicity abroad and a forthcoming book under publication in U.S.A., it would be a shame if we did not acclaim this great artist in his own country. Dr Anand rightly rebuked us, his descendants for not exposing the fine collection of photographs which have survived the ravages of time. My father Shri Ami Chand, the only surviving grandson of Lala Deen Dayal has preserved these pictures in his lifetime with great care. He was only 16 when my grandfather died and learnt the art through postal tution from London. He is a great photographer in his own right and I have displayed some of his photographs alongwith those taken by my great grandfather for e.g. Nizam's coronation, Tagore's portrait and some of the palaces views which fit in with the overall categorisation and depict a continuing tradition of expertise.

With the limited equipment at his disposal, Lala Deen Dayal was able to produce some remarkable pictures the quality of which is surprisingly exquisite. For those of you who would like to see a sample of an original print I have some here for scrutiny. Deen Dayal studied the art on own and built up a superb organisation as you will see from the institutional panel. He began life as a draughtsman in the service of the government at Indore and developed a keen interest in photography adopting it as a full time profession in 1875.

I will not go into the details which are available in the folders or the achievements which are displayed here and bespeak of the man for themselves. The folders contains articles published in the past and one entitled "The Peerless Patriarch", the latest specially written by Mr K S R Murthy to pay tribute to the great Lala Deen Dayal.

There is no need to list here all his many achievements or his works, he had these aplenty, and if his photographs are any insight to Raja Lala Deen Dayal -- then, there can be no doubt his imprint of the period of his life times in an outstanding, contribution, and we are fortunate to be able to see and admire his work.

The photographic business founded by Lala Deen Dayal was continued by his grandsons of whom only Shri Ami Chand survives. To him goes the credit for preserving the remarkable photographs that are on display.

Amichand has to his credit sixty five years of devoted service to the art of photography his grandfather would be proud of the work and industry of his grandson, who's ability has been recognised internationally by the Royal Photographic Society of Great Britain and membership of the Institute of British Photographers.

This exhibition is sponsored by Grindlays Bank Ltd, and is brought to you by Hemlata Jain Lala Deen Dayal's great grand daughter. Please contact her for any further details at 548415 (Res.) or 295512 (Off.)

THE ENGLISHMAN 15th MARCH 1887

INDIAN PHOTOGRAPHS

....

At a time when the art of Photography is attracting so much attention in India, it is interesting to observe that at least one of the Native practitioners maintains his place in the first rank of the profession. Lala Deen Dayal, of Indore, is known throughout India as one of the best photographers we have, and his recent appointment as photographer to His Excellency the Viceroy was thoroughly deserved. A portrait of Lord Dufferin is one of the latest of his productions, and it is one of the best photographs of His Excellency that we have seen and would compare favourably with the aptest achievements of our best-known European artists. Another of the reception of the Viceroy by His Highness the Maharaja Holkar, the group comprising Sir M. Wallace, Lord William Beresford, and other members of the staff, is also extremely good, the likeness in each case being true and clearly defined, and the arrangement showing an artist's eye for composition and effect. The Maharaja is seated with the Viceroy, and is surrounded by his Ministers and officials, and this whole makes a remarkably telling picture.

It is not, however, in pertraiture alone that Lala Deen Dayal excels. His extensive series of Indian views is a monument of artistic skill and patient labour, and no better memorial of a visit to the country could be commended to the notice of the traveller. Those in search of an appropriate present, wherewith to delight and astonish their friends at home, would do well to invest in a set of the wonderful pictures of Agra, Delhi, and the old-world cities of Central India, as well as of our own modern English cities and of our favourite hill resorts. Nothing could convey a more vivid idea of the beauties and wonders of "the land we live in" -- ~~fixx~~ of its ancient civilisation and the lavish memorials of its departed ~~spmm~~ splendour; its richly diversified vegetation and its crowds of mingled rates; the solitary temple or Musjid, deserted save by the

ஸ்ரீ காஞ்சி காமாக்ஷி அம்மன்

श्री कांची कामाक्षी देवी

*Sree Kanchi Kamakshi Amman*

श्रीकाञ्च्यां कामकोटिं कलिमलशमनीं कल्पयित्वा सुरेशे ।
श्रीविद्याराजपीठार्चनमहित महाराज्यसाम्राज्यलक्ष्मीम् ॥

- ಶ್ರೀ ವಿಠಲ ಕೃಷ್ಣೋ ವಿಜಯತೇ -

# ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸಮಿತಿ, ಶಹಾಬಾದ

# SHREE YAGNYAVALKYA SAMITI SHAHABAD

Tq. Chittapur, ( Dist. Gulbarga. )

Address C/O R.V. Kulkarni
ACC-Cementworks
Shahabad
585229

卐

Ref. No. YSS/78
Date 16.12.1978

ಶ್ರೀ ನಾ. ದೇಶಪಾಂಡೆ
ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ.
ಅ. ಕ. ಮಾ. ಸಮ್ಮೇಳನ.

ತಾವು ಬರೆದ ದಿ. 11-12-78 ರ ಪತ್ರ ಕೈಸೇರಿತು.
ನಾವು ಕೇಳಿದ ಎಲ್ಲ ವಿಷಯಗಳಿಗೂ ಉತ್ತರಿಸಿದ್ದಕ್ಕೆ ಧನ್ಯವಾದಗಳು.

ತಾವು ತಮ್ಮ ಹಿಂದಿನ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿದಂತೆ "ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸಮಿತಿ ಶಹಾಬಾದ" ದ ಅಲ್ಪ ಪರಿಚಯ ಬರೆದು ಈ ಪತ್ರದ ಜೊತೆ ಕಳುಹಿಸುತ್ತಿದ್ದೇನೆ.

ಶ್ರೀ ಯುತ T. ಗುರುನಾಥರಾವ ಬೆಳಗಾಂವ ಇವರಿಂದ ರಶೀದಿ ಪುಸ್ತಕ ಬಂದಿದೆ. ಅವರಿಗೆ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿ ಕೊಡುತ್ತೇನೆ.

ಈ ಮೊದಲು ತಿಳಿಸಿದಂತೆ ಕಾಲುಪುಟದ ಜಾಹೀರಾತಿಗಾಗಿ ರೂ 75 ರ ಡ್ರಾಫ್ಟ ಈ ಪತ್ರದೊಂದಿಗೆ ಇಡಲಾಗಿದೆ.

ಇತಿ ಪ್ರಣಾಮಗಳು

ತಮ್ಮ
R.V. Kulkarni.
ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ.
ಶ್ರೀ. ಯಾ. ಸ. ಶಹಾಬಾದ

Shri. C.S. Rajapurohit.

[illegible]

(1) from Shri Yajnavalkya Seva Sangh
DD- No 149422 State Bank of Mysore Admi for Rs 134=00

(2) from Salyanarayan Parimal factory.
Advt. charges Bank of India Mysore
No Mys 042426. For. Rs. 200=00

(3) from N. Rangarao & Sons Mysor
Advt Charges Canara Bank Mysor
No 118432 For Rs 120=00

(4) Shukla Yajurveda Mahasabha
Mulbagilu State Bank of Mysore
Mulbagilu e-456803 for Rs. 101=00

5) from Shri Yajnavalkya Samiti.
Sahabad, Syndicate Bank
Shahabad - ~~457421~~
457421 for Rs 101=00

Rs. 656=00

(6) Shukla Yajushakha Trust. . . 101=00

767

7 Cheque Rs 200 from R K B Desai

B Naik

12/12/78

| | | |
|---|---|---|
| 0161 — | Rs ·11=00 | } cashe pd |
| 0162 — | Rs 12=00 | |
| 163 — | 101=00 | } Pd .on 12·12·78 |
| 164 — | 101=00 | |
| 168 — | 15=00 | |
| 169 — | 11=00 | |
| 170 — | 11=00 | |
| 2893 | 11=00 | |
| 2894 | 11=00 | |
| | 261=00 | |
| 2900 — | 101=00 | |

आप्पासाहेब वसंतराव देशपांडे
बेकस्वर देवळा जवळ.
मु. पो. जत.
~~श्री.~~ जि. सांगली
महाराष्ट्र.
23/12/86.

श्री. सौ. एस. राजपुरोहित यांना

सप्रेम नमस्कार.

मी आपली भेट [illegible] द्वारे भेट
[illegible] आहे. तेही आपले [illegible] चतुर्थ संमेलन
१९८६ [illegible] निमित्ताने. [illegible] श्री. सुरेश एस. [illegible]
मु. [illegible] संमेलनाचे जाहिरात
[illegible] त्याप्रमाणे मी [illegible]
म्हणजे श्री. [illegible] स्वखर्चाने [illegible]
[illegible] महाराष्ट्र [illegible]
[illegible] आहे. [illegible]
[illegible]

[illegible] देत आहे. [illegible] पानसा काढून पाठविणे. [illegible]

[illegible] संमेलनाचे प्रतिवृत्त [illegible] पाठविणे.

[illegible] [illegible] मासिक [illegible] आहे [illegible] त्याची

[illegible] [illegible] पाठविणे.

[illegible] १८८८ [illegible] २३३५८

| | | |
|---|---|---|
| १) [illegible] केशवराव [illegible] देशपांडे | आत | ५।— |
| २) [illegible] महादेव [illegible] देशपांडे | आत | ११।— |
| ३) [illegible] [illegible] देशपांडे | आत | ५।— |
| ४) [illegible] [illegible] | आत | १।।— |
| ५) [illegible] देशपांडे | आत | ५।— |
| ६) [illegible] गोविंद देशपांडे | आत | ५।— |
| ७) [illegible] देशपांडे | आत | ५।— |
| ८) [illegible] केशवराव [illegible] देशपांडे | आत | ५।— |
| ९) [illegible] विठ्ठलपंत [illegible] देशपांडे | आत | १।। — |
| | | ६३ ।— |

एकूण ६३।— रु. [illegible] पाठवित आहे. [illegible] — [illegible]

[illegible] श्री. सीताराम-

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] पत्ताची [illegible]

[illegible]. कळावे

आपला [illegible]

[illegible] [illegible]

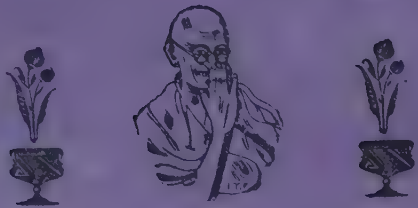

# ಅಗಡಿ ಗ್ರುಪ್ ನೇಕಾರ ಸಹಕಾರಿ ಸಂಘ ಲಿ.

**ತಾ. ಹಾವೇರಿ. ಜಿ. ಧಾರವಾಡ.**

ಮಹನೀಯರೆ,

ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾದ ನಿಮಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ನಯವಾದ ಹಾಗೂ ಆಕರ್ಷಕ ಉಳ್ಳ ತರತರದ ಮನ ಮೆಚ್ಚುಗೆಯ ಕೈಮಗ್ಗದ **ಜನತಾ** ಬಟ್ಟೆಗಳು ದೊರೆಯುತ್ತವೆ. ಅವಶ್ಯವಾಗಿ ಕೊಂಡು ನೇಕಾರರಿಗೆ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹ ಕೊಡಬೇಕೆಂದು ನಮ್ಮ ನಮ್ರ ವಿನಂತಿ.

## —: ನೂಲಿನ ವರ್ಣನೆ :—

**ಜನತಾ** ಶೀರಿ ೪೦×೪೦. ಮಸ್ರಾಯ ದಡಿ ೪೦×೪೦. ಟೆಂಕಿ ಶೀರಿ, ೪೦–೪೦ ಧೋತರ. ೬೦×೬೦ ಧೋತರ. ಟೋಪ್ ತೆನಿ ಶೀರಿ. ಮಸ್ರಾಯ ೧೦೦×೬೦. (ಆರ್ಡರ ಕೊಟ್ಟಲ್ಲಿ ತಯಾರಿಸಿ ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.) ಪಟ್ಟೆಕಂಬಿ ೬೦×೬೦ ಮತ್ತು ೪೦×೪೦ ರ ನೀರಗಿ ಶೀರಿಗಳು, ಇವೆಲ್ಲ ನಮೂನೆವಾರ ಬಟ್ಟೆಗಳು ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಯಾವಾಗಲೂ ಸಿಗುತ್ತವೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ಸರಕಾರದವರ ಆದೇಶದ ಮೇರಗೆ ಈ ಎಲ್ಲ ಬಟ್ಟೆಗಳಿಗೆ ರಿಬೇಟ ಕೊಡಲಾಗುವದು.

ಎಸ್. ಪಿ. ಹಿಂದಿ
ಸೆಕ್ರೆಟರಿ

ಬಿ. ಬಿ. ಬಸನಕಟ್ಟಿ
ಚೇರಮನ್

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

[illegible]
[illegible]
[illegible]
At-post [illegible]

पिन PIN [illegible]

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

[illegible]
[illegible]

पिन PIN

TO OPEN CUT HERE

2/1/1979.

ಹೊಸ ವರುಷವು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಶುಭ [illegible]

[illegible]

[illegible]

ಸ್ವಧರ್ಮೇ ನಿಧನಂ ಶ್ರೇಯಃ ಎಂಬಂತೆ [illegible]

[illegible]

ಪಿರಿಯಾಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ನನಗೆ ಹೋಗಾ ನನ್ನ ನಿಬ್ಬಂಧನ
ಬರುವರು — ಆದರಿಂದ [illegible] —
[illegible]
[illegible] —
[illegible]

[illegible] —
[illegible] —
[illegible]
[illegible] —
— [illegible] —
[illegible] —

[illegible] ಸ್ವಾಮಿ
[illegible]
[illegible] —
[illegible] ಸ್ವಾಮಿ
[illegible]

ಶ್ರೀ ಆನಂದವನ
ಅಗಡಿ.

ಕುಶಲ.

೬-೩-೭೯

ಶ್ರೀ ನಾನಾಸ್ಸಾಹೇಬ ರಲ್ಲಿ.

ಸ. ವಂದನೆ,

ಆಶೀರ್ವಾದಂ, ಆಪ್ತ ಇಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಡುವಾಗ್ಲೆ. ಭೆಟ್ಟಿ ಆಗುವದೂ ದುರ್ಲಭವು. ಮುಂದಿನ ೮ ನೆಯಂದು ಆಗಲೆ ಹೊರಡುವದಾಗಿ ಆಶೀರ್ವಾದ.

ಮುಂಬೈಯಿಂದ. ನಿಮ್ಮ ಕಡೆಯವರು ರ. ಬಂದಿದ್ದರು. ಅವರ ಆಶೀರ್ವಾದ ಕಳಿಸುವದಾಗಿ ಹೇಳಿದೆ.

ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಬರುವ.

ರ. ಸ್ವಾ. ನ ಬರ್ತಿ. ಶ್ರೀಕಾರ ಪ್ರ

[illegible]
[illegible]
[illegible]

ತಮ್ಮ

for [illegible]

ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ
ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ತು, ಅಖಿಲ ಭಾರತ
ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಸಮ್ಮೇಲನ 1978
ನಂದವನ–ಅಗಡಿ. ತಾ. ಹಾವೇರಿ, ಜಿ. ಧಾರವಾಡ

---

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

15 INDIA

-2-79

To
N.C. Desai
D4/22 Premobile
Colony Kurla.
Bombay.
पिन PIN 400070

SAFE

|| Shri ||

Nagpur
Airport
D/4-2-79

Respectable Shri N C Desai Saheb

I am very glad and proud of knowing the Kanva conference which was held at Anandvan. My regards to you and best wishes also to you for taking the responsibility of the Conference by you and carried ~~out~~ it very efficiently. Shri Balasaheb Dre was here and met him in Kanvashram at Nagpur. he intimated that on the eve of Kanva Conference a Souvenir ([illegible]) is published in Kannada language I am interested to have the same. Some articles are written by studied men and Scholars. I wrote to Shri D.N. Kulkarni before a month back, but he did not response to my letter inspite of a reminder. Hence I am writing to you personally. I found out your address from

KANNADA VIKAS. I request you to kindly send me that particular [illegible] ([illegible]) in Kannada for which I am very interested. kindly oblige me. I am very keen in our shakha. I once again request you send that [illegible] to me. with regards.

Yours
R.T. Kulkarni

My address:-
R T Kulkarni
Met-III/10
[illegible] Colony
NAGPUR-5

To
Shri
N.C. DESAI
Premier Automobile
Colony DH/22
KURLA कुर्ला
BOMBAY 400070

पिन PIN

**KANVA PARISHAT**

ALL INDIA

# SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN

Post : ANANDVAN, AGADI Tal : HAVERI. Dist : DHARWAR.
(KARNATAKA)

To, Vinod Photo Arts
Bombay

№ 017

Date : 25/12/78

## RECEIPT

| Discription | Amount |
|---|---|
| 1/4 Page advertisement in "ANANDVAN" Souvenir Published on the Ocassion [illegible] | [illegible] |
| Total | [illegible] |

Signature.

Cheque may please be issued in favour of
"SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN–1978"

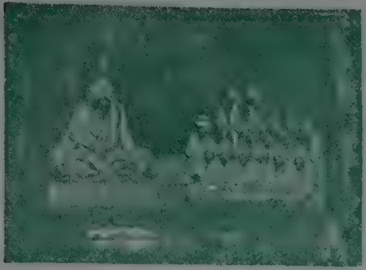

ஶ்ரீ

Sri Yajnavalkya Gurubhyho Namaha

# Sri Yajnavalkya Jayanthi Mahothsava Sabha

NANJAI PUGALUR P.O. — TRICHY Dt. — Pin: 639 113.

*President:*
Sri P. S. Vaidheeswara Iyer,
Mirasdar,
**Nanjai Pugalur.**

★

*Secretary & Treasurer:*
Sri P. S. Srinivasan, B.Sc., B.L.,
Advocate & Mirasdar,
**Nanjai Pugalur.**

To
Sri N.C. Desai
D. 4/12, Premnik Colony
Kurla Bombay-70.

Dear Sir,

We enclose herewith Silver Jubilee Celebrations Patrika of Sri Yogeeswara Yajnavalkya Jayanthi at Nanjai Pugalur to be Celebrated from 26-10-1979 to 1-11-1979 and we cordially invite You for the same.

The ~~Patrk~~ Patrika gives the list of daily programme including the Vidwat Sadas, Conferences, Releasing of Silver Jubilee Souvenir, Musical concerts, Upanyasams and Harikatha Kalashepams etc, We request you to give wide publicity to those programmes by publishing the same in the engagement columns of your esteemed paper / by announcing in the A.I.R. daily / by publishing in your esteemed magazines or Weekly.

Your invaluable help in this regard will be greatly appreciated.

Thanking You.

DATE: 13-10-1979

Your's sincerely,

P. S. Srinivasan

SECRETARY&TREASURER.

Yajnavalkya Gurubhyho Namah

# YAJNAVALKYA JAYANTHI SILVER JUBILEE CELEBRATIONS

**Place : NANJAI PUGALUR VILLAGE - Trichy Dist.**
**Days : From 26th OCTOBER to 1st NOVEMBER 1979 (7 Days)**

*Request :* All are cordially invited

*In all the 7 days, there will be Rig, Yajur, (Krishna and Shukla) Sama Veda Chantings, Homas, Musical Concerts, and Discourses.*

**26-10-79 *Sunday***

*Morning :* *Sri Vigneswara Pooja—Ganapathi Homa and Sri Suktha Homa*
*Afternoon :* *Gathering of Vedic Teachers and the taught.*
*Evening :* *Discussion and planning for the improvement of Vajasaneyins. Participants:- Atma Vidya Bhusanam Brahma Sri* **V. Jagadeeswara Sastrigal** *and Representatives of Patasalas and other Sabhas, organisations.*

**27-10-79 *Saturday***

Morning : Sri Maha Sudarsana Japa and Homa
Afternoon : Veda Jatadhi Vikrithi Vidwat Sadas
President : Bhashya Ratnam, an erudite Scholor, Brahmasri ***Ananthanarayana Somayaji (Musiri)***
Evening : Release of Souvenir & Distribution of Prizes and Honouring of Scholors and others, By Padmasri **Vaidya Subramanya Iyer**
Speach by : Sri K. V. Subbaratnam Iyer, Advocate, Erode.
Subject : 'VEDA MAHIMA'
Sri C. R. Pattabhiraman Barristor-at-Law will also participate
Night : Music-Vocal—By Sri G. N. Desikan & Party

**28-10-79 *Sunday***

Morning : Commemoration Speeches in Memory of **Sri Chidambara Ganapatigal**
President : **Sri Saranath Ganapatigal** (Son of the Former)
Evening : Council of the Representatives of the Management of Vedapatasalas Sabhas and organisations.
President : Sri N. S. Ramanatha Iyer (Madras)
Speech : Sri Annadurai Iyengar, Sub: 'VEDARAKSHASAM'

**29-10-79 *Monday***

Morning : VEDA RECITATION
Afternoon : Discussions about Smartha Samskaras and rites.
Evening : Speech by : Dr. V. V. Parameswaran
Subject : Sri Ramayanodaya and its messages
Veena Music by SRI R. PICHUMANI & PARTY

**From 30-10-79 To 1-11-79 (Tuesday, Wednesday, Thursday)**

Morning : Rudra Ekadasi Gayathri Homa, Vasordhara etc.
Night : There will be Musical discourses by Sri **P. N. Varadaraja Bhagavatar**

***AN APPEAL***

The devotees are requested to benefit themselves by purchasing a 'Silver Dollar' (Soverign Size Sri Gayathri Devi and Yajnavalkya on either side) by sending Rs. 25/- (inclusive of Registration Charges) and purchasing 'Silver Jubilee Malar' at a cost of Rs. 12/- (R 10+Postage 2), Containing articles by famous writers like Sri Agnihotra Ramanuja Tatachariar, Anna, Ka. Sri. Sri., R. Gaanapathy etc. and edited by Sri R Narayanaswamy, Research Pandit, French Institute of Indology, Pondichery), to the following Address.

Secretary
Sri Yajnavalkya Jayanthi Mahotsava Sabha
Nanjai Pugalur-639113
(Trichy District, Tamil Nadu)

... AM 160, ... ROAD, MYLAPORE MADRAS-4

श्री याज्ञवल्क्यगुरुभ्यो नमः

# श्री याज्ञवल्क्यजयन्ती रजत महोत्सव पत्रिका

स्थानम् : तिरुच्चिराप्पल्लि जिल्ला—नंजैप्पुगलूर् ग्रामः (तमिलनाडु)

उत्सवदिनानि : २६—१०—७९ प्रभृति १—११—७९ पर्यन्तानि सप्त ।

## प्रार्थना

सप्तस्वपि दिनेषु वेदपारायण-होमादिकानि, सङ्गीत-प्रवचन-कथाप्रसङ्गादीनि च प्रातरारभ्य रात्रिपर्यन्तं निर्दिश्यमानकार्यक्रमानुसारं प्रचलेयुः ।

**२६–१०–७९ भृगुवासरे**

प्रातः- श्री विघ्नेश्वरपूजा - गणपतिहोमः श्री सूक्तहोमश्च । चतुर्वेदपारायणं-दीपाराधनम् ।

मध्याह्ने:- शुक्लयजुर्वेदाध्यापक-छात्रसभा - परीक्षा ।

रात्रौ:- वाजसनेयि जनताभिवृद्धिपराः आयोजनाः । श्रीयुत एम्. **रामलिङ्ग आर्याणां** आध्यक्ष्ये ।
आशयावेदकाः- आत्मविद्याभूषणं ब्रह्मश्रीयुत वि. **जगदीश्वर शास्त्रिणः** । अन्ये च प्रमुखाः, पाठशालानिर्वाहकाश्च ।

**२७—१०—७९ स्थिरवासरे**

प्रातः- श्रीमहासुदर्शन होमः जपयज्ञश्च ।

मध्याह्ने:- वेदजटादिविकृतिविद्वत्सम्मेलनम् , भाष्यरत्न, पदवाक्यप्रमाणमीमांसाद्वयसाहितीमुखशास्त्र-प्रवीण ब्रह्मश्रीयुत **मुशिरि अनन्तनारायण सोमयाजिनां** आध्यक्ष्ये ।

सायं :- पद्मश्री बिरुदवद्भिः गुरुभक्तशिरोमणिभिः धर्मात्मभिः श्रीमद्भिः **वैद्यसुब्रह्मण्यार्यैः**
रजतजयन्तीस्मारकसंचिकाप्रकाशनम् - वेदपरीक्षाजयशालिनां, वेदविदां, पण्डितानां, इतरेषां च प्रमुखानां पारितोषिकवितरणम् संमाननं च ।
श्रीयुत **के. वि. सुब्बरत्न आर्याणां** प्रवचनं वेदमहिमानमधिकृत्य (पक्षसमर्थकः-ईरोड)
श्रीयुत **सि. आर्. पट्टाभिराम आर्याणां** च (बार् अट् ला)

रात्रौ:- गानम् **श्री. जि. एन्. देशिकन् गोष्ठी ।**

**२८— १० — ७९ भानुवासरे**

प्रातः श्रीशुक्लयजुर्वेद-कुलपतीनां स्वर्गीयश्रीचिदंबरघनपाठिनां स्मरणपुण्यामोदनवाङ्मुखम् गुरु-पुत्राणां ब्रह्मश्रीयुत सारनाथघनपाठिनां आध्यक्ष्ये ।

सायं :- वेदपाठशालाप्रतिनिधिजनसमालोचन सभा श्रीमतां एन्. एम्. **रामनाथ आर्याणां** आध्यक्ष्ये ।
प्रवचनंउ-भयवेदान्तेत्यादि श्रीयुत **अण्णात्तुरै अय्यङ्गार्** स्वामिनां, अधिकृत्यवेदरक्षणम् ।

रात्रौ :- वेणुगानम् **रघुः & रविः**

**२९— १०— ७९ सोमवासरे**

प्रातः- वेदपारायणादि दीपाराधनान्तम् ।

मध्याह्ने:- स्मार्तकर्मकाण्डविचारः ।

सायं :- प्रवचनं :- **डा०. त्रि. वि. परमेश्वरार्याणां**, अधिकृत्य श्रीमद्रामायणोदयं तत्सन्देशाश्च ।

रात्रौ :- वीणावादनम्—**श्री आर्. पिच्चुमणि गोष्ठी ।**

**३०—१०— ७९ प्रभृति १—११—७९ पर्यन्तं भौम. सौम्य, गुरुवासरेषु**

प्रातः- श्री रुद्रैकादशी-गायत्रीहोम-वसोर्धारादि ।

रात्रौ :- **श्री पि. एन्. वरदराजभागवतानां** हरिकथाप्रसङ्गाश्च यथाक्रमं प्रचलेयुः ।

## विज्ञापनं किंचित्

अयिधार्मिकाः, उत्सवस्यास्य संस्मारकत्वेन साप्ताहिकनिर्वर्त्यमानप्रतिष्ठाजपहोमपूजातीर्थ-प्रोक्षणादिभिः पावितानि, सर्वाणिहरणि श्रीप्रदानि, राजतानि, पदकानि, श्रीयाज्ञवल्क्यगायत्रीबिम्बानि विनीर्येरन् । कुटुंबक्षेमंकराणि तानि उभयतो मुद्रितानि पञ्चविंशतिरौप्यमूल्यानि सर्वैरपि स्वीकरणीयानीति सादरं प्रार्थयामः । पदकानि प्राप्तुकामाः पुगलूर् ग्रामात् प्राप्नुयुः रौप्यप्रेषणद्वारा । किञ्च, आत्मविद्याभूषण श्रीजगदीश्वरशास्त्रिप्रभृतिविद्वद्वरेण्यकृतव्यासाद्युपेताः रजतजयन्तीस्मारकसञ्चिकाः पेषण (पोस्टज्) व्ययान्तर्गतद्वादशरौप्यमूल्यकोपेताः सर्वैः लभ्येरन्निति च प्रार्थ्यते ॥ एव

७-१०-७९ न. पुगलुर्, करूर् उत्सवनिर्वाहकसमितिः

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

Anandavana

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

DHARWAD

FIRST FOTO

15

भारत
INDIA

ಜ್ವರ!
ಮಲೇರಿಯಾ ಇರಬಹುದು
ಕ್ಲೊರೊಕ್ವಿನ್ ಮಾತ್ರೆಗಳನ್ನು
ಸೇವಿಸಿರಿ

To

पिन PIN

15 भारत INDIA

3-1-79

SET-I

पिन PIN

*S. C. Malali*

M. Sc.

A-13, KAMAL PUSHPA CO-OP. HOUSING SOCIETY
BANDRA RECLAMATION, BANDRA (WEST),
BOMBAY 400 050.

To,

Sri. N. C. Desai,

Chairman, Reception Committee,

Shukla yajurveda Sammelana 1978,

(Po) ANANDVAN - AGADI

Haveri. Tq

(Dharwar. Dist)

ದೂರವಾಣಿ

# ಕ್ರಾಂತಿ ಕಹಳೆ

524/1, ಸಂಪಿಗೆ ರಸ್ತೆ,
ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ,
ಬೆಂಗಳೂರು-560003

ನಿರ್ಭೀತ, ನಿಷ್ಪಕ್ಷಪಾತ ಸುದ್ದಿ-ಸಮಾಚಾರಗಳಿಗೆ ಮೀಸಲಾದ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಕನ್ನಡ ಪಕ್ಷ ಪತ್ರಿಕೆ

ಸಂಪಾದಕ: ಜಗನೂರು ಲಕ್ಷ್ಮಣರಾವ್, ಬಿ. ಎ. (ಆನರ್ಸ್).

ಸಹ ಸಂಪಾದಕರು
ಶಿವ ಪ್ರಸಾದ್
ಕೆ. ವಾಸುದೇವ್
ಎಂ. ಆರ್. ರಾಮಮೂರ್ತಿ
ಕೆ. ಎಸ್. ಗೋಪಾಲಕೃಷ್ಣ

ಉಪ ಸಂಪಾದಕರು
ಬಿ. ಆರ್. ಗೋಕುಲನಾಥ ನಾಯಕ್
ಪಿ. ಅಶ್ವಥ ನಾರಾಯಣ

ಕಾನೂನು ಸಲಹೆಗಾರರು
ಆರ್. ಶಿವ ಪ್ರಭು, ಬಿ.ಕಾಂ., ಎಲ್.ಎಲ್.ಬಿ.
ಜಿ. ಪಾಪರೆಡ್ಡಿ, ಬಿ.ಎಸ್ಸಿ., ಎಲ್.ಎಲ್.ಬಿ.
ಎಂ.ಎಸ್. ಮಂದಣ್ಣ, ಬಿ.ಎ; ಎಲ್.ಎಲ್.ಬಿ.
ಎಸ್. ಶ್ರೀನಿವಾಸಮೂರ್ತಿ, ಬಿ.ಎ;ಎಲ್.ಎಲ್.ಬಿ.

18.1.1979

ಆತ್ಮೀಯ ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಸಿ. [illegible]ಯವರಿಗೆ,

ಪ್ರೀತಿಪೂರ್ವಕ ಗೌರವಪೂರ್ವಕ ಪ್ರಣಾಮಗಳು.

ನನ್ನ 10ನೇ ತಾರೀಖಿನ ಪತ್ರಕ್ಕೆ ನೀವು ಉತ್ತರ ಬರೆದುದಕ್ಕಾಗಿ ನಾನು ಕೃತಜ್ಞ. ನಿಮ್ಮ ಅಭಿಮಾನ ಮತ್ತು ಹೃದಯ ವೈಶಾಲ್ಯತೆಗೆ ನಾನು ಎಂದೆಂದಿಗೂ ಕೃತಜ್ಞತೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಬೇಕಾಗಿದೆ. [illegible]

[illegible]

[illegible]

ಕ್ರಾಂತಿಕಹಳೆ [illegible] -

ನಿಮ್ಮವ
ಜಗನೂರು ಲಕ್ಷ್ಮಣರಾವ್

| | |
|---|---|
| 20=00 | 1500 CSK |
| 20=00 | 582 CSK |
| 111=00 | 2082 |
| 100=00 | 190 } VGH |
| 1000=00 | 270 } VGH |
| 731=00 | 2542 |
| 30=00 | |
| 100=00 | |
| 312=00 | |
| 100=00 | |
| 10=00 | |
| 2534=00 | |

500=00 N·C·D

400-00 ~~NCD~~ Nadgir

1000=00 NCD.

731=00 NCD

1500=00 NCD

4131 00

– 400=00

00

4206

1400

3806

100:00 } NCD
50:00
20:00 } 10:00 — CSR
100:00 NCD

270

200:00 SKN.

270 NCD
10 CSR
200. SKN

480:00

To take 300 from
CS Rajapurohit
and give

300 Paid by CSR
312 " " NCD

# KANVA PARISHAT

## All India

# SHUKLA YAJURVEDA SAMMELANA 1978

Anandvana Agadi, Tq. : Haveri, Dt. Dharwar (Karnataka)

## A P P E A L

Dear Sir,

Maharshi Yajnavalkya bequeathed his precious Shukla Yajurveda to two of his disciples : Kanva and Madhyandina. The followers of the Kanva Shakha of this Veda are known as Kanvas, Prathama Shakhiyas, Shukla Yajurvedias and Yajnavalkiyas. They are found in all region of our nation.

They are undoubtedly advaitians. They are smartas. Some of them follow the Bhagavata traditlon. They workship all the six deities established by Shankaracharya : Shiva, Shakti, Vishnu, Ganapati, Kumara and Surya. The Kanvas thus represent all traditions.

Kanvas are scattered all over India and therefore are divided tnto regional and linguistic groups. They have little contact among themselves. To bring all the Kanvas together and to consider ways and means of their general welfare, a conference of the brahmanas of the Kanva Shakha of the Shukla Yajurveda will be held in December 1978 at Anandavana, the great centre of religion and learning blessed by Shri Sheshachala Swami.

On this occasion it is proposed to bring out a Souvenir containing learned articles on the various aspects of the life of the Kanvas. Some pages of this Souvenir will be reserved for advertisaments.

May we request you to kindly give us an advertisement and help us the cause of promotion of religion and learning ?

Thanking you,

Yours faithfully

**N. C. Desai**
Gen. Secretary
(Bombay)

**Sheetaram Naik, H. Badami**
President
(Haveri. Dt. Dharwar)

**Reception Committee**

---

## MECHANICAL DATA

| | |
|---|---|
| Overall Size ... ... ... | ~~14 x 22 cms.~~ |
| Print Area ... ... ... | ~~12 x 19 cms.~~ |
| Screen ... ... ... | 65° |

## TARIFF

| | |
|---|---|
| Back Cover ... ... | Rs. 500-00 |
| Cover 2 ... ... | Rs. 300-00 |
| Cover 3 ... ... | Rs. 300-00 |
| Inside Full Page ... ... | Rs. 200-00 |
| Half Page ... ... | Rs. 120-00 |
| Quarter Page ... ... | Rs. 75-00 |

Please Communicate to :

**N. C. Desai** ( Gen. Secretary )
(Reception Committee)
D4/22, Premobile Colony,
Kurla, Bombay-400 070.

# Release Instructions.

To,  Date_______________

**Shri N. C. Desi**

Gen. Secretary,
Reception Committee
Kanva Parishat, Shukla Yajurveda Sammelan,
Anandvan, Dt. Dharwar.

Sir,

We have pleasure in taking....................page advertisement in your Souvenir to be published at time of Sammelan at a cost of Rs...............

We enclose herewith our Cheque for Rs....................towards the cost of the Advertisement.

The Advertisement material / block is sent herewith.

Thanking you,

Yours faithfully,

Designation

Name of the firm : ________________________________

Address ________________________________

________________________________

________________________________

---

Cheques may please be drawn in favour of "SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN 1978"

✓

Rs 2300=00 CSR

Rs 500=00 Kalyanyani Bank

Rs 101=00 from V. G. Havanur

Rs 100=0 from Madhu

3001=00

5300=00 . Adjusted on

30= Excess

Dc.

NC Desai
D4/22
Premier Colony
Kurla, Bombay 400070

# PRAGATI MAIDAN
# PROGRAMME FOR ACTIVISATION

TRADE FAIR AUTHORITY OF INDIA
PRAGATI MAIDAN
NEW DELHI

## PRAGATI MAIDAN - PROGRAMME FOR ACTIVISATION

The Trade Fair Authority of India has launched a programme for activisation of Pragati Maidan, which in the past was not put to optimum use notwithstanding the infrastructure available with it for holding trade fairs and exhibitions and organising activities that would attract large crowds and improve revenue. In its drive to activise the Exhibition Grounds, the Authority organised the National Handloom and Khadi Fair from October 2-22, 1980. This Fair offered excellent opportunities to the public at 20 per cent rebate on handloom products and substantial discount on Khadi items. The retail sales reported at this Fair approximated over Rs.1.50 crores. The number of persons who visited the Exhibition Grounds during this Fair was about 3 lakh.

The National Handicrafts Fair was organised from November 14 to December 4, 1980. The Fair had two main sections devoted to Handicrafts and Carpets. As many as 65 organisations dealing with a variety of handicrafts from 17 States and 5 Union Territories took part in the Fair. In addition, 40 organisations dealing exclusively with manufacture and export of carpets took part in the Carpet Section. Nearly Rs.1.20 lakh. worth of export business was stated to be in the pipeline. Of the orders booked, carpets accounted for as much as Rs.1.10 crore while other handicraft items accounted for the rest. The business under negotiation was mainly for carpets. Retail sales worth about Rs.35 lakh was also reported at the Fair. The sale of carpets was of the order of Rs. 8 lakh, while various other handicrafts including handlooms, basket-ware, brassware and decorative items accounted for the rest. Over 2 lakh visitors came to witness the Handicrafts Fair.

The various attractions introduced at Pragati Maidan since October 2, 1980 will continue during the National Consumer Goods Fair December 13, 1980 to January 11, 1981 also. A detailed cultural calender has been drawn up for entertaining the visiting public. Art films in Hindi and regional languages of India as also in foreign languages will continue to be screened twice a day from 4.00 PM to 6.00 PM and 6.30 PM to 8.30 PM in the Shakuntalam Theatre at nominal fees of Rs.2/- and Rs.3/-. Daily Fashion Shows are also being held at Shringar Theatre at a nominal entry fee of Re.1/- per head. M/s. Femina, Bombay presented the shows during October while M/s. Media-Makers, New Delhi organised the shows during November. M/s Jeannie Naoroji Enterprises, Bombay are presenting the

shows to coincide with the Consumer Goods Fair. The themes of the fashion shows presented by the agencies concerned cover handlooms, handicrafts and consumer goods respectively. They seek to promote business in respect of the Fairs with which they coincide as also during the inter-fair periods.

The shopping complex comprising the Anarkali, Meena and Charminar Bazars continues to be open for the public upto 10.00 PM everyday. The State Emporia are selling handloom and handicraft items in the Meena Bazar while the private business houses are selling consumer and daily consumer items in the Anarkali and Charminar Bazars. There have been two additions to the group of restaurants spread over in Pragati Maidan viz. Khao Pio and Ashok Mayur (an ITDC restaurant) in Charminar Bazar. There are also the Phoolwari and Jhat Pat restaurants managed by the Taj Group of Hotels, the Woodlands restaurant (South-Indian Caterer) and the Qutab restaurant specialising in non-vegetarian food. Also, the Tea Board and Coffee Board continue to serve the public with beverages and snacks. The emphasis is on hygiene and low prices at all these eating places.

The art gallery in the mezzanine of the Exhibition Complex which has displayed contemporary paintings will now be refurbished with fresh printings under the aegis of Lalit Kala Academy.

The children's Amphitheatre which had the distinction of a visit by the Prime Minister of India on November 14, 1980 will now be the venue for a series of cultural shows by school children. This theatre will be the venue of elocution and other contests and also mock parliament sessions by various schools of Delhi. Other facilities in the entertainment corner for children include mini-train, giant wheel, merry-go-round, skating rink and battery operated mini-cars will continue to entertain the visiting children to the Exhibition Grounds. More facilities will be added to the children's corner from time to time.

The Exhibition, "Jawaharlal Nehru - His Life and His India", which was inaugurated on November 14, 1980 has already attracted large crowds. This exhibition will be a permanent part of the multi-sided attractions offered at Pragati Maidan.

Eversince the launching of the activisation programme on October 2, 1980 there has not been any problem of law and order although several visitors including women and children have been attending the late evening cultural programmes and other activities. With adequate electrification all over, the Exhibition Grounds are not only safe and secure but also remind a visitor of a fairy-land. The Delhi Transport Corporation has arranged for special buses from Gat No. 1 to important terminals in Delhi right upto 11.00 PM everyday. First Aid Centres are in position near the gates to attend to any emergency cases. Proper arrangements have been made for announcements of 'Lost and Found' nature. The announcements can be made from the Control Room in the Fair Pavilion (Hall No.1) in which the Consumer Goods Fair is being organised. Adequate drinking water arrangements have been made from the taps available all over the grounds. Toilet blocks at various places are maintained for public convenience.

Pragati Maidan has by now come to stay as an important place for trade promotion, shopping opportunities and entertainment. The experiment of activising the grounds, which were dormant in the past, has yielded dividends. TFAI aims to utilise the facilities available in Pragati Maidan to the maximum possible extent by organising series of fairs and other activities and thereby popularising the area as an important landmark in Delhi and eventually in India for projecting India's Industrial and commercial image.

## FACT SHEET ON PRAGATI MAIDAN

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Total exhibition ground area (including parking area) | 152 acres or 60 hectares (0.6 million Sq. mtrs.) |
| 2. | Total covered area in the permanent complex | 40,000 Sq. mtrs. |
| 3. | Total exhibition area in the Permanent Complex (Hall of Nations, Halls of Industries, Fair Pavilion and Exhibition Complex) | 30,000 Sq. mtrs. |
| 4. | Covered Areas of various important Exhibition Halls: | |
| i) | Hall No.1 or Fair Pavilion | 9,000 Sq. mtrs. |
| ii) | Hall No.2 or Exhib..cion Complex | 6,800 Sq. mtrs. |
| | a) Display area | 4,000 Sq. mtrs. |
| | b) Restaurant & Lounge Area | 700 Sq. mtrs. Seating Capacity - 100 (can cater to 300 persons for buffet receptions) |
| | c) Art Gallery | 650 Sq. mtrs. |
| iii) | Hall No.3 or Hall of Nations (Covered Area - G.F.) | 5,002 Sq. mtrs. |
| | Hall No.3 or Hall of Nations (Mezzanine Floor) | 1,548 Sq. mtrs. |
| iv) | Hall of Industries (Hall No.IV-VII) | 6,282 Sq. mtrs. |
| | Hall of Industries (Mezzanine Floor) | 1,025 Sq. mtrs. |
| v) | Nehru Pavilion | 951 Sq. mtrs. |
| 5. | Other structures | |
| i) | Our India | 1,050 Sq. mtrs. (consisting of two Auditoria and Central Exhibition Hall) |
| | a. Seating Capacity | 2,000 persons |
| ii) | Shakuntalam Theatre (Hall Area) | 270 Sq. mtrs. |
| | a. Seating capacity | 405 seats |
| | b. Stage | 80 Sq. mtrs. |

| | | |
|---|---|---|
| iii) | Falaknuma (open-air theatre above Shakuntalam) | |
| | a. Seating capacity | 150 |
| | b. Stage | 70 Sq. mtrs. |
| iv) | Hamsadhwani Open-Air Theatre | 1,660 Sq. mtrs. |
| | a. Seating capacity | 3,000 seats approx. |
| | b. Stage | 360 Sq. mtrs. |
| | c. Jhatpat Restaurant | 100 Seating Capacity (open platform) |
| v) | SHRINGAR Theatre (open-air) (in Hall No.1 or Fair Pavilion) | 300 Sq. mtrs. |
| | a. Seating Capacity | 800 seats |
| | b. Stage | 60 Sq. mtrs. |
| vi) | Administration Building (covered area) | 5,200 Sq. mtrs.<br>Ground Floor: 1,200 Sq.mtrs.<br>First Floor: 2,000 Sq.mtrs.<br>Second Floor: 2,000 Sq.mtrs. |
| vii) | Annexe Building (two floors) | 1,400 Sq. mtrs. |
| viii) | Phoolwaari Restaurant (consisting of Banquet Hall & two party rooms) | 1,564 Sq. mtrs.<br>(Ground Floor: 1,125 Sq.mtrs.)<br>First Floor: 439 Sq. mtrs.<br><br>Seating Capacity: 460<br><br>Ground Floor - 160<br>Open Platforms - 200<br>First Floor - 100<br>(can cater to 1,000 persons for buffet receptions). |
| ix) | Youth Corner with facilities like bandstand and spacious lawns; Also Khao Pio restaurant. | |
| x) | Children's Amusement Corner | |
| | i) Children's amphitheatre with green rooms, stage etc. | Seating capacities of 600 children. |
| | ii) Mini train with 20 minutes run. | |
| | iii) Skating rink with wooden flooring for roller skates with modern specifications (audience capacity of 1000). | 500 Sq. mtrs. |
| | iv) Racing cars (Battery operated) | |

| | | |
|---|---|---|
| v) | Giant wheel<br>merry-go-round/cheroplane | |
| vi) | Kiddies Corner<br><br>Swings (Indian and Russian)<br>Laughing glasses<br>See - Saw. | |
| xi) | Village Complex | 7 Acres |
| | a. Crafts Museum (covered area) | 3,000 Sq. mtrs. |
| | b. KADAMBARI (open-air area theatre) | |
| | c. SARANGA (open-air area theatre) | |
| 6. | Shopping Centres | |
| i) | Anarkali Bazar | |
| | a. Single shops, 8 Nos. | 24 Sq. mtrs. each |
| | b. Double bay shops, 5 Nos. | 48 Sq. mtrs. each |
| | c. Woodlands Restaurant, 1 No. | 60 Seating capacity |
| | d. Tea Board | 100 Seating capacity |
| ii) | Meena Bazar | |
| | a. Single shops, 10 Nos. | 24 Sq. mtrs. each |
| | b. Double bay shops, 5 Nos. | 48 Sq. mtrs. each |
| | c. Qutab Restaurant, 1 No. | 60 Seating capacity |
| | d. Coffee Board | 100 Seating capacity |
| 7. | <u>General Facilities and Service Areas</u> | |
| i) | Total road and service roads | 11 Kms. |
| ii) | Paved Area including brick pavement, red and stone (Lalchowk), concrete pavements etc. | 10,912 Sq. mtrs. |
| iii) | Charminar Bazar | |
| | a. Games of Skill | |
| | b. 'Mayur' Restaurant | |
| iv) | Parking Area | 80,116 Sq. mtrs.<br>(Parking Capacity: 1,000 Cycles)<br>1100 Cars, 250 Taxis, 4100 Scooters, Buses: 200 per hour plying capacity). |

| | | |
|---|---|---|
| v) | Lake (Mansarovar) | 12,166 Sq. mtrs. |
| vi) | Green Area | 36.50 acres or 14.5 hectares |
| vii) | Golconda - permanent kiosks, 2 Nos. | 24 Sq. mtrs. |
| viii) | Kiosks, 29 Nos. | 33.00 Sq. mtrs. each |
| ix) | Fire Brigade (Covered area) | 337 Sq. mtrs. |
| x) | Toilet blocks (Isolated) | 4 units - 247.19 Sq.mtrs. each<br>2 units - 165.12 Sq.mtrs. each |
| xi) | Information Booths, 5 Nos. | 5.75 Sq. mtrs. each |
| xii) | Telephone Booths, 6 Nos.<br>10 Nos. | 2.62 Sq. mtrs. each<br>1.42 Sq. mtrs. each |
| xiii) | Pragati Maidan Telephone Exchange | 400 lines capacity |
| xiv) | Electricity | 2 DESU Sub-Stations each with 10 Megawatt capacity for providing uninterrupted power supply from 33 Kv to 11 Kv |
| xv) | Distribution Sub-stations | Nine - 11 Kv/415 volts |
| xvi) | Warehouses with Railway siding | 2,000 Sq. mtrs. |
| xvii) | Nursery | 2,000 Sq. mtrs.<br>(10,000 plants capacity) |
| xviii) | Banks | State Bank of India and Central Bank of India |
| xix) | Press Rooms | Two (one in the Administration building and the other in Hall No.1) |
| xx) | First Aid Centre | Near Gate No.1 |
| xxi) | Gate complexes and ticket booths | Four<br>(Gate No.1 - Gate of Friendship<br>Gate No.2 - Gate of Humanity<br>Gate No.3 - Gate of Hope<br>Gate No.4 - Gate of Harmony). |

8. <u>Other Miscellaneous facilities</u>

i) Post Office

ii) D.T.C. Bus Terminals

iii) Railway Siding

iv) Customs House

v) Water Supply Lines
(Filtered water - 8.00 Kilo litres
Unfiltered water - 9.05 Kilo litres).

vi) Fire fighting services.

9. <u>Structures put up by the State Governments and other Organisations from time to time</u>

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| a. | Punjab | 2600 | Sq. | Mtrs. | (Open Plot area) |
| b. | Haryana | 1482 | " | " | -do- |
| c. | Delhi | 1423 | " | " | -do- |
| d. | Himachal Pradesh | 1422 | " | " | -do- |
| e. | Madhya Pradesh | 1165 | " | " | -do- |
| f. | Andhra Pradesh | 5600 | " | " | -do- |
| g. | Assam | 1920 | " | " | -do- |
| h. | Goa | 1984 | " | " | -do- |
| i. | T.D.A. Pavilion | 2850 | " | " | -do- |
| j. | Defence Pavilion | 5060 | " | " | -do- |
| k. | G.D.R. Pavilion | 2232 | " | " | -do- |
| l. | National Small Industries Corpn. Pavilion | 5058 | " | " | -do- |

HERO MAJESTIC 1983 MODEL AVAILABLE IN ATTRACTIVE COLOURS

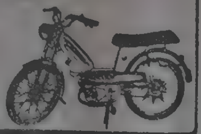

M/S MOVE ON
II-B-36 Lajpat Nagar,
New Delhi-110024
Tel. 693306

FRESH GROUPS: 7TH FEB. — MORN/EVE.
Under our Highly Qualified & Experienced CYBERSOFT Team for CRYSTAL CLEAR concepts with CAI package for students

Computers

COBOL PROGRAMMING : 9 Weeks|EDP & BASIC PROGRAMMING : 8 weeks|EDP & FORTRAN IV — 8 Weeks
. Over 90% rate of employment of DPcians.

Delhi Public College of Competitions

5-B PUSA ROAD, N. DELHI-5. NO BRANCH ELSEWHERE
Add a new dimension to your personality: 2-month Workshop.
ENGLISH CONVERSATION
Fluent English; Co-ed groups. Registration on.

WARNING
VISHWAYATAN YOGASHRAM
THREE MONTHS YOGA COURSES

It has come to our notice that some unscrupulous elements have started Yoga Coaching Centres soliciting prospective Yoga Students to join those centres for their pre-selection| interview coaching for three months Yoga courses being conducted by Vishwayatan Yogashram, Katra|Aparna Ashram, Mantalai. All these students are advised not to waste their time, energy and money for such coaching as it will not help them in any way in their selection for the Three Months Yoga Courses.

VISHWAYATAN YOGASHRAM
ASHOK ROAD, OPP. GOL DAKHANA
NEW DELHI.

POLAR FANS
PRESENT TWO-IN-ONE GIFT

INSTANT ENERGY!

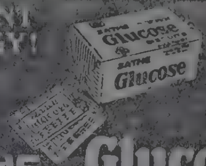


SATHE Glucose
heros' SBC-104

SPECIAL DISCOUNT
10% to 20%
on
SILK PRINTED SAREES
BANARAS HOUSE LIMITED
N-13, Connaught Place, New Delhi.
Phone:—44751.

February 28
Closing date of
ORIENT
Off-season offer

Hurry up!
Beat the Deadline
Beat the Budget

PUBLIC NOTICE

Shri Dayal Singh Sethi S/o Late Shri Santokh Singh Sethi, Residence of B-153, Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi-24, has ceased to be the authorised Janata Deposit Collector for State Bank of India, New Delhi Main Branch, with immediate effect. Public at large and the concerned Janata Deposit Accounts holders, in particular are hereby advised not to have financial dealings with him. The Bank will not be responsible for the consequences of any such dealings with him hereafter.

Sd/-
CHIEF MANAGER
STATE BANK OF INDIA
NEW DELHI MAIN BRANCH.

EXPORT OPPORTUNITY
MANAGING DIRECTOR VISITING MIDDLE EAST|EUROPE ON BUSINESS PROMOTION TRIP IN FEBRUARY. MANUFACTURERS INTERESTED IN EXPORTS MAY CONTACT|WRITE IMMEDIATELY WITH CATALOGUES|PRICE LISTS

# India offers to train Syrian students

Hindustan Times Correspondent

NEW DELHI, Jan. 31—India has offered to train Syrian students at the Indian agricultural and technical institutes.

The offer was made by Union Minister of Agriculture Rao Birendra Singh to Syrian Agriculture Minister Ammash Gadee who arrived here today leading a delegation of six.

Mr Singh also offered co-operation between the two countries in the field of dairy development, post-harvest technology and exchange of technological know-how.

He told Mr Gadee that India would be interested in importing dates from Syria.

The delegation is here to define specific areas in which the two countries could cooperate in the field of agriculture. The delegation will be here for a week. The invitation to the delegation was personal from Mr Birendra Singh.

Today's talks were preliminary. The in-depth talks will be held on Feb 4 after the Syrian delegation has visited the IARI, Pusa, Soil Salinity Research Institute and the National Dairy Research Institute, Karnal, the mother dairy plant in Delhi and the National Horticulture Research Institute, Bangalore.

While in India the delegation will also call on the Union Irrigation and Planning Ministers.

# Indo-US panel moots immune cure projects

Hindustan Times Correspondent

kv aeiaoin ahrdiu cmfwyp vbgarfaf

NEW DELHI, Jan. 31—A high-level panl on Indo-US science and technology co-operation today suggested joint projects in the field of leprosy and filariasis control using modern advances in understanding the immune mechanism of the body.

The panel, which concluded a week-long meeting here, also identified control of blindness with emphasis on cataracts and immunological approach to fertility regulation and infertility for

Consult personally or send self addressed stamped envelope to

DR. BAGGA
LAL KUAN, (Opp. Kucha Pandit)
DELHI-110006. PHONE . 262428

Readily Available

BELTEK

Colour T.V. & Video
NAVEEN
Electronics (Regd.)
H-4/4 Model Town II, Delhi-9
Ph-743733

GRAND SALE
FANTASTIC REDUCTION IN PRICES

men's
SHIRTS - T. SHIRTS
JEANS-GOWNS-TIES
NIGHT WEAR-SWIMWEAR

ladies
BAGGY JEANS-PEDDLE PUSHERS
T. SHIRTS-SKIRTS-SWIMWEAR
BRAS

kiddies
FROCKS-BABA SUITS-JEANS
T. SHIRTS-SHORTS-SHIRTS
VESTS-BRIEFS-SWIMWEAR
CHILDCARE-FEEDING AIDS
SOFT TOYS
RUSH TO AVAIL THE BEST

Mohanlal
B-21. Con
Inside Carona
Phone

WHAT
CHIT YO
HAS SE

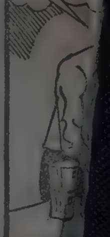

In case
to buy
most
remi

WINTE
FR
WO

Gents' Slee
Gents' Full
Ladies Co
LADIES' S
KNITWEA

taking, numbe
liquor manufacturing
on the streets in open da
before the very eyes of
The protest, on Sunday, in
eminent citizens participated, w
to highlight the obvious inability of the administration to apprehend the crminals and to provide security to peaceful citizens.

Citizens at Shiyali village on the Hooghly-Burdwan border have also learnt, at tremendous cost to

Continued on page 8 col 4

witnessed yester
a southern sub
urb Nearly 1,000 citizens, mostly professionals and small businessmen, took out a procession which toured the lanes and by-lanes of this unplanned locality, under the banner of "remove the anti-social elements".

The protest demonstration at Jadavpur is symbolic of the steadily worsening law and order situation in West Bengal and the re-

Buta Singh explained to
the view of the High
Command was that since Mr An-
High Court strictures against him,

He pleaded that as Governor he had to protect the interests of all communities and sections which alone could create conditions conducive to amity and harmony among the people

Dr Reddy is understood to have brought up the issue in his discussions with the Prime Minister in June last year.

and India over their
border dispute continued here to day with no indication from either side that progress had been made

Official Chinese sources have simply said the meetings, which began here on Saturday, will end on Wednesday as scheduled

The current talks are third in a series which began in December 1981 in the Chinese Capital, followed by a second round in New Delhi last May

At the centre of discussion is a dispute over the 4,000-km Chinese Indian border, but negotiators are also dealing with the development of cultural and scientific exchanges between the two countries.

An Indian source said the negotiations were taking place in the form of working groups assigned to specific problems.

id at Hydera-
Vijaywada
Guntur and
Warangal
empower the
int a person
f the Board
re reconsti-
nded provi-

provisions,
ousing Board
nt Authority
utive officer
eld by the

it!

Dar

## Inside


Recovery of sales tax from HAL stayed —page 4

Bhosale wants to work for party —page 7

US budget shows $ 189 billion deficit —page 13


# Ghiyas was architect of Humayun's Tomb

By Rashmi Saksena

NEW DELHI, Jan. 31—Intensive research has revealed certain facts that throw new lights on one of the impressive historical monuments of the city, Humayun's Tomb Till now historians have held that the tomb was completed in 1565 and that the architect was unknown.

However, an 18-year-old study of old Persian historical records of the time of Akbar and Humayun has revealed the name of the architect as well as a different date of completion of the monument. Mr Waqarul Hasan Siddiqi, Superintending Archaeologist of the Archaeological Survey of India, claims that he has dug up the fact that the architect of Humayun's Tomb was Mirak Mirza Ghiyas who came from Bukhara in Central Asia. In his own country he had built many gardens, palaces and 'madarsas' before taking up this project.

Mr Siddiqi has based his findings on the writings of Akbar's famed historian Abdul Qadir Badvuni. In his Muntakhalent Tawarikh (Selections from Histories) Badyuni has said that King Akbar, coming from Agra to Delhi, visited his father's tomb "which is now

Continued on page 5

... it's 'a bright New Year' after all"

# both sides of a dispute

By Prabha Dutt

powerful influence
ice and banded
l for putting up
k factory.
ver the land is
stretched so far
ansfers of district
ortnight ago men
nstabulary of UP
taken over the
cutting down the
ted on it.
aim that the Pre
Minister's office
ure Minister had
farm land should
er for industrial
ring land for in-
they claim, is
nment's policy.
al Ram of the
argues that the

land has been acquired by the UP Government legitimately. Side by side with the DCM there would be a number of ancillary industries also coming up.

In fact, a leading tractor company had also planned to set up a factory there and in all 1700 acres of land had been acquired.

On his side Mr Sareen — who has of course taken the precaution of putting down the names of 11 others of his family as joint owners of the farm — has Minister for Agriculture Rao Birendra Singh and special assistant to the Prime Minister R. K. Dhawan. On their side the DCM are said to have the UP Chief Minister and Mr Arun Nehru to pull strings for them.

In a letter to the Prime Minister, Mr Sareen has charged that the DCM owners in connivance with "well placed Congress-I office-bearers" had forcibly taken possession of his lands. In the present context of things the charge could rake up more dust than the party needs. The Government, he argues, takes over land for its own use and it is not the practice to take over land, specially fertile land and hand it over to an industry.

The law courts will probably decide who is the villain of the piece. But, meanwhile, the Toyota truck factory is raking up enough controversy between VIPs to arouse the interest of the com-


## HURRY ! SUBSCRIBE AT OLD RATES !

Although the single copy price of Competition Success Review has gone up from Rs. 3/50 to Rs. 4/- with effect from November 11,1982 issue, its subscription rate has remained the same. From next month onwards, the subscription rate is likely to be increased by Rs.6/-. You can send your subscription or renew it at the old rate now and avail of this unique opportunity.

competition success review

Single Copy Rs. 4/-
One year Rs. 34/-

Now Selling Over 250,000 Copies Every Month

### GET A GIFT OF Rs. 78/-

On the occasion of crossing the sale of 250,000 copies of Competition Success Review every month we offer (i) Sensational discount of Rs.33/- on 1 year Subscription plus (ii) Books & CSR Year Planner Set (Wall & Table) worth Rs. 45/- free to the new subscribers of Competition Success Review, General Knowledge Today, Competition Success Review Bi-Annual & Competition Success Review Year Book
For alternative offers, please read the details here.

### NEWS STAND RATES

competition success review — ENGLISH MONTHLY — SINGLE COPY Rs. 4/-
GENERAL KNOWLEDGE TODAY — MONTHLY — SINGLE COPY Rs 7 50
competition success — BI-ANNUAL — SINGLE COPY Rs 12 00
competition success — YEAR BOOK — SINGLE COPY Rs. 25.00

COMPETITION SUCCESS REVIEW GENERAL KNOWLEDGE TODAY COMPETITION SUCCESS REVIEW BI-ANNUAL & COMPETITON SUCCESS REVIEW YEAR BOOK 1 YEAR Rs.142

COMPETITION SUCCESS REVIEW GENERAL KNOWLEDGE TODAY & COMPETITION SUCCESS REVIEW BI-ANNUAL 1 YEAR Rs.117

COMPETITION SUCCESS REVIEW & GENERAL KNOWLEDGE TODAY 1 YEAR Rs. 93

COMPETITION SUCCESS REVIEW 1 YEAR Rs. 48

Subscribe Now & Save Rs. 33/ Rs. 28/ Rs. 24/ Rs. 14

AVAILABLE AT ALL LEADING NEWS STALLS OR FROM
competition review
private limited
604 PRABHAT KIRAN, RAJENDRA PLACE
NEW DELHI-110008 TEL. 572898

### FREE!

GIFT WORTH Rs. 45.95
to the subscribers of all the four magazines COMPETITION SUCCESS REVIEW, GENERAL KNOWLEDGE TODAY, COMPETITION SUCCESS REVIEW BI-ANNUAL & COMPETITION SUCCESS REVIEW YEAR BOOK 1982 → CSR Year Planner Set (Wall & Table) Rs. 18/-, Modern Indian Political Thought and National Movement Rs. 18/-, Prize Winning Essays Rs. 9/95

GIFT WORTH Rs. 36/-
to the subscribers of all the three magazines COMPETITION SUCCESS REVIEW, GENERAL KNOWLEDGE TODAY & COMPETITION SUCCESS REVIEW BI-ANNUAL → CSR Year Planner Set (Wall & Table) Rs. 18/-, Modern Indian Political Thought and National Movement Rs. 18/-

GIFT WORTH Rs. 27/95
to the subscribers of both the magazines COMPETITION SUCCESS REVIEW & GENERAL KNOWLEDGE TODAY → CSR Year Planner Set (Wall & Table) Rs. 18/-, Prize Winning Essays Rs. 9/95

GIFT WORTH Rs. 18/-
to the subscribers of COMPETITION SUCCESS REVIEW → CSR Year Planner Set (Wall & Table) Rs. 18/-

### SPECIAL DISCOUNT COUPON

Please enrol me as subscriber for Competition Success Review General Knowledge Today, Competition Success Review Bi-Annual & Competition Success Review Year Book at a concessional rate of Rs. 109 for one year instead of news stand rate of Rs. 142 or Competition Success Review, General Knowledge Today and Competition Success Review Bi-Annual at a concessional rate of Rs. 89 for one year instead of news stand rate of Rs. 117 or Competition Success Review & General Knowledge Today at a concessional rate of Rs. 69 for one year instead of the regular rate of Rs. 93 or Competition Success Review at a concessional rate of Rs. 34 for one year instead of regular rate of Rs. 48 I have sent Rs. 109 / Rs. 89 / Rs. 69 / Rs. 34 by M O No.________
Dated________ to Competition Review Pvt. Ltd. 604 Prabhat Kiran, Rajendra Place, New Delhi-110008.
NAME ________
ADDRESS ________

Kindly add Rs 3/- for despatch of Free Books by Recorded Delivery

Valid Until Feb. 28, 1983

Please write your Name, Address, State and Pin Code in Capital letters in the space for Communication in M O Coupon.

# ಪ್ರರಣೆ - ಅನುಮತಿ ಪತ್ರ

ಹೆಸರು [illegible]

ಊರು [illegible] ( [illegible] ) [illegible]

(1) [illegible]

[illegible]

(2) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ಇಲ್ಲ -

ಪ್ರೊ: [illegible]

[illegible]

[illegible] Dr. Shiggaon

TO

BOOK. POST.

ಶ್ರೀ ಚಿಂದಬರ ಮೂರ್ತಿ
ಚಕ್ರವರ್ತಿ

(Po) ಅನಂತವನ.
(Tq) ಹಾವೇರಿ.
ಜಿಲ್ಲಾ. ಧಾರವಾಡ.

20 INDIA भारत

PRESS

NASIK

№ 290

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Name in full and Address<br>ಪೂರ್ಣ ಹೆಸರು ಮತ್ತು ವಿಳಾಸ | Age<br>ವಯಸ್ಸು | Gotra<br>ಗೋತ್ರ | Profession and Office address if Serving<br>ಉದ್ಯೋಗ, ಆಫೀಸ ಎಡ್ರೆಸ್ | Number of Children ಮಕ್ಕಳ ಸಂಖ್ಯೆ | | | | | | | |
| | | | | Male ಗಂಡು | Age | Edn. | Married/ Un-married | Female ಹೆಣ್ಣು | Age | Edn. | Married/ Un-married |
| [illegible] | 45 | [illegible] | [illegible] | 1 | 14 | 6 [illegible] | [illegible] | 1 | — | — | |
| | | | | 2 | 10 | 4 [illegible] | „ | 2 | — | — | |
| | | | | 3 | 7 | 2 | „ | 3 | — | — | |
| | | | | | 4 | [illegible] | „ | | | | |

| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---|---|---|---|---|
| Property Industries etc.<br>ಆಸ್ತಿ, ಕಾರಖಾನೆ ವಗೈರೆ | Is any relative abroad ?<br>ನಿಮ್ಮ ಬಳಗದವರು ಪರದೇಶದಲ್ಲಿ ಯಾರಿದ್ದಾರೆ ?<br>Name & address of him/her<br>ಅವಳ-ಅವರ ವಿಳಾಸ | Are you member of any religious Society ?<br>ನೀವು ಯಾವುದಾದರೂ ಧಾರ್ಮಿಕ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸದಸ್ಯರಿದ್ದೀರಾ ? | Names and addresses of at least four adult relatives of yours who did not attend conference<br>ಅಧಿವೇಶನಕ್ಕೆ ಬರದೇ ಇದ್ದ ನಿಮ್ಮ ಬಳಗದ ಕಾಣ್ವ ಶಾಖೀಯ ಪ್ರೌಢರ ಹೆಸರು ಮತ್ತು ವಿಳಾಸ. ಕನಿಷ್ಠ ನಾಲ್ವರ ಹೆಸರು ಬರೆಯಿರಿ | Historical importance of your family if any, and significant religious ceremonies and any other information<br>ನಿಮ್ಮ ಮನೆತನದಲ್ಲಿಯ ಮಹತ್ವದ ಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯಗಳು ಮತ್ತು ಯಾವುದೇ ಇತರ ಮಾಹಿತಿ. |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | 1. —<br>2. —<br>3. —<br>4. — | [illegible]<br><br>[illegible]<br>Signature. |

## KARNATAKA PATRIKA PRIVATE LTD.,

*Publishres of Samyukta Karnatak, Karmaveer, Kasturi & Chitradeep*

HUBLI

ADVERTISEMENT

No 52[illegible]

**CASH RECEIPT**

Date 12/1/79

C.B.F.

*Received with thanks from* N. C. [illegible]
Bombay

*the amount of*

Rs. 126.72 Rupees [illegible]

*towards* 92706

| Credit Account | Amount |
| --- | --- |
| 1521 | 126.72 |

Cashier [illegible signature]

Accounts / Advt. Manager [illegible signature]

| | |
|---|---|
| 1. ಜಿಲ್ಲೆ | |
| 2. ತಾಲ್ಲೂಕು | |
| 3. ಗ್ರಾಮ | |
| 4. ಭೂಮಿಯ ವಿವರಗಳು | |

| ಕ್ರಮಸಂಖ್ಯೆ | ವಿಸ್ತೀರ್ಣ | ಕಂದಾಯ | ವರ್ಗೀಕರಣ ಕ ಖ ಗ ಅಥವಾ ಘ |
|---|---|---|---|
| | | | |

| | |
|---|---|
| 5. ಅವೇದಕನ ಹೆಸರು | |
| 6. (1) ವಯಸ್ಸು (2) ಪುರುಷ/ಸ್ತ್ರೀ | |
| 7. ವಿಳಾಸ | |
| 8. ಅವೇದಕನು/ಳು<br>(ಕ) ಸಣ್ಣ ಹಿಡುವಳಿದಾರನೇ/ಳೇ<br>(ಖ) ಅಪ್ರಾಪ್ತ ವಯಸ್ಕನೇ/ಳೇ<br>(ಗ) ವಿಧವೆಯೇ<br>(ಘ) ಮದುವೆಯೇ ಆಗಿರದ ಸ್ತ್ರೀಯೇ<br>(ಙ) ದೈಹಿಕವಾಗಿ ಅಥವಾ ಮಾನಸಿಕವಾಗಿ ದುರ್ಬಲನೇ/ಳೇ<br>(ಚ) ಸೈನಿಕನೇ ಅಥವಾ ನಾವಿಕನೇ<br>ಅನ್ವಯಿಸುವ ನಮೂನೆಯ ಮುಂ ಸರಿ ಗುರುತು ಹಾಕಿ) | |

ತಾಲ್ಲೂಕು : ತಮ್ಮ ವಿಶ್ವಾಸಿ,

ಗ್ರಾಮ :

ದಿನಾಂಕ : ಆವೇದಕನ ಸಹಿ

GPB 0 8298

ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ

ಕಂದಾಯ ಇಲಾಖೆ

"ಮರಾಠಿಯಲ್ಲಿ"

೪೮-೨) ಪ್ರಕರಣದ ಮೇರೆಗಿನ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಕ್ಲೇಮು ಹೂಡಲು ಸಲ್ಲಿಸಬೇಕಾದ
ಆವೇದನ ಪತ್ರದ ನಮೂನೆ.

ತಹಸೀಲ್ದಾರ,

.................................................ತಾಲ್ಲೂಕು

.................................................ಇವರಿಗೆ.

ನಮಸ್ಕಾರ-

ಈ ಆವೇದನ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಬಗ್ಗೆ ಎಲ್ಲ ವಿವರಗಳನ್ನೊದಗಿಸಿದಂಥ...................................................................................ಎಂಬ ನಾನು (1974ರ ಫೆಬ್ರವರಿ 28ನೇ ದಿನಾಂಕದವರೆಗೆ) 4 ಮತ್ತು 5ನೇ ಅಂಕಣಗಳ ಇದಿರು ವಿವರಿಸಿದ ಭೂಮಿಗಳ ಭೂಮಾಲೀಕ/ಮಧ್ಯಸ್ಥನಾಗಿದ್ದೆ. ಇಲ್ಲಿ ಉಲ್ಲೇಖಿಸಿರುವ ಭೂಮಿಯ ಗೇಣಿದಾರ/ಒಳಗೇಣಿದಾರ/ವಾಸ್ತವ ಸಾಗುವಳಿದಾರರಾಗಿರುವ ಶ್ರೀ/ಶ್ರೀಮತಿ.......................................ಎಂಬವನನ್ನು/ಎಂಬವಳನ್ನು ಆ ಭೂಮಿಯ ಅಧಿಭೋಗದಾರನಾಗಿ/ಳಾಗಿ ನೋಂದಾಯಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಅವನಿಗೆ/ಅವಳಿಗೆ ಇರುವ ಹಕ್ಕಿನ ಬಗ್ಗೆ ಪರ್ಯಾಲೋಚಿಸಲು ನನ್ನ ಆಕ್ಷೇಪಣೆಯಿಲ್ಲ, ಕರ್ನಾಟಕ ಭೂ ಸುಧಾರಣಾ ಅಧಿನಿಯಮ, 1961ರ 48—ಕ ಪ್ರಕರಣದ(7)ನೇ ಒಳಪ್ರಕರಣದ ಮೇರೆಗೆ ನಿಗದಿಪಡಿಸಿದ ಪ್ರೀಮಿಯಮನ್ನು ಗೇಣೀದಾರ/ಒಳಗೇಣಿದಾರ/ವಾಸ್ತವ ಸಾಗುವಳಿದಾರರಾದ ಶ್ರೀ/ಶ್ರೀಮತಿ.......................................ಇವರು ಸಂದಾಯ ಮಾಡಿದ ಮೇಲೆ ಅವನನ್ನು/ಅವಳನ್ನು ಆ ಭೂಮಿಯ ಅಧಿಭೋಗದಾರನಾಗಿ/ಳಾಗಿ ನೊಂದಾಯಿಸಬಹುದೆಂದು ಒಪ್ಪಿ ನ್ಯಾಯಾಧಿಕರಣದ ಮುಂದೆ ನಾನು ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಹೇಳಿಕೆಯ ಪ್ರಮಾಣಿತ ಪ್ರತಿಯೊಂದನ್ನು ಇದಕ್ಕೆ ಲಗತ್ತಿಸಿದ್ದೇನೆ. ನನಗೆ ಬರತಕ್ಕ ಮೊಬಲಗನ್ನು ಲೆಕ್ಕ ಹಾಕಿ ಸಂದಾಯ ಮಾಡಬೇಕಾಗಿ ಕೋರುತ್ತೇನೆ.

Post

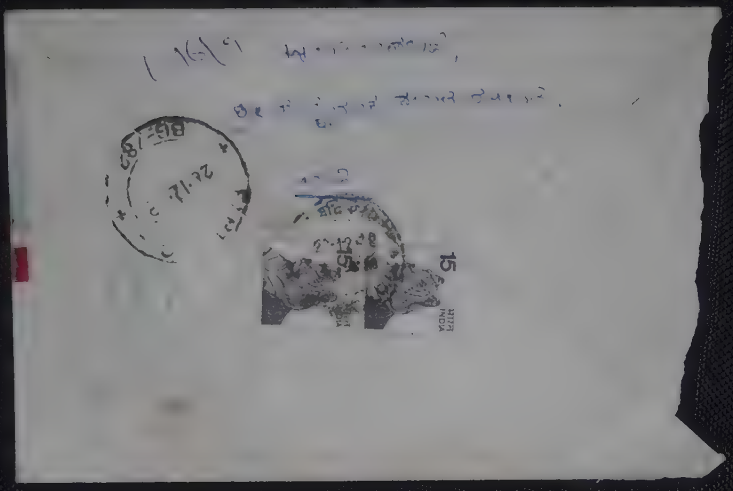

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Home Guards. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

From.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
21-12-78.

a Post card written on 17-1-79 ~~to~~ replying in detail

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

# SREE YAGNYAVALKYA SEVA SANGHA.

XIII/174. Near Kalyana Mantapam. ADONI-518301 Kurnool [illegible]

SECRETARY: K.S. [illegible] Chari, [illegible] Dt. [illegible] n.'79.
State [illegible] of India, [illegible]

To

The General Secretary,

Reception Committee,
Kannada Parishad,
All India [illegible] Yagnyavalkya Sammelana 1978,
[illegible]
Haveri (Tq.) [illegible] (Dist.)

Dear Sir,

<u>[illegible] 24-25th Of Dec.'78.</u>

We are in receipt of your post card of the 14th instant and note contents. In this connection we have to inform you that due to disturbed conditions prevailing in the country and especially in Karnataka State during the period of Sammelana, we could not able to attend the function. On the other hand there was no conveyance from Bellary to Haveri. In this regard we have wired to confirm regarding the Sammelana ~~to xxx~~ on the [illegible] nd Dec.'78; but no response from your side. <u>We have given reply paid [illegible] Sir.</u> As there was no response from your end at that time, we are forced to drop our trip to [illegible]adi. Therefore, we request you to refund the draft amount of Rs.134/-(which was sent to you vide our letter dt.9-12-78 enclosing draft for Rs.134/-)as early as possible.

Thanking you Sir,

Yours faithfully,

SECRETARY...

Please note to advise the ~~contents~~ gist of the Sammelana for the information of our Sangha.

With regards ,

KANVA PARISHAT

ALL INDIA

# SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN 1978

ANANDVAN-AGADI, TALUKA : HAVERI, DISTRICT : DHARWAR. (KARNATAKA)

काण्व परिषद्

अखिल भारतीय शुक्ल यजुर्वेद सम्मेलन १९७८

आनंदवन - अगडी, जि॰ धारवाड (कर्नाटक)

ಮಹಾಶಯರೇ,

ಬರುವ ಡಿಸೆಂಬರ [illegible] ರಂದು ಶ್ರೀ ಕ್ಷೇತ್ರ-ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಜರುಗಲಿರುವ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಲನದ ನಿಮಿತ್ತವಾಗಿ [illegible] ಸಮ್ಮೇಲನದ [illegible] ವಿಚಾರಗಳನ್ನು [illegible] ದಿನಾಂಕ ೧೩ ರಂದು (೧೩-೧೦-೭೮) [illegible] ಶ್ರೀ ಸೀತಾರಾಮ ಕಲ್ಯಾಣ ಮಂಟಪದ [illegible] ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಶ್ರೀಯುತ ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕ [illegible] ಕೋರಲಾಗಿದೆ.

ಈ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ [illegible] ಶ್ರೀ ದಿಗಂಬರ [illegible] ಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿರುವರು.

ಈ ಸಭೆಯು [illegible] ಎಲ್ಲರಿಗೂ ತಿಳಿಸುವುದು [illegible] ಕಾರಣ ತಾವು ತಮಗೆ ಪರಿಚಿತರಾದ ಸ್ನೇಹಿತರು ಹಾಗು ಆಪ್ತರಿಗೆ ತಿಳಿಸಿ, ಸಭೆಗೆ ಬರುವಂತೆ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸಬೇಕಾಗಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ.

ಇ. ವಂದನೆಗಳು

[illegible]
೮/೧೦/೧೯೭೮

ತಮ್ಮ
[illegible] ದೇಸಾಯಿ
ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ
ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ

Bombay Address : N. C. DESAI, D4/22, PREMOBILE COLONY, KURLA, BOMBAY - 400 070.

| | | | |
|---|---|---|---|
| [illegible] ~~2191~~ | 11.00 | | 1441.00 |
| [illegible] 292 | [illegible] | " | 190.00 |
| [illegible] | [illegible] | " | 270.00 |
| [illegible] | 11.00 | " | 100.00 |
| [illegible] | [illegible] | | 2001.00 |
| [illegible] | 11.00 | | |
| 78 | 582.00 | | |
| " [illegible] | 51.00 | | |
| 2896 | 101.00 | | |
| 2897 | 21.00 | | |
| 2898 | 11.00 | | |
| 2899 | 120.00 | | |
| | 941.00 | | |
| | 500.00 | | |
| | 1441.00 | | |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

State Bank of India. Haveri.

A/c No. 1322 [illegible] M. T. [illegible].

[illegible] — 1000.00 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[signature]

(A. C. Dempowda)

Kanva Parishad : Sri. D. K. [illegible] Kulkarni

[illegible] Jiwaksh

[illegible] Sanstha [illegible] Sadanand

[illegible] (W) [illegible]

[illegible] 5-12-78

Kanva Parishad :

Dearest Sri. H. B. Joshi

I congratulate you on accepting the work of [illegible] "Srinivas [illegible]"

[illegible] Kanva Parishad [illegible] A [illegible] [illegible]) [illegible] I [illegible] like [illegible] to Print our River of "Kanva Vinod" ~~which~~ cultural magazine which is a mouth piece of Kanva parishad and is published for about 30 years. It is [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] S. [illegible] H. D. Kulkarni [illegible]

[illegible]

I am an Editor of Kanva-
...ikas for a long time. A
...iwali issue is sent [illegible]
today I have [illegible] you
[illegible] the [illegible]
12 pages for the [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] to be printed in the
[illegible]
[illegible] N.C.
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 12 FE 1978 [illegible]

Shri H. B. Joshi

[illegible]

[illegible]

[illegible] HUBLI

[illegible] पिन [illegible]

—: ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಪ್ರಸನ್ನ :— Phone : 28

ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿ. "ನಿತ್ಯಾಭಿಷೇಕ" ಶ್ರೀ: ಕ್ಷೇತ್ರ ಆನಂದವನ.

ಪೋ : ಆನಂದವನ ಜಿ : ಧಾರವಾಡ

CHIDAMBARAMURTHI CHAKRAVARTHI PIN: 581110

Date 21-12-75?

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

To
ಶ್ರೀ C S [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

From: Raghavenrda.M.Joshi.
C/O Sri.M.V.Joshi.
H.No.11-1834,M.S.K.Mill Road Colony, GULBARGA. 585102

Dated:12th Jan,1979.

To

Sri.N.C.Desai. (General Secretary,)
(reception Committee,
D4/22,Premobile Colony,
Kurla, BOMBAY-400070.

Sir,

One receipt Book bearing No.71 containing (10)receipts from sl. No.701 to 710 was received through Sri.M.K.Joshi. UBI of Soundatti, inconnection with Sri.Shukla Yajurveda Sammelana 1978 a t Ananddwana-Agadi. Eight receipts have been issued to 8 persons at Rs. 11.00 each and the amount has been sent through D.D.No.OT/ BA 356690 dated:9-1-79 for Rs.88.00 on State Bank of India,Bombay and it has been sent to you for kind acceptance and taking needful action .

The receipt Book with remaining two lea ves will be returned to you shortly or if it is possible, they will also be issued amount together with counterfoils will be sent to you later.

Due to una voidable circumstances, the amount could not be sent in time for which I may please be excused.

Yours Faithfully,

Joshi.R.M.

( R.M.Joshi. )

FACTORY PHONE : 2535

AYURVEDEEYA

# Arkashala

LTD., SATARA.

MANUFACTURERS OF AYURVEDIC MEDICINES

ESTD 1926

ARKASHALA BHAVAN, SHUKRAWAR PETH, SATARA-415 002.

Ref. No 186 Date 11-1-1979

Under Certificate ...

To

The Secretary,
Kanva Parishat, Shuklayajurved
Sammelan-Anandavan.

Dear Sir,

We are enclosing herewith a cheque bearing No.461691 dated 11-1-1979 for Rs.300/- being the balance of our advt charges printed in the sovounir in full payment of your bill.

Kindly acknowledge receipt and send us stamped receipt for Rs.500/- for our audit purposes.

Thanking you,

Yours faithfully

Manager.

Encl.1 cheque.

N. C. GODBOLE, M.Com.
MANAGER
AYURVEDEEYA ARKASHALA LIMITED.

ARKASHALA BHAVAN
SHUKRAWAR PETH, SATARA
(Maharastra)

Date 11-1-1979

Dear Shri.Rajapurohit,C.S.,
Haveri.

I thought you will write to me on getting our advertisement in your sovenoir I did come to know when I visited Bangalore ~~xxx~~ (from your Bangalore Office) that you are transferred to Haveri as Branch Manager of tthe State Bank of India. You are very near to your native place and must be enjoying your life.

During my recent~~x~~ visit to Hubli, I had a chance to meet Mrs. Hemadri at Canara Bank, she was enquiring about your whereabouts, we were chitchating for nearly two hours and remembered almost all friends who were with us in J.G.College.

I am at Satara for the last ten years but my family members are at Hubli only, please call on me when you visit Hubli, (by chance I will be at Hubli)

Convey my regards to your parents and your relations.

Yours faithfully

Godbole

శ్రీ [illegible]  తా. [illegible].10.78

[illegible]

[illegible] 6.10.78 [illegible] 16.10.78 [illegible]

[illegible] 15.10.78 [illegible]

[illegible]

[illegible]

B. [illegible]

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

Secretary, All India Sri Sukla
Yajurveda Sammelana.
Anadavana — Agadi
Haveri District.

DHARWAR. पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

ಶ್ರೀ ಶುಕ್ಲ ಯಜು ಶಾಖ ಟ್ರಸ್ಟ್
ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಆಶ್ರಮ
8ನೇ ಬೀದಿ, ಚಾಮರಾಜಪೇಟೆ,
ಬೆಂಗಳೂರು.18.

पिन PIN 560018.

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

# SRI YAGNAVALKYA SANGH

(Reg. No. 18 of 1953)

4-7-178, ESSAMIA BAZAR.

HYDERABAD-500027. A.P.

## SRI YOGISHWARA YAGNAVALKYA JAYANTHI CELEBRATIONS

Sri Yagnavalkya Sangh, Hyderabad, conducts Sri Yogishwara Yagnavalkya Jayanthi Celebrations from Sri Kalayukthi Nama Samvatsara Karthika Shuddha Dashami to Trayodasi (9th, 10th, 11th and 12th of November, 1978) at SRI NARASIMHA MANDIR, Opposite to Clock Tower, Sultan Bazar, Hyderabad as per the programme given below. You are cordially invited to attend the functions with family and friends and to make the functions a success. You are also requested to contribute liberally to the Sangh.

Sri Madduri Venkateswarlu, B. E, Retired Superintending Engineer, P. W. D., will kindly grace the Evening Function (Panditha Sabha) on Thursday the 9-11-1978, as Chief Guest.

Sri Manohar Rao Kulakarni, B. A., B. Ed., President of this Sangh will preside over the Evening Functions (Sabhas) on Thursday (9-11-1978) and Friday (10-11-1978).

Srimathi Tolety Seshamma Garu (Wife of Late Dr. Tolety Kanaka Raju) will preside over the Ladies Gathering Function on the evening of Saturday the 11-11-1978

**S. K. DURGAIAH,**
*Secretary.*

## PROGRAMME

Thursday (9-11-1978)

From 7-00 A. M to 12-00 noon : Sri Yogishwara Yagnavalkya Pooja, Rudrabhishekam and Distribution of Theerdha Prasadams. (Sri Muralidhar Sastry Ghanapaathy will head the above Pooja Function as Acharya)

(P. T. O.

## EVENING SABHA

1. From 5-00 P. M. to 6-30 P. M. : **Recital of Shukla Yajurveda by Scholarly Pandits.**

2. From 6-30 P. M. to 8-30 P. M. : Speeches on the Life and Teachings of Sri Yogishwara Yagnavalkya :

**Sri Pullela Sriramachandrudu Garu,**
Reader in Sanskrit Department, Osmania University,
Saangaswaadhyaaya Bhaaskara
**Sri Sannidhaanam Lakshmi Narayana Murthy Garu,**
S. S. Sangha Gurukulam, Secunderabad.
Purvothara Mimamsa Bhaskara
**Sri Vireshwara Sastry Dongre garu,**
S. S. Sangha Gurukulam Secunderabad.
**Dr. Diwakarla Venkatavadhani,** M. A., (Hons) Ph. D.,
Head of the Telugu Department, Osmania University (Retd.).

## Friday (10-11-1978)

From 7-30 A. M. to 9-30 A. M. : Pooja and Distribution of Theerdha Prasadams.

From 5-00 P. M. to 7-00 P. M. : "GEETA SANDESHAM" by. Pandit Brahmasri **Vangipurapu Jagannadha Sasthry Garu.**

## Saturday (11-11-1978)

From 7-30 A. M. to 9-30 A. M. Pooja and Distribution of Theerdha Prasadams.

## EVENING : LADIES GATHERING

From 4-00 P. M. to 6-00 P. M. : "Teachings of Sri Yogishwara Yagnavalkya" by Sri Vidya Sahithi Brahma Vidya Parinisthitaa **Smt Mushti Venkata Lakshmi Devi Garu.**

## Sunday (12-11-1978)

From 7-00 A.M. to 12-00 noon : Sri Yogishwara Yagnavalkya pooja, Rudrabhishekam, Sri Satyanarayana Swami Vratham and Distribution of Theerdha Prasadams.

From 3-00 P. M. to 4-00 P. M. : "I S H T A G O S H T H I".

ಸ್ಥಾಪನೆ : ೧೯೫೪

# ವಿಜಯವಾಣಿ

ಬೆಳಗಿನ ದಿನಪತ್ರಿಕೆ

ಮಹಾತ್ಮ ಗಾಂಧಿ ರಸ್ತೆ
ತುಮಕೂರು 572 101

ಫೋನ್ 8852

ಸಂಪಾದಕ
ಹೆಚ್. ಆರ್. ಗುಂಡೂರಾವ್

ಸಹಸಂಪಾದಕ
ಹೆಚ್.ಜಿ.ವೆಂಕಟೇಶಮೂರ್ತಿ

*VIJAYAVANI, Daily News Paper*
*M. G. Road, Tumkur 572101 Phone 8852*

18/10/78

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]
27.11.78

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

RKB [illegible]

[illegible] (Hand Bill) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No. 381. 5th Cross
6th Main Road. N.R.Colony.
B'lore 19.

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

To,

SRI. SRI. C. D CHAKRAVARTHY.
ANANDAVANA.
At ANANDAVANA. Post.
HAVERI (Taluk)
Dharwar (Dt)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

[signature] No 381
5th Cross 6th Main Road
N R colony Blr 19

पिन PIN

Narayana Rao. V Talikot
ADVOCATE B.A., LL.B.
Panchavati
Station Road
RAICHUR

Date :

ಶ್ರೀ ಯಾಜ್ಞವಲ್ಕ್ಯ ಸ್ವಯಂ ಸೇವಕ ಸಂಘ,
ರಾಯಚೂರು.

ಕ್ರಮಾಂಕ:

ದಿನಾಂಕ 24-10-7[illegible]

Dear Sri. Krishnamurty Iyer,

Gland to receive your letter of 20th instant, I am [illegible] s.

[illegible] in [illegible] form [illegible] Sri. Shukla [illegible]

[illegible] i. [illegible]

[illegible], [illegible], [illegible].

[illegible] at they [illegible] very enthu[illegible]. [illegible] There is [illegible] name is [illegible].

[illegible] here [illegible] Yadnyavalkya [illegible]. [illegible] them [illegible] you can [illegible] first [illegible] given [illegible];

1. Sri. [illegible], [illegible] Seva Samiti [illegible] Road [illegible], [illegible].

Contd.

2. Sri. Chidamber Murthy Chakravarti Sadhadha Chandrike, post [illegible], taluk Haveri, Dist. Dharwar.
3. I am the president of Sri. Yajuyawakya Swayamsevaka Sangh Raichur. You have [illegible]

4. [illegible] committee [illegible] Yanna [illegible] [illegible] Sammelana, [illegible]

[illegible] Sammelana conference [illegible] [illegible]

5. Sri. [illegible], station [illegible]

[illegible] Bijapur [illegible] Karnataka [illegible] I [illegible] of aims [illegible]

[illegible] in [illegible] in [illegible] improving the [illegible] problems Socio [illegible] is to be [illegible] no [illegible]

[illegible] activities would [illegible] peace such [illegible]

[illegible]

[illegible] faithfully,

[illegible]

[illegible] V. [illegible]likot

[illegible], President,

Sri. [illegible]ualkya S.S.S.

[illegible] YAJNAVALKYA [illegible]

( Sri. Yajnavalkya [illegible] )
( Registered under the Societies Registration Act of 1860)

[illegible], [illegible] ( [illegible] No. 1[illegible] )
T. Nagar, Madras-17.

[illegible] 1978.

Dear Shri. [illegible] Elliot,

I am very glad to [illegible] your letter dated 20-9-78 [illegible] article on Yajnavalkya [illegible] journal dated [illegible] to reproduce the article [illegible] conversion. [illegible] my permission, they [illegible] my object [illegible] the great [illegible] Shukla.

[illegible] prepared to oblige you and you may [illegible] so, you must [illegible] Shukla [illegible] your translation [illegible] necessary.

[illegible] Shukla Yajur Vedis [illegible] know whether you [illegible] to [illegible] serve [illegible]. I shall send you [illegible] after hearing [illegible].

[illegible] (conference) [illegible] to our Vedas [illegible] in next April. [illegible] friends in your place should take part in the conference. ~~xxx~~ [illegible] intelligent [illegible] of the [illegible] socio-[illegible] of the people.

[illegible] activities in the [illegible] through out the world, our Yajnavalkya Mutt should undertake to dissiminate his [illegible] to the world for the benefit of the humanity. In my attempt I am confident that all of you will cooperate.

Thanking you,

Yours sincerely
Sd/-
( [illegible] [illegible] Iyer )

Samyukta Karnataka
7.11.78

# ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಸಂಹಿತ ಸ್ವಾಹಾಕಾರಯಜ್ಞ

ಆನಂದವನ (ಅಗಡಿ), ೭– ಡಿಸೆಂಬರ್ ೨೮ ಹಾಗೂ ೨೯ ರಂದು ಇಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿರುವ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಅಂಗವಾಗಿ "ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಂಹಿತ ಸ್ವಾಹಾಕಾರ" ಯಜ್ಞವನ್ನು ನಡೆಸಲು ಯೋಜಿಸಲಾಗಿದೆ.

[illegible]

Om Shri Gurubhyo Namaː

# SRI SHUKLA YAJURVEDA SABHA, MADRAS

(Sri Yajnavalkya Sabha, Madras)

(Registered under the Societies Registration Act of 1860)

No. 26, Vyasarao Street, T.NAGAR, MADRAS. 600 017.

18.12.78

To
C.S. Rajpurohit
Dear friend,

Thank you for your kind letter dt. 16.12.78. ( received to-day 18.12.78. ) In para one of your letter, your agreement to pay railway fare to Vidwans from this place is welcome. This as against a reply flat negative reply from Mr. B.D. Naik / N.C. Desai in his letter dt- nil. posted at Hubli. The gist is given in the enclosed copy of my to-day's letter to Mr. N.C. DESAI, and to Mr. S.G. Bankapur

Can I presume that there is no clear thinking on this matter. Mr. Bankapur requested me to depute Vidwans and I agreed and have made all arrangements. Having done all this the letter from Mr. B.D. NAIK has upsetted my arrangements which I have made only on specific request from Mr. Bankapur.

Now you have stated that the Vidwans are welcome to the said Sammelan and train fare would be paid. I hope there will no change from this position. Kindly confirm by Telegram so that I could proceed with getting the Vidwans and start from this place on 22nd night or by BRINDAWAN EXPRESS on 23rd morning and reach HAVRI by Karnataka Express

Regarding language difficulty the vidwans will ~~speak~~ converse in Sanskrit and they can understand each other. For us we will have no difficulty

Thanking you, ~~and oblige, with~~ for a Telegrapic confirmation,

Yours sincerely,

[signature]

( M.S. KRISHNA MURTHI IYER )

Om Shri Gurubhyo Nama:

# SRI SHUKLA YAJURVEDA SABHA, MADRAS

No.26, Vyasa Rao Street, T'Nagar-Madras-600017.
(Sri Yajnavalkya Sabha, Madras)

(Registered under the Societies Registration Act of 1860)

D/18th December '78.

Shri N.S. DESAI
General Secretary
Shukla Yajurveda Sammelan 1978
ANANDVAN - AGADI, TALUKA: HAVERI
DISTRICT: DHARWAR (KARNATAKA).

Dear Mr. Desai,

I received your kind letter d/ nil signed by Mr.B.D. Naik, on your behalf.

In the above letter, it is stated that you have already invited number of Vidwans from different parts of Karnataka and that you will not be able to invite any more Vidwans as your budget will not permit. This contradicts the letter from Sri S.G. Bankapur, who has specially requested me to depute some Vidwans from our side - Vide his letter 20-11-78. In reply I informed him that we have eminent Vidwans and inter-alia enquired details about Railway-fare, Sambavana and other arrangements for our participation. To this in his letter d/3-12-78, he informed me that the Railway fare will not be paid and that you are trying to get the Railway concession form for travel, and as regards Sambavana to Vidwans, you will consider and intimate later over this. To this I stressed the need to meet the Railway fares for Vidwans as their financial position will not permit them to meet the expenses in this regard. In the meanwhile, I have made arrangements with 4 Vidwans to undertake the trip and keep themselves free.

It is only in this context the letter referred to supra (received on 15-12-78) is more disappointing and has really upset all my arrangements. Please enlighten me therefore whether I should bring Vidwans along with me or to come alone along with 1 or 2 representatives of our Sabha. I will be thankful for very early reply on this point.

P.T.O.

So far, I have not received any printed programme, agenda, etc. of the Sammelanam.

Kindly also let me know:

1. When do you expect us - 23rd evening or 24th ?
2. Whether you make any arrangement to receive us at Haveri Railway Station and take us to the place of Sammelanam.
3. The climatic condition of the place, to enable us to equip ourself suitably.

An early reply will be very much appreciated and thanking you,

Yours faithfully,

Copy to: Sri Bankapur.

True Copy

to Sri [illegible] CS [illegible] with reference to his letter dt 16.12.78, recd here on 18.12.78.

This is an enclosure to my letter of today to you [illegible]

[illegible signature]
18/12/78

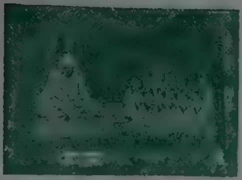

Sri Yajnavalkya Gurubhyho Namaha

# Sri Yajnavalkya Jayanthi Mahothsava Sabha

NANJAI PUGALUR P.O. — TRICHY Dt. — Pin: 639 113.


*President:*
Sri P. S. Vaidheeswara Iyer,
Mirasdar,
Nanjai Pugalur.

★

*Secretary & Treasurer*
Sri P. S. Srinivasan, B. Sc., B. L.,
Advocate & Mirasdar,
Nanjai Pugalur.


ஸ்ரீ யாக்ஞவல்க்ய குருப்யோ நம:

## ஸ்ரீ யாக்ஞவல்க்ய ஜயந்தி மஹோத்ஸவ சபை, ந. புகளூர்.

## SILVER JUBILEE - வெள்ளி விழா — 1979

அன்புடையீர்,

இந்த வருஷ ஜயந்தி உத்ஸவத்தை 25-ம் வருஷ வெள்ளி விழாவாக சிறப்பாக நடத்துவது என தீர்மானிக்கப்பட்டிருக்கிறது. வெள்ளி விழாவை உத்தேசித்து ஒருமலர் (Souvenir) வெளியிட உத்தேசிக்கப்பட்டிருக்கிறது. இந்த வெள்ளி விழா மலரில் சுக்ல யஜுர் வேத சாஸ்திர விற்பன்னர்களுடைய படங்களை வெளியிட ஆவல் கொண்டுள்ளோம். அதனால் தாங்கள் தங்களுடைய Passport size photo ப்ளாக்கையோ, ப்ளாக் இல்லாவிட்டால் போட்டோவையோ ஒன்று வெகு சீக்கிரத்தில் அனுப்பித் தருமாறு அன்புடன் கேட்டுக்கொள்கிறோம். இதோடு தாங்கள் பிறந்த தேதி, ஊர், படித்த வேத பாடசாலை, வேத, சாஸ்திரங்களில் பயிற்சி, பெற்ற விசேஷ விருதுகள் முதலியவற்றையும் ஒரு தனி காகிதத்தில் எழுதி அனுப்ப வேணுமாய்க் கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

தாங்கள் சுக்ல யஜுர் வேத பாடசாலை, சபை, சங்கம் இவைகளின் டிரஸ்டியாகவோ அல்லது முக்கிய பொறுப்புள்ள அங்கத்தினராகவோ இருந்தால், பாடசாலை, சபை பற்றின விபரங்களை (ஆரம்பித்த தேதி, அங்கத்தினர்கள், வித்தியார்த்திகள், அத்யாபகர்கள்) ஒரு சிறு குறிப்பாக ஒரு தனி காகிதத்தில் எழுதி அனுப்பினால் மலரில் வெளியிட வசதியாக இருக்கும்.

ஸ்ரீ யோகீஸ்வர யாக்ஞவல்க்யர், காண்வ மகரிஷி இவர்களின் பழைய காலத்து படங்கள், சிற்பங்கள், சிலைகள், கோயில்கள் இவைகளைப் பற்றின விபரங்கள், Photo Blockகுகள் இருந்தால் அனுப்பிக் கொடுத்தும், மேலும் மலர் சிறப்பாக வெளியிட உதவியும், வெள்ளி விழா மஹோத்ஸவத்திற்கு தாங்கள் விஜயம் செய்தும் சிறப்பாக நடத்திக் கொடுக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

தங்கள் அன்புள்ள,
**P. S. ஸ்ரீனிவாசன்,**
செயலாளர் & பொருளாளர்,
ஸ்ரீ யாக்ஞவல்க்ய ஜயந்தி மஹோத்ஸவ சபை.

நஞ்சை புகளூர், திருச்சி ஜில்லா
27—7—79

---

Sir,

A Souvenir is to be published in connection with the Silver Jubilee of Sri Yajnavalkya Jayanthi Celebrations at Nanjai Pugalur to be celebrated towards the end of October 79. You are requested to co-operate with us by sending (a) photo blocks of Sri Yajnavalkya, Kanva Maharishi (b) a short note on the temples, Sanghas or Sabhas Patasalas, Trustees, Ganapatigals and other distinguished persons of Shukla Yajur Veda of your place, district or state (c) other important materials available with you.

Can you give a brief account in English about the activities of your Sabha & Parishad
P.S.Srinivasan

Yours,
P. S. SRINIVASAN, B. Sc., B. L.,
SECRETARY & TREASURER.

श्री.

कण्व - परिषद् कार्यालय.
मुंबई. २९/७/७८

श्रीमान्. S. N. Rajpurohit.

Dear Sir,

Publication of "Kanva-Vikas" is held for want of a detailed report of the "Sammelan" and Kanva Parishad conference (1) The resolutions passed (2) the photos taken particularly of Procession & the photos taken of the ~~[illegible]~~ inaguration of sammelan on the dias etc (3) The speeches of President 'Swagat-Samiti', speeches of Guruji's Basava Pattan Guruji, Shri Murthiji etc and about report of in general programme are urgently required. They have to be translated in Marathi & then press-released hence the urgency. Publication of the issue without the Sammelan report is of no significance.

The blocks printed in "Golden" Souvenier viz (1) Kanva Mathadheesh [illegible] Shripadangalu and (2) First block of Shri Yajnavalkya with Kalyani & Maitrayi are also needed to be printed in the ~~[illegible]~~ "Kanva-Vikas" which may also be sent. We have been

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

Shri S. N. Rajpurohit
Jt. Secy ~~President~~
Sub - Post - master
PO HAVERI II
Dist : Dharwar
पिन PIN 580111

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

D. V. Kulkarni
Working President
Karnataka Parishad
पिन PIN
11 Shantarshet Road
Gaumt Rd. Bombay-7

यहां मोड़ें FIRST FOLD

D.V. Kulkarni

KANVA PARISHAT

ALL INDIA

# SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN 1978

ANANDVAN-AGADI, TALUKA: HAVERI, DISTRICT: DHARWAR, (KARNATAKA)

काण्व परिषद्

अखिल भारतीय शुक्ल यजुर्वेद सम्मेलन १९७८

आनंदवन - अगडी, जि॰ धारवाड (कर्नाटक)

The meeting of the Shukla Yajurveda Sammelan was held on 15th October 1978 at 6 P.M at Seetaram Mangala Karalaya, Haveri and the following resolutions are passed for the Shukla Yajurveda Sammelan, 1978.

President : Sri S.H. Badami

Vice-president: Sri G.G. Deshpande of Hallur
Sri Ramesh Patil Padki of Parasagad
Sri A.V. Kulkarni of Ron
Sri Gunde Rao Desai of Kamalapur
Sri Narayana Rao Talikoti, Advocate of Raichur
Sri (Dr.) G.S. Pachalaga of Hubli.

Vice-Presidents from Mysore and Bangalore and other states are subject to the approval by the President and he is authorised to nominate the Vice-President.

OFFICE BEARERS OF SAMMELAN:

General Secretary : Sri N.C. Desai

Joint Secretary : Sri S.N. Rajpurohit
Sri V.G. Havnur

Treasurer : Sri Ramesh Naik Badami of Haveri

Internal Auditor : Sri D.M. Savadi

It is unanimously resolved that the account to the opened at State Bank of India, AgriculturalDevelopment Branch, Haveri in the style of Shukla Yajurveda Sammelan 1978 to be operated by any two of the following.

President
General Secretary
Treasurer

The President shall have the powers to form committee, sub-committee and authorised to take all the decesions in regards to the Sammelan of 1978 and to do all the acts for the benifit of the Sammelan.

[illegible]

[illegible] ಸಭೆಗೆ ಹಾಜರಿದ್ದ ಮಹನೀಯರು

| ನಂ | ಹೆಸರು | ಸಹಿ. | ಪೂರ್ತಿ ವಿಳಾಸ |
|---|---|---|---|
| (1) | ಶ್ರೀ [illegible] | [illegible] | |
| (2) | ಶ್ರೀ [illegible] | [illegible] | |
| (3) | ಶ್ರೀ [illegible] | [illegible] Biradar | |
| 4 | [illegible] | [illegible] | |
| 5 | S. G. Pathak Bankapur | [illegible] | 134, [illegible] Hubli. |
| 6 | G. K. Joshi | [illegible] | Retired [illegible] Vittal [illegible] Chowk, Bijapur |
| 7 | Shri. A. B. Deshpande. | [illegible] | P. D. J. High. School 'B' BIJAPUR |
| 8 | [illegible] | | |
| 9) | [illegible] | [illegible] | [illegible] Haveri. |
| 10 | G R Hav[illegible] | G.R.H[illegible] | [illegible] (PWD) |
| 11 | S. N. Rajapurohit | S N R | |
| 12 | R G Chakravarti | [illegible] | Head Master [illegible] Model School [illegible] Dharwar |
| 13 | [illegible] | [illegible] | |
| 14 | N B K[illegible] | [illegible] | [illegible] Hubli |
| 15 | P. [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 16. | V J Kulkarni | [illegible] | [illegible] Galli Haveri |
| 17 | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 18. | S. K. Madiger. | [illegible] | At, Post: Agadi |
| 19. | V. G. Havan[illegible] | [illegible] | At, Post: Agadi. |
| 20. | H G Chakravarthi | [illegible] | At, Post: Agadi. |
| 21. | C. L. Kulkarni | K[illegible] | [illegible] |
| 22 | [illegible] | [illegible] | [illegible] Galli Haveri |
| 23 | H. V Pujar | [illegible] | Postman Haveri |
| 24 | M. S. Bahadur Desai | M S B Desai | post Agadi T: Haveri D: Dharwar |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 25) | [illegible] | [illegible] | L I C of India [illegible] |
| 26) | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 27) | N. G. Kulkarni | N. G. [illegible] | [illegible] |
| 28) | C H [illegible] | [illegible] | |
| 29) | C. K Kulkarni | Kulkarni | Haveri. |
| 30) | S K Rajpurohit | [illegible] | [illegible] |
| 31) | B J Kulkarni | [illegible] | [illegible] |
| 32) | D M Kulkarni | [illegible] | [illegible] |
| 33) | [illegible] | [illegible] | A J Patil, [illegible] |
| 34) | V G Shadambi | [illegible] | [illegible] |
| 35) | R N Patil | [illegible] | [illegible] |
| 36) | S H Kulkarni | [illegible] | [illegible] |
| 37) | H G Kulkarni | [illegible] | S.D.O. H.B.L. Photocopy [illegible] [illegible] Dharwad |
| 38) | [illegible] | [illegible] | |
| 39) | S N Kapur | [illegible] | [illegible] Haveri |
| 40) | C K [illegible] | [illegible] | |
| 41 | R.K. Kulkarni | [illegible] | R.K. Kulkarni C/o S.H. [illegible] Haveri. |
| 42 | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 43 | B Desai [illegible] | B Desai | Bombay |

# ...ಮೇರಿಕೆ ಸಂಬಂಧ
# ...ರಣೆಗೆ ಸ್ವಾಗತ

# ರನ್ನನ ಕಾವ್ಯ

(ಪ್ರೇಷಿತ ಪ್ರತಿನಿಧಿಯಿಂದ)

ಮುಧೋಳ, ೧೬– ರನ್ನನ ಕಾವ್ಯ ಕಬ್ಬಿಣದ ಕಡಲೆಯಲ್ಲ. ನಿಜವಾದ ಕಡಲೆಗಳು. ಇದರ ಸವಿ ತಿಳಿಯಬೇಕಾದರೆ ಗಟ್ಟಿಮುಟ್ಟಾದ ಹಲ್ಲುಗಳು ಬೇಕು ಎಂದು ಮಾಜಿ ಶಾಸಕ ಶ್ರೀ ಕೆ. ಪಿ. ನಾಡಗೌಡ ಅವರು ಇಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿದರು.

ಅವರು ಮೊದಲ ವಿಚಾರಗೋಷ್ಠಿಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆ ವಹಿಸಿ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ರನ್ನನ ಬಗ್ಗೆ ಸಂಶೋಧನ ಪ್ರಬಂಧಗಳನ್ನು ಪಂಡಿತರು ಮುಧೋಳದಲ್ಲಿ ಓದುವಂತೆ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪರಿಷತ್ತಿನವರು ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ ಪಟ್ಟಣವನ್ನು ತಿಳಿಯದ ಸಾಮಾನ್ಯರ ಮುಂದೆ ಸಂಶೋಧನ ಪ್ರಬಂಧ ಮಂಡಿಸುವುದು ಎಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಉಚಿತ ಎನ್ನುವುದು ಆಲೋಚಿಸಬೇಕಾದ ವಿಷಯ ಎಂದರು. ರನ್ನ ಮುಧೋಳದವನಾದರೂ ಇಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲರೂ ರನ್ನನಂತೆ ಪಂಡಿತರಲ್ಲ ಆದರೆ ಎಲ್ಲರೂ ರನ್ನನ ಪ್ರತೀಕಗಳಾಗಬೇಕು ಎಂಬುದು ವಿಚಾರಸಂಕಿರಣದ ಆಶಯ ಎಂದರು.

ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಪಿ. ಪಾಟೀಲ ಅವರು ಅಜಿತನಾಥ ಪುರಾಣ ಮತ್ತು ಆದಿನಾಥ ಪುರಾಣ ಕುರಿತು ಮಾತನಾಡಿ ಆದಿನಾಥ ಪುರಾಣದ ದಟ್ಟ ಛಾಯೆಯಲ್ಲಿ ಬೆಳೆದ ಅಜಿತನಾಥ ಪುರಾಣ ಸತ್ಕೃತಿ ಎಂದರು. ಸಗರ

## ಸತ್ಯ ಕಂಡುಹಿಡಿದು ವರದಿ ಮಾಡಲು ಕರೆ

ಮುಧೋಳ ೧೬– ಯಾವುದು ಸುಳ್ಳು, ಯಾವುದು ನಿಜ ಎಂಬುದನ್ನು ಸಂಶೋಧನೆ ನಡೆಸಿ ಪ್ರಕಟಿಸಿ ಜನರ ವಿಶ್ವಾಸವನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ ಎಂದು ರಾಜ್ಯದ ಕೇಂದ್ರ ಗ್ರಂಥಪಾಲಕ ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಡಿ. ಬಗರಿ ಅವರು ಪತ್ರಕರ್ತರಿಗೆ ಸಲಹೆ ಮಾಡಿದರು.

ಇಲ್ಲಿಯ ಶಾಂತಿನಾಥ ಸಭಾಂಗಣದಲ್ಲಿ "ರನ್ನ ಪ್ರಶಸ್ತಿ" ಗ್ರಂಥವನ್ನು ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡುತ್ತ ಮಾತನಾಡಿದ ಅವರು "ವ್ಯಾಸಂಗಿಕವಾದರೂ ನಾನು ಮಾತನ್ನು ಇಲ್ಲಿ ಹೇಳಿಸಿಕೊಂಡ ಸಾಹಿತಿಗಳಿಗೆ ಇಲ್ಲಿ [illegible]

---

---

## ಇದನ್ನು ಕತ್ತರಿಸಿ ಇಟ್
## ...ಲವು ವರ್ಷಗಳಲ್ಲೇ ಇದು
## ಬೀಳಬಹುದ

...ೇ ಯಾವ ಕೆಲಸವೂ ಆಗದು.
...ಗಳಲ್ಲೇ ಇದರ ಅಭಾವ ಉಂಟಾಗ

...ಿವಡ ಕೊರತೆ ನಮಗೆಲ್ಲರಿಗೂ
...ರ ಸಮಯವನ್ನು ಕೊಂಚ
...ಾನ ಪತ್ರಿಕೆಗಳು ತೆಳ್ಳಗಾಗಿಯೂ,
...ಬವಾಗಿಯೂ ಹೊರಬೀಳುತ್ತಿದ್ದುದು
...ಶಾಲೆಗಳು ಆರಂಭವಾಗುವ ಸಮಯ
...ಕ ಅಂಗಡಿಗಳ ಎದುರು
...ಕಾಯುತ್ತಿರುವುದು ನೋಡಿಲ್ಲವೇ?
...ಿ ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ಮುಖದ
...ವಿಳ ಸಮಯದಲ್ಲೂ ಕಾಳಷ್ಟು
...ಾರಳದು. ವಿಶೇಷಜ್ಞರ ಹೇಳಿಕೆ
...ಕಾಗದದ ಬರಗಾಲ

...ಆಲೋಚಿಸಬೇಕಾಗಿದೆ. ಅದು

**ಪೇಪರ್‌ನ ಭೂಮಿಕೆ**

ಸಾಗಾಲ...
ಕಾಗದ...
ಮುಂದ...
ಅದನ್...
ಇವೆಲ್ಲವ...
ಭಾರತ...
3,00,00...
ಕಾಗದ...
ಹೆಚ್ಚಿಸು...

ವಿಕ್ರಯ...
ತನೂ...
ಅದು...

ದೇಶದ...
ಅಭಾವ...
ಮಾಡ...

ಪ್ರಜಾವಾಣಿ
೨ 11. 1978
Thursday

# ಅಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಅಖಿಲಭಾರತ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನ ವ್ಯವಸ್ಥೆ

ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ, ನ. ೧— ಕಾಣ್ವ ಪರಿಷತ್ ಆಶ್ರಯದಲ್ಲಿ ಡಿಸೆಂಬರ್ ೨೪ ಮತ್ತು ೨೫ ರಂದು ಹಾವೇರಿ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ (ಅಗಡಿ) ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದ ಸಮ್ಮೇಳನ ನಡೆಯಲಿದೆ.

ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ಅವರು ಈಚೆಗೆ ಇಲ್ಲಿ ಪತ್ರಕರ್ತರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾ, ಈಗ ಉತ್ತರ ಭಾರತ, ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ, ಆಂಧ್ರಪ್ರದೇಶ, ತಮಿಳುನಾಡು ಹಾಗೂ ಕರ್ನಾಟಕಗಳಲ್ಲಿ ಹಂಚಿಹೋಗಿರುವ ಕಾಣ್ವ ಸಮಾಜದವರನ್ನು ಒಟ್ಟುಗೂಡಿಸುವುದೇ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಉದ್ದೇಶವಾಗಿದೆಯೆಂದರು.

ಕಾಣ್ವ ಸಮಾಜದ ಡೈರೆಕ್ಟರಿ, ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ನೆರವು, ವಿವಾಹ ಹಾಗೂ ಸಮಾಜದ ಇತರ ಸಾಮಾಜಿಕ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಕುರಿತು ಸಮ್ಮೇಳನ ಚರ್ಚಿಸಲಿದೆಯೆಂದು ಅವರು ಹೇಳಿದರು.

ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಜಗದ್ಗುರುಗಳ ಆವಾಸ ಕ್ಷೇತ್ರವಾದ ಅಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಏಳು ದಶಕಗಳ ಹಿಂದೆ ಇಂಥದೇ ಸಮ್ಮೇಳನ ನಡೆದುದನ್ನು ಅವರು ಸ್ಮರಿಸಿದರು.

ಶೃಂಗೇರಿಯ ಶ್ರೀ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯ, ಹುಣಸಿಹೊಳೆ ಕಾಣ್ವಮಠದ ಶ್ರೀ ವಿದ್ಯಾತಪೋನಿಧಿ ಸ್ವಾಮೀಜಿ, ಮುರಗೋಡ ಹಾಗೂ ಚಿದಂಬರ ನಗರಗಳ ಸ್ವಾಮೀಜಿಗಳು, ಬಸವಾಪಟ್ಟಣದ ಶ್ರೀ ರಾಘವೇಂದ್ರ ಸ್ವಾಮೀಜಿ ಅವರು ಆಗಮಿಸಲಿದ್ದಾರೆಂದು ಅವರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಸೀತಾರಾಮ ನಾಯಕ್ ಬಾದಾಮಿ ಅವರ ನೇತೃತ್ವದಲ್ಲಿ ರಚಿತವಾಗಿರುವ ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ತ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡುತ್ತಿದೆ. ರಾಷ್ಟ್ರಾದ್ಯಂತದಿಂದ ಸುಮಾರು ೩ ಸಾವಿರ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸುವ ನಿರೀಕ್ಷೆ ಇದೆ. ಸ್ವ.ಸು.

## ಥಾಯ್‌ಲೆಂಡಿಗೆ ಪ್ರಯಾಣ

KANVA PARISHAT

ALL INDIA

# SHUKLA YAJURVEDA SAMMELAN 1978

ANANDVAN-AGADI, TALUKA: HAVERI, DISTRICT: DHARWAR. (KARNATAKA)

Date :

Cash from CSR

1000 : 00
1500 : 00
2300 : 00
1500 : 00

5300 : 00

ಲ ಸದ್ಗುರು
ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲ
ಭವನ-ಅಗಡಿ

# ನೂತನ ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣ

೮೦ ವರ್ಷಗಳ ವೇದಶ್ರೀಯ ಸೇವಾ ಸ್ಮೃತಿ

ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು.

ಶ್ರೀ ಸದ್ಗುರು ಶೇಷಾಚಲ ಮಹಾರಾಜರು.

ಶ್ರೀ

ಸಚ್ಛಾತ್ರ ವೃಂದೈಃ ಪರಿಸೇವಿತಾಂಘ್ರಿಂ । ನಾರಾಯಣಾದ್ಯೈಃ ರಸಿಕಂಕೃಪಾಲುಂ ।
ಭವಾವತಾರಂ ಭವತಾಪನಾಶಂ । ಶೇಷಾಚಲಂ ತಂ ಹೃದಿ ಭಾವಯಾಮಿ ।

### ಸದ್ಭಕ್ತರಲ್ಲಿ ಸವಿನಯ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ

ಸನ್ ೧೯೦೭ರಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಚತುರ್ವೇದ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲೆ ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು. ಅಂದರೆ ಅಂದಿನಿಂದ ಇಂದಿನವರೆಗೆ ೮೦ ವರ್ಷಗಳ ದೀರ್ಘ ಸಮಯದವರೆಗೆ, ಈ ಪಾಠಶಾಲೆ ವೇದರಕ್ಷಣೆ, ಧರ್ಮರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಮಾಡುತ್ತ ಬಂದಿದೆ. ಅಂದು ನೂರಾರು ವಟುಗಳು ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದರೆ, ಇಂದು ಕಾಲಮಾನಕ್ಕನುಸರಿಸಿ ೧೯ ಹುಡುಗರು ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದು, ಇನ್ನೂ ನಾಲ್ಕಾರು ಬಾಲಕರಿಗೆ ಪ್ರವೇಶಾನುಕೂಲವಿದೆ. ಹನ್ನೆರಡು ವರ್ಷ ಪೂರ್ಣ ವೇದಾಧ್ಯಯನಮಾಡಿ ಘನಾಂತ ಪೂರೈಸಬೇಕೆಂಬ ಕಟ್ಟಳೆಯಿಂದ ಪಾಠ ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ವೇದ ಹಾಗೂ ಸಂಸ್ಕೃತ ಅಧ್ಯಾಪನ ಮಾಡಿಸಲು ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಇಬ್ಬರು ಗುರುಗಳಿದ್ದು ಹಿಂದಿನ ಋಷ್ಯಾಶ್ರಮದಂತೆ ಸದಾವೇದ ಶಾಸ್ತ್ರಾಧ್ಯಯನ ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ. ಸರಕಾರ ಅಥವಾ ಯಾವುದೆ ಒಂದು ಸಂಸ್ಥೆಯಿಂದ ಸಹಾಯ ಯಾಚಿಸದಂತೆ ಕೇವಲ ತಮ್ಮಂಥ ಭಕ್ತರ ಸಹಾಯ ಸಹಕಾರಗಳಿಂದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಅಶನ, ವಸನ, ವಸತಿ ಸೌಕರ್ಯಗಳಲ್ಲದೆ ಉಪಾಧ್ಯಾಯರ ಸಂಬಳ ಮುಂತಾದ ಎಲ್ಲ ಕಾರ್ಯ ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ.

ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಎಂಬತ್ತು ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಅಧ್ಯಾಪನ ನಡೆದರೂ ಪಾಠಶಾಲೆಗೆಂದೇ ಸ್ವತಂತ್ರ ಹಾಗೂ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಸರ್ವ ಸೌಕರ್ಯಗಳುಳ್ಳ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕಟ್ಟಡವಿಲ್ಲ. ವೇದಾಧ್ಯಾಯಿ ವಟುಗಳು ಒಂದೆಡೆ ಕುಳಿತು, ವೇದ-ಸಂಸ್ಕೃತ ಮನನ ಮಾಡಲು ಯೋಗ್ಯ ಸ್ಥಳವಿಲ್ಲ. ಇದುವರೆಗೆ ಅನೇಕ ಭಕ್ತರು ನೀಡಿದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಅಮೂಲ್ಯ ಗ್ರಂಥಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಿಡಲು ಉತ್ತಮ ಮಟ್ಟದ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಗ್ರಂಥಾಲಯದ ಕಟ್ಟಡವಿಲ್ಲ. ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಬಿಡುವಿನ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶ್ರಾಂತಿಗಾಗಿ ತಕ್ಕ ಕೊಠಡಿಗಳಿಲ್ಲ.

ಈ ಎಲ್ಲ ಕೊರತೆಗಳನ್ನು ನೀಗಿಸಿ ಹಿಂದಿನ ಗುರುಕುಲ ಪದ್ಧತಿಯಂತೆ ಗುರುಶಿಷ್ಯರು ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿ ಅಧ್ಯಯನ ಅಧ್ಯಾಪನ ಮಾಡಲು ಯೋಗ್ಯ ಸ್ಥಳಾವಕಾಶವುಳ್ಳ ನವೀನ ಪಾಠಶಾಲಾ ಕಟ್ಟಡದ ನಕ್ಷೆ ಈಗ ಸಿದ್ಧವಾಗಿದೆ. ಆರ್ಥಿಕ

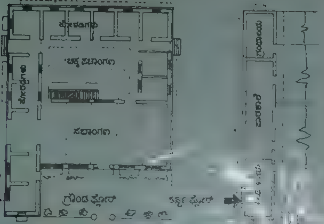


ಪಾಠಶಾಲೆ ಕಟ್ಟಡದ ನೀಲಿನಕ್ಷೆ.

ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ನೂತನ ಪಾಠಶಾಲೆಯ ಕಟ್ಟಡ ಯಾವಭಾಗದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗುವದೆಂದು ತೋರಿಸುವ ಚಿತ್ರಕಾರನ ಕಲ್ಪನೆಯ ನಕ್ಷೆ.

ಅನುಕೂಲತೆಯಾದಾಗ ಮತ್ತೆ ಮೂ... ಶಾಸ್ತ್ರಾಧ್ಯಯನ ನಡೆಯುವಂತೆ ಸ್ಥಳಾವಕಾಶವಿದೆ. ಶ್ರೇಷ್ಠ ಮಟ್ಟ... ಕಲ್ಲು, ಸಿಮೆಂಟು, ಕಬ್ಬಿಣ ಉಪಯೋಗಿಸಿ ಅನೇಕ ಶತಮಾನಗಳವರೆಗೆ ಕಟ್ಟಡ ಶಾಶ್ವತವಾಗಿ ನಿಲ್ಲುವಂತೆ ಮಾಡಲು ಸರ್ವ ಸಿದ್ಧತೆ ನಡೆದಿದೆ. ಮೂರು ಭಾಗದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಾಣಗೊಳ್ಳಲಿರುವ ಈ ನವೀನ ಪಾಠಶಾಲಾ ಕಟ್ಟಡದಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ವಾಸಿಸಲು ಹನ್ನೆರಡು ಖೋಲಿಗಳಿವೆ. "ಏಕಸ್ತಪೋ ದ್ವಿರಧ್ಯಾಯೀ" ಎಂಬ ಉಕ್ತಿಯಂತೆ ಪ್ರತಿ ಕೊಠಡಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದೇ ತರಗತಿಯಲ್ಲಿ ಓದುವ ಇಬ್ಬರು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ವಸತಿ ಸೌಕರ್ಯ ಕಲ್ಪಿಸಲಾಗುವುದು. ಎಲ್ಲ ಕೊಠಡಿಗಳೂ ೧೦' × ೧೦' ಚಚ್ಚೌಕಾರದಲ್ಲಿದ್ದು ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಖೋಲಿಯ ವೆಚ್ಚ ಹತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳಾಗಬಹುದೆಂದು ಅಂದಾಜಿದೆ. ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಹನ್ನೆರಡು ಜನ ಸದ್ಗುರು ಸದ್‌ಭಕ್ತರು ಈ ಕೊಠಡಿಗಳ ಸಂಪೂರ್ಣ ಸೇವೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಲು ಸಿದ್ಧರಾಗಿದ್ದಾರೆ:

೧. ಶ್ರೀ ನಾರಾಯಣರಾವ್ ಮುಧೋಳೆ, ನರಗುಂದ.
೨. ಶ್ರೀಮತಿ ಸುಭದ್ರಾಬಾಯಿ ನಾರಾಯಣರಾವ್ ಕುಲಕರ್ಣಿ, ಬ್ಯಾಡಗಿ.
೩. ಶ್ರೀ ಪೆಂಡಕೂರ ಶೀನಪ್ಪ, ಹರಪನಹಳ್ಳಿ.
೪. ಶ್ರೀಮತಿ ರುಕ್ಮಿಣೀಬಾಯಿ ಭೀಮಭಟ್ಟ ಜೋಯಿಸ್, ಹಾನಗಲ್ಲ.
೫. ಶ್ರೀ ತಿಮ್ಮಾಜಿ ಸುಬ್ಬಾಜಿ, ನಾಡಿಗೇರ ಗುತ್ತಲ.
೬. ಶ್ರೀ ಬಿ.ವಿ. ರಾಮರಾವ್, ಬೆಂಗಳೂರು.
೭. ಶ್ರೀ ಅನಂತಾಚಾರ್ಯ, ಪುಟ್ಟಾಚಾರ್ಯ ನಗರ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೮. ಶ್ರೀಮತಿ ಪದ್ಮಾವತಮ್ಮ ರಾಮಾಜೋಯಿಸ್, ವರ್ಲಗೋಡ ಜಿ. ಶಿವಮೊಗ್ಗ.
೯. ಶ್ರೀ ರಂಗನಗೌಡ ಬಹದ್ದೂರ ದೇಸಾಯಿ (ಅಗಡಿ) ಧಾರವಾಡ.
೧೦. ಶ್ರೀ ಎಲ್.ಸಿ. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಬ್ಯಾಡಗಿ.
೧೧. ಶ್ರೀ ಶಂಕರರಾವ್ ಬಿಂದುರಾವ್ ಪವಕಿ, ಸವದತ್ತಿ.
೧೨. ಶ್ರೀ ವೆಂಕಟೇಶ ದತ್ತಾತ್ರೇಯ ದಿವೇಕರ, ದಯಾಬಿಲ್ಡಿಂಗ್ಸ್, ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ.

ಈ ಕೊಠಡಿಗಳ ಮೇಲ್ಭಾಗದಲ್ಲಿ ೭೮ ಅಡಿ ಉದ್ದ ಹಾಗೂ ೧೧ ಅಡಿ ಅಗಲದ ಮಹಡಿಯನ್ನು ಯೋಜಿಸಿದೆ. ಅದರಲ್ಲಿ ಮೂರುಭಾಗಗಳು ಮೊದಲ ಭಾಗದಲ್ಲಿ (ದಕ್ಷಿಣಕ್ಕೆ) ೧೮' × ೧೧' ಆಕಾರದ "ಪಾಠಶಾಲೆಯ ಕಾರ್ಯಾಲಯ" ಬರುತ್ತದೆ. ಈ ಕಟ್ಟಡಕ್ಕೆ ಹದಿನೈದು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳು ಬೇಕೆಂದು ಅಂದಾಜಿದೆ. ಈ ಸೇವೆಯನ್ನು ಪಾಠಶಾಲಾ ಗೌರವ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀ ದುಗ್ಗವತ್ತಿ ಅನಂತರಾವ್ ದಾವಣಗೆರೆ ಇವರು ವಹಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಮಹಡಿಯ ಉತ್ತರ ಭಾಗಕ್ಕೆ ೩೦' × ೧೧' ವಿಶಾಲವಾದ ಸ್ಥಳ ಗ್ರಂಥಾಲಯಕ್ಕೆಂದು ಮೀಸಲಾಗಿದೆ. ಇಪ್ಪತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳಿಗೆ ಮಿಕ್ಕಿ ಇದರ ನಿರ್ಮಾಣಕ್ಕೆ ವೆಚ್ಚ ತಗಲಬಹುದೆಂದು ವಿಚಾರವಿದೆ. ಬೆಂಗಳೂರು ವಾಸಿ ಗುರುಭಕ್ತ ಶ್ರೀ ಕೆ.ಎಲ್. ನಾರಾಯಣರಾಯರ ಮಕ್ಕಳು ಶ್ರೀ ಕೆ.ಎಲ್. ನಾಗರಾಜರಾವ್ ಇವರು ಈ ಗ್ರಂಥಾಲಯದ ಸಂಪೂರ್ಣ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಮುಂದೆ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. ಇವೆರಡು ಖೋಲಿಗಳ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ವೇದ ಪಾಠ ನಡೆಯುವ ಸ್ಥಳ ಅಥವಾ "ಕ್ಲಾಸ್‌ರೂಮ್" ಬರುತ್ತದೆ. ೪೦' × ೧೧' ಭವ್ಯಾಕೃತಿಯಲ್ಲಿ ಈ ಕೊಠಡಿ ವಿಶಾಲವಾಗಿ ವ್ಯಾಪಿಸಿದೆ. ಗದಗ ವಾಸಿಯಾಗಿರುವ ಶ್ರೀ ಗುರುನಾಥ ಬಾಳಿಹಳ್ಳಿ, ಶಿಕ್ಷಕ ದಂಪತಿಗಳು ತಮ್ಮ ತಂದೆ ದಿ. ಹನುಮಂತ ಭಟ್ಟ ಬಾಳಿಹಳ್ಳಿ ಇವರ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಇಪ್ಪತ್ತೈದು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳ ಸೇವೆಯನ್ನು ಈ ಕೊಠಡಿಗಾಗಿ ಕೊಡಲು ಒಪ್ಪಿದ್ದಾರೆ.

ನವೀನವಾಗಿ ನಿರ್ಮಾಣಗೊಳ್ಳಲಿರುವ ಪಾಠಶಾಲಾ ಕಟ್ಟಡದ ಮುಖ್ಯ ಭಾಗವೆಂದರೆ "ಸಭಾಂಗಣ". ಇಲ್ಲಿ ಪಾಠಶಾಲಾ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಪ್ರತಿ ಪಕ್ಷ ನೆರವೇರಿಸುವ ಶಾರದಾ ಪೂಜೆ, ವಿದ್ವಾಂಸರುಗಳಿಂದ ಆಗಾಗ್ಗೆ ಪ್ರವಚನ ಮುಂತಾದ ವಿದ್ಯಾಭಿವೃದ್ಧಿ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಅನುಕೂಲವಾಗುವಂತೆ ಸಭಾಮಂಟಪದ ವಿನ್ಯಾಸವಿದೆ. ಶ್ರೀಕ್ಷೇತ್ರ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಆಗಾಗ್ಗೆ ಅನೇಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳು ನಡೆಯುತ್ತವೆ. ಆದರೆ ಗಾಳಿ, ಮಳೆ, ಬಿಸಿಲಿನಿಂದ ರಕ್ಷಣೆ ಪಡೆದು, ಹೆಚ್ಚು ಜನ ಒಂದಡೆ ಕುಳಿತು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ವೀಕ್ಷಿಸಲು ಸಭಾಂಗಣವಿಲ್ಲ. ಚಿಕ್ಕಪುಟ್ಟ ಮದುವೆ-ಮುಂಜಿವೆ ಮಂಗಲಕಾರ್ಯ ಮಾಡಲೂ, ಜಯಂತ್ಯೋತ್ಸವ ಆರಾಧನೆ ಮುಂತಾದ ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಪುರಾಣ-ಹರಿಕತೆ ನೆರವೇರಿಸಲೂ ಯೋಗ್ಯವಾಗಬಲ್ಲ ೫೦ ಅಡಿ ಉದ್ದ ೨೫ ಅಡಿ ಅಗಲ ವಿಸ್ತಾರದ, ವಿಶಾಲವಾದ, ಸುಂದರವಾದ "ಸಭಾಂಗಣ" ನಿರ್ಮಾಣಗೊಳ್ಳಲಿದೆ. ಒಂದು ಲಕ್ಷ ರೂಪಾಯಿಗೆ ಮಿಕ್ಕಿ ಹಣ ಇದಕ್ಕೆ ಬೇಕೆಂದು ತಜ್ಞರು ಅಂದಾಜು ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ. ಈ ಕಟ್ಟಡದ ಭಾಗಶಃ ಸಹಾಯಕ್ಕೆ ಸದ್ಗುರು ಸದ್ಭಕ್ತರಾದ ಹಾನಗಲ್ಲಿನ ಶ್ರೀ ವಾಮನರಾವ್ ನಾಡಿಗೇರ ಇವರು ತಾತ್ವಿಕವಾಗಿ ಒಪ್ಪಿದ್ದರು. ಆದರೆ ವಿಧಿ ವಿಲಾಸದಿಂದ ಅವರು ಅಕಾಲಿಕವಾಗಿ ಹೃದಯ ವಿಕಾರದಿಂದ ನಿಧನರಾದರು. ಆದರೂ ಅವರ ಧರ್ಮಪತ್ನಿ ಮಾತೊಶ್ರೀ ಪದ್ಮಾವತಿಬಾಯಿ ನಾಡಿಗೇರ ಇವರು ದಿ. ವಾಮನರಾಯರ ವೈಕುಂಠ ಸಮಾರಾಧನೆಯಂದು ಈ ಕಟ್ಟಡಕ್ಕಾಗಿ ಐವತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ಈಗಾಗಲೇ ಸಲ್ಲಿಸಿದ್ದಾರೆ!

ಸ್ನಾನಗೃಹದ ಖರ್ಚನ್ನು ನಿಚ್ಚವ್ವನಹಳ್ಳಿ ದಿ. ಪ್ರತಿಗಾರ ಚಿದಂಬರರಾಯರ ಮಕ್ಕಳಾದ ಡಾ॥ ಪಿ. ನಾಗರಾಜರಾವ್ ರೂಪನಗುಡಿ ಇವರು ವಹಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಪಾಠಶಾಲಾ ಕಟ್ಟಡದ ನೆಲಕ್ಕೆ ಉತ್ತಮ ಹಾಸುಗಲ್ಲಿನ ಫರಸಿಯನ್ನು ಮಾಡಿಸುವ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಸೇವೆಯನ್ನು ಹಿಂದೆ ಯರೆ ಹಂಚನಾಳ ಗ್ರಾಮದವರಾಗಿದ್ದು ಇಂದು ಕೊಪ್ಪಳದಲ್ಲಿ ನೆಲೆಸಿರುವ ಶ್ರೀ ವೆಂಕಟರಾವ್ ಗುಡಿ ಇವರು ಸಲ್ಲಿಸಲು ಸಿದ್ಧರಾಗಿದ್ದಾರೆ. ದಾನದಲ್ಲಿ 'ಜಲದಾನ'ದ ಸೇವೆ ಅತಿ ಮಹತ್ವವಾದದ್ದು. ಎತ್ತರದಲ್ಲಿ ನೀರನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಪಾಠಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ನಲ್ಲಿಯ

ಪಾಠಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯಾರ್ಜನೆ ಮಾಡುವ, ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಹೋಮ ಹವನಗಳಾದ ಮಹಾನ್‌ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸುತ್ತಾರೆ. ಅಂತಹ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಚಿತ್ರ

...ಶ್ರೀಯುತ ಜೀವಣರಾವ್ ದೇಸಾಯಿಯವರು, ತಮ್ಮ ...ಯಲ್ಲಿ ಈ ವರ್ಷ ಬೆಳೆದ ಪೂರ್ಣ ಭತ್ತದ ಬೆಳೆಯನ್ನು ...ರುವರು.

...ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಾಗಿ ಸರ್ವಶ್ರೀ ನಾರಾಯಣರಾವ್ ... ರೋಣ, ಎನ್.ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ ಅಗಡಿ, ಎನ್.ಜಿ. ...ಬಿ. ಕುಲಕರ್ಣಿ, ಬಂಕಾಪೂರ ಹಾಗೂ ಎಸ್.ಎಸ್. ...ಲ್ಲದೆ ಇನ್ನೂ ಅನೇಕ ಗುರುಭಕ್ತರು ವಿವಿಧ ರೀತಿಯ ... ಮುಂದೆ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. ಸದ್ಗುರುವಿನ ಆನಂದವನ ...ದ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸುತ್ತ ಬಂದಿರುವ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ... ಕೊಟ್ಟೂರು ಕನವಳ್ಳಿಯ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ದಿಂಡಿ ...ಯೋಜನೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಲು ...

... ...ಇರುವ ಪಾಠಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ಈ ಕಟ್ಟಡಗಳಲ್ಲದೆ ... ...ಹಾಗೂ ೮೦ ಅಡಿ ಉದ್ದ ೧೧ ಅಡಿ ಅಗಲದ ...ಪ್ರಶಾಲೆ ಅಥವಾ (...) ವರಾಂಡಾ, ಸುತ್ತಲೂ ಶಿಲೆಗಲ್ಲಿನ ಕಂಪೌಂಡು ...ಲ್ಲದೆ ಶೌಚಗೃಹ, ಸ್ನಾನಗೃಹವುಗಳ ನಿರ್ಮಾಣಕ್ಕೆ ಒಂದು ಲಕ್ಷರೂಪಾಯಿಗೆ ಮಿಕ್ಕಿ ಇನ್ನೂ ಹಣ ಬೇಕಂಬ ಅಂದಾಜಿದೆ. ಈ ಕೊರತೆಯನ್ನು ಕಳೆಯಲು ತಮ್ಮಂತಹ ಭಕ್ತರಲ್ಲಿ ಯಾಚಿಸುತ್ತಿದ್ದೇವೆ. ಈ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳಿಗೆ ಮೇಲ್ಪಟ್ಟು ದಾನ ಮಾಡಿದವರ ಹೆಸರನ್ನು "ಕಾಷ್ಠ ಫಲಕ"ದ ಮೇಲೆ ಬರೆಯಿಸುತ್ತೇವೆ. ಐದು ಸಾವಿರ ರೂಪಾಯಿಗಳಿಗೆ ಮೇಲ್ಪಟ್ಟು ದಾನ ಮಾಡಿದವರ ಭಾವಚಿತ್ರ ಸಹಿತ ಹೆಸರು ಬರೆಯಿಸುತ್ತೇವೆ. ಅಲ್ಲದೇ ಕಟ್ಟಡ ಉದ್ಘಾಟನೆಯ ಸಮಾರಂಭ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟವಾಗುವ ವಿಶೇಷ ಸ್ಮರಣಗ್ರಂಥದಲ್ಲಿ, ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಈ ರೀತಿಯ ಉದಾರ ಧನ ಸಹಾಯ ಮಾಡಿದವರ ಭಾವಚಿತ್ರ ಹಾಗೂ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸಲಾಗುವುದು.

ಇದೊಂದು ಸದ್ಗುರುನಾಥನ ಸೇವೆ. ವೇದಪುರುಷನ ಸೇವೆ. ಋಷಿ ಋಣದಿಂದ ತಾವು ಮುಕ್ತರಾಗಲು ಸದವಕಾಶ. "ವೇದ ಶ್ಶಿವೋ ಶ್ಶಿವೋ ವೇದಃ ವೇದಾಧ್ಯಾಯಿ ಸದಾಶಿವಃ" "ವೇದವೇ ಶಿವ, ಶಿವನೇ ವೇದ, ಸದಾ ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಮಾಡುವವನೆ ಸದಾಶಿವ". ಅವನಿಗೆ ಸ್ವಗೃಹ ನಿರ್ಮಾಣ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದೇವೆ. ಇದು ಕೇವಲ ದೇವತಾ ಸ್ಥಾಪನೆಯಲ್ಲ. ಸದಾಶಿವರು ಸೃಷ್ಟಿಯಾಗುವ ಗೃಹ ನಿರ್ಮಾಣ. ತಾವು ಮುಕ್ತ ಹಸ್ತದಿಂದ ಪರಹಸ್ತದಿಂದ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಿ ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಸಂಸ್ಕಾರ ಶಾಶ್ವತವಾಗಿ ಉಳಿಯುವಂತೆ ಮಾಡಿ ಸದ್ಗುರು ಕೃಪೆಗೆ ಪಾತ್ರರಾಗಬೇಕೆಂದು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುತ್ತೇವೆ.

ಯೋಜನೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂದಿದ್ದೇವೆ. ಶ್ರೀ ಸದ್ಗುರುವಿನ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿವರ್ಷ ಹತ್ತು ಸಾವಿರ ಜನಕ್ಕೆ ಮಿಕ್ಕಿ ಜನ ಸೇರುತ್ತಾರೆ. ಆಗ ಬೇಸಿಗೆಯ ಕಾಲವಾದುದರಿಂದ ನೀರು ಎಷ್ಟು ಶೇಖರಿಸಿದರೂ ಕಡಿಮೆ. ಅಲ್ಲದೆ ಶ್ರೀ ಕ್ಷೇತ್ರ ಆನಂದವನ-ಅಗಡಿ ಹೆದ್ದಾರಿಗೆ ಅತಿ ಹತ್ತಿರವಿರುವುದರಿಂದ ಸದಾ ನೀರು ದೊರೆಯುವಂತೆ ಮಾಡಿದರೆ ದಾರಿಹೋಕರಿಗೆ "ಅರವಟ್ಟಿಗೆ"ಯಂತ ಕಾರ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ಮಹಾನ್ ಪರಮಪಾವನ ಗಂಗಾ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವ "ನೀರಿನ ಟ್ಯಾಂಕ್" ಸೇವೆಯನ್ನು ಅನೇಕ ದಾನಧರ್ಮ ಮಾಡಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧಿ ಪಡೆದಿರುವ ಶ್ರೀ ರಟ್ಟಿಹಳ್ಳಿ ಕಾಂತಪ್ಪ ಶೆಟ್ಟಿ ಇವರ ಮಕ್ಕಳು ಶ್ರೀ ರಾಮಶ್ರೇಷ್ಠಿ ಇವರು ಮುಂದೆ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ.

ಪಾಠಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯುತ್ ಜೋಡಣೆಯೂ ಅಷ್ಟೇ ಅವಶ್ಯವಾದುದು. ವಿದ್ಯುತ್ ತಂತಿ ಮತ್ತು ಅದಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಎಲ್ಲ ಜೋಡಣೆಯ ಸೇವಾಕಾರ್ಯವನ್ನು ಕನವಳ್ಳಿ ಗ್ರಾಮದ ಈಗ ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ "ಕನವಳ್ಳಿ ಎಲೆಕ್ಟ್ರಿಕಲ್ಸ್"ದ ಮಾಲೀಕರಾದ ಶ್ರೀ ಎಂ.ಎಸ್. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಸಹೋದರರು ವಹಿಸಿಕೊಂಡಿರುವರು.

ಶ್ರೀಕ್ಷೇತ್ರ ಆನಂದವನ ಅಗಡಿ

ಯುಗಾದಿ ಪ್ರತಿಪದ
ದಿ. ೧೯-೩-೧೯೮೮

ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿ

Design: N. C. DESAI Agadi and Printed & Produced by N. S. Joshi Agadi (Bangalore)

## ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ವೇದ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲೆ

ಅಂಚೆ: ಆನಂದವನ, ತಾಲ್ಲೂಕ: ಹಾವೇರಿ, ಜಿ. ಧಾರವಾಡ.

## SHRI SHESHACHAL SADGURU VEDA SANSKRIT PATHASHALA

PO : ANANDVAN-581 128 Tal : HAVERI Dist : DHARWAR

# ಪುರಸಿದ್ಧಪ್ಪನ ಗುಡಿ

— ಎನ್. ವಿ. ದೇಸಾಯಿ

"ಹದ್ಬಾಳದ ಚಂದ್ರಿಕೆ" ಜೂನ ೧೯೯೯

ಹಾವೇರಿ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಪ್ರೇಕ್ಷಣೀಯ ಸ್ಥಳಗಳು - ೧

# ಹಾವೇರಿ: ಪುರಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿ.

- ಚಿತ್ರ ಲೇಖನ: ಶ್ರೀ ಎನ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ.

ಸದ್ಬೋಧ ಚಂದ್ರಿಕೆ · ಜೂನ 1999

ಹಾವೇರಿಯ ಪುರಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿಯ ನೆನಪಾದೊಡನೆ ನನ್ನ ಬಾಲ್ಯದ ದಿನಗಳ ಜ್ಞಾಪಕ ಧಾವಿಸಿ ಬರುತ್ತದೆ. ನಿಜ, ನಾನು ಹಾವೇರಿ ಹೈಸ್ಕೂಲಿನ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಯಾಗಿರದಿದ್ದರೂ ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಲ್ಲಿ ಚಿತ್ರಕಲಾ ಶಿಕ್ಷರಾಗಿದ್ದ ಶ್ರೀ ಕಾಳಪ್ಪ ಗುಡಿಸಾಗರ ಮಾಸ್ತರರು ಚಿತ್ರಕಲೆಯ ವಿಷಯವಾಗಿ ನನಗೆ ಅಚ್ಚುಮೆಚ್ಚಿನ ಗುರುಗಳಾಗಿದ್ದರು. ನನ್ನಲ್ಲಿ ಚಿತ್ರ ಕಲೆಯ ಅಭಿರುಚಿಯನ್ನು ಗುರುತಿಸಿದ ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಾಗಿದ್ದ ನಮ್ಮೂರಿನ ಜನರ ಮೂಲಕ ನನ್ನನ್ನು ಕರೆಯಿಸಿ, ಇಲ್ಲವೇ ಅಗಡಿಯವರೆಗೂ ಬಂದು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಆ ಎಳೆ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲಿದ್ದ ಕಲೆಯ ಅಂಕುರಕ್ಕೆ ನೀರೆರೆದು ಬೆಳೆಸಿದವರು!

ಇಂಥಹ ಭೆಟ್ಟಿಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅವರು ಹಾವೇರಿಯಲ್ಲಿದ್ದ ಪುರುಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿಯ ವಿಷಯವಾಗಿ ಬಹು ಅಭಿಮಾನದಿಂದ ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿಯ ಕುಸುರಿನ ನಕ್ಷೆ, ಚಿಕ್ಕಗಾತ್ರದಲ್ಲಿದ್ದರೂ ಅಲ್ಲಿಯ ಶಿಲಾಬಾಲಿಕೆ ನರ್ತಕಿಯರು, ವಾದ್ಯಗಾರರೂ, ಪಶುಪಕ್ಷಿಗಳು ಮುಂತಾದವುಗಳ ಬಗ್ಗೆ ವಿವರಿಸುತ್ತ ಒಂದು ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಮೈ ಮರೆಯುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರು ಅವುಗಳ ಮಾಟ, ಭಂಗಿ ಶಿಲ್ಪಕಾರನು ಕೆತ್ತಿದ ಮೂರ್ತಿಯ ಮೇಲಿನ ವಸ್ತ್ರ - ಒಡವೆಗಳ ಸೂಕ್ಷ್ಮತೆಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳುತ್ತಿದ್ದಂತೆ ನಾನೂ ಕನಸಿನ ಲೋಕಕ್ಕೆ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದೆ. ಆದರೆ ಆ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಆ ಮಂದಿರವನ್ನು

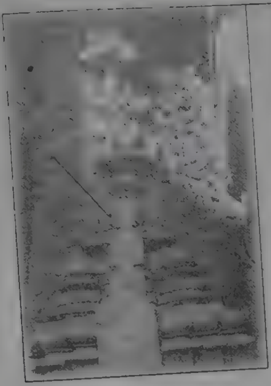

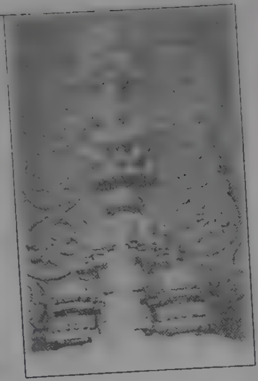

ಹೋಗಿ ನೋಡುವ ಭಾಗ್ಯ ನನ್ನದಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.
ಮುಂದೆ ಅರ್ಧ ಶತಮಾನವನ್ನೇ ದಾಟಿರಬೇಕು. ಇಷ್ಟು ದೀರ್ಘಕಾಲ ಕಳೆದರೂ ಗುಡಿಸಾಗರ
ಮಾಸ್ತರರು ಹಿಂದೆ ಹೇಳಿದ ಮಾತು ಸ್ಮೃತಿ ಪಟಲದಿಂದ ಅಳಿಸಿರಲಿಲ್ಲ. ಹಾವೇರಿಯಿಂದ ಆಗಡಿಗೆ
ಹೋಗುವಾಗ ಆ ನೆನಹುಗಳು ಭುಗ್ಗೆಂದು ಬರುತ್ತಿದ್ದವು. ಆದರೂ ಎಷ್ಟೋ ಕಾಲ ಗುಡಿಯವರೆಗೆ
ಹೋಗುವಾಗ ಆ ನೆನಹುಗಳು ಭುಗ್ಗೆಂದು ಬರುತ್ತಿದ್ದವು. ಒಮ್ಮೆ ಮುಂಬಯಿಯಿಂದ ಬರುವಾಗ ನಿರ್ಧಾರ ಮಾಡಿಯೇ
ಹೋಗುವ ತವಕವನ್ನೇ ತೋರಲಿಲ್ಲ. ಒಮ್ಮೆ ಮುಂಬಯಿಯಿಂದ ಬರುವಾಗ ನಿರ್ಧಾರ ಮಾಡಿಯೇ ತೀರುವದೆಂದು, ಸರಿ
ಹೊರಟೆ. ಈ ವಾಸ್ತವ್ಯದಲ್ಲಿ ಪುರಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿಯ ದರ್ಶನ ಮಾಡಿಯೇ ತೀರುವದೆಂದು, ಸರಿ
ಬಂದದ್ದೂ ಆಯಿತು. ಗುಡಿಗೆ ಹೋದದ್ದೂ ಆಯಿತು........
ಒಂದು ಪ್ರದಕ್ಷಿಣೆ ಹಾಕಿದೆ ಸುತ್ತುತ್ತಿದ್ದಂತೆಯೇ, ಅಯ್ಯೋ ಎಂತಹ ತಪ್ಪು ಮಾಡಿದೆನಲ್ಲ ಎಂದು
ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪ ಉಕ್ಕುಕ್ಕಿ ಬರತೊಡಗಿತು. ಈ ಶಿಲ್ಪ ಸೌಂದರ್ಯದ ಸೊಬಗನ್ನು ಅನುಭವಿಸಲು ಎಷ್ಟು
ವಿಳಂಬ ಮಾಡಿದೆನಲ್ಲ ಎಂಬುದೇ ಆ ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಕ್ಕೆ ಕಾರಣ, ನನ್ನ ಭಾವ ಇನ್ನು ತೀಕ್ಷ್ಣವಾಯಿತು.
ಗುಡಿಸಾಗರರು ಹೇಳಿದ ಮಾತಿನಲೆಲ್ಲ ಜೀವಕಳೆ ತುಂಬ ತೊಡಗಿತು. ನೃತ್ಯ ಬಾಲಿಕೆಯರು
ಕುಣಿಯತೊಡಗಿದರು. ಅವರ ನೂಪುರದ ಸದ್ದು ಪಸರಿಸಿತು. ವಾದ್ಯಗಳ ಝುಂಕಾರ ಕರ್ಣವನ್ನು
ತುಂಬಿದವು, ಸಂಗೀತದ ಸೊಬಗೇ ಸುತ್ತತೊಡಗಿತು. ವಾತಾವರಣವೆಲ್ಲ
ಸುಗಂಧಮಯವಾಯಿತು.......
ಕಣ್ಣು ಪಿಳುಕಿಸಿದಾಗ, ಸ್ವಪ್ನಲೋಕದಿಂದ ನಿಜ ಜೀವನಕ್ಕೆ ಮರಳಿದ್ದೆ, ನುಗು ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ.
ಅವನ್ನು ನೋಡಿ ವಿಷಾದಿಸುವದೊಂದೇ ಸರಳ ಮಾರ್ಗ.
ಪುರಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿಯು, ಹಾವೇರಿಯ ರೈಲು ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಬಸ್‌ಸ್ಟ್ಯಾಂಡಿಗೆ ಹೋಗುವ
ದಾರಿಯಲ್ಲಿ ಸ್ವಲ್ಪ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಎಡ ಬದಿಯಲ್ಲಿದೆ.

ಗೋಡೆ ಮತ್ತು ಪಾ ಕಾಲದಲ್ಲಿ [illegible] ಮೇಲಿದೆ. ಆ ಮೇಲೆ ಹೋಗಲು [illegible] ಕಾವಲುಗಾರನಿ[illegible] ಅಹುದು ಈಗ ಮಂದಿರವನ್ನು ಪ್ರಾಚ್ಯವಸ್ತು [illegible] ನೋಡುತ್ತಿರುವವರಿಂದ. ಕಸಗೂಡಿಸಿ ಸ್ವಚ್ಛ ಇಟ್ಟಿರುತ್ತಾರೆ. ಮೊನ್ನೆ ಮೊನ್ನೆ ನಾನು ಹೋದಾಗ್ಗೆ [illegible] ರಿಪೇರಿಯ ಕಾರ್ಯವೂ ನಡೆದಿತ್ತು. ಅದನ್ನು ಕಂಡು ನನಗೆ ಸಮಾಧಾನವಾಯಿತು. ಈ ಮಂದಿರ ಇನ್ನೂ ನಾಲ್ಕು ಶತಮಾನ ಬಾಳಬಹುದೆಂಬ ಭರವಸೆಯಾಯಿತು.

ಮಂದಿರದ ಒಳಗೆ ಭಾವಣಿಯಲ್ಲೂ ಮೂರ್ತಿಗಳಿವೆ. ಅಲ್ಲಿ ಕತ್ತಲು ಕವಿದಿತ್ತು. ಕಲ್ಲು ಕಪ್ಪು, ವಿದ್ಯುತ್ ದೀಪಗಳ ಅನಾನುಕೂಲತೆಯುಳ್ಳದ್ದರಿಂದ ಆ ಮೂರ್ತಿಗಳನ್ನು ನೋಡುವ ಭಾಗ್ಯ ನನ್ನದಾಗಿರಲಿಲ್ಲ. ಆದರೆ ಕೆಲ ಉತ್ತಮವಾದ ನೃತ್ಯಭಂಗಿಗಳೆಂಬ ಭಾಸವಾಯಿತು. ಇನ್ನೊಮ್ಮೆ ಹೋದಾಗ್ಗೆ ದೀಪಗಳ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಏನಾದರೂ ಇದ್ದರೆ ನೋಡಿ ಅವುಗಳ ಅಂದವನ್ನು ಅನುಭವಿಸಿ ನಿಮಗೂ ಅರುಹಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತೇನೆ.

**ಶಾಸನದ ಉಲ್ಲೇಖ**

ಹಾವೇರಿಯವರೇ ಆದ ಡಾ॥ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ರಿತ್ತಿಯವರ ಪ್ರಕಾರ ಈ ದೇವಸ್ಥಾನ ಯಾವಾಗ ನಿರ್ಮಾಣವಾಯಿತೆಂದು ಹೇಳುವದು ಅಶಕ್ಯವೆಂದಾದರೂ ಈ ದೇವಸ್ಥಾನದ ಬಗ್ಗೆ ತಿಳಿಯುವ ಶಿಲಾಶಾಸನವೆಂದರೆ ಕ್ರಿ.ಶ. ೧೧೦೮ ರ ಸುಮಾರದ್ದು. ಚಾಲುಕ್ಯ ಆರ್ಮಡಿ ವಿಕ್ರಮಾದಿತ್ಯನ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ್ದ 'ನಿಂಬ'ನೆಂಬ ಅಧಿಕಾರಿಯು ಈ ದೇವಸ್ಥಾನಕ್ಕೆ ಕೆಲ ದಾನ ಮಾಡಿದನೆಂಬ ಉಲ್ಲೇಖವಿದೆ ಎಂದು ಡಾ॥ ರಿತ್ತಿಯವರ ಅಭಿಪ್ರಾಯ.

ಇಲ್ಲಿಯೇ ಅಂದರೆ, ಆ ಊರಿನ ಆಸು-ಪಾಸಿನಲ್ಲಿಯ ಶಾಸನಗಳಲ್ಲಿ 'ಕಾಳಮುಖಿ' ಪಂಥಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ 'ಜ್ಞಾನರಾಶಿ' ಎಂಬ ಹೆಸರಿನ ಉಲ್ಲೇಖವಿದೆಯೆಂಬುದು ಸಂಶೋಧಕರ ಹೇಳಿಕೆ, ಅವರ ಹೇಳಿಕೆಯ ಪ್ರಕಾರ 'ಸ್ವಯಂಭು ಸಿದ್ಧನಾಥ' ದೇವರಿಗೆಂದು ಬಿಟ್ಟ ದತ್ತಿಯೊಂದನ್ನು ಇಲ್ಲಿಯ ಯತಿಗಳಿಗೆ ಒಪ್ಪಿಸಲಾಯಿತೆಂದು ಒಂದು ಶಾಸನ ಸಾರಿದೆ. ಆದರೆ ಇನ್ನೊಂದು ಶಾಸನದ ಪ್ರಕಾರ ಇವರು 'ರಾಜಗುರು' ಎಂಬ ಹೇಳಿಕೆ ಕಂಡು ಬರುತ್ತದೆ.

ಮಂದಿರದ ಗರ್ಭಗೃಹದಲ್ಲಿ ಜಟಾಗಡವಿದ್ದ ಮೂರ್ತಿಯೊಂದಿದೆ. ಅದು 'ಕಾಳಮುಖಿ' ಪಂಥಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ ಯತಿಯದೇ ಇರಬಹುದೇ ಎಂಬುದೊಂದು ಸಂದೇಹವೂ ಇದೆ!

'ಕಾಳಮುಖಿ' ಪಂಥೀಯರು ಕಾಶ್ಮೀರದ ಕಡೆಯಿಂದ ಬಂದವರೆಂಬುದೊಂದು ಊಹೆ. ಪಾಶುಪತ ಮಾರ್ಗದ ಲಕುಲೇಶನ ಅನುಯಾಯಿಗಳಿರಬೇಕೆಂಬ ತರ್ಕ, ಮಧ್ಯ ಕರ್ನಾಟಕದ ಧಾರ್ಮಿಕ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ಕಾಳಮುಖಿರ ಪಾತ್ರ ಎದ್ದು ಕಾಣುವಂತಹದು. ೧೨-೧೩ ನೇ ಶತಮಾನಗಳಲ್ಲಿ ಈ ಕಾಳಮುಖಿ ಪಂಥ ಇಲ್ಲಿ ಬಹು ಪ್ರಚಾರದಲ್ಲಿತ್ತೆಂದೂ, ಆಗ್ಗೆ ಕೆಲ ದೇವಾಲಯಗಳು ಇವರ ಧಾರ್ಮಿಕ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಕೇಂದ್ರಗಳಾಗಿದ್ದವೆಂಬುದು ತಜ್ಞರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ.

ಈ ಸಿದ್ದೇಶ್ವರ ದೇವಾಲಯಕ್ಕೆ 'ಪುರಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿ'ಯೆಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಈ ಮಂದಿರದ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ 'ಪುರ' ಎಂಬುದು ಪ್ರಚಾರದಲ್ಲಿದೆ. ಮಂದಿರದ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಹೆಸರು ಬಂದಿದೆಯೋ ಸ್ಥಳದಿಂದಾಗಿ ಮಂದಿರಕ್ಕೆ ಈ ಹೆಸರು ಬಂದಿದೆಯೋ ತಿಳಿಯದು.

**ದಂತ ಕಥೆ**

ತಜ್ಞರಿಂದ ಮೇಲಿನ ಅಭಿಪ್ರಾಯ ಮೂಡಿ ಬಂದಿದ್ದರೆ ಸ್ಥಳೀಯರ ದಂತಕತೆಯೇ ಬೇರೆಯಾಗಿದೆ.

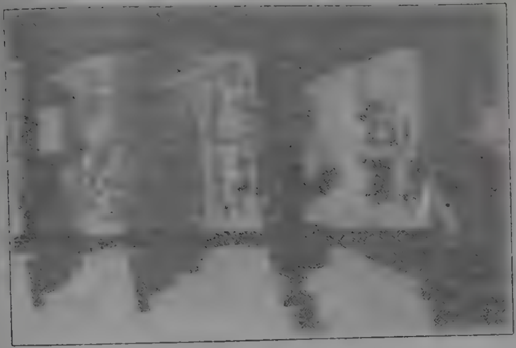

ಗರ್ಭಗುಡಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಭಾವಿಯಿದೆಯೆಂದು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಸಿದ್ದಪ್ಪನೆಂಬ ಭಾವಿಕನು ನಿತ್ಯ ಭಾವಿಯ ದಂಡೆಯ ಮೇಲೆ ಕುಳಿತು ನಿಷ್ಠೆಯಿಂದ ಶಿವಪೂಜೆ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದನಂತೆ. ಪೂಜೆಯಿಲ್ಲದೇ ಎಂದೂ ಆಹಾರ ಸ್ವೀಕರಿಸುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ. ಒಂದು ದಿನ ಪೂಜೆಯಲ್ಲಿ ಮಗ್ನನಾದಾಗ ಅದ್ಹೇಗೊ ಲಿಂಗವು ಜಾರಿ ಭಾವಿಯಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತು. ಅದನ್ನು ಶೋಧಿಸಿ ಮೇಲಕ್ಕೆ ತರುವ ಪ್ರಯತ್ನಗಳೆಲ್ಲ ಪ್ರಯೋಜನಕ್ಕೆ ಬರಲಿಲ್ಲ. ಲಿಂಗ ಸಿಕ್ಕದೆ, 'ಅನ್ನ ನೀರು' ಇಲ್ಲವೆಂಬುದು ಸಿದ್ದಪ್ಪನ ನಿರ್ಧಾರ. ದುರ್ದೈವ ಲಿಂಗ ಸಿಗಲಿಲ್ಲ. ಸಿದ್ದಪ್ಪ ಅನ್ನ ಮುಟ್ಟಲಿಲ್ಲ. ಹಾಗೆ ತಪಸ್ಸು ನಾಮಸ್ಮರಣೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಕುಳಿತ ಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಪ್ರಾಣ ದೇಹವನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಹೋದುದೇ ಜನಕ್ಕೆ ತಿಳಿಯಲಿಲ್ಲ......

ಸಿದ್ದಪ್ಪ ಇನ್ನಿಲ್ಲ ಎಂದು ಜನಕ್ಕೆ ತಿಳಿದಾಗ ಊರೆ ಬಂದು ಉತ್ಸವ ಮಾಡಿತು ನಮೋ ಎಂದರು, ಈಗ ಅಲ್ಲಿರುವ ಗದ್ದ ಜಟಾಧಾರಿಯ ಮೂರ್ತಿ ಸಿದ್ದಪ್ಪನದೆಂದೇ ಹೇಳುತ್ತಾರೆ.

ದಂತಕತೆ ಏನೇ ಹೇಳಲಿ ಇತಿಹಾಸದ ಹಿನ್ನೆಲೆ ಏನೇ ಇರಲಿ, ಮಂದಿರ ಚಿಕ್ಕದಾದರೂ ಕಟೆದಿರುವ ಮೂರ್ತಿಗಳು ಕಿರಿಯದಾದರೂ ಶಿಲ್ಪ ಮತ್ತು ಕುಶಲತೆಯ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಅವು ಉತ್ಕೃಷ್ಟವಾಗಿದೆ. ಶಿಲ್ಪಿಯ ನೈಪುಣ್ಯವನ್ನು ಸಾರಿ ಹೇಳುತ್ತದೆ. ಇಂಥ ಸೊಬಗಿನ ಸ್ಥಾನವನ್ನು ನೋಡದೇ ಹೋದರೆ ಜೀವನ ವ್ಯರ್ಥವೆನ್ನಬೇಕು!

ಅಂದಿನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಇಂಥ ಮಂದಿರಗಳೇ ಊರಿನ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳ ಕೇಂದ್ರ ಬಿಂದುವಾಗಿರುತ್ತಿದ್ದವು! ಈ ಮಾತನ್ನು ಡಿ. ವಿ. ಜಿ. ಯವರ ನುಡಿ ಸಮರ್ಥಿಸುತ್ತದೆ.

ಜೀವನ ಕೇಂದ್ರ

"......... ನಮ್ಮ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಸಾಹಿತ್ಯವನ್ನು ಬಿಟ್ಟರೆ ಜನರ ಅಂತರಂಗ ಚರಿತ್ರೆ ಮೂರ್ತಿಭವಿಸಿ ನಿಂತಿರುವದು ನಮ್ಮ ದೇವಾಲಯದ ಶಿಲ್ಪದಲ್ಲಿ, ಅದರಲ್ಲೂ ದಕ್ಷಿಣ ದೇವಾಲಯಗಳಲ್ಲಿ. ನಮ್ಮ ಪೂರ್ವಿಕರು ಮನುಷ್ಯ ಕೃತಿಗಳಲ್ಲಿ ಶಾಶ್ವತವಾಗಿರಬಹುದಾದ್ದೂ, ಹಾಗೆ ಇರಲರ್ಹವಾದದ್ದೂ ದೇವಮಂದಿರ ಒಂದೇ ಎಂದು ತಿಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದಂತೆ ಕಾಣುತ್ತದೆ. ಗುಡಿಯೇ ಜೀವನ ಕೇಂದ್ರ,

ಆಹಾರ, ನಿದ್ರೆ, ಉದ್ಯೋಗಗಳ ವೇಳೆ ಬಿಟ್ಟು ಮಿಕ್ಕೆಲ್ಲ ಹೊತ್ತನ್ನು ಗುಡಿಯ ಆವರಣದಲ್ಲಿಯೇ ಕಳೆಯುತ್ತಿದ್ದರು. ಅದೇ ಅವರ ಪಾಠಶಾಲೆ, ಅವರ ಚಾವಡಿ, ಅವರ ನ್ಯಾಯಸ್ಥಾನ. ಅಲ್ಲಿಯೇ ಪುರಾಣ ಶ್ರವಣ, ಸಂಗೀತ, ನರ್ತನ, ಅಲ್ಲಿಯೇ ಬಂಧು-ಮಿತ್ರರ ದರ್ಶನ ಊರಿನ ಯೋಗಕ್ಷೇಮ ವಿಚಾರ-ವಿನೋದ ಕಾಲಕ್ಷೇಪ, ಮಂಗಳಕಾರ್ಯ. ಹೀಗೆ ನಮ್ಮ ಪೂರ್ವಿಕರಿಗೆ ಮನೆಗಿಂತ ಮುಖ್ಯವಾದದ್ದು ದೇವಸ್ಥಾನ, ಸುಖದಲ್ಲಿ ಸುಕೃತಕ್ಕೂ ದುಃಖದಲ್ಲಿ ಧೈರ್ಯಕ್ಕೂ ಆಕರ ಭೂಮಿಯಾಗಿದ್ದುದು ದೇವಸನ್ನಿಧಿ''.

ಈ ಮಾತನ್ನು ಡಿ. ವಿ. ಜಿ. ಆಕಾಶವಾಣಿ ಭಾಷಣದಿಂದ ಎತ್ತಿ ವೆಂಕೋಬರಾಯರು ತಮ್ಮ ''ಮೈಸೂರು ದೇಶದ ವಾಸ್ತುಶಿಲ್ಪ'' ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಈ ಮಂದಿರ ಹಾವೇರಿ ನಗರಕ್ಕೆ ಒಂದು ಭೂಷಣವಾಗಿದೆ. ಪ್ರಾಚ್ಯವಾಸ್ತು ಖಾತೆಯವರ ಕಾವಲುಗಾರರಿಂದ ದಕ್ಷತೆಯಿದ್ದರೂ ಮಂದಿರದ ಸುತ್ತಮುತ್ತ ಸುಂದರ ಉದ್ಯಾನವನ್ನು ಬೆಳೆಸಿದರೆ ನಗರಕ್ಕೊಂದು ಆಕರ್ಷಣೀಯ ಸ್ಥಳವಾಗುತ್ತದೆ. ಹಾವೇರಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಸರ ಪ್ರೇಮಿಗಳೂ ಇದ್ದಾರೆ. Rotar Line ಸಂಘ ಕ್ಲಬ್ಬುಗಳೂ ಇವರೆಲ್ಲ ಸೇರಿ, ಮುನಸಿಪಾಲ್ಟಿ ಮತ್ತು ಪ್ರಾಚ್ಯವಸ್ತು ಖಾತೆಯಿಂದೊಡಗೂಡಿ ಈ ಕಾರ್ಯಮಾಡಬೇಕೆಂದರೆ ದೊಡ್ಡ ಮಾತೇನಲ್ಲ!

ಹಾವೇರಿ ಒಂದು ವ್ಯಾಪಾರೀ ಕೇಂದ್ರವೂ ಅಹುದು ಈಗೀಗ ಉದ್ದಿಮೆಗಳು ಬೆಳೆಯುತ್ತಲಿವೆ. ಈಗದು ಜಿಲ್ಲಾ ಕೇಂದ್ರ, ಹುಕ್ಕೇರಿಮಠದಂತಹ ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಕೇಂದ್ರಗಳು ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಮಾಡುವ ಕಾರ್ಯಗಮನಾರ್ಹ, ಸಿದ್ದಪ್ಪ ಹೊಸಮನಿಯಂತಹರ ಕರ್ಮಭೂಮಿ, ಮೈಲಾರ ಮಹದೇವರಂತಹರು ದೇಶಕ್ಕಾಗಿ ಬಲಿದಾನ ಮಾಡಿದ ನೆಲ.

ನಾಡಿನಲ್ಲಿಯೇ ವರ್ಷವಿಡೀ ಎತ್ತಿನ/ದನಗಳ ವ್ಯಾಪಾರ ನಡೆಯುವ ಕೇಂದ್ರ. ಇಂಥೆಲ್ಲ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ನಗರ ಭರಭರಾಟಿಯಿಂದ ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಸುಂದರವಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬೇಕು. ಪುರಸಿದ್ದಪ್ಪನ ಗುಡಿಯಂಥ ಮಂದಿರಗಳನ್ನು ಹುಡುಕಿ ಅಂದಗೊಳಿಸಬೇಕು, ಸುಂದರಮಾಡಬೇಕು. ಅವನ್ನು ನೋಡಿ ಜನ ಆಕರ್ಷಿತರಾಗಬೇಕು, ಈ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿಗಳು, ಜಿಲ್ಲಾ ಪಂಚಾಯಿತಿಗಳಿಗೂ ಬಹು ಜವಾಬ್ದಾರಿಯಿದೆ.

ಇಲ್ಲಿಯ ಹೆಗ್ಗೇರಿ ಕೆರೆಗೆ ವರ್ಷದ ಕೆಲ ಕಾಲ ಹೊರರಾಷ್ಟ್ರದಿಂದ ವಿಶಿಷ್ಟ ಪಕ್ಷಿಗಳು ವಲಸೆ ಬರುತ್ತವೆಂದು ಕೇಳಿದ್ದೇವೆ. ಅದು ನಿಜವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಅದನ್ನು ಬರುವ ಪಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ ಇನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಸೌಕರ್ಯಯುತವಾಗಿ ಮಾಡಬೇಕು ನಾಡಿನ ಪಕ್ಷಿಪ್ರಿಯರನ್ನು ಆಕರ್ಷಿಸಬೇಕು.

ಇದಕ್ಕೆಲ್ಲ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ - ಜನತೆಯ ಆಸ್ಥೆ ಮಾತ್ರ ಬೇಕು.

ಪಾಪಾನ್ನಿವಾರಯತಿ ಯೋಜಯತೆಹಿತಾಯ । ಗುಹ್ಯಂಚ ಗೂಹತಿ ಗುಣಾನ್ ಪ್ರಕಟೀಕರೋತಿ ॥
ಆಪದ್ಗ ತಂಚ ನ ಜಹಾತಿ ದದಾತಿ ಕಾಲೇ । ಸನ್ಮಿತ್ರಲಕ್ಷಣಮಿದಂ ಪ್ರವದಂತಿ ಸಂತಃ ॥

**ಭಾವಾರ್ಥ** - ಪಾಪಕರ್ಮಗಳನ್ನು ದೂರ ಮಾಡೋಣ, ಹಿತವನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸೋಣ, ಸದ್ಗುಣಗಳನ್ನು ವರ್ಣಿಸೋಣ, ದುರ್ಗುಣಗಳನ್ನು ಮುಚ್ಚಿಡೋಣ, ಸಂಪತ್ತಿನಲ್ಲಿಯೂ, ವಿಪತ್ತಿನಲ್ಲಿಯೂ ಒಂದೇಸವನೆ ಇರೋಣ - ಇವೆಲ್ಲ ಸನ್ಮಿತ್ರನ ಲಕ್ಷಣಗಳೆಂದು ಜಾಣರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ.


Sadbodha Chandrik. June 1999.

ನಕ್ಷತ್ರ ನಲಿಯುವ

ನೇತ್ರ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

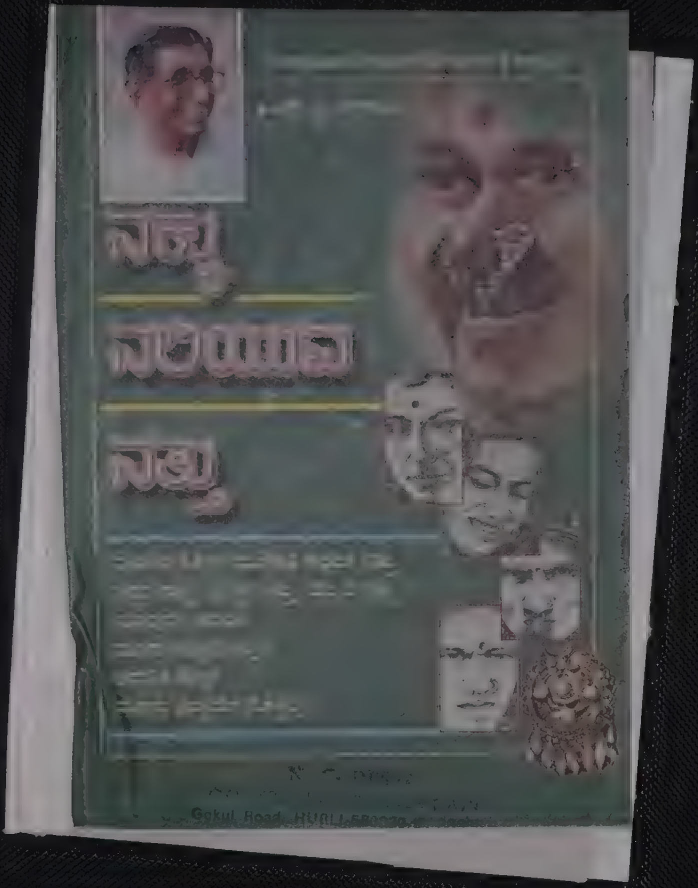
Gokul Road, HUBLI

ಪರದೇಶದವರಿಗೆ ಭಾರತ ಅತೀ ಆಕರ್ಷಣೀಯ ದೇಶ, ಹೌದು ಇಲ್ಲಿಯ ಅವಶೇಷ , ಇತಿಹಾಸ ಎಷ್ಟು ಆಕರ್ಷಣೀಯವೋ ಅಷ್ಟೇ ಈ ನೆಲದ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯೂ ಅವರನ್ನು ಎಳೆಯುತ್ತದೆ, ಕೈ ಮಾಡಿ ಕರೆಯುತ್ತದೆ, ದೇಶದುದ್ದಕ್ಕೂ ಭಾಷೆ , ವೇಷಭೂಷಣ, ವಸ್ತ್ರ ಒಡವೆ ಎಲ್ಲವೂ ವಿಭಿನ್ನ, ಪರದೇಶದವರನ್ನು ಬಿಡಿ, ನಾವೇ ನೂರಾರು ಮೈಲಿ ಪ್ರವಾಸ ಮಾಡಿದರೆ ಅಚ್ಚರಿಯಾಗುವಂತಹ ಬದಲಾವಣೆಯ ಅನುಭವ ನಮಗೇ ಆಗುತ್ತದೆ.

ಕೈಯಲ್ಲಿಯ ಕಡಗ, ತೋಳಲ್ಲಿಯ ವಂಕಿ, ಬೆರಳಲ್ಲಿಯ ಉಂಗುರ, ಕಿವಿಯಲ್ಲಿಯ ಓಲೆಗಳು, ಕೊರಳಲ್ಲಿಯ ಸರಗಳ ಬೆಡಗನ್ನಂತೂ ಹೇಳತೀರದು. ಇನ್ನು ಟೊಂಕದ ಪಟ್ಟಿ , ಕಾಲಗೆಜ್ಜೆ , ಕಾಲಗಡಗ ಇವುಗಳ ಬೆಡಗೂ ಅಷ್ಟೇ ವಿವಿಧ ಸರಪಳಿ, ಪೈಜಣ. ಹೀಗೆ ಹಿಂದಿನ ಬೆಡಗನ್ನು ನೆನೆಸುತ್ತಾ ಇಂದು ಪ್ರತಿ ಮಹಿಳೆಯೂ ಕಾಲಲ್ಲಿ ಚೈನನ್ನು ಧರಿಸಿಯೇ ಧರಿಸುತ್ತಾಳೆ. ಅದು

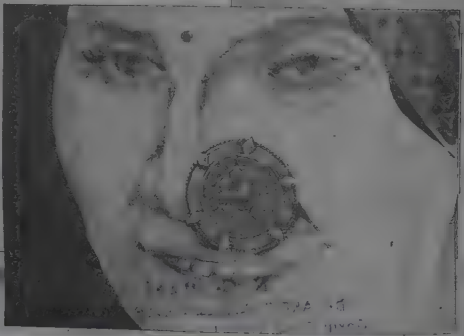

ಇಂದಿನ ಫ್ಯಾಶನ್ನಾಗಿ ಪರಿಣಮಿಸಿದೆ. ಪಂಜಾಬಿ ಸಲ್ವಾರ ಕಮೀಜ ದೇಶದ ಯುವತಿಯರ ಸಾಧಾರಣವಾದ (common) ತೊಡುಗೆಯಾಗಿದೆ, ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ 'ಇಡ್ಲಿ' ದೇಶದ ಉಪಹಾರ ಪದಾರ್ಥವಾಗಿ ಪರಿಣಮಿಸಿದಂತೆ.

ಇಷ್ಟು ವಸ್ತ್ರ ಒಡವೆಗಳಲ್ಲಿ ನಾಗರಿಕರ ಆಕಾರ ಅಲಂಕಾರ ಬೇರೆಯಿದ್ದಂತೆ. ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನರಲ್ಲಿ ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಜನರಲ್ಲಿ ಭಿನ್ನತೆಯನ್ನು ಕಾಣುತ್ತೇವೆ. ಉದಾಹರಣೆಗೆ 'ಲಂಬಾಣಿ'ಗಳ ವೇಷಭೂಷಣ ವಸ್ತ್ರ ಒಡವೆಯನ್ನು ಉದಾಹರಿಸಬಹುದು. ಇಂದು ನಾಗರಿಕತೆಯ ಸೆಳವಿಗೆ ಬಂದರೂ ಕೂಡ, ಮೂಲತಃ ಅವರು ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗಕ್ಕೆ ಸೇರಿದವರೇ.

ಈ ಬರೆಹದಲ್ಲಿ– ಉಳಿದ ವಸ್ತ್ರ ಒಡವೆಗಳಿಗೆ

ಒತ್ತು ಕೊಡದೆ 'ನತ್ತ'ನ್ನೇ ಮುಖ್ಯ ವಿಷಯವಾಗಿ ವಿವರಿಸುತ್ತೇನೆ. ಬಹುಶಃ ಇದಕ್ಕಿರುವಷ್ಟು ವೈವಿಧ್ಯವನ್ನು ನಾನು ಬೇರೆ ಯಾವುದರಲ್ಲೂ ಕಂಡಿಲ್ಲ. ಬರೀ ಅಲಂಕಾರ, ರೂಪದಲ್ಲಿಯ ವೈವಿಧ್ಯಕ್ಕಿಂತಲೂ ಇದಕ್ಕೆ ಧಾರ್ಮಿಕ ಹಿನ್ನೆಲೆಯೂ ಅಷ್ಟೇ ಮಹತ್ವದ್ದು. ಇದನ್ನು ಧರಿಸುವಲ್ಲಿ, ಸೌಭಾಗ್ಯದ -ಮಾಂಗಲ್ಯದ ಕುರುಹೂ ಅಡಕವಾಗಿದೆ. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಯುವತಿಯನ್ನು ನೀನು ಸೌಭಾಗ್ಯವತಿಯಾಗಿರು ಎಂದು ಹರಸುವಲ್ಲಿ ಮದುಮಗಳಿಗೆ ನಿನ್ನ

ಮೂಗುತಿ ಕೊನೆವರೆಗೂ "ಭದ್ರವಾಗಿರಲಿ" ಎಂದು ಹರಸುತ್ತಾರೆ. ಒಂದು ವೇಳೆ ದುರ್ದೈವದಿಂದ ವೈಧವ್ಯ ಕಂಡಳೋ ಮೂಗುತಿ ಮೂಗಿನಿಂದ ಇಳಿಯುತ್ತದೆ. ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಮಾಂಗಲ್ಯಕ್ಕೆ ಇದ್ದ ಪ್ರಾಧಾನ್ಯವೇ ಅಲ್ಲಿ ಈ ಮೂಗುತಿಗೆ. ಕೆಲವೆಡೆ ಈ ಭಾಗ್ಯ ಕೈಕಡಗಕ್ಕೆ - ಅದೇ ಮಾಂಗಲ್ಯದ ಪ್ರತೀಕ.

ಉತ್ತರ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಈ ಮೂಗುತಿಗೆ "ನತ್ತು" ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಅದಕ್ಕೊಂದು ವೈಶಿಷ್ಟ್ಯಮಯವಾದ ಆಕಾರವೂ ಉಂಟು. ಗ್ರಾಮೀಣ ಮಹಿಳೆ ಆ ನತ್ತನ್ನು ಧರಿಸುವಲ್ಲೇ ಅಭಿಮಾನ ಪಡುತ್ತಾಳೆ. ಇನ್ನು ಸುಸಂಸ್ಕೃತ ಮಹಿಳೆಯೆಂಬುವವಳು ಧರಿಸುವ ಮೂಗುಬೊಟ್ಟು ವಿವಿಧ ಆಕಾರ, ವಿವಿಧ ವಸ್ತು ಅಂದರೆ ಚಿನ್ನ, ಮುತ್ತು, ಹರಳು - ಹರಳು ವಿವಿಧ ವರ್ಣದಲ್ಲೂ ಇರಬಹುದು. ಆಕಾರ ಮತ್ತು ಅಳತೆಯಲ್ಲೂ ವೈವಿಧ್ಯವಾಗಿರಬಹುದು !

ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಹಾಗೂ ಉತ್ತರ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಈ ನತ್ತಿನ ಆಕಾರದ ವೈಶಿಷ್ಟ್ಯವೇ ಬೇರೆ. ಇದನ್ನು 'ಗಾಡೆ" ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಬ್ರಾಹ್ಮಣರು ಹಾಗೂ ಕೆಲ ಶ್ರೀಮಂತ ವರ್ಗದವರು ಇದನ್ನು ಮುಂಜಿವೆ, ಮದುವೆ ಹಾಗೂ ಪೂಜೆ ಪುನಸ್ಕಾರಗಳಂತಹ ಮಹತ್ವದ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರ ಧರಿಸುತ್ತಾರೆ.
ಅದನ್ನು ನಿರ್ಮಿಸುವಲ್ಲಿ ಭಾರಿ ಮೊತ್ತದ ಮುತ್ತು, ಹರಳು, ವಜ್ರ, ಹಾಗೂ ಹವಳಗಳನ್ನು ಕಲಿಸುವದುಂಟು. ಇವನ್ನು ಧರಿಸುವಾಗಿನ ಇನ್ನೊಂದು ವೈಶಿಷ್ಟ್ಯವೆಂದರೆ, ಧರಿಸುವ ಸುಹಾಸಿನಿ ಕಚ್ಚೆ ಸೀರೆಯನ್ನು ಧರಿಸುವದು ಸಾಮಾನ್ಯ. ಈ 'ಗಾಡೆ'ದ ಬಳಕೆ ಕುಗ್ಗುತ್ತಲಿದೆ.

ತುಳುನಾಡಿನ ಸ್ವಭಾವ ಕಂಡು
ಬರುವುದೆ ಹೆಚ್ಚು! ಮೇಲಿನ
ಮೂಗುತಿಯೇ ಎಲ್ಲಾ ಮಹಿಳೆಯರಿಗೆ
ಇಷ್ಟ. ಮೂಗಿನ ಎರಡು ಬದಿಯಲ್ಲೂ ಈ
ಮೂಗುತಿ ಅಲಂಕರಿಸಿರುವುದು.
ಆಕಾರದಲ್ಲೂ ದೊಡ್ಡದಾಗಿರುತ್ತದೆ.
ನಿಮ್ಮ ಊರಿನಲ್ಲಿ ಈ ಒಡವೆಗೆ ವೈವಿಧ್ಯ
ಕಡಿಮೆಯೇ ಅನ್ನಬೇಡಿ. ಆದರೆ
ದೂರದ ನಾಡುಗಳಲ್ಲಿ ಅದರಲ್ಲೂ ಉತ್ತರ
ಭಾರತದಲ್ಲಂತೂ ಈ ಒಡವೆಯ
ವೈವಿಧ್ಯವು ಬಣ್ಣ, ಗಾತ್ರಗಳಲ್ಲೂ
ಆಕೃತಿಗಳಲ್ಲೂ ಹೇಳತೀರದಷ್ಟು
ವೈವಿಧ್ಯಮಯ. ಒಂದು (ಮುಡಿ)
ಕಿರವಷ್ಟು ಆಕೃತಿಯ ನತ್ತೂ ಇರುತ್ತದೆ
ಎಂದರೆ ನಿಮಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯ ಆದೀತಲ್ಲವೇ ?

ಉತ್ತರ ಕರ್ನಾಟಕ ಕೆಲಕಾಲ ಪುಣೆಯ
ಪೇಶ್ವೆಯವರ ಆಳ್ವಿಕೆಯಲ್ಲಿದ್ದಾಗ ಅವರ
ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಭಾಷೆ, ವೇಷಭೂಷಣಗಳ
ಪ್ರಭಾವದಂತೆಯೇ ಈ 'ಗಾಡೆ'ಯ
ಪಾಡಿಕೆಯೂ ಆಗಿರಬೇಕು. ಅಷ್ಟೇಕೆ
ಮುಕ್ಕಾಲು ಶತಮಾನದ ಹಿಂದಿನಷ್ಟು
ಕಾಲದಲ್ಲೂ ಇಲ್ಲಿಯ ಜನ ತಮ್ಮ
'ದುಬುವಾತ'ನ್ನು ಮರಾಠಿ
(ಮೋಡಿ)ಯಲ್ಲಿಯೇ ಮಾಡುತಿದ್ದ
ನಿದರ್ಶನಗಳಿವೆ. ಚಿಕ್ಕ ಗಾತ್ರದ ನತ್ತಿಗೆ
"ಮೂಗುಬೊಟ್ಟು" ಎಂದು ಕರೆದರೆ ದೊಡ್ಡ
ಆಕೃತಿಯಲ್ಲಿದ್ದುದೇ "ಗಾಡೆ".
ಇನ್ನು ಮೈಸೂರು ಕಡೆ ಹೊರಳಿದರೆ, ಅಲ್ಲಿ

ಚಿತ್ರಗಳನ್ನು ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ವೀಕ್ಷಿಸಿದರೆ ನಿಮಗೇ ಆ ಮಾತು ಖಾತ್ರಿ ಆದೀತು. ಗಾತ್ರ ದೊಡ್ಡದಾದಷ್ಟು ನತ್ತಿನ ವಜನ ಹೆಚ್ಚಾಗುವುದೂ ಸಹಜ. ಅದು ಮೂಗಿನ ರಂಧ್ರದಲ್ಲಿ ತೂಗಾಡುವುದು ಕಷ್ಟ. ಅಂಥ ಪ್ರಸಂಗದಲ್ಲಿ ಬೇರೆ ಸರಪಳಿಗಳಿಂದ ಅದನ್ನು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಕೂದಲಿನ ಆಧಾರಕ್ಕೆ ತೂಗುಹಾಕುವುದು ಅನಿವಾರ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಮುಸ್ಲಿಮ್ ಬಾಂಧವರು ಕೂಡ ನತ್ತನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಾರೆ. ಆದರೆ ತೊಡುವ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವ್ಯತ್ಯಾಸವಿದೆ. ಮೂಗಿನ ಬಾಜುಕ್ಕೆ ಅದಕ್ಕಾಗಿ ರಂಧ್ರ ಇರುವುದಿಲ್ಲ. ಎರಡು ಹೊರಳೆಗಳ ನಡುವೆ ಅದು ಜೋತಾಡುತ್ತಿರುತ್ತದೆ. ಬಹುಶಃ ಅದಕ್ಕೆ 'ಬುಲಾಕ್' ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆಂಬ ಸಂದೇಹ ನನಗಿದೆ. ಹಿಂದೆ ನಮ್ಮ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಮುಸ್ಲಿಮ್ ರಾಜರ ಪ್ರಭಾವ ಹೆಚ್ಚಾಗಿದ್ದಾಗ ಕೆಲ ಹಿಂದು ಕುಟುಂಬದ ಯೌವ್ವನೆಯರೂ ಕೂಡ ಈ ಬುಲಾಕನ್ನು ಧರಿಸುತ್ತಿದ್ದರೆಂದು ನನ್ನ ಬಾಲ್ಯದ ನೆನಪುಗಳು ಹೇಳುತ್ತವೆ. ಅದಕ್ಕೆ ನಿದರ್ಶನವೆಂದರೆ ನನ್ನ ಸೋದರತ್ತೆಯವರು ಮದುವೆ ಮೊದಲು ಧರಿಸಿದ ಜ್ಞಾಪಕ ಮಂಜು ಮಂಜಾಗಿ ಉಳಿದಿದೆ.

ಭಾರತದ ಇನ್ನು ಕೆಲ ಮೂಲೆಗಳನ್ನು ತಿರುಗಿದರೆ ಅದು ಕೂಡ ಉತ್ತರ ಭಾರತದ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಅಡ್ಡಾಡಿದರೆ ಇನ್ನೂ ಹೆಚ್ಚಿನ ನತ್ತುಗಳ ಸ್ವರೂಪ ಕಂಡಾವು ಎಂಬುದಕ್ಕೆ ಸಂದೇಹವೇ ಕಾಣದು. ●

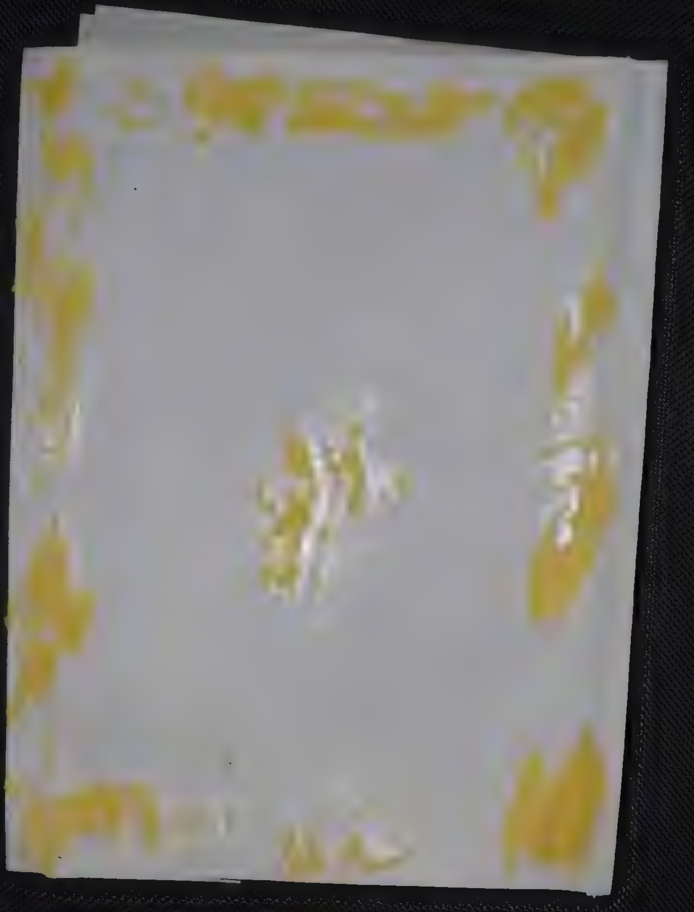

# ಕಸ್ತೂರಿ

ಮೇ-2002

# ಕಾಪಿ ಗಪಿಗಳು

ಚಿತ್ರ ಲೇಖನ ಎನ.ಕೆ.ಹೇಮಾಂಬಾ.

## ಬೌದ್ಧ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಬೆಳಕಿಂಡಿ

# ಕಾರ್ಲೆ ಗುಹೆಗಳು

ಚಿತ್ರ-ಲೇಖನ: ಎನ್.ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ

**ಕಾ**ರ್ಲೆ ಮುಂಬೈ ಪುಣೆ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿರುವ ಒಂದು ಸುಂದರ ಪ್ರಶಾಂತ ಹಳ್ಳಿ. ಬೌದ್ಧ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ವಾಸ್ತುಶಿಲ್ಪಕ್ಕೆ ಉಜ್ವಲ ನಿದರ್ಶನವಾಗಿರುವ ಅಲ್ಲಿರುವ ಗುಹೆಗಳಿಂದ ಕಾರ್ಲೆ ಭಾರತದಾದ್ಯಂತ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾಗಿವೆ. ಬೌದ್ಧಧರ್ಮದ ಹೀನಾಯಾನ ಹಾಗೂ ಮಹಾಯಾನ ಪಂಥದ ಬೌದ್ಧ ಸನ್ಯಾಸಿಗಳ ಆರಾಧನಾ ಸ್ಥಳವಾಗಿ ಈ ಗುಹೆಗಳು ಕ್ರಿ.ಶಕ ಆರಂಭದ ಎರಡು ಶತಮಾನಕ್ಕೂ ಹಿಂದೆ ನಿರ್ಮಾಣವಾದವು. ನಿಸರ್ಗ ನಿರ್ಮಿತ ಕಡಿದಾದ ಕಲ್ಲು ಬಂಡೆಗಳಲ್ಲಿ ಕೊರೆದ ಈ ಗುಹೆಗಳನ್ನು ಬೌದ್ಧ ಸನ್ಯಾಸಿಗಳು ಮಳೆಗಾಲದ ತಿಂಗಳುಗಳಲ್ಲಿ ಪೂಜೆ ಹಾಗೂ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಗೆ ಬಳಸುತ್ತಿದ್ದರು.

ಕಾರ್ಲೆಹಳ್ಳಿಯ ಉತ್ತರಕ್ಕೆ ಸುಮಾರು ಎರಡು ಮೈಲಿ ಅಂತರದಲ್ಲಿರುವ ಮೆಹಗಾಂವ್ ಹಳ್ಳಿಯ

ಸೆಠಿ ಭುತ್‌ಪಾಲನು ನಿರ್ಮಿಸಿದ ಶಿಲಾಭವನ

ಕಾರ್ಲೆಯ ಸ್ತೂಪ

ಸಮೀಪದಲ್ಲಿ ಈ ಗುಹೆಗಳಿವೆ. ಮೊದಲು ಬೌದ್ಧ ಧರ್ಮದ ಹೀನಾಯಾನ ಪಂಥದ ನಿಯಮಗಳ ಮೇರೆಗೆ ಇಲ್ಲಿ ಗುಹೆಗಳು ನಿರ್ಮಾಣವಾದವು. ಅವುಗಳನ್ನು ಅವರು 'ವಿಹಾರ' 'ಚೈತ್ಯ' ಎಂಬೆಲ್ಲ ಹೆಸರುಗಳಿಂದ ಕರೆಯುತ್ತಿದ್ದರು. ಚೈತ್ಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಗಾಗಿ ಸ್ತೂಪ ಇರುತ್ತಿತ್ತು.

ಮಹಾಯಾನ ಪಂಥದವರ ಗುಹೆಗಳಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯ ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಅವಲೋಕಿತೇಶ್ವರ ಬುದ್ಧನ ಮೂರ್ತಿಗೆ ಪ್ರಾಮುಖ್ಯ ನೀಡಲಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

ಹೀನಾಯಾನ ಪಂಥದವರು ನಿರ್ಮಿಸಿದ ಕಾರ್ಲೆಗುಹೆಗಳಲ್ಲಿ ಚೈತ್ಯಗಳು ಆಕರ್ಷಣೀಯ ಭಾಗವಾಗಿವೆ. ಈ ಚೈತ್ಯಗಳು ಬೃಹದಾಕಾರದ ಸ್ತಂಭಗಳಿಂದ ಕೂಡಿದ್ದು ಸುಂದರವಾದ ಅಲಂಕೃತ ಕೆತ್ತನೆಯಿಂದ ಕೂಡಿವೆ. ದ್ವಾರದ ಇಬ್ಬದಿಗಳಲ್ಲಿ ಕೆತ್ತನೆಯ ಕಿಟಕಿಗಳಿರುತ್ತಿದ್ದವು. ಸ್ತೂಪಗಳು ಕೊನೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಮಧ್ಯ ಭಾಗದಲ್ಲಿ ಅಲಂಕೃತವಾಗಿರುತ್ತಿದ್ದವು. ಚೈತ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ನಾಲ್ಕೂ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಮುಖಮಾಡಿದ ಸಿಂಹಮುಖಗಳನ್ನು ಹೊತ್ತ ಅಶೋಕ ಸ್ತಂಭವೂ ಇರುತ್ತಿತ್ತು.

ಕ್ರಿ.ಶಕ ಪೂರ್ವದ 3ನೇ ಶತಮಾನದಲ್ಲಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿ ಅಶೋಕ ಬೌದ್ಧಧರ್ಮದ ತತ್ವಗಳನ್ನು ಸಾರಲು ಆರಂಭಿಸಿದಾಗ ಬೌದ್ಧಧರ್ಮ ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತಕ್ಕೆ ಪ್ರವೇಶಿಸಿತು. ಈ ಉದ್ದೇಶದಿಂದಲೇ ಸಮ್ರಾಟ ಅಶೋಕನು ಬೌದ್ಧ ಸನ್ಯಾಸಿ 'ಧರ್ಮರಕ್ಷಿತಾ' ಎಂಬವನನ್ನು ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸಿದ. ಈ ರೀತಿಯ ಬೌದ್ಧಧರ್ಮ ಪ್ರಚಾರ 'ಅಪರಂತಾ' ಎಂದು ಹೆಸರಾಗಿತ್ತು. ಹಿಂದಿನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಪಶ್ಚಿಮಘಟ್ಟ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಶಖ ಹಾಗೂ ಪಾರ್ಥಿಯನ್ನರು ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ನೆಲಸಿದ್ದರು. ಇವರು ಪರದೇಶಗಳಿಂದ ವ್ಯಾಪಾರಕ್ಕಾಗಿ ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದಿದ್ದರು. ಹೀಗಾಗಿ ಇವರನ್ನು 'ಯವನರು' ಎಂದು ಸಂಭೋದಿಸುವ ಕ್ರಮವೂ ರೂಢಿಯಲ್ಲಿತ್ತು. ಅವರಲ್ಲಿ ಸೌರಾಷ್ಟ್ರದ ರಾಜ್ಯಪಾಲನಾಗಿದ್ದ 'ತುಷಾಸ್ತ' ಎಂಬವನೇ ಮುಖ್ಯಧರ್ಮ ಪ್ರಚಾರಕನಾಗಿದ್ದ.

## ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾರ್ಗಗಳ ಮಹತ್ವ

ಕ್ರಿಸ್ತಶಕ ಪೂರ್ವದಲ್ಲಿ ಪಶ್ಚಿಮಘಟ್ಟ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಎರಡು ಬಂದರುಗಳು ಕಾರ್ಯನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿದ್ದವು. ಒಂದು ಭರೂಚ (ಹಿಂದಿನ ಭರುಕಚ್ಛಾ) ಎರಡನೆಯದು ಸೋಪಾರಾ. (ಹಿಂದಿನ ಸುರಪಾರಕ) ಈ ಎರಡು ಬಂದರುಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಹಿಡಿತದಲ್ಲಿಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಲು ಸಾತವಾಹನರು, ಕ್ಷತ್ರಪರು ಕಚ್ಚಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಹೊರಗಿನಿಂದ ಬರುತ್ತಿದ್ದ ಹಡಗುಗಳ ದಾರಿ ತಪ್ಪಿಸಿ ಕಚ್ಛ ಹಾಗೂ ಭರೂಚದ ಕೊಲ್ಲಿಯೆಡೆಗೆ ಕಳುಹಿಸುವ ಕುತಂತ್ರವನ್ನೂ ಮಾಡಿದ್ದುಂಟು.

ಸೊಪಾರದ ಕೊಲ್ಲಿಯಲ್ಲಿ (ಸಮುದ್ರದ ಹಿನ್ನೀರು) ಎರಡು ಮಹತ್ವದ ಬಂದರುಗಳಿದ್ದವು. ಕಲ್ಯಾಣ ಮತ್ತು ಚೆವುಲ. ಕಲ್ಯಾಣ ಬಂದರು ವರೆಗೆ ಚಿಕ್ಕ ಹಡಗುಗಳು ತಲುಪುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಇದ್ದಿತು. ಮುಂಬಯಿಯಿಂದ ಉತ್ತರಕ್ಕೆ 30 ಮೈಲಿ ದೂರದಲ್ಲಿರುವ ಕಾನ್ಹೇರಿ ಗುಹೆಗಳಲ್ಲಿ ಈ ವಿಷಯವನ್ನು ಅರುಹುವ ಶಿಲಾಶಾಸನವಿದೆ.

ಅಂದು ಮೂರು ಪ್ರಮುಖ ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾರ್ಗಗಳಲ್ಲಿ ಸರಕುಗಳ ಸಾಗಾಣಿಕೆ ನಡೆಯುತ್ತಿತ್ತು. ಮುಂಬಯಿ ಆಗ್ರ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ತಲಘಾಟವನ್ನು ನಾಶಿಕ ಮತ್ತು ಔರಂಗಬಾದ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಸಾಂಚಿಯನ್ನು, ಮುಂಬೈ ಪುಣೆ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿಯ ಬೋರಘಾಟನ್ನು ದಾಟಿ ತೇರ, ಉಸ್ಮಾನಾಬಾದ್ ಹಾಗೂ ಮರಾಠ

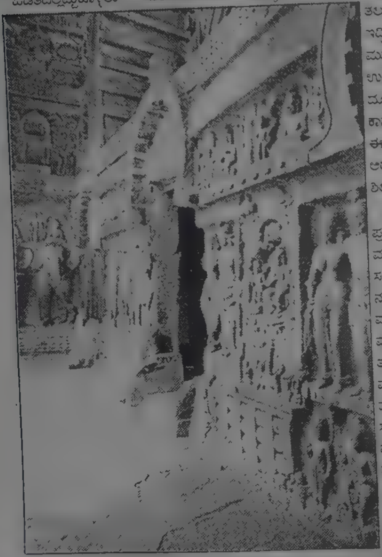

ಗಜ ಮತ್ತು ಮಿಥುನ ಕೆತ್ತನೆಗಳು

ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಾರಿಗೆ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಇದ್ದಿತು. ಈ ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾರ್ಗಗಳ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯಿಂದಾಗಿ ಈ ಭಾಗದಲ್ಲಿ ಬೌದ್ಧ ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಮಂದಿರಗಳು ನಿರ್ಮಾಣವಾದವು.

ಕಾರ್ಲೆ ಗುಹೆಯ ಚೈತ್ಯಗಳು ಭವ್ಯವಾಗಿವೆ. ಶಿಲ್ಪಕಲಾ ಸೌಂದರ್ಯಕ್ಕೂ ಅವು ಹೆಸರಾಗಿವೆ. ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಚೈತ್ಯದ ಮುಂಭಾಗದಲ್ಲಿ ಹದಿನೈದು ಅಡಿ ಉದ್ದ ಹಾಗೂ ಐವತ್ತೆರಡು ಅಡಿ ಅಗಲವಿರುವ ವಿಶಾಲ ಮೈದಾನವಿದೆ. ಇದರ ಮುಂಭಾಗದಲ್ಲಿ ಮಿಥುನ ಹಾಗೂ ಆನೆಯ ಶಿಲ್ಪಗಳಿವೆ. ಬೌದ್ಧ ಸನ್ಯಾಸಿಗಳು ಧನಸಹಾಯ ಮಾಡಿ ಇವುಗಳನ್ನು ನಿರ್ಮಿಸಿದರೆಂದು ಪ್ರತೀತಿ ಇದೆ.

ಸ್ತ್ರೀ ವಿಗ್ರಹಗಳ ಕೇಶಾಲಂಕಾರ ಬೆಡಗು

ವಿಶಾಲವಾದ ಚೈತ್ಯದ ಸೂರುಗಳು ಕಮಾನುಗಳನ್ನು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಕಾಷ್ಠದಿಂದ ತಯಾರಿಸಲಾಗಿದೆ. 'ಧೇನುಕಾಕಾ'ದಿಂದ ಬಂದ ಬಡಿಗರು ಅದನ್ನು ತಯಾರಿಸಿದರೆಂಬ ಉಲ್ಲೇಖಗಳೂ ಇವೆ. ಕೆಲವು ಮುಖದರ್ಶನದ ಭಿತ್ತಿಕೆತ್ತನೆಗಳು ನಾಲ್ಕು ಅಂತಸ್ತುಗಳಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗಿದ್ದು ಮೂರ್ತಿಗಳನ್ನಿರಿಸಲು ಮಾಡಗಳು ನಿರ್ಮಾಣವಾಗಿವೆ. ಗುಹೆಯ ಒಳಗಡೆ

ಯಥೇಚ್ಛ ಬೆಳಕು ಹರಿಯಲು ಕಿಟಕಿಗಳನ್ನು ನಿರ್ಮಿಸಲಾಗಿದೆ.

### ಅತಿದೊಡ್ಡ ಚೈತ್ಯ

ಕಾರ್ಲೆಯ ಅತಿದೊಡ್ಡ ಚೈತ್ಯವು 124 ಅಡಿ 3 ಅಂಗುಲ ಉದ್ದವಿದ್ದು 45 ಅಡಿ 6 ಅಂಗುಲ ಅಗಲವಿದೆ. ಮಧ್ಯಭಾಗದ ಸೂರಿನ ಎತ್ತರ 46 ಅಡಿ ಇದೆ. ಈ ಚೈತ್ಯದಲ್ಲಿ ಕಮಾನಿನಾಕಾರದ ಜಂತಿಗಳನ್ನು ಕಾಷ್ಠದಿಂದಲೇ ನಿರ್ಮಿಸಲಾಗಿದೆ. ಕಾಷ್ಠದ ಜಂತಿಗಳು ಶಿಲಾಸ್ತಂಭಗಳಿಗೆ ಆಧಾರವಾಗಿವೆ. ಒಟ್ಟು 37 ಸ್ತಂಭಗಳು ಈ ಚೈತ್ಯದಲ್ಲಿವೆ.

ಕಾರ್ಲೆಯ ಸ್ತೂಪಗಳ ಅಲಂಕೃತ ಪಟ್ಟಿಗಳು ಹಾಗೂ ಮೇಲಿನ ಛತ್ರಿ ಸಾಂಚಿಯ ಸ್ತೂಪವನ್ನು ಹೋಲುತ್ತವೆ.

ಸ್ತೂಪಗಳ ಮೇಲೆ ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕು ಧಾರಾಳವಾಗಿ ಬೀಳುವಂತೆ ಮಾಡಿರುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನು ನೋಡಿದಾಗ ಅಂದಿನಕಾಲದ ವಾಸ್ತುತಜ್ಞರ ಎಂಜಿನಿಯರಿಂಗ್ ಚಾತುರ್ಯ ವಿಸ್ಮಯಗೊಳಿಸುತ್ತದೆ.

ಚೈತ್ಯದ ಎತ್ತರದ ಕಾಷ್ಠ ಜಂತಿಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿದ ಛತ್ತು

ಬೆಟ್ಟದ ಮೇಲಿನ ಬಂಡೆಯಲ್ಲಿ ಕೊರೆದ ಕಾರ್ಲೆಯ ಚೈತ್ಯಗುಹೆಗಳು ವ್ಯಾಪಾರಿ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿದ್ದ ಕಾರಣ ಅವುಗಳ ನಿರ್ಮಾಣಕ್ಕೆ ದಾನಿಗಳು ಸುಲಭವಾಗಿ ದೊರೆತರು. 'ಧೇನುಕಾಕಾ'ದ ಯವನರು ಈ ದಿಶೆಯಲ್ಲಿ ಉಪಯುಕ್ತ ಕಾರ್ಯ ಮಾಡಿದರೆಂದು ಗುಹೆಯಲ್ಲಿರುವ ಕೆಲವು ಶಾಸನಗಳು ಹೇಳುತ್ತವೆ. ಆದರೆ

ಧೇನುಕಾಕಾ ಎಲ್ಲಿತ್ತು ಎಂಬುದು ಇಂದಿಗೂ ನಿಗೂಢ ಒಗಟಾಗಿದೆ.

ಕಾರ್ಲೆಯ ಗುಹೆಗಳ ಒಳಗೆ ಬಂಡೆಗಳಲ್ಲಿ ಸ್ತ್ರೀ ಪುರುಷರ ವಿವಿಧ ಅಂಗಭಂಗಿಗಳನ್ನು ವರ್ಣಿಸುವ ಮಿಥುನ ಶಿಲ್ಪಗಳಿವೆ. ಗಾತ್ರದಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡದಾಗಿರುವ ಈ ಶಿಲ್ಪಗಳ ವೇಷಭೂಷಣ, ಒಡವೆಗಳ ಸ್ವರೂಪ, ಮೈಮಾಟ ವೈವಿಧ್ಯಮಯವಾಗಿವೆ. ಸೌಂದರ್ಯದಲ್ಲಿ, ಗಾಂಭೀರ್ಯದಲ್ಲಿ ಅವು ಮಥುರಾದಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಯಕ್ಷಿಯರಿಗಿಂತಲೂ ಮಿಗಿಲಾಗಿವೆ ಎಂದು ಕಲಾವಿಮರ್ಶಕರು ಅಭಿಪ್ರಾಯಪಡುತ್ತಾರೆ.

ಚೈತ್ಯದ ಕಂಬಗಳ ಮೇಲೆ ಗಜ-ಮಿಥುನ ವಿಗ್ರಹಗಳು.

ಕಾರ್ಲೆಯ ಚೈತ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಬೃಹದಾಕಾರದ ಕಲಾತ್ಮಕ ಶಿಲ್ಪಗಳ ಕೆತ್ತನೆ ಇದ್ದರೂ ಬುದ್ಧನ ಪ್ರತಿಮೆ ಮಾತ್ರ ಎಲ್ಲಿಯೂ ಎದ್ದು ಕಾಣಿಸುವುದಿಲ್ಲ, ಒಂದು ಕಡೆ ಮಾತ್ರ ಬುದ್ಧನ ಚಿಕ್ಕ ಮೂರ್ತಿ ಇದೆ. ಕಾರ್ಲೆಯ ಚೈತ್ಯಗಳ ಕೆತ್ತನೆಯ ಪ್ರಾರಂಭದ ಕಾಲಘಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಬುದ್ಧನ ಮೂರ್ತಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ವಿಶೇಷ ಮಹತ್ವ ನೀಡಿದಂತೆ ಕಾಣುವುದಿಲ್ಲ. ನಾಲ್ಕನೇ ಶತಮಾನದ ನಂತರ ಮಹಾಯಾನ ಪಂಥದವರು ಚೈತ್ಯಗಳ ನಿರ್ಮಾಣ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತಿ ವಹಿಸಿದ ನಂತರ ಬುದ್ಧನ ಮೂರ್ತಿಗಳ ನಿರ್ಮಾಣಕ್ಕೆ ಮಹತ್ವ ದೊರೆತದ್ದು ಕಾಣುತ್ತದೆ.

# ಹೀಗಿದ್ದರು ಸರ್ ಸಿ.ಪಿ. ರಾಮಸ್ವಾಮಿ ಅಯ್ಯರ್

ಟೀಕಲ್ ಗೋಪಾಲಕೃಷ್ಣ

1953 ರಲ್ಲಿ ನಾನು ಬೆಂಗಳೂರು ಸೆಂಟ್ರಲ್ ಕಾಲೇಜಿನಲ್ಲಿ ಬಿ.ಎಸ್ಸಿ ಓದುತ್ತಿದ್ದಾಗ ಒಮ್ಮೆ ಸರ್ ಸಿ.ಪಿ. ಯವರು ಭಾಷಣ ಮಾಡಲು ಬಂದಿದ್ದರು. ಜಮ್ ಎಂದು ಮುಕ್ಕಾಲು ಗಂಟೆ ಇಂಗ್ಲೀಷಿನಲ್ಲಿ ಭಾಷಣ ಮಾಡಿ ಕುಳಿತಾಗ ನಿಶ್ಯಬ್ಧವಾಗಿದ್ದ ಆ ದೊಡ್ಡ ಹಾಲಲ್ಲಿ ಕರತಾಡನ ಐದು ನಿಮಿಷಗಳ ವರೆಗೆ ನಿಲ್ಲಲಿಲ್ಲ.

ಒಳ್ಳೆಯ ಆಜಾನು ಬಾಹು. ಕ್ಲೋಸ್ ಕಾಲರ್ ಕೋಟು, ಪ್ಯಾಂಟು, ಬೂಟು, ತಲೆಯ ಮೇಲೆ ಬಿಳಿ ಪೇಟ, ಕನ್ನಡಕ. ಆ ಮುದಿ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲೂ ಮುಖದ ಮೇಲೆ ವರ್ಚಸ್ಸು ಎದ್ದು ಕಾಣುತ್ತಿತ್ತು.

ಆಧುನಿಕ ಭಾರತದ ನಿರ್ಮಾಪಕರಾದ ತಿಲಕ್, ಗೋಖಲೆ, ಸಿ.ಆರ್. ದಾಸ, ಗಾಂಧಿ, ನೆಹರು, ಸರೋಜಿನಿ ನಾಯ್ಡು, ಸರ್ ಎಂ. ವಿಶ್ವೇಶ್ವರಯ್ಯ ಅವರ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ಸರ್ ಸಿ.ಪಿ. ರಾಮಸ್ವಾಮಿ ಅಯ್ಯರ್‌ರವರ ಹೆಸರೂ ಅಮರವಾಗಿದೆ.

ಅವರು ಹತ್ತು ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ತಿರುವಾಂಕೂರಿನಲ್ಲಿ ದಿವಾನರಾಗಿದ್ದರು. ಆಗ ಅವರು ಕಡ್ಡಾಯ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಜಾರಿಗೆ ತಂದರು. ಆಗಿನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ದಲಿತರಿಗೆ ದೇವಸ್ಥಾನಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶ ನೀಡಬೇಕೆಂದು ಆಜ್ಞೆ ಮಾಡಿದ ಸಾಹಸಿ ಅವರು. ಅವರ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ನದಿಗಳಿಗೆ ಕಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಲಾಯಿತು. ಗೊಬ್ಬರದ ಕಾರ್ಖಾನೆ ನಿರ್ಮಾಣವಾಯಿತು. ಕಾಲುವೆಗಳು ಆದವು. ವಿದ್ಯುಚ್ಛಕ್ತಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ರೂಪಿಸಲಾಯಿತು.

ಸಿ.ಪಿ. ರಾಮಸ್ವಾಮಿ ಅಯ್ಯರ್ ವೈಸ್‌ರಾಯರ ಎಕ್ಸಿಕ್ಯುಟಿವ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್ ಸದಸ್ಯರಾಗಿದ್ದರು. ಆನಿಬೆಸೆಂಟರ ಸ್ನೇಹಿತರಾಗಿದ್ದರು. ಮೋತಿಲಾಲ್ ನೆಹರುರವರಿಗೆ ಕಾನೂನು ಸಲಹೆಗಾರರು ಆಗಿದ್ದರು. ಮೂರು ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯಗಳಿಗೆ ಉಪಕುಲಪತಿ ಆಗಿದ್ದರು. ಲಂಡನ್‌ನಲ್ಲಿ ಜರುಗಿದ ಮೂರನೇ ಚಕ್ರಗೋಷ್ಠಿಯಲ್ಲಿ ಭಾರತದ ಪ್ರತಿನಿಧಿಯಾಗಿ ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದರು.

ಒಮ್ಮೆ ಸರ್ ಸಿ.ಪಿ. ಪಂಜಾಬ್ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದ ಕಾನ್ವೋಕೇಷನ್ ಭಾಷಣ ಮಾಡಲು ಲಾಹೋರಿಗೆ ಹೋಗಿದ್ದಾಗ ಅಲ್ಲಿ ನೆರೆದಿದ್ದವರನ್ನು ತಮ್ಮ ಇಂಗ್ಲೀಷ್ ವಾಗ್ವೈಖರಿಯಿಂದ ಮಂತ್ರ ಮುಗ್ಧರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿದರಂತೆ, ಅವರು ಹಾಸ್ಯ ಪ್ರವೃತ್ತಿಯವರೂ ಆಗಿದ್ದರು. ಆಂಗ್ಲ ಹೆಂಗಸರು ತಮ್ಮನ್ನು ದಿವಾನ್ ಎಂದು ಕರೆಯಲು ಬಾರದೆ, ಡಿಯರ್ ವನ್ ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ ಎಂದು ತಮಾಷೆಯಾಗಿ ನುಡಿದು ಎಲ್ಲರನ್ನು ನಗೆಯ ಹೊಳೆಯಲ್ಲಿ ತೇಲಿಸಿದರಂತೆ, ಸರ್ ಸಿ.ಪಿ. ಅವರ ಮಗಳ ಹೆಸರು ನಂದಿತ ಕೃಷ್ಣ. ಚೆನ್ನೈನಲ್ಲಿ ಗ್ರೋವ್ ಎಂಬ ಇವರ ತಾತನ ಬಂಗಲೆಯಲ್ಲಿ ನೆಲಸಿದ್ದಾರೆ. ನಂದಿತ ಕೂಡ ಅನೇಕ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಬರೆದಿದ್ದಾಳೆ.

ಸರ್. ಸಿ.ಪಿ. 1879 ರಲ್ಲಿ ದೀಪಾವಳಿಯ ಶುಭದಿನದಂದು ಜನಿಸಿದರು. ಬಾಲ್ಯದ ದಿನಗಳಿಂದಲೇ ಎಲ್ಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆಗಳಲ್ಲೂ ಮೊದಲ ಶ್ರೇಣಿಯಲ್ಲಿ ತೇರ್ಗಡೆಯಾಗುತ್ತಿದ್ದುದರಿಂದ

# ಶಿಲ್ಪಾಚಾರ್ಯರ
# ಕೆತ್ತಲಂಕಾರ

ಒಬ್ಬೊಬ್ಬರದೂ
ಒಂದೊಂದು ಭಂಗಿ.
ಒಂದೊಂದು ಶೈಲಿ.
ಶಿಲ್ಪಿಯ ಕಲೆಯಲ್ಲಿ
ಕಲ್ಲು ಕೇಶವಾದ ಬಗೆ.

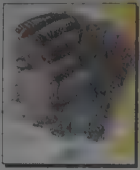

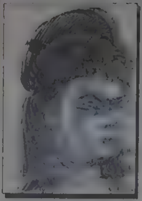

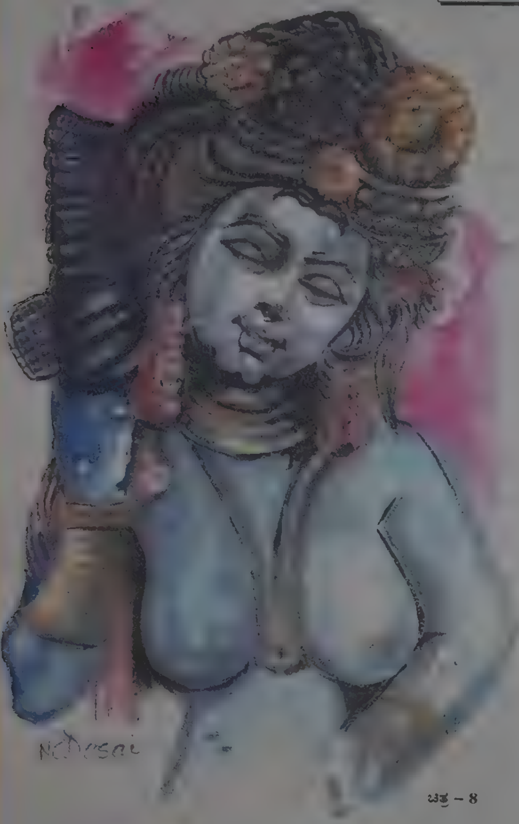

ಚಿತ್ರ – 8

ಸೌಂದರ್ಯ ಪ್ರಜ್ಞೆ, ಶೃಂಗಾರ ದೃಷ್ಟಿ ನಮ್ಮ ಪ್ರಾಚೀನ ಭಾರತದ ಶಿಲ್ಪಿಗಳಲ್ಲಿದ್ದಷ್ಟು ಮತ್ತಾರಿಗೂ ಇರಲಿಲ್ಲವೆಂದೆನಿಸುತ್ತದೆ! ಅದಕ್ಕೆ ಅಂದು ಅವರು ನಿರ್ಮಿಸಿದ ಶಿಲಾದೇಗುಲಗಳು, ಕಲೆಯ ಗಿರಿಗಳೇ ಸಾಕ್ಷಿ ಎನ್ನಬೇಕು. ಅಹುದು. ಅವು ಕಲೆಯ ಗಿರಿಗಳು, ಕುಶಲತೆಯ ಪರ್ವತಗಳು! ಅದರಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿತವಾದ ಒಂದೊಂದು ಶಿಲೆಯೂ ಕುಶಲತೆಯ ತುಂಡುಗಳು!

ಆಯಾಯ ರಾಜರ ಕಾಲಕ್ಕೆ ನಿರ್ಮಿತವಾದ ಶಿಲಾ ಮಂದಿರಗಳ ಶೈಲಿ, ನಿರ್ಮಿಸುವ ತಂತ್ರ, ಶಿಲ್ಪಿಯ ಚಾತುರ್ಯ, ಭಿನ್ನವಾಗಿರಬೇಕು. ಆದರೆ ಆ ನಿರ್ಮಿತಿಯಲ್ಲಿ ಅಡಕವಾದ ಕಲಾಕೌಶಲ್ಯದ ಆಳವನ್ನು, ಅಳೆಯಲು ಅಸಾಧ್ಯವಾದುದು.

ಬೇಲೂರಿನ ಶಿಲಾಬಾಲಿಕೆಯರು, ಅವರ ಮೈಮಾಟ, ನಿಲ್ಲುವ ಭಂಗಿ, ಅದೆಂತಹ ಆಭರಣಗಳು, ಉಡುಪಿನ ಸೊಬಗು. ಹೇಳತೀರದು. ನೋಡಿ ವರ್ಣಿಸಲಸಾಧ್ಯ!– ಆಭರಣಗಳ ಒಂದೊಂದೇ ವಸ್ತುವನ್ನು ವಿಂಗಡಿಸಿದರೂ,

# ಶಿಲಾಬಾಲಿಕೆಯರ ಕೇಶಾಲಂಕಾರ

ಚಿತ್ರ-ಬರಹ: ಎಸ್.ಪಿ. ದೇಸಾಯಿ

ಗಾಪಿಕಾ ಶಿಲ್ಪದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಾಣವಾದ ಬಗೆ. ಅವುಗಳನ್ನು ಕಲ್ಪಿಸಿದ ರೀತಿಯನ್ನು ಮನದಲ್ಲಿ ತಂದರೆ, ಆ ಶಿಲ್ಪಿಗಳಿಗೆ, ನರ್ತಕಿಯರಿಗೆ ಅದೆಂತಹ ಕಲ್ಪನಾಶಕ್ತಿ ಇತ್ತು ಎಂದು ಅಚ್ಚರಿಯಾಗುತ್ತದೆ.

ಕಾಲುಗಳ ಸರಪಳಿಯನ್ನೇ ತೊಡಿಕೊಂಡರೂ ಒಂದು ಕಾಲಿನಲ್ಲಿದ್ದುದು ಇನ್ನೊಂದು ಕಾಲಿನಲ್ಲಿಲ್ಲದ ನಕ್ಷೆ. ಅದೇ ಹಾರ, ಕೈಗಳ ನಕ್ಷೆ. ಬಂಗಾರದ ಬಂಗೂ ಅಷ್ಟೆ ಮೂಗುತಿಯ ವಿನ್ಯಾಸವೂ ಹಾಗೆ, ಕರ್ಣಕುಂಡಲದ ರೀತಿಗಳು ವರ್ಣನಾತೀತ! ಇನ್ನು ಕೇಶದಲ್ಲಿ ಸಿಕ್ಕಿಸುವ ಪುಷ್ಪದ ಪುಷ್ಪಗಳು. ಮನವನ್ನು ಸೂರೆಗೊಳ್ಳುವಂತಹವು!

ಕೊರಳನ್ನು ಅಲಂಕರಿಸುವ ಸರ, ಪದಕ, ಗುಂಡುಗಳ ವೈವಿಧ್ಯಮಯ ನಕ್ಷೆಗಳಗಂತೂ ಲೆಕ್ಕವೇ ಇಲ್ಲ. ಅವುಗಳ ಮಧ್ಯೆ ನೇತಾಡುವ ಪದಕಗಳ ಹಾಡುವ ಪದಗಳ ರಾಗ ವಿವಿಧ. ತಾಳಗಳು ಸೂರೆಂಟು ರಟ್ಟೆಗೆ ಕಟ್ಟುವ ಪಟ್ಟಿಯ ನಕ್ಷೆಯೂ ಅಷ್ಟೇ ವೈವಿಧ್ಯಮಯ. ಇನ್ನು ನಡುವನ್ನು ಸುತ್ತುವ ಅಲಂಕಾರಿಕ ವಸ್ತುಗಳ ನಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ವೀಕ್ಷಿಸಿದರೆ ನೋಡುತ್ತಲೇ ಬಳಲುತ್ತೇವೆ! ಹೀಗೆ ಹಿಂದಿನ ಕಲಾವಿದರ ಕಲೆಯ ಶೈಲಿ ಅದನ್ನು ಶಿಲೆಯುವ ಶಿಲ್ಪಿಗಳನ್ನು ನೆನವಾಗ, ಒಮ್ಮೆಲೆ ನನ್ನ ಮನಸ್ಸು ಅವರ ಕೇಶಾಲಂಕಾರದ ಕಡೆಗೆ ಹೊರಳಿತು. ಅದನ್ನೇ ಮುಖ್ಯ ವಿಷಯವನ್ನಾಗಿ ನೋಡುವ ಮನಸ್ಸಾಯಿತು. ಆದುದು, ಅದನ್ನು ಬಿಚ್ಚಿ ಬಿಡುತ್ತಾ ಹೋದಂತೆ, ಈ ಸಲ ಈ ಶಿಲ್ಪಿಗಳನ್ನು ಕ್ಯಾಮರಾ ಕಣ್ಣಿನಿಂದ ಸೆರೆ ಹಿಡಿಯುವುದು ಬೇಡ. ಆ ಶಿಲ್ಪಿಗಳು ಕಲ್ಲಿನಲ್ಲಿ ಕಟೆದುದನ್ನು ಕುಂಚಗಳ ಮೂಲಕವಾದರೂ ಮೂಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸೋಣವೆಂದೆನಿಸಿತು. ಆ ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡಿದ್ದೇನೆ.

ನಾನಂತು ಆ ಶಿಲ್ಪಿಗಳು ನಿರ್ಮಿಸಿದ ಸ್ವಾದವನ್ನು ಈ ರೀತಿಯಾಗಿ ಅಂದರೆ, ವರ್ಣದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿಸುವಲ್ಲಿ– ನೋಡುವುದಕ್ಕಿಂತ ಛಾಯಾಚಿತ್ರ ತೆಗೆಯುವುದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಅನುಭವಿಸಿದ್ದೇನೆ. ಚಿತ್ರ ನಂ. 1ನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. 11ನೇ ಶತಮಾನದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿತವಾದ ಶಿಲ್ಪ, ಒಬ್ಬ ಸ್ತ್ರೀ ಪ್ರೇಮ ಪತ್ರ ಬರೆಯುವ ಸಂದರ್ಭ, ಆದರೆ ಆ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಅವಳ ನಿಂತ ಭಂಗಿ, ಮೈಮಾಟ ಆಭರಣವಿಲ್ಲವನ್ನೂ ಕೂಲಂಕಷವಾಗಿ ವೀಕ್ಷಿಸಿದರೆ ನಾವು ಕನಸಿನ ಲೋಕಕ್ಕೆ ತೆರಳುತ್ತೇವೆ!

ಇನ್ನು ಕೇಶಾಲಂಕಾರದ

ಚಿತ್ರ –4

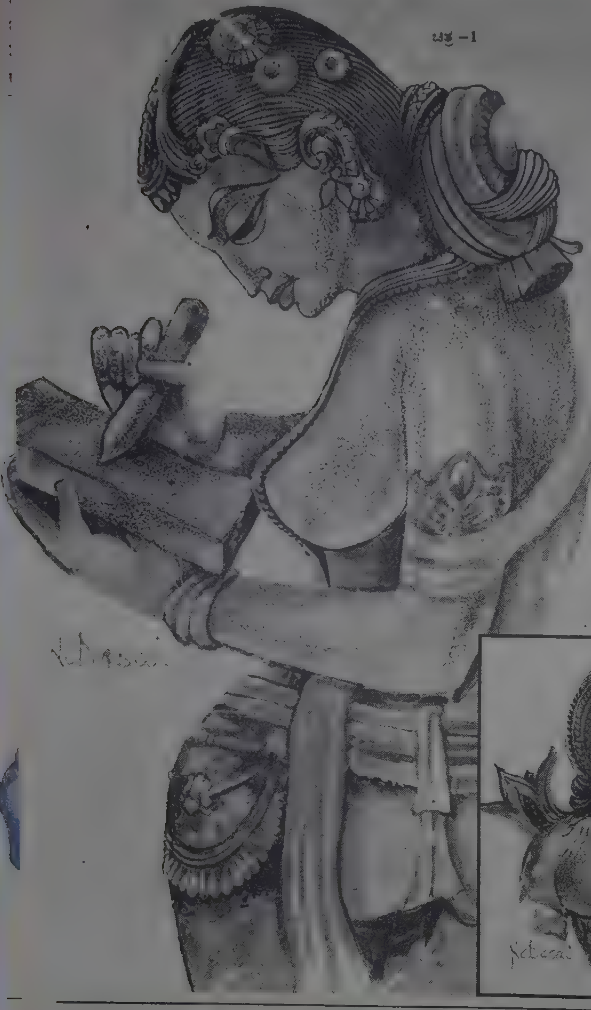

ಚಿತ್ರ –1

ಬೆಡಗನ್ನು ನೋಡಿದರಂತೂ, ಇಷ್ಟೊಂದು ಕಲ್ಪನೆ ಆಗಿನ ಕಲಾವಿದರಿಗೆ ಹೇಗೆ ಹೊಳೆಯಿತೆಂಬುದು ಕಲ್ಪನಾತೀತ. ಭುವನೇಶ್ವರದ ಈ ಶಿಲ್ಪ ಕಲಕತ್ತಾ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯದಲ್ಲಿದೆ.

ಓಗೆಯೇ ಚಿತ್ರ ನಂ. 2 "ಅಲಸಾಕನ್ಯಾ" 10ನೇ ಶತಮಾನದ ಈ ಶಿಲ್ಪ ಭುವನೇಶ್ವರದ ಲಿಂಗರಾಜ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿದೆ, ದೇಹಮಾಲಬಿಟ, ಇಲ್ಲಿ ಕರ್ಣ ಕುಂಡಲಕ್ಕೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಪ್ರಾಧಾನ್ಯ. ಕೇಶಾಲಂಕಾರದ ರೀತಿಯನ್ನು ನೋಡಿ ಆಭರಣಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಧಾನ್ಯ ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಗುಂಗುರುಗೂದಲನ್ನೇ ಬಳಸಿ ತಕ್ಕ ಜಡೆಯನ್ನು ಹೆಣೆಯಲಾಗಿದೆ. ಜಡೆಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಚಿನ್ನದ ಪುಷ್ಪ!

3ನೆಯೇ ಚಿತ್ರ ನಾಗ ಕನ್ಯ. ಓಂದೆ ಐದು ಹೆಡೆಯ ಸರ್ಪ, ಉದ್ದ ಕೂದಲು, ಇಳಿಬಿದ್ದಿವೆ. ಮೇಲಿನ ಕೇಶ ಅಲಂಕಾರವಾಗಿ ತುದಿಯಲ್ಲಿ ಚಂಡಿನಾಕಾರದಲ್ಲ ದುಂಡಗೆ ಕಟ್ಟಲಾಗಿದೆ, ಸರ್ಪಕ್ಕೆ ತಕ್ಕ ಮೈಮಣಿತ, ಕಂಬಕ್ಕೆ ಸುತ್ತಿಕೊಂಡ ದೇಹ. 10ನೆಯ ಶತಮಾನದಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಾಣವಾದ ಈ ಶಿಲ್ಪ ಭುವನೇಶ್ವರ ಲಿಂಗರಾಜ ಮುಂದಿರದಲ್ಲಿದೆ! ಬಲಗೈಯಲ್ಲಿ ವಸ್ತ್ರಾ ಎಡಗೈಯಲ್ಲಿ ಅಗ್ನಿಗಳಿದ್ದರೆ ಚಿನ್ನ ಅರ್ಥ ಮಾತ್ರ ತಿಳಿಯದು!

ಚಿತ್ರ –10

ಚಿತ್ರ – 5

4ನೇಯ ಚಿತ್ರ, ವಿಚಿತ್ರ ಜಡೆ. ಆದರೂ ಅದನ್ನು ಹೆಣೆದಿರುವ ರೀತಿಯನ್ನು ನೋಡಿದರೆ ಒಂದು ಸಾದಾ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿತವಾದ ಕಲಾಕೃತಿ. ಕಲಾಕೃತಿಯೆಂದರೆ– ಶಿಲ್ಪದ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳುವ ಮಾತಲ್ಲ. ಕೇಶವನ್ನು ಹೊಂದಿಸಿದ ರೀತಿಯ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳುವ ಮಾತು. ಗೋಪುರದಂತೆ ಆ ಕೇಶವನ್ನು ಹೇಗೆ ಕಟ್ಟಿ ನಿಲ್ಲಿಸುತ್ತಿದ್ದರೋ, ಹೂವಿರುವ ಅಶೋಕ ವೃಕ್ಷದ ಎರಡು ಎಲೆಗಳು ಜಡೆಗೆ ಅಲಂಕಾರವಾಗಿ ಇಳಿಬಿದ್ದಿವೆ. ಹೀಗೆ ಆ ಚತುರ ಶಿಲ್ಪಿಗಳು, ದೇಹದ ಮಾಟ, ನಿಂತ ಭಂಗಿ ಕೇಶದ ಉದ್ದಳತೆ ಇವನ್ನೆಲ್ಲ ಗಮನದಲ್ಲಿಟ್ಟುಕೊಂಡೇ ಜಡೆಯ ನಕ್ಷೆಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರೇನೋ? ಈ ಚಿತ್ರದಲ್ಲಿ ಅಲಂಕಾರಕ್ಕೆ ಜಡೆಯ ಒಂದು ಪುಷ್ಪವೂ ಇಲ್ಲದ್ದನ್ನು ಗಮನಿಸಬೇಕು.

5ನೇಯ ಚಿತ್ರ ಪಾರ್ವತಿಯ ಮುಖವೆಂದು ಗಮನಿಸಿದ ಈ ಶಿಲ್ಪ 5ನೆಯ ಶತಮಾನದ್ದು. ಇದ್ದ ಗುಂಗುರುಗೂದಲಿನಲ್ಲಿ ಹೆಣೆದ ಹೆರಳು ಎಂಥ ಸುಂದರವಾದ ವಿನ್ಯಾಸ! ಹೆಚ್ಚು ಅಲಂಕಾರವಿಲ್ಲ, ಅಷ್ಟರಲ್ಲಿಯೇ ತುರುಬು, ಉದ್ದ ಕಡಿಮೆಯಿದ್ದ ಕೇಶಕ್ಕೂ ಯೋಗ್ಯ ರೀತಿಯ ಅಲಂಕಾರವನ್ನು ಅಳವಡಿಸುವ ಅಂದಿನ ಶಿಲ್ಪಿಗಳಿಗೆ ಎಷ್ಟು ಕರಗತವಾಗಿತ್ತೆಂಬುದಕ್ಕೆ ಇದೊಂದು ಉದಾಹರಣೆ ಎನ್ನೋಣವೆ?

6ನೇ ಚಿತ್ರದಲ್ಲಿಯ ಶಿಲಾಕೃತಿಯ ಕೇಶ ಉದ್ದವಾಗಿವೆ ಎಂಬುದನ್ನು ನೋಡುತ್ತಲೇ ಗಮನಿಸಬಹುದು, ಅಂಥ ಪ್ರಸಂಗದಲ್ಲಿ ಹೆರಳಿನ ನಕ್ಷೆಗೆ ಎಂಥ ಸೂಕ್ಷ್ಮತೆ ಬರುತ್ತದೆ ಎಂಬುದನ್ನು ಇಲ್ಲಿ ಗಮನಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ. ಮೂರು ಎಸಳಿನ ಜಡೆ, ಎರಡೆಸಳಿನ ಮುರುವು, ಹಾಗೆಯೇ ಒಟ್ಟು ಕೂದಲಿನ ದೊಡ್ಡ ತುರುಬು, ನಂತರ ಇಳಿಬಿಟ್ಟ ಕೇಶರಾಶಿ, ತಕ್ಕ ಅಲಂಕಾರ- ಅಲ್ಲವೇ ಅಲಂಕಾರ ಈ ರೀತಿಯಾಗಿ ಶಿಲ್ಪಿಗಳ ಕಲ್ಪನೆ ಎಸಳೆಸಾಗಿ ಹರಿಯುತ್ತದೆ– ತಕ್ಕ ರೂಪತಳೆಯುತ್ತದೆ.

ಚಿತ್ರ ಏಳು (7) ಇಲ್ಲಿಯೂ ಕೇಶರಾಶಿ ಉದ್ದವಾಗಿದೆಯೆಂಬುದನ್ನು 6ನೇ ಚಿತ್ರವನ್ನು ನೆನೆದೇ ಹೇಳಬೇಕು. ಹೆರಳು ವಿವಿಧ ಮುಡಿಗೆ, ಜಡೆಯಲ್ಲಿ ರೂಪತಾಳಿ ರೂಪಗೊಂಡ, ಕೇಶರಾಶಿ, ಎಂಥ ಕೇಶವಿದ್ದರೂ ತಕ್ಕ ರೂಪ ನೀಡಿ, ಕೇಶಗುಚ್ಛವನ್ನೇ ಒಂದು ಕಲೆಯ ಮುದ್ದೆಯನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ಮಿಸುವ, ಈ ಕಲಾಕಾರರಿಗೆ ಎಂಥ ಅಭಿನಂದನೆ ನೀಡಬೇಕು...!

ಉದ್ದ ಕೇಶರಾಶಿ, ನೀಳ್ಗ

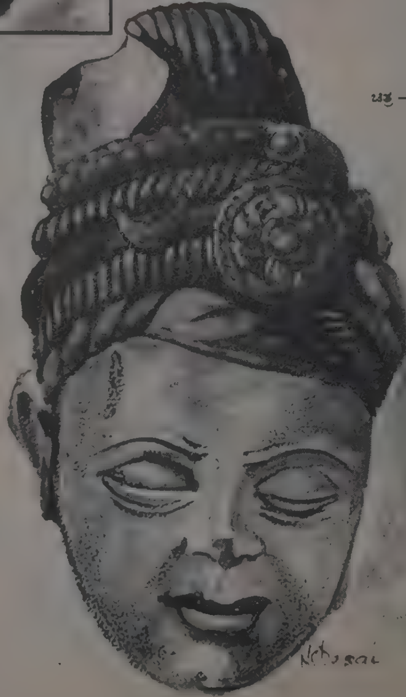

ಚಿತ್ರ – 7

ದಲು ಇವುಗಳ ವಿನ್ಯಾಸ ಕಂಡಾಯಿತು, 8ನೇ ಚಿತ್ರದ ಕೇಶದ ರೂಪವೇ ಬೇರೆಯಾಗಿದೆ! ಅಂದರೆ [illegible] ಅದು ಅದ್ಭುತವಾಗಿ ಬೆಳೆದ ಕೇಶ ರಾಶಿ, ಅದು ಹೇಗೆ' ಎಂದು ನಾವು ಕೇಳುವ ಆತುರ ಮಾಡಬಹುದು! ಈ ಯುಗದಲ್ಲಿ ಸತ್ಯಸಾಯಿಬಾಬಾರ ಬೆಳೆದ ಕೇಶರಾಶಿ ಬಿಟ್ಟರೆ' ಆ ರೀತಿಗೆ ನಾನು ಅಷ್ಟ ಬೆಳೆದ ಕೇಶ ಎಂದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ. ಇದು ಅಪರೂಪವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುವ ಶೈಲಿ. ಆದರೆ ಅಂದಿನ ಶಿಲ್ಪಿಗಳು ಏನಿಲ್ಲದ್ದನ್ನೆಲ್ಲ ಕಲ್ಪಿಸಿ ಅದಕ್ಕೆ ಒಂದು ವಿನ್ಯಾಸವನ್ನು ಹೊಂದಿಸಿಕೊಂಡು, ತಕ್ಕ ಆಲಂಕಾರಿಕ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಜೋಡಿಸಿಕೊಂಡು ಶಿಲ್ಪದ ನಿರ್ಮಾಣ ಒಂದನ್ನು ಕಲಾಕೃತಿಯಾಗಿ ನಿರ್ಮಿಸುವ ಚಾತುರ್ಯ!

9ನೇ ಚಿತ್ರ ಕೇಶಾಲಂಕಾರದ ಶೈಲಿ 6ನೇ ಚಿತ್ರದ ಶೈಲಿಯನ್ನೇ ನೆನಪಿಗೆ ತರುತ್ತದೆ. ಉದ್ದವಾದ ನೀಳವಾದ ಕೇಶರಾಶಿ. ಅದುದು [illegible] ಲಂಕಾರಕ್ಕಾಗಿ ಕೇಶವನ್ನು [illegible] ರೆಯಿ [illegible] ಬರುತ್ತದೆ! ಇಲ್ಲಿ ಕೇಶವನ್ನು ಬೇಕೆಂದಲ್ಲಿ ಮಣಿಸಿ ಅಲಂಕಾರಕ್ಕೆ ಅಣಿಗೊಳಿಸಿದ್ದಾರೆ! ಅಲಂಕಾರಕ್ಕಾಗಿ ತೀರ ಕಡಿಮೆ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಎಂಥಾ ಚಾತುರ್ಯ! ಪ್ರಾಚೀನರು ಅಲಂಕಾರಕ್ಕಾಗಿ ಎಂದೂ [illegible] ಮೊಂಡು ಮಾಡಲ್ಲ. [illegible] ಹಚ್ಚಿಲ್ಲ. ಅದಿಲ್ಲದೇ ಅದರ ಅರಿವು ಬರುವಂತೆ ಅಲಂಕಾರವನ್ನು ಅಷ್ಟು ಚಾಣಾಕ್ಷತೆಯಿಂದ ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ.

ಚಿಕ್ಕ ಕೇಶಗಳ– ಅಂದರೆ ಉದ್ದ ಕಡಿಮೆಯಿದ್ದು ಕೇಶಗಳ ಅಲಂಕಾರದ ಬಗ್ಗೆ ಮಾತು ಈವರೆಗೆ ಬರಲಿಲ್ಲವಲ್ಲವೆ? 10ನೇ ಚಿತ್ರ ಅದನ್ನು ಹೇಳುತ್ತದೆ– ಬೇಲೂರಿನ ಮದನಿಕೆ– 12ನೇ ಶತಮಾನದ ಆ ಶಿಲ್ಪ ಹಾಗೆ ಅಲಂಕಾರವಾದ ಶಿಲ್ಪ ಕೂದಲೂ ಚಿಕ್ಕದಾದರೂ, ಬಳಸಿದ ಅಲಂಕಾರ ವಸ್ತುಗಳಿಂದ ಸಜ್ಜುಗೊಳಿಸಿದ ಈ ಅಲಂಕಾರ ವಿಷ್ಟು ಮುದ್ದಾಗಿದೆಯೆಂದರೆ, ಅದನ್ನು ಹೇಗೆ ಹೆಣೆದರು [illegible] ನನ್ನ ಯೋಚನೆ

ಚಿತ್ರ – 6

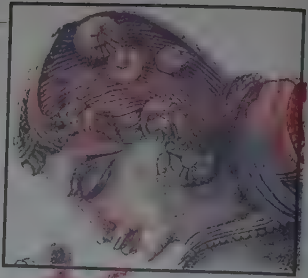

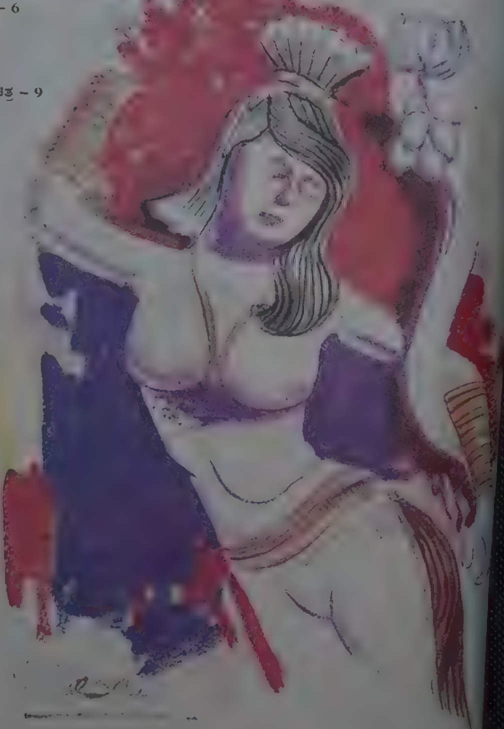

ಚಿತ್ರ – 9

ಚಿತ್ರ – 3

ಕೇಶಾಲಂಕಾರದ ಒಂದು ವಿಷಯದಲ್ಲೇ ಇಷ್ಟು ವಿಧ! ಕೇಶಾಲಂಕಾರಕ್ಕೆ ಬಳಸುವ ವಸ್ತುಗಳ ವಿಧಗಳೂ ಸಾವಿರ ಸಂಖ್ಯೆ ಲಕ್ಷ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲೂ ಇರಬಹುದು. ಹಾಗೆಯೇ ಜಡೆಯೂ, ಆ ಶಿರೆಯಲ್ಲಿ ಬಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ನೆಗೆದ ನಕ್ಷತ್ರಗಳ ವೈವಿಧ್ಯ, ತೋರಿಸುವ ರೀತಿ, ರಚನೆ, ಅದರ ವಿನ್ಯಾಸ ಈ ರೀತಿಯಾಗಿ ಎಲ್ಲದರೂ ಪ್ರತ್ಯೇಕತೆ ಕಾಣುತ್ತದೆ.

ಹಾಗೆಯೇ ಆಭರಣಗಳು. ಉಂಗುಷ್ಠದಿಂದ ನೆತ್ತಿಯವರೆಗೂ ತೊಡಿಸುವ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಆಭರಣವೂ ಭಿನ್ನ! ಆಕೃತಿಯಲ್ಲಿ ಭಿನ್ನ, ಆಕಾರದಲ್ಲಿ ಭಿನ.

ಹೀಗೆ ಯಾವ ರಾಜರ ಸಮಯದಲ್ಲೇ ಇರಲಿ, ಕೃತಿ ಎಂತಹದೋ ಆಗಿರಲಿ, ಮಾಡಿರುವ ಆ ವಿನ್ಯಾಸ, ನಕ ಹಾಗೂ ಕೆತ್ತನೆ ಬಹು ಅಂದವಾದುದು ಎಂಬುದನ್ನು ಅಲ್ಲಗಳೆಯುವಂತಿಲ್ಲ! ಹೀಗೆ ಶತಶತಮಾನಕ್ಕೂ ವಿನ್ಯಾಸಗಳ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಮಾಡುತ್ತಲೇ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ, ಅಂದಿನ ಶಿಲ್ಪಿಗಳು. ಈಗಿನವರು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಮಾಡಲಾಗದ್ದನ್ನು ಶಿಲೆಯಲ್ಲಿ ನಿರ್ಮಿಸಿದ್ದಾರೆ– ಇಂದಿನ ಬ್ಯೂಟಿ ಪಾರ್ಲರ್‌ಗಳು. ಈ ವಿನ್ಯಾಸಗಳನ್ನು ಮಾಡಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದರೆ ಯಶ ದೊರಕಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವೇ ಎಂಬುದನ್ನು ನಿರೀಕ್ಷಿಸಿ ನೋಡಬೇಕು. ■

ಚಿತ್ರ – 2

ಗಳಲ್ಲಿ ಹೂತು ಹೋಗುತ್ತದೆ. ಈ ರೀತಿಯಾಗಿ, ಅಂದಿನ ಶಿಲ್ಪಿಗಳು ನಮ್ಮನ್ನು ಅವರ ಕಲ್ಪನೆಯ ಜೋಡಿ ನೋಡಿ ನಮ್ಮನ್ನು ಬಲೆ ಹಾಕುತ್ತಾರೆ, ಅದೇ ಅವರ ಚಾತುರ್ಯ!

ಇವನ್ನೆಲ್ಲ ಒಂದೊಂದಾಗಿ ನೋಡಿದಾಗ, ನೋಟಕ ಭ್ರಮೆ ಬೀಳುತ್ತಾನೆ, ಇವು ಕೇವಲ ಕೆಲ ಚಿತ್ರಗಳು ಮಾತ್ರ. ಭಾರತದ ಉದ್ದಗಲಕ್ಕೂ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ನೋಡುತ್ತಾ ಹೋದರೆ– ಅದನ್ನು ಮನಸ್ಸಿನ ತರುವುದು ಕಷ್ಟ–

ಈ ಪ್ರಾಚೀನ ಕಲಾವಿದರ ಕೇಶಾಲಂಕಾರಗಳನ್ನು ನೋಡಿದರೆ, ಈಗಿನ ಜನರ ಅಲಂಕಾರ ಅವರ ಕಲ್ಪನೆಯ ಸುಳಿಯನ್ನೂ ಮನತರಲೂ ಸಾಧ್ಯವಿದೆಯೇ ಎಂಬ ಅನುಮಾನ ಬರುತ್ತದೆ.

# ಪ್ರಾಚೀನ ಕಲೆ 'ಕಸೂತಿ'

ಚಿತ್ರ ಮತ್ತು ಲೇಖನ: ಎಸ್. ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ

ಕಸೂತಿ ಎಂದರೆ ಹಣಿಗೆಯ ಕೆಲಸ! ಉತ್ತರ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿಯ ವಿಶಿಷ್ಟ ರೀತಿಯದ್ದು. ಅದರಲ್ಲಿಯ 'ಇಳಕಲ್' ಸೀರೆಗಳ ಮೇಲೆ ಹಣೆದ 'ಟೀಕೆ' ಕಸೂತಿಗೆ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಉದಾಹರಣೆ. ಜರಿ ಸೀರೆಗಳ ಮೇಲಲ್ಲ ಕುಪ್ಪಸ, ಮಕ್ಕಳ ಅಂಗ (ಪರಕಾರ) ಕುಂಚಿಗೆ (ಕುಲಾಯಿ) ಹಾಗೂ ಮನೆಯಲ್ಲಿಯ ಅಲಂಕಾರಿಕ ವಸ್ತುಗಳ ಮೇಲೂ ಇದನ್ನು ಕಾಣುತ್ತೇವೆ.

ಈ ಕಲೆಗೆ ಒಂದು ಇತಿಹಾಸವಿದೆ. ಗುಪ್ತ ಸಾಮ್ರಾಜ್ಯದ ಅವನತಿಯಾದ ಮೇಲೆ ಭಾರತವು ೬ನೇ ಶತಮಾನದಿಂದ ೧೧ನೆಯ ಶತಮಾನದ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಮತ್ತೊಂದು ಸುವರ್ಣಯುಗವನ್ನು ಕಂಡಿತು. ಪೈಠಣದ ಶಾತವಾಹನರು, ಬಾದಾಮಿಯ ಚಾಲುಕ್ಯರು, ಮಳಖೇಡದ ರಾಷ್ಟ್ರಕೂಟರು ಕಂಚಿಯ ಪಲ್ಲವರು, ಪಾಂಡ್ಯರು, ಚೋಳರು, ಅಲ್ಲದೆ ಇನ್ನು ಕೆಲ ಚಿಕ್ಕ ಪುಟ್ಟ ರಾಜರು, ನರ್ಮದೆಯ ದಕ್ಷಿಣದಲ್ಲಿ ಆಳಿದರು. ಇವರಲ್ಲಿ ಒಳಜಗಳ, ಯುದ್ಧಗಳು ನಡೆಯುತ್ತಿದ್ದರೂ ಧಾರ್ಮಿಕ ಪ್ರವೃತ್ತಿ, ಕಲಾ ಪ್ರೇಮಗಳು ಮಾತ್ರ ಸಮನಾಗಿದ್ದುವು.

ಅದು ಬೌದ್ಧಧರ್ಮದ ಅವನತಿಯ ಕಾಲ. ಈ ರಾಜಮಹಾರಾಜರುಗಳೆಲ್ಲ ಹಿಂದೂಧರ್ಮದ ಏಳಿಗೆಗೆ ಸಾಕಷ್ಟು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹ ನೀಡಿದ್ದರು. ಅನೇಕ ದೇವಾಲಯಗಳು, ಗುಹೆಗಳು ಅಸ್ತಿತ್ವಕ್ಕೆ ಬಂದವು. ಇವೆಲ್ಲ ಇಂದಿಗೂ ಅವರ ಕಲಾಪ್ರೇಮದ ದ್ಯೋತಕಗಳಾಗಿ ನಿಂತಿವೆ. ಶಿಲ್ಪ ಕಲೆಯಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲ, ಉಳಿದ ಕಲೆಗಳಿಗೂ ಅವರು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹವಿತ್ತರು.

ಪುರುಷಸ್ತೋಮ ಹೀಗೆ ಕಲೆಯ ನಿರ್ಮಾಣದಲ್ಲಿ, ಬೇಸಾಯದಲ್ಲಿ, ಇನ್ನು ಕೆಲವರು ಈ ಯುದ್ಧಗಳಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿದಾಗ, ಸ್ತ್ರೀಸಮೂಹ ತನ್ನ ವೇಳೆಯ ಉಪಯೋಗವನ್ನು ಈ ಕಸೂತಿಯ ಕಲೆಯೆಡೆಗೆ ಹರಿಸಿರುವುದು ಸಹಜವೆ ಎಂದು ಊಹಿಸಬಹುದು. ಇನ್ನೊಂದು ಗಮನಾರ್ಹ ವಿಷಯವೆಂದರೆ, ಪುರುಷರಿಂದ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗುತ್ತಿದ್ದ ಶಿಲ್ಪದ ಛಾಯೆಯೂ ಈ ಕಸೂತಿಯಲ್ಲಿ ಕಾಣಬರುವುದು ಮಂದಿರಗಳಲ್ಲಿ, ರಥಗಳ ಮೇಲೆ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗುತ್ತಿದ್ದ ನಕ್ಷೆಗಳೇ ಕಸೂತಿಯ

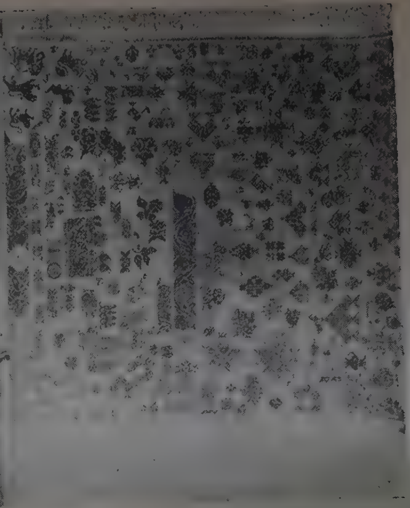

↑ ಇಳಕಲ್ಲ ಸೀರೆಯ ವೈಶಿಷ್ಟ್ಯ, ವಿವಿಧ ನಮೂನೆಯ ಕಸೂತಿ ಡಿಸೈನುಗಳು

ಕಣ್ಣಿಗೆ ಕಣ್ಣಾಟ್ಟ್ ಸೆಳೆಯುದಕು

ವಿಷಯಗಳನ್ನೊಳಗೊಂಡವನ್ನು ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ಅವಲೋಕಿಸಬಹುದು.

ಗೋಪುರ, ರಥ, ಪಲ್ಲಕ್ಕಿ, ವಿಷ್ಣುಪಾದ, ಬೃಂದಾವನ, [illegible], ಅಷ್ಟದಳ [illegible]. [illegible], ಆನೆ, ಜಿಂಕೆ, ಒಳಗೊಂಡ ಮುಂತಾದ [illegible] ನವಿಲು, ಗಿಳಿ [illegible] ಹೂವು, ಗಿಡಬಳ್ಳಿಗಳು ಕಸೂತಿ ಕಲೆಯ ವಸ್ತುಗಳಾಗಿವೆ.

ಈ ಕಸೂತಿ ಕಲೆ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಲಿಂಗಾಯತ ಬಾಂಧವರ ಕುಟುಂಬಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಬೆಳೆದು ಬಂದಿದೆ ಎಂಬುದು ಮಹತ್ವದ ವಿಷಯ. ಇಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲ, ಮದುವೆಯಾದ ಮಗಳಿಗೆ ಪೂರ್ಣ ಕಸೂತಿಯಿಂದ ಸಿದ್ಧವಾದ ಒಂದು ಸೀರೆಯನ್ನು ಕೊಡಬೇಕೆಂಬ ಪದ್ಧತಿಯೂ ಇದ್ದಿತ್ತು. ಕಾಲಕ್ರಮೇಣ ಈ ಪದ್ಧತಿ ನಶಿಸಿಹೋಗುತ್ತಿರುವುದು ವಿಷಾದನೀಯ. ಈಗಲೂ ಶಿಕ್ಷಣದಿಂದ

ಮಹಿಳೆಯರು ಯಾಂತ್ರಿಕವಾಗಿ [illegible] ಮೇಲೆ ಬಿಡಿಸಿ, ಚಿಕ್ಕ ಕಸೂತಿಯ ನಕ್ಷೆಯನ್ನು ಹಾಕಿ ಕೊಡುವ ಪರಿಪಾಠವಿದೆ.

ತಾಂತ್ರಿಕ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಈ ಕಲೆಯ ಕಡೆಗೆ ಕಣ್ಣು ಹೊರಳಿಸಿದಾಗ, ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ನಾಲ್ಕು ಬಗೆಯ [illegible] ಗುರುತಿಸುತ್ತೇವೆ. "ಗವುಂಟಿ, ಮುರಗಿ, ನೇಗಿ, ಮತ್ತು ಮೆಂತಿ" ಈ ನಾಲ್ಕು ಬಗೆಯ [illegible]. ಇವನ್ನು ಹಾಕುವ ಪದ್ಧತಿಯೂ ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾದುದು. [illegible] ನೇಯ್ಗೆಯ ನೂಲುಗಳನ್ನು ಎಣಿಸಿ ಹಾಕಬೇಕು. ಇದು ಬಹಳ ಶ್ರಮದ ಕೆಲಸ.

ಇವು ನಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ಸುಲಭವಾಗಿ ಗುರು[illegible] ಕೆಂಪು ಅಥವಾ ಹಸಿರು. ಅದೇರೀತಿ [illegible] ಬಿಳಿ ಮತ್ತು ಹೊಸ ನಕ್ಷೆ (designs)ಗಳಿಗೆ ವಿವಿಧ [illegible] ಬಳಸು[illegible] ಗಳನ್ನು ಕಲೆಸಿದ್ದಾರೆ.

## ಅಂಚುಗಳು :

ಮುರಗಿ ಪಟ್ಟಿ, ಪಡವಲ ಹೂವಿನ ಪಟ್ಟಿ, ಗುಂಡಾಳ ಪಟ್ಟಿ, ತೆಂಗಿನ ಪಟ್ಟಿ, ಕಾಯಿ ಪಟ್ಟಿ, ಶಂಕ ಮುರಗಿ ಪಟ್ಟಿ, ಪಂಕ ಪಟ್ಟಿ ಮುಂತಾದ ಅನೇಕ ಹೆಸರುಗಳು ಅಂಚಿಗೆ ಇವೆ.

## ಮಧ್ಯೆ ಹಣೆಯುವ ನಕ್ಷೆಗಳು :

ರಥ, ಪಕ್ಕಿಕಾಲ ಗೋಪುರ, ಪಡವಲ ಹೂವಿನ ಗೋಪುರ, ಗುಡಿಗೋಳಿ, ಕಮಲ, ಪಣತಿ, ಶಂಕು ಮುರಗಿಕಮಲ, ಕಾಶಿಂಗ ಮನೆತನ, ರಾಜಗೋಪುರ ಗಿಡ, ಮುರಗಿ, ಕಮಲ, ಹೀಗೆ ಅನೇಕ ಪ್ರಕಾರದ ನಕ್ಷೆಗಳಿವೆ. ಇದೇ ರೀತಿ ಬುಟ್ಟಾಗಳಿಗೂ (ಸೀರೆಯ ಮಧ್ಯ ಹಣೆಯುವ ಚಿಕ್ಕೆ) ವಿವಿಧ ಹೆಸರುಗಳುಂಟು.

ಇವಲ್ಲದೆ ತೊಟ್ಟಿಲು, ಸಮೆ, ಹೂವಿನ ಕುಂಡಲ ಮುಂತಾದ ಅನೇಕ ಗೃಹೋಪಯೋಗಿ ವಸ್ತುಗಳೂ ಕಸೂತಿಯ ನಕ್ಷೆಗಳಾಗಿ ಮೂಡಿಬಂದಿವೆ.

ಹಿಂದೀ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಕಸೂತಿಗೆ 'ಕಸೀದಾ' ಎಂದು ಹೇಳಲಾಗುತ್ತದೆ. ಕನ್ನಡದ 'ಕಸೂತಿ'ಯಂತಲೇ ಈ ಕಲೆ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಯಿತೋ ಏನೋ. ಹೆಣೆಯುವ ರೀತಿ ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಹೆಸರುಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಭಿನ್ನತೆಯನ್ನು ಕಾಣುತ್ತೇವೆ. ಉತ್ತರ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಹಣೆಯುವ ಕಲೆಗೆ 'ಚಿಕ್ಕಾಂತರಿ' ಎನ್ನುವರು. ಬಂಗಾಲಿಗಳು 'ಕಾಂಥಾ' ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಪಂಜಾಬಿಗಳು 'ಫುಲಕರಿ' ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ. ಕಛ್ ರಾಜಸ್ಥಾನಗಳಲ್ಲಿ 'ಚೇನ ಮತ್ತು ಅಭಲಾ' ಎಂದು ಕರೆಯಲ್ಪಡುತ್ತದೆ ಈ ಕಲೆ.

ಕಾಶ್ಮೀರಿ ಹೆಣಿಕೆಯ, ಲಖ್ನೋದ, ಶಾಲುಗಳು ಭಾರತದಲ್ಲಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲ, ವಿದೇಶಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪ್ರಸಿದ್ಧಿ ಹೊಂದಿವೆ. ಹೀಗಾಗಿ ಅಲ್ಲಿಯ ಕೆಲ ಜನರಿಗೆ ಹೆಣಿಕೆ ಒಂದು ಉದ್ಯೋಗವಾಗಿದೆ. ಆದರೆ, ಕರ್ನಾಟಕದ 'ಕಸೂತಿ' ಕೇವಲ ಗೃಹಕೌಶಲ್ಯದ ವಸ್ತುವಾಗಿಯೇ ಉಳಿಯಿತು. ಇದಕ್ಕೇನು ಕಾರಣ?

ಬಹುಶ 'ತುತ್ತಿನ ಚೀಲ'ವನ್ನು ತುಂಬಿಸುವದೇ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಭಾರವಾಗತೊಡಗಿದಾಗಿನಿಂದ ಮಾನವನ ಮಹಿಳೆಯ, ಹೇಳಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಅದಕ್ಕೊಂದೇ ಹೆಚ್ಚು ವಿನಿಯೋಗವಾಗತೊಡಗಿ ಕಲೆ, ಕೌಶಲದೆಡೆ ಲಕ್ಷ್ಯ ಕಡಿಮೆಯಾಗಿದ್ದಿರಬೇಕು. ಆ ಕಾರಣ-ದಾಗಿಯೇ 'ಕಸೂತಿ' ಕಲೆ ಮೇಲೂ ಶಾಪೋಡದ ಮರೆದು ಹಿಂದಿರಬೇಕು. ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಶತಮಾನಗಳಷ್ಟು ಹಿಂದೆಯಷ್ಟೇ ಊರ್ಜಿತಾವಸ್ಥೆಯಲ್ಲಿದ್ದ 'ಕಸೂತಿ' ಈಗ ಅಂಥದೊಂದು ಕಲೆ ಇತ್ತು ಎಂಬ ನೆನಪು ಮಾತ್ರವಾಗಿ ಉಳಿದಿದೆ.

●

ಅಳಿಯುತ್ತಿದ್ದ ಈ ಕಲೆಯನ್ನು ಉಳಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಿದ ಹಲವರಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖರೆಂದರೆ ಧಾರವಾಡದ ಜನತಾ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಮಿತಿಯ ದಿ. ಮನ್ನೋಳಿ ರಾಮರಾಯರು. ಕಾಲೇಜು ಶಿಕ್ಷಣದೊಂದಿಗೇ ಹೀಗೆ ಕ್ಷೀಣವಾಗುತ್ತಿರುವ ಕುಶಲ ಕಲೆಗಳು ಬದುಕಬೇಕು ಬೆಳೆಯಬೇಕು ಎಂಬ ಉದ್ದೇಶದಿಂದ, ಕುಶಲ ಕೈಗಾರಿಕೆಯ ಭಾಗವೊಂದನ್ನು ಇಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಪ್ರೋತ್ಸಾಹವಿಲ್ಲದೇ ಮೂಲೆಗುಂಪಾಗಿದ್ದ ಕಸೂತಿಯ ಹೆಣಿಕೆಯ ಪ್ರವೀಣರನ್ನು ಕರೆ ತಂದು ಕೆಲಸ ಕೊಟ್ಟರು. ತರಬೇತಿ ಪಡೆಯುವವರಿಗೆ ಮಾಸಾಶನ ಕೊಟ್ಟು (ವರ್ಷಕ್ಕೆ ಆರು ಜನಕ್ಕೆ ಮಾತ್ರ) ಈ ಕಸೂತಿಯ ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು 'ವಿದ್ಯಾಗಿರಿ'ಯ ಜನತಾ ಕಾಲೇಜಿನಲ್ಲೀಗ ನೀಡಲಾಗುತ್ತಿದೆ ಎಂಬುದು ಸಂತೋಷದ ಸಂಗತಿ.

ಕಾಶ್ಮೀರದ ಹೆಣಿಕೆಯಂತೆ ಈ 'ಕಸೂತಿ' ಒಂದು ಉದ್ಯೋಗವಾಗಿ, ಹಣ ಗಳಿಸುವ ಸಾಧನವಾಗಿ ಮಾತ್ರ ಹಿಂದೆ ಯಾವ ಕಾಲಕ್ಕೂ ಪರಿಗಣಿಸಿಲ್ಲ. ಅದಕ್ಕೆ ಕಾರಣವೂ ಇದೆ. ಈ ಕಲೆ ಅತಿ ಶ್ರಮದಾಯಕ. ಸಾಕಷ್ಟು ಹಣ ಬರುವಂಥದ್ದೂ ಆಗಿರುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ. ಇದು ಕೇವಲ ಗೃಹಕಲೆಯಾಗಿಯೇ ಉಳಿದು ಬೆಳೆದುಬಂತು.

ಆದರೆ ಹಳ್ಳಿಯಿಂದ ಈಗ ಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ತರಬೇತಿ ಕೇಂದ್ರಕ್ಕೆ ಬಂದಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಬೇಡಿಕೆ ಹೆಚ್ಚಾಗಿದೆ. ಮಧ್ಯಮಯ ಶ್ರೀಮಂತ ಜನರಿಂದ ಬೇಡಿಕೆ ಬರುತ್ತಿದೆ. ಇಳಕಲ್ ಸೀರೆ ಹಾಗು ಮಹಿಳೆಯರ ವಸ್ತ್ರಗಳಿಗಾಗಿ ಮೀಸಲಾಗಿದ್ದ ಈ ಕಸೂತಿಯ ಕ್ಷೇತ್ರ ವಿಸ್ತಾರವಾಗಿದೆ. ಗುರುಶರ್ಟ್, ಬುಶ್‌ಶರ್ಟ್, ಜುಬ್ಬಾ ಹಾಗು ಮಕ್ಕಳ ಪೋಷಾ

ಕುಗಳ ಮೇಲೆ ಕಸೂತಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದೆ. ವಿದೇಶಗಳಿಗೆ ಈ 'ತಮಾಷಿ ಒಟ್ಟಿಗೆ'ಗಳ ನಿರ್ಯಾತವೂ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗಿದೆ ಎಂಬುದು ಸಂತಸದ ಸಂಗತಿ. ಆದರೆ ಈ ಕಲೆಗೆ ಪ್ರಚಾರ ಕಡಿಮೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಸರಕಾರಿ ಇಲಾಖೆಯು

ವರು ಈ ವಿಷಯದ [illegible] ಮಹಿಳೆಯರಿಗೆ [illegible] ಇದಕ್ಕೆ [illegible] ನಡುಗಿ ಪಲ್ಲಿಯ [illegible] ವಾಗಿ ಹಗಲಿ [illegible] ಇನ್ನೇನು [illegible] ಈ

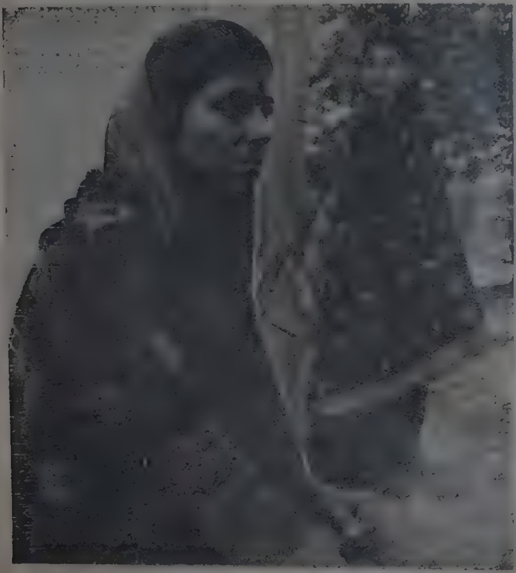

ಕರಿ ಸೀರೆಯ ಮೇಲೆ ಬಿಳಿ ಕಸೂತಿ. ಚಿತ್ತಾರಕಾರರ ಚಿತ್ತಾರಗಳು. ಹೇಗೆ ಉಟ್ಟರೂ ಚೆನ್ನ

ಕಸೂತಿಯ ಹೆಣಿಕೆಯನ್ನು [illegible] ಸಾಧ್ಯತೆ ಇಲ್ಲವೇ ಇಲ್ಲ. ಹೀಗಾಗಿ ಇದು ಕರ ಕುಶಲ ಕಲೆಯಾಗಿಯೇ ಉಳಿದು ಬೆಳೆದಿದೆ. ಇದು ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಕಲೆ. [illegible] ಸಾಕಷ್ಟು ಬೇಕು. ಒಂದು [illegible] ಯಿಂದ [illegible] ತಿಂಗಳು [illegible] ಗಟ್ಟಲೆಗಳೂ ಹಿಡಿಯಬಹುದು [illegible] ಪದಾದಲು [illegible] ಕಲೆಯು [illegible] ಸೀರೆ [illegible] ತೆರೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದೆ [illegible] ಲಾಭದಾಯಕವಾದದ್ದು.

[illegible] ಅರವಿಂದ [illegible] ಜಹಗೀರದಾರ್. [illegible] ತನಗಿಂದ ಕಸೂತಿಗೆ [illegible] ಈಗ ಅಂಥ ಆಧಾರ. [illegible] ಈಗ [illegible] ಸಮಾಜ ಸೇವಿಕೆ. [illegible]

[illegible] ವ್ಯಕ್ತಿ ಶ್ರೀಮತಿ [illegible] ಪಡೆದ [illegible] ಶ್ರೀಮತಿ ಇಂದಿರಾ [illegible] 'ಕರ್ನಾಟಕದ ಕಸೂತಿ' ಎಂಬ [illegible] ಈ ಪುಸ್ತಕ [illegible] ಒಂದೆ [illegible] ಇದೊಂದು [illegible]

[illegible] ಪುಸ್ತಕ [illegible] ಕಲಾಪ್ರೇಮಿಗಳಿಗೆ, [illegible] ✡

ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಸೂಫಿ ಸಂತ ಶೇಖ್ ಫರೀದ್ ಒಮ್ಮೆ ಅಡವಿಯ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಎಲ್ಲೊ ಹೊರಟಿದ್ದರು. ದಾರಿ ಕಠಿಣತರವಾಗಿತ್ತು. ನಡೆದು ನಡೆದು ದಣಿವಾಯಿತು. ಬಾಯಾರಿಕೆ ಬಳಲಿಸತೊಡಗಿತು. ನೀರು ಕುಡಿದು ದಾಹವಡಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದರು. ನೀರಿನ ನೆಲೆ ಹುಡುಕುತ್ತ ಸಾಗಿದ್ದಂತೆ ಬಾವಿ ಕಂಡಿತು. ಆದರೆ ನೀರು ಆಳಕ್ಕಿತ್ತು. ಅದನ್ನೆತ್ತಲು ಹಗ್ಗ ಬಿಂದಿಗೆ ಬೇಕು. ಅಡವಿಯಲ್ಲಿ ಅವೆಲ್ಲ ಒದಗಬೇಕು?

ಅಷ್ಟರಲ್ಲೇ ಜಿಂಕೆಗಳ ಹಿಂಡೊಂದು ಓಡುತ್ತ ಬಾವಿಯ ಬಳಿ ಬಂತು. ಕೂಡಲೇ ಬಾವಿಯೊಳಗಿನ ನೀರು ಮೇಲೆ ಉಕ್ಕಿತು. ಜಿಂಕೆಗಳು ನೀರು ಕುಡಿದು ತೃಪ್ತಿಯಿಂದ ನೆಗೆಯುತ್ತ ಹೊರಟವು. ಶೇಖ್ ಫರೀದರಿಗೆ ಅಚ್ಚರಿಯಾಯಿತು. ನೀರಿಳಿಯುವುದರೊಳಗಾಗಿ ಒಂದು ಬೊಗಸೆ ಕುಡಿಯೋಣವೆಂದು ಬಾವಿಯ ಬಳಿ ಬಂದರು. ಆದರೆ ಆದಾಗಲೇ ನೀರು ತಳ ಕಂಡಿತು. "ಹಾ ಖುದಾ, ಪ್ರಾಣಿಗಳಿಗೆ ನೀರು ಕೊಟ್ಟೆ. ನಿನ್ನ ಈ ಗುಲಾಮನಿಗೇಕೆ ಹೀಗೆ?" ಎಂದರು ಪರಮವಿನಯದಿಂದ.

"ಜಿಂಕೆಗಳು ನಿರ್ಮೋಚನೆಯಿಂದ ನೀರು ಕುಡಿದು ಬಂದವು. ಅವುಗಳು ನನ್ನ ಸಹಾಯ ಕೋರಿದವು. ನೀನು ಹಗ್ಗ ಬಿಂದಿಗೆ ಹುಡುಕಹೊರಟೆ ಅದಕ್ಕೇ ದಾಹ ಅಡಗಲಿಲ್ಲ" ಎಲ್ಲಿಂದಲೋ ಧ್ವನಿ ಕೇಳಿಬಂತು.

ಫರೀದ್ ನಾಚಿ ನೀರಾದ.

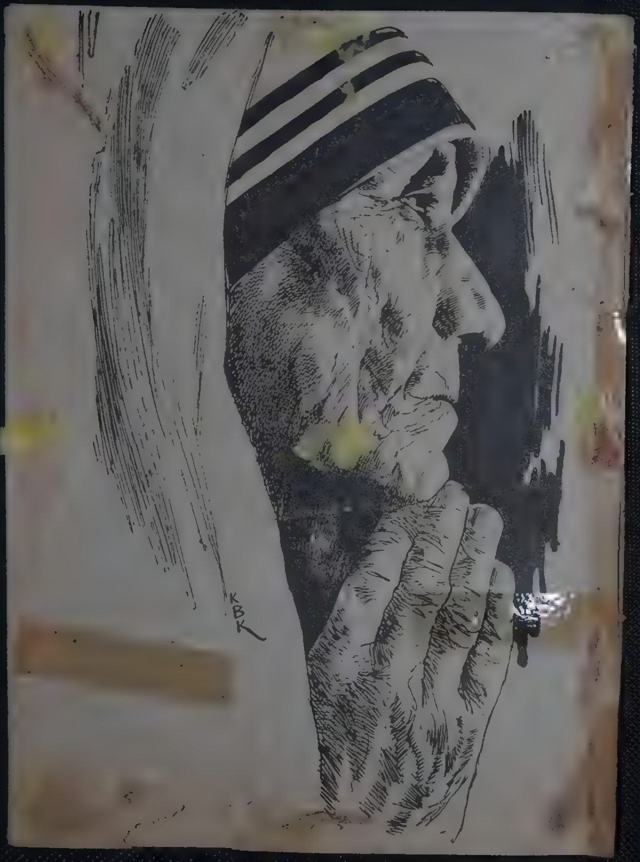
KBK

ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜಯ್ಯನ ಚಿತ್ರ ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಅವನೊಬ್ಬ ಕುದುರೆ ಸವಾರನಂತೆ
ಚಿತ್ರಿಸಿದ ಚಿತ್ರದಂತೆ. ಅದಕ್ಕೊಂದು ರೋಚಕ ಕಥೆಯ ಹಿನ್ನೆಲೆ ಇದೆ.
'ಹುಲಿ' ಎಂಬ [illegible] ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜಯ್ಯನ ಪರಮ ಭಕ್ತನು.
ಒಮ್ಮೆ ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜಯ್ಯ ಅವನಿಗೆ ಒಂದು ಸಲ ಕುದುರೆಯ ಜಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ
ಸ್ವಪ್ನದಲ್ಲಿ ದರ್ಶನ ನೀಡಿದ ಪ್ರಯುಕ್ತ ದರಜೆಯ 108 ಮಂತ್ರ [illegible]
ಗಳಿಂದ ಕೂಡಿದ ಒಂದು ಕುದುರೆಯನ್ನು [illegible] 'ಅಂಬಾರಿಯ' ಕುದುರೆ
ಎಂದು ಕರೆದನು. ಹಾಗು ಆ ಕುದುರೆಯೊಂದಿಗೆ ಭಜನೆ ಕೀರ್ತನೆ ಹಾಡು ಹಾಡುತ್ತಿದ್ದನು
ಇದು ಅವನ ಅತ್ಯಂತ ಭಕ್ತಿಯ ಪ್ರತೀಕವಾಗಿತ್ತು. ಇಂಥ ಒಂದು ಪ್ರಸಂಗದಲ್ಲಿ
ಜಮೀನ್ದಾರರಲ್ಲಿ ಬಂದನು. ಆ ಕಾಲದ ಅಲ್ಲಿಯ ದಿವಾನನು ಹಿಂದಿನ ಜನಾಂಗಕ್ಕೆ
ಸೇರಿದವನಾಗಿದ್ದನು! ಈ ದಿವಾನನು ಗಾಜನಿಗೆ [illegible] ಕುದುರೆ ಆಡಿಸಿಕೊಂಡು ತಿರು
ಗುವ ಈ ಹೊಂಗಿ [illegible] ಜನರಿಗೆ ಮೋಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾನೆ ಅವನನ್ನ
ಸೆರೆಯುತ್ತಿರೆಂದು ಸಾರಿದನು. ಇದನ್ನು ಕೇಳುತ್ತಲೇ ರಾಜನು, ಭಕ್ತನು ದಿವಾನರ ದಂಡ
ಯನ್ನು [illegible] ಪ್ರತಿದಿನ ಬಂದುಕರಾರು [illegible] - ಬಿಟ್ಟೆಯ ಈ ಕುದುರೆ
ಕಾಳು ಕಡಿ ತಿಂದರೆ ಮಾತ್ರ ನಿಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಭಕ್ತಿ ನಿಜವಾದುದೆಂದು ತಿಳಿಯುತ್ತೇವೆ
ಇಲ್ಲವಾದರೆ ನಿಮಗೆ ಶಿಕ್ಷೆ ತಪ್ಪದಲ್ಲ. ಎನ್ನು ಜಾರಿತ್ತಾನೆ. ಆಗ ಆತನು ಮರುದಿನ
ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜ ಅಲ್ಲಿ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷನಾದನು! ಅವನ ದರ್ಶನ ಮಾತ್ರದಿಂದ ಆ
ಬಿಟ್ಟೆಯ ಕುದುರೆ ಕಾಳು ಕಡಿಯನ್ನು ತಿಂದಿತು! ಈ ಅಚ್ಚರಿಯ ಪ್ರಸಂಗದ
ನಂತರ ಮೋಕರದಾರ ಹಿಂದಿನವರು ಈ ಕುದುರೆಗಳನ್ನು ತಯಾರಿಸಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು
ಆ ಭಕ್ತನು ಅವನ್ನು ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಇಂದಿಗೂ
ಮೋಕರದಾರ ಹಿಂದಿನವರೇ ಮಾತ್ರ ಸ್ವಾಮಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸುವ ಕುದುರೆಗಳನ್ನು
ತಯಾರಿಸುವ ಹಕ್ಕಿದೆ. ಬೇರೆಡೆ ತಯಾರಾದ ಕುದುರೆಗಳು ನಿಷಿದ್ಧ.

ಮುಂಬರುವ ಪ್ರತ್ಯೇಕ [illegible] ವಿವಿಧ ಆಕಾರದ [illegible]
ದಾರಿಯ [illegible] ಪೂರಾವಕ್ಕೆ ಇದ್ದೇ ಇರುತ್ತವೆ. ಗರ್ಭಗುಡಿ ಬಾಗಿಲು
ಬಹುದೊಡ್ಡದಾಗಿದೆ ಹಾಗು ವಿವಿಧ ಚಿತ್ರಗಳಿಂದ ಅಲಂಕೃತವಾಗಿದೆ, ಒಳಪ್ರವೇಶಿಸಿದರೆ
ಸಭಾ ಆವಾರ (Hall) ಅಲ್ಲಿ ಒಂದು ಬದಿಯಲ್ಲಿ ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜಯ ಮುಖ್ಯ
ಸ್ಥಾನ ಚಿತ್ರಗಳಿಂದ [illegible] ದೈವರ ಮುಖ, [illegible]
ಅಲಂಕೃತ.

ದೈವರ ಪೂಜೆಯನ್ನು, ಯಾರು ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು ಆದರೆ ದೈವರಿಗೆ
ಕುದುರೆಯನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುವ ಹಕ್ಕು ಮಾತ್ರ [illegible] ಜನಾಂಗದವರಿಗೆ ಇದೆ.
ಇಲ್ಲಿ ಆವಾರದಲ್ಲಿ ನಾನಾ ಆಕಾರದ (Life size) ಮಣ್ಣು ಧಾತುವಿನಿಂದ ನಿರ್ಮಿಸಿದ
ಕುದುರೆಗಳಿವೆ.

ಭಕ್ತರ ಇಚ್ಛೆಯ [illegible] ಮನದಲ್ಲಿ ಮಾಡಿಕೊಂಡಿದ್ದ
ವಿವಿಧ ಆಕಾರದ, ವಿವಿಧವರ್ಣದ ಕುದುರೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸಿ ಕೃತಾರ್ಥರಾಗುತ್ತಾರೆ
[illegible] ಈ ದೈವರ ಜಾತ್ರೆ, ಲಕ್ಷಾನು ಲಕ್ಷ ಜನ ಭಕ್ತರು ಸೇರುತ್ತಾರೆ
ಅಂಥ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಅರ್ಪಿಸಿದ ಬಿಟ್ಟೆಯ ಕುದುರೆಗಳ ಲಕ್ಷದ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಸೇರುತ್ತವೆ
[illegible] ಗಾಮದ್ಯೆವಜ್ಜಯ ಪ್ರಸಿದ್ಧಿ. ಈ ವಿಶಿಷ್ಟವಾದ ಬಿಟ್ಟೆಯ ಕುದುರೆಯ ಜಾತ್ರೆ.
ಇದೊಂದು ಪ್ರಸಿದ್ಧ, ಪವಿತ್ರ ಕ್ಷೇತ್ರವಾದರೂ, ಅಲ್ಲಿಯ ಸರಕಾರ ಆ ಬಗ್ಗೆ [illegible]
[illegible] ಯಾವುದೇ ಪ್ರಚಾರವಿಲ್ಲ ಎಂಬುದೊಂದು ಅಲ್ಲಿಯ ಸ್ಥಳೀಯ ಜನರ ಕೊರಗು.

— o —

ಆಧಾರಿತ

# ಅವತಾರಿ ಪುರುಷ ಶ್ರೀಚಿದಂಬರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು

ಎನ್.ಸಿ. ದೇಸಾಯಿ

ವಿಜಾಪುರ ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ಗೋಡೆ ಎಂಬುದೊಂದು ಚಿಕ್ಕ ಹಳ್ಳಿ ಅಲ್ಲಿಯ ದೀಕ್ಷಿತರ ಮನೆತನ ಜ್ಯೋತಿಷಿಗಳದು. ಅದುವೇ ಜೀವನದ ಆಧಾರ. ಈ ಮನೆತನದಲ್ಲಿ ಮಾರ್ತಾಂಡ ದೀಕ್ಷಿತರಿಗೆ ಮಾತ್ರ ಈ ವ್ಯವಸಾಯ ಅಷ್ಟು ಹಿಡಿಸಲಿಲ್ಲ ಹೀಗಾಗಿ ಅವರು ತಮ್ಮ ಕೊನೆಯ ತಮ್ಮನನ್ನು ಊರಿನ ಉಸ್ತುವಾರಿ ನೋಡಲು ಬಿಟ್ಟು ಇನ್ನುಳಿದಿಬ್ಬರನ್ನು ಜೊತೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಊರು ಬಿಟ್ಟರು. ತಮ್ಮಂದಿರಿಗೆ ಮುನವಳ್ಳಿ ಮತ್ತು [illegible]ಡ ಗ್ರಾಮಗಳಲ್ಲಿ ವೇದ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲೆಗಳನ್ನು ತೆರೆದು ಅವರು ಅಲ್ಲಿ ನೆಲೆವೂರುವಂತೆ ಮಾಡಿದರು.

ಮಾರ್ತಾಂಡ ದೀಕ್ಷಿತರು ಸ್ವತಃ ಪಾಠಶಾಲೆಯನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸುತ್ತಾರೆ ಈಗ ಅವರು ವಿವಾಹವಾದ ಗೃಹಸ್ಥರು.

ಈ ಮೊದಲು ಅವರು ಕಾಶಿಗೆ ಹೋಗಿ ಸ್ವಯಂಪ್ರಕಾಶರೆಂಬ ಗುರುಗಳಲ್ಲಿ ಎರಡು ದಶಕಗಳಷ್ಟು ಕಾಲ ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸ ಮಾಡಿ ಬಂದಿರುತ್ತಾರೆ. ಕಾಶಿಗೆ ಹೋಗುವಾಗ ದಾರಿಯಲ್ಲಿಯೇ ಇವರಿಗೆ ಅನಂತ ಭಟ್ಟ ಮತ್ತು ಸಿದ್ಧನಾಥರೆಂಬ ಇಬ್ಬರು ಸ್ನೇಹಿತರು ಲಭಿಸುತ್ತಾರೆ. ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸ ಮುಗಿದಾಗ ಮೂವರಿಗೂ ಆಜನ್ಮ ಬ್ರಹ್ಮಚಾರಿ ಸನ್ಯಾಸಿಗಳಾಗಿ ವೈರಾಗ್ಯ ಜೀವನ ಸಾಗಿಸಬೇಕೆಂದು ಇಚ್ಛೆ ಹುಟ್ಟಿ ಆ ಬಗ್ಗೆ ಗುರುಗಳ ಆಶೀರ್ವಾದ ಕೇಳಿದಾಗ ಸ್ವಯಂ ಪ್ರಕಾಶರು ಮಾರ್ತಾಂಡ ಭಟ್ಟರಿಗೆ ಮಾತ್ರ ಸನ್ಯಾಸ ಸ್ವೀಕರಿಸಲು ಒಪ್ಪಲಿಲ್ಲ ಗೃಹಸ್ಥನಾಗಿಯೇ ಬಾಳಬೇಕೆಂಬ ಕಟ್ಟಾಜ್ಞೆಯನ್ನೇ ಮಾಡಿದ್ದರು. ಇನ್ನುಳಿದ ಇಬ್ಬರಿಗೆ ಅವರ ಇಚ್ಛೆಯನ್ನು ಪೂರೈಸಲು ಆಜ್ಞಾಪಿಸಿದರು.

ಆ ಅನಂತ ಭಟ್ಟರೇ ಕೃಷ್ಣಾನಂದ ಸ್ವಾಮಿಗಳೆಂದು ಅವತರಿಸಿದ ಪುಣ್ಯಪುರುಷ ಇಂದು ಅವರ ಮಠ ಹಳೇಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿದೆ ಸಿದ್ಧನಾಥರು ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರರಾಗಿ ಕೊಲ್ಹಾಪುರದ ಸಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ನೆಲೆಸಿದ ಮಹಾ ಪುರುಷರು.

## ತಪಸ್ಸು

ಇವರು ಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮಿಗಳೇನೋ ಅವರು ಇಬ್ಬರು ಪತ್ನಿಯರನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡಾಗ ಇನ್ನೇನು ವೈರಾಗ್ಯವೇ ಸರಿಯಾದ ಜೀವನ ಎಂದು ಯೋಚಿಸಿದರು. ಆದರೆ ಗುರು ಸ್ವಯಂಪ್ರಕಾಶರು ನೀನು ಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮಿಯಾಗಿಯೇ ಇರಬೇಕು ಎಂದು ಹೇಳಿದ ಆಜ್ಞೆ ನೆನಪಾದೊಡನೆ ವೈರಾಗ್ಯದ ನೆನಪು ಕರಗಿ ಹೋಗುತ್ತಿತ್ತು ಅವರು ಮೂರನೆಯ ಮದುವೆಯನ್ನು ಸಹ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು. ಅವರ ಹೆಸರು ಲಕ್ಷ್ಮೀದೇವಿ ಬಿದಸೂರಿನ ಗೌಡರ ಮನೆತನದವರು.

ಈ ಮದುವೆಯ ನಂತರವೂ ಭಟ್ಟರಿಗೆ ಸಂತಾನದ ಲಕ್ಷಣ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ. ಸ್ವಯಂಪ್ರಕಾಶಗುರುಗಳು, ಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮಿಯಾಗಿರಬೇಕೆಂದು ಇಚ್ಛೆ ಹೇಳಿರಲಿಲ್ಲ ನಿನ್ನ ಉದರದಲ್ಲಿ ದಿವ್ಯ ಜ್ಯೋತಿ ಅವತಾರಿ ಪುರುಷ ಬರುವನೆಂದೂ ಹೇಳಿದ್ದರು. ಆಗ ಗುರುವಿನ ಆಜ್ಞೆ ಸುಳ್ಳಾಗಲು ಸಾಧ್ಯವೆ ಇಲ್ಲ. ಇದರ ಗುಟ್ಟೇನು ಎಂದು ಯೋಚಿಸಿ ಅವರು ತಪಸ್ಸಿಗೆ ಮೊರೆ ಹೋಗುತ್ತಾರೆ.

## ಸೊಗಲದಲ್ಲಿ

ಮುರಗೋಡಿನ ಹತ್ತಿರವೇ ಸೊಗಲ ತಪ ಜಪಗಳಿಗೆ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಸ್ಥಾನ ಮಾರ್ತಾಂಡ ಭಟ್ಟರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗುತ್ತಾರೆ. ಅಲ್ಲಿಂದ ಸುಬ್ರಹ್ಮಣ್ಯಪುರಕ್ಕೆ ತೆರಳಿ ಒಂದು ವರ್ಷಕಾಲ ತಮ್ಮ ಕುಲದೇವತೆ ಒಪ್ಪರಗಿ ಮಾರ್ತಾಂಡ ಭೈರವನಲ್ಲಿ ಅನುಷ್ಠಾನ ಮುಂದುವರೆಯುತ್ತದೆ. ಇಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಶುಭ ಚಿನ್ಹೆಗಳು ಗಗೋಚರವಾಗುತ್ತವೆ. ಇನ್ನು ನೀನು ಆಕಾಶ ಚಿದಂಬರಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಮುಂದಿನ ತಪಸ್ಸನ್ನು ಮುಂದೂರಿಸು ಎಂದು ದೃಷ್ಟಾಂತವಾಗುತ್ತದೆ. ಆಪ್ರಕಾರ ಅವರು ಆಕಾಶ ಚಿದಂಬರಕ್ಕೆ ಪತ್ನಿ ಸಮೇತ ಪ್ರಯಾಣ ಬೆಳೆಸುತ್ತಾರೆ.

ಇವರ ಈ ನಿಶ್ಚಲ ತಪಸ್ಸಿಗೆ ಫಲ ಸಿಗದೇ ಇರಲಿಲ್ಲ. ಮಹಾಶಿವನು ದೃಷ್ಟಾಂತದಲ್ಲಿ ನಾನೇ ನಿನ್ನ ಮಗನಾಗಿ ಬರುತ್ತೇನೆಂದು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ಭಟ್ಟರಿಗೆ ಇನ್ನಿಲ್ಲದ ಆನಂದ ತಪಸ್ಸು ಸಿದ್ಧಿಯಾದಾಗ ಆದಂತಹ ಸಮಾಧಾನ, ಮನಸ್ಸಿನ ಆರಾಧಿಕೆಯ ಸುಗಂಧ ಎಂತಹದು ಅವರ ಸ್ವಾದ ಅನುಭವಿಸಿದವನಿಗೆ ಮಾತ್ರವೇ ಗೊತ್ತು ಭಕ್ತಿ ಭರಿತ ದೇಹಗಳನ್ನು ಹೊತ್ತು ಇಬ್ಬರೂ ಮುರಗೋಡಕ್ಕೆ ಮರಳುತ್ತಾರೆ.

ಈ ಮುತ್ತೈದೆಗೆ ಗಂಡು ಮಗುವಿನ ಜನ್ಮ ದೃಷ್ಟಾಂತದಲ್ಲಿ ಶಿವ ಹೇಳುತ್ತಾನೆ. ನಾನೇ ನಿನ್ನ ಮಗನಾಗಿ ಬರುತ್ತೇನೆಂಬುದಕ್ಕೆ ಜನಿಸಿದಾಗ ನನ್ನ ಕಿವಿಯಲ್ಲಿ ಬಿಲ್ವ ಮಂತ್ರಾಕ್ಷತೆ ಇರುತ್ತದೆ ಅದೇ ಕುರುಹು ಎಂದು ಅದು ದಿಟವಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ಶಿವನ ದರ್ಶನಕ್ಕಾಗಿ ಊರವರೆಲ್ಲ ಬರುತ್ತಾರೆ. ಚಿದಂಬರನ ಅವತಾರವಾಗುತ್ತದೆ.

ಟೀಪು ಸುಲ್ತಾನನು ಹಾವನೂರು ಸಂಸ್ಥಾನವನ್ನು ಕಬಳಿಸಿದ ಬಳಿಕ ನಿರ್ಗತಿಕನಾದ ಬಾಲಕ ಲಿಂಗನಗೌಡನನ್ನು ಅದಿಗೆಯ ರಂಗಪ್ಪ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳ ಹತ್ತಿರ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದುದು.

## ವ್ಯವಹಾರಿಕ ಜೀವನ ಪವಾಡ

ಶಿವನೇ ಅವತರಿಸಿ ಬಂದರೂ [illegible] ಯಿತು, ವ್ಯವಹಾರಿಕವಾಗಿ [illegible] ಬೇಕಲ್ಲ, [illegible] ಶಿಕ್ಷಣ [illegible] ಯಿತು. ಚಿದಂಬರ [illegible] ವಾಗಿ ಸಂಗಡಿಗರೊಡನೆ ಆಟ ಆಡುವಾಗ ಗುಂಡುಕಲ್ಲು ಇಟ್ಟಿದ್ದ ಕಲ್ಲು [illegible] ದ್ದದ ವಸ್ತುಗಳು ಅವರ ಆಶ್ಚರ್ಯದ [illegible] [illegible]

[illegible] ಈ ಸುದ್ದಿ [illegible] [illegible] ತ್ತಾರೆ. ಆಗ ಮಾರ್ತಾಂಡ ದೀಕ್ಷಿತರು [illegible] [illegible] ತ್ತಾರೆ [illegible] ಅವತಾರವನ್ನು [illegible] ಬೇಗ [illegible]

ಒಂದು ಸಲ ಮುರಗೋಡದ ಹತ್ತಿರ ಹೊಸೂರಿನ ಗೌಡರ ಮನೆಗೆ ಮಾರ್ತಾಂಡ ದೀಕ್ಷಿತರಿಗೆ [illegible] ತರಿಗೆ [illegible] ಮಗ ಚಿದಂಬರನ್ನು ಗೌಡರ ಮನೆಗೆ ಕಳಿಸಿಕೊಡುತ್ತಾರೆ. ಅಲ್ಲಿ ಪುರುಷರೆಲ್ಲ ಆದರದಿಂದಲೇ [illegible] ಆದರೆ ಈ ಮಗುವನ್ನು ನೋಡಿದ ಮಹಿಳೆಯರು ಗುಸುಗುಸು [illegible] ತ್ತಾರೆ. ಇವನೇ ದೀಕ್ಷಿತರ ಈ [illegible] ಮಗನನ್ನು ಕಳಿಸ್ಯಾರ ಇವನು ಪೂಜೆ ಮಾಡ್ತಾನು ಎಂದು ಈ ಸಣ್ಣ ಚಿದಂಬರನ [illegible] ನಗುತ್ತಾರೆ.

ಚಿದಂಬರ ಚಾಚೂ ತಪ್ಪದೆ, ಮಂತ್ರ ಹೇಳಿ ವಿಧಿ ಪೂರ್ವಕ ಪೂಜೆ ಮಾಡಿಸುತ್ತಾನೆ. ಮಣ್ಣಿನ ಆನೆಗೆ ಪ್ರಾಣ ಪ್ರತಿಷ್ಠೆಯಾಗುತ್ತದೆ ಆರತಿ ನೈವೇದ್ಯ ಆದ ಮೇಲೆ ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿ ಚಿದಂಬರ ಮರಳುತ್ತಾನೆ ಆದರೆ ಅಲ್ಲಿ ಮಣ್ಣಿನ ಆನೆ ಗಜರಾಜ ಜೀವ ತಳೆದು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಓಡಾಡಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸುತ್ತದೆ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಗದ್ದಲವೋ ಗದ್ದಲ ಅಲ್ಲಿಯ ಜನ ಮನುಷ್ಯ ಮಾರ್ತಾಂಡ ದೀಕ್ಷಿತರಿಗೆ ತಿಳಿಸುತ್ತಾನೆ. ಆಗ ಅವರು ಮಗನ (ಚಿದಂಬರನ) ಆಟವೆಂದು ತಿಳಿದು ಅವನನ್ನು ಮನವಲಿಸಿ ಕೇಳಿದಾಗ ನಾನು ಅಲ್ಲಿ ಉತ್ತರ ಪೂಜೆ ಆಗಲಿಲ್ಲವೆಂದು ಹೇಳುತ್ತಾನೆ ಉತ್ತರ ಪೂಜೆ ಮಾಡಿ ಬಾ ಎಂದು ಬೇಡಿ ಅವನನ್ನು ಹೊಸೂರಿಗೆ ಕಳಿಸುತ್ತಾರೆ. ಹೀಗೆ ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿಯೇ ನಡೆದ ಇಂಥ ಪವಾಡಗಳು ಅವರ ಜೀವನದುದ್ದಕ್ಕೂ ನಡೆದಿವೆ ನಂತರದ ಪವಾಡಗಳ [illegible] ಬೇರೆ ಸಮಾಜಕ್ಕೆ ಹಿತವಾಗುವಂತೆಯೇ ನಡೆದಿವೆ.

ಸಮರ್ಥ ರಾಮದಾಸರು, ವಿದ್ಯಾರಣ್ಯರ [illegible]ಯಲ್ಲಿ ಚಿದಂಬರರು [illegible] 'ಮಹಾನ [illegible] ನ್ನು [illegible] [illegible] ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿಯ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ತತ್ಕಾಲ [illegible] ಸ್ವಾಮಿಗಳು.

[illegible] ಟೀಪುವಿಗೆ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ಸಂಸ್ಥಾನ [illegible] [illegible]

ಗೌಡನ [illegible] ಯಿತು.ಆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಉತ್ತರ ಕರ್ನಾಟಕ ದೇಶದಲ್ಲೆಲ್ಲಾ ಒಂದು ರೀತಿಯ ಅರಾಜಕತೆ ನೆಲೆಸಿತ್ತು ಟೀಪು ಆಂಗ್ಲರಿಗೆ ಶರಣಾಗಿದ್ದ.

ಆಗ ಅದಿಗೆಯ ರಂಗಪ್ಪ ಹುಡುಗ ಲಿಂಗನಗೌಡನನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಯ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಮುಂದೇನು ಎಂದು ಕೇಳಿದಾಗ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ರಂಗಪ್ಪನನ್ನು ಚೀಟಿಯಲ್ಲಿ [illegible] ವನ್ನು ಕಾಣಲು ಪುಣೆಗೆ ಕಳಿಸುತ್ತಾರೆ. [illegible] ಸಣ್ಣ ಬದುಕಿರಲು [illegible] ಹಳ್ಳಿಯನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಅವರಲ್ಲಿ ಹಾವೇರಿ ತಾಲೂಕಿನ ಅಗಡಿಯನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಚಿದಂಬರರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಹಾಳಾದ ಹಾವನೂರು ಸಂಸ್ಥಾನ ಅಗಡಿಯ ದೇಸಗತಿಯಲ್ಲಿ ಪರಿಣಮಿಸಿತು. ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿ ಅಗಡಿಯನ್ನೇ ಏಕೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಹೇಳಿದ್ದು ಎಂಬುದರ ಅರ್ಥ ಅಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರ ಅವತಾರವಾದ ಮೇಲೆಯೇ ಇಳಿದದ್ದು. ಚಿದಂಬರ ಸ್ವಾಮಿಯ ದ್ವಿತೀಯ ಅವತಾರವೇ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು [illegible] ಭಕ್ತರ [illegible] ಈ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಚಿದಂಬರರು [illegible] ಮಾಡಿದ ಕಾರ್ಯಗಳು ಅಪಾರವಾದುದು.

ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರರು ಅವತರಿಸಿ ಎರಡೂ ಕಾಲು ಶತಮಾನಗಳಿಗೂ ಹೆಚ್ಚಾಗಿದೆಯಾದರೂ ಅವರ ಭಕ್ತವೃಂದ ಬೆಳೆಯುತ್ತಲೇ ಇದೆ. ಮುರುಗೋಡ ಮೂಲ ಕ್ಷೇತ್ರವಾದರೂ ಪ್ರಸಂಗವಶಾತ್ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಕೆಲ ಕಾಲ ಮುರಗೋಡ ಬಿಟ್ಟುಬೇರಾಗಿ ಬಂದಾಗ ರಾಜರ ಸಹಾಯದಿಂದ ಗುರುವಪುರ ವೆಂಬ ಹೊಸ ಊರನ್ನೇ ಕಟ್ಟಿ ಅಲ್ಲಿ ಬಂದು ವಾಸವಾಗಿದ್ದರು. ಅದೇ ಗುರುವಪುರ ಮುಂದೆ ಗುರ್ಲಹೊಸೂರು ಎಂದು ಗ್ರಾಮ [illegible] ಯಲ್ಲಿ [illegible] ಅದು ಸವಿಲು ತೀರ್ಥದಲ್ಲಿ ಲೀನವಾಗಿದೆ. ಅಲ್ಲಿಯ ಮೂರ್ತಿಗಳು ಇಂದು [illegible] ಚಿದಂಬರ[illegible] [illegible] ಮುಂದಿನ [illegible] [illegible] ದಿ. [illegible] ಚಿದಂಬರ [illegible] ಮಹೋತ್ಸವ ನಡೆಯಿತು.

ಇಂದು ಸ್ವಾಮಿಯ [illegible] ಭಕ್ತರು [illegible] [illegible] ಪುಣೆ ಮುಂಬೈ, ಬೆಂಗಳೂರು [illegible] ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ, ಹೊಸಪೇಟೆ, ಮಾತ್ರ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

# ಅಗಡಿ-ಶ್ರೀನಾರಾಯಣಾಶ್ರಮ, ಸಾಗರ.

## ಸನ್ಮಾನ ಪತ್ರ

ಸ್ವಸ್ತಿ ಶ್ರೀಮನ್ನೃಪ ಶಾಲಿವಾಹನ ಶಕೆ ೧೯೧೨ ಪ್ರಮೋದ-ನಾಮ ಸಂವತ್ಸರ ಫಾಲ್ಗುಣ ಕೃಷ್ಣಪಕ್ಷ ತ್ರಯೋದಶಿ ಗುರುವಾರ ದಿನಾಂಕ ೧೪-೩-೧೯೯೧ ರಂದು ಸಾಗರದ ಅಗಡಿ ಶ್ರೀನಾರಾಯಣಾ-ಶ್ರಮದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಮತ್ಪರಮಹಂಸೇತ್ಯಾದಿ ಬಿರುದಾಂಕಿತ ಶ್ರೀಮಜ್ಜ-ಗದ್ಗುರು ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯ ಶ್ರೀಮದ್ರಾಮಚಂದ್ರಾಪುರಮಠದ-ಶ್ರೀಮದ್ರಾಘವೇಂದ್ರ ಭಾರತೀ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ—

ದಿವ್ಯಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ

ವೇದಬ್ರಹ್ಮ ಶ್ರೀ ________________________________

________________________________

ಇವರು ಅನೇಕ ವರ್ಷಗಳಿಂದ ವೇದೋಕ್ತ ಕರ್ಮಗಳನ್ನು ನಿಷ್ಠೆಯಿಂದ ಆಚರಿಸಿಕೊಂಡು ಬರುತ್ತಿರುವದನ್ನು ಶ್ಲಾಘಿಸುತ್ತ...

ಶ್ರೀಕ್ಷೇತ್ರ ಆನಂದವನದ (ಅಗಡಿ) ಗುರುವರ್ಯ ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿಗಳವರ ೫೩ನೆಯ ವರ್ಧಂತ್ಯುತ್ಸವ ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಇವರನ್ನು ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು.

ಸದ್ಭಕ್ತ ಮಂಡಳಿ ಪರವಾಗಿ
ವೇದವಿಪ್ರೋತ್ತಮರ ಸನ್ಮಾನ ಹಾಗೂ
ಆನಂದವನದ ಶ್ರೀಗಳವರ ೫೩ನೇ ವರ್ಧಂತ್ಯುತ್ಸವ ಸಮಿತಿ, ಸಾಗರ "

[illegible] ಎಸ್.ವಿ. [illegible] ಧಾರವಾಡದಿಂದ [illegible]
[illegible]. ಈ ಹಿಂದೆ ಅವರಿಗೆ [illegible] ಬಗ್ಗೆ
ನಾನಾ [illegible] ಬರೆದಿರುವೆ ಅಲ್ಲದೆ ಇದರ ಹಿಂದು [illegible] ಅವರಿಗೆ [illegible]. ಇದನ್ನು
ಓದಿ ಇದರಲ್ಲಿ ಇನ್ನು ಏನಾದರೂ ಸೇರಿಸಬೇಕೋ ಹೇಗೆ ಎಂಬುದನ್ನು [illegible]
ಎಂದು. [illegible] ಬಂದು ಮಾತ್ರವೇ [illegible].

ವಂದನೆಗಳೊಂದಿಗೆ.

[illegible].

ಕರ್ನಾಟಕದ ಉದ್ದಗಲಕ್ಕೂ ಹಲವಾರು ಧಾರ್ಮಿಕ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಿವೆ. ಕಂಪ್ಯೂಟರ ಯುಗದ ಯಾಂತ್ರಿಕ [illegible] ಸಮಾಜದ ನಡುವೆ ಇಂತಹ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳು ಬದುಕಿಗೆ ಆಸರೆ. [illegible] ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿನ ಸರ್ವಶಕ್ತನ ಮೇಲೆ ನಂಬಿಕೆ ಹೊಂದಿರುವ ಮನುಷ್ಯ ತನ್ನೆಲ್ಲ ಭಾರವನ್ನು ಸರ್ವಶಕ್ತನ ಮೇಲೆ [illegible] ನೆಮ್ಮದಿಯನ್ನು ಕಾಣುತ್ತಾನೆ. ಆರಾಮದಾಯಕನಾಗುತ್ತಾನೆ. ಇಂತಹ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳ ಸಾಲಿಗೆ [illegible] ಜಿಲ್ಲೆಯ ಅಗಡಿಯ ಆನಂದವನದ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮಠದ ಸುಮಾರು 98 ವರ್ಷದ ಇತಿಹಾಸವುಳ್ಳ ಈ ಕ್ಷೇತ್ರ ತನ್ನ ಮಹಿಮೆಯಿಂದಾಗಿ ರಾಜ್ಯದ ಉದ್ದಗಲದಿಂದ ಭಕ್ತರನ್ನು ಕೈ ಬೀಸಿ ಕರೆಯುತ್ತದೆ.

ದಿನನಿತ್ಯದ ಜಂಜಾಟದಿಂದ ಮುಕ್ತರಾಗಲು ಹೊಸ ಜಾಗಕ್ಕೆ ತೆರಳಿ ಒಂದಿಷ್ಟು ಹಗುರಾಗಲು ಯಾರಾದರೂ ಬಯಸುವುದು ಸಹಜ. ಹೆತ್ತ ಮಗುವಿನ ಆರೋಗ್ಯಕ್ಕೋ, ಅಭೀಷ್ಟಸಿದ್ಧಿಗೋ ಮೊರೆ ಹೋಗುವುದು ಸಾಮಾನ್ಯ. ಈ ರೀತಿ ಆನಂದವನಕ್ಕೆ ಬಂದಿಳಿದೊಡನೆಯೇ ನಿಸರ್ಗದೊಂದಿಗೆ ಮಿಳಿತವಾದ ವಿಶೇಷವಾದ ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಭಾವವೊಂದು ಮನದಲ್ಲಿ ಮನೆ ಮಾಡದೇ ಇರದು. ಯಾವ ಗೌಜು ಗದ್ದಲಗಳ ಸೋಂಕಿಲ್ಲದ ಇಲ್ಲಿ ಎಂಥಹ ಮಾನಸಿಕ ಕಿರಿಕಿರಿಯಿದ್ದರೂ ನಿರಾಳ [illegible] ಬಿಡುತ್ತಾರೆ. ಬಂದ ಕೂಡಲೇ ಮಧ್ಯಾಹ್ನದ ಬಿಸಿಲಾದರೆ ಬಂದವರಿಗೆ ಪಾನಕ, ಕೊರೆಯುವ ಚಳಿಯಾದರೆ ಬಿಸಿ ಬಿಸಿ ಚಹಾ, ಕಾಫಿ ನೀಡಿ ಸತ್ಕರಿಸುವ ಕ್ಷೇತ್ರ ಇಡೀ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲೊಂದೇ ಎಂದರೆ ಅತಿಶಯೋಕ್ತಿಯಾಗಲಾರದು. ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಬರುವವರ ಊಟ ವಸತಿ ಉಪಹಾರ ಪಾನೀಯಗಳನ್ನು ಬಹಳ ದೀರ್ಘಕಾಲದಿಂದ ಆನಂದವನದವರೇ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಬರುತ್ತಿರುವುದು ಇಲ್ಲಿನ ವಿಶೇಷ. ದಶಕದ ಹಿಂದೆ ಇಲ್ಲಿಗೆ ದಿನನಿತ್ಯ ಅತ್ಯಲ್ಪ ಭಕ್ತಾದಿಗಳು ಬರುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಈಗ ನಿತ್ಯ ನೂರಾರು ಹಾಗೂ ಶೇಷಾಚಲಸದ್ಗುರುಗಳ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ 15 ಸಾವಿರಕ್ಕೂ ಮಿಕ್ಕಿ ಭಕ್ತರು ಸೇರುತ್ತಾರೆ. ಆದರೆ ಭಕ್ತಾದಿಗಳ ಅಶನ, ವಸನಗಳಲ್ಲಿ ಅದೇ ಆತ್ಮೀಯತೆ ಅದೇ ಕಾಳಜಿ ಎಂದೂ ಇದಕ್ಕೆ ಚ್ಯುತಿ ಬಂದಿಲ್ಲ. ದೇವಾಲಯದ ವತಿಯಿಂದಕಟ್ಟಿರುವ ಕೊಠಡಿಗಳನ್ನು ಮೊದಲು ಬಂದ ಸಂಸಾರವಂದರಿಗೆ ಕೊಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಒಬ್ಬೊಬ್ಬರೆ ಬಿಡಿಯಾಗಿ ಬರುವವರಿಗೆ ಗರ್ಭಗುಡಿಯ ಸುತ್ತಲೂ ಇರುವ ವಿಶಾಲವಾದ ಹಜಾರಲ್ಲಿ ಹೊರಭಾಗದ ಕಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ತಂಗಲು ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಕೊಠಡಿಗಳಿದ್ದರೂ ಎಲ್ಲೆಲ್ಲಿಂದಲೋ ಬಂದ ನಮ್ಮವರೊಂದಿಗೆ ಹರಟುತ್ತಾ ರಾತ್ರಿ ಕಳೆಯುವದರಲ್ಲಿ ಎಂಥದೋ ಒಂದು ಅಲೌಕಿಕ ಆನಂದವಿದೆ ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ ಬಂದ ಭಕ್ತರು.ಜೀವಿಗಳಿಗೆಲ್ಲ ಆಹಾರವೇ ಪ್ರಾಣದಾಯಕವಾದುದರಿಂದ [illegible] ಅನ್ನಪೂರ್ಣೆಯ ಆರಾಧನೆಗೆ ಅನ್ನಬ್ರಹ್ಮನ ಮಹಿಮೆಗೆ ಇದೊಂದು ವಿಶೇಷ ಉದಾಹರಣೆಯಾಗಿದೆ.ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರುಗಳ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ನೆರೆಯುವ ಸಾವಿರಾರು ಭಕ್ತಾದಿಗಳಿಗೆ ಒಂದೇ ಸೂರಿನಡಿ [illegible] ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವೀಕರಿಸಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲೆಂಬ ಉದಾತ್ತ ಧೋರಣೆಯಿಂದ 175 ಅಡಿ ಉದ್ದ ಹಾಗೂ 40 ಅಡಿ ಅಗಲದ ಅನ್ನಬ್ರಹ್ಮ ಎಂಬ ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣ ಕಾರ್ಯ ಮುಕ್ತಾಯ ಹಂತದಲ್ಲಿದೆ. ಈ ಕಟ್ಟಡಕ್ಕೆ ಅನ್ನಬ್ರಹ್ಮ ನಾಮಕರಣ ಮಾಡಿದ ಉದ್ದೇಶವೇನೆಂದು ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಕೇಳಿದಾಗ ನೂರಾರು ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಅನ್ನದಾನ ಮಾಡಿದ ಪ್ರಥಮ ಸಮರ್ಥ ಸದ್ಗುರು ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರೆ ನಮಗೆ ಅನ್ನಬ್ರಹ್ಮ ಕಾರಣ ಈ ಹೆಸರನ್ನು ಕಟ್ಟಡಕ್ಕೆ ಇಟ್ಟಿದ್ದೇವೆ ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ.

ಅಗಡಿಯ ಆನಂದವನವು ಭಾರತೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಪ್ರಚಾರ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದು ವೇದವಿದ್ಯಾ ವ್ಯಾಸಂಗ ಕೇಂದ್ರವಾಗಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧವಾಗಿದೆ. ವೈದಿಕ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಸಂಸ್ಕಾರಗಳನ್ನು ಪ್ರಚುರಪಡಿಸುವುದು. ಧಾರ್ಮಿಕ ವಿಧಿ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು, ಕರ್ಮಾನುಷ್ಠಾನಯೋಗವನ್ನು ನಿರಂತರವಾಗಿ ನಡೆಸುತ್ತಾ ಶ್ರೀ ಮಠವು ಭಕ್ತಕೋಟಿಯ ಕಣ್ಮಣಿಯಾಗಿ ಬೆಳೆದಿದೆ. [illegible] ವಿದ್ವಾಂಸರು, ಸಾಹಿತಿಗಳು, ಕಲಾವಿದರು ಶ್ರೀಮಠಕ್ಕೆಆಗಮಿಸಿದರ ವಿದ್ವತ್ ಪರಂಪರೆಯನ್ನು ಮುನ್ನಡೆಸುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಯಜ್ಞಯಾಗಾದಿಗಳನ್ನು ನಿರಂತರವಾಗಿ ನಡೆಸುತ್ತಾ ದೇವತೆಗಳ ಸಂಪ್ರೀತಿಗೆ ಕಾರಣವಾಗಿ ಲೋಕಕಲ್ಯಾಣದ ಉದಾತ್ತ

ಭಾವನೆಯನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸುತ್ತಲಿರುವ ಶ್ರೀಮಠವು ಭಕ್ತಿಕೋಟಿಯ ಕಾಮಧೇನುವಾಗಿದೆ. ವೈದಿಕ ಧರ್ಮದ ಆಚಾರ ಹಾಗೂ ವಿಚಾರ ಪರಂಪರೆಯನ್ನೂ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಸಂವರ್ಧನೆಯನ್ನು ವೇದವಿದ್ಯಾ ಪ್ರಸಾರವನ್ನೂ, ಕಲಾಪೋಷಣೆ, ಸಮಾಜ ಕಲ್ಯಾಣಯನ್ನು ಸಾಧಿಸುವಲ್ಲಿ ಈ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಹತ್ವದ ಹೆಜ್ಜೆಯಿಟ್ಟಿದೆ. ಅನ್ನದಾನ ಅಭಯದಾನವನ್ನು ನೀಡಿ ಭಕ್ತರ ಬದುಕಿನ ಸಮಸ್ಯೆಗಳಿಗೆ ನಿರಂತರವಾಗಿ ಸ್ಪಂದಿಸುತ್ತಲಿರುವ ಈ ಕ್ಷೇತ್ರ ಜನತೆಯ ಜೀವನವನ್ನು. ಪಾವನವಾಗಿಸುವ ಮಹಾಸಂಕಲ್ಪದಲ್ಲಿ

ಸಾಧು ಶಿರೋಮಣಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರುಗಳು :

"ಸಾಧುನೋಡಲೋ ಇವನು ಸಾಧು ನೋಡಲೋ ಅಷ್ಟ ಮದಗಳನ್ನೆಲ್ಲ ತುಳಿದ ಸಾಧುನೋಡಲೊ!" ಎಂದು ಹಾಡಿ ಹೊಗಳಿದವರು ಸುಪ್ರಸಿದ್ಧ ಮುಸ್ಲಿಂ ಸಂತ ಶಿಶುನಾಳ ಶರೀಫರು ಹಾಗಾದರೆ ಯಾರವರೀ ಸಾಧುಗಳು?

ಅಗಡಿಯ ಚಕ್ರವರ್ತಿ ಮನೆತನದಲ್ಲಿ ನರಸಿಂಹಶಾಸ್ತ್ರೀ ಎಂಬ ವೇದವಿದ್ಯಾ ಪಾರಂಗತರೂ ಹಾಗೂ ಶುದ್ಧ ಸಾತ್ವಿಕ ಸ್ವಭಾವದ ಚಿದಂಬರಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳ ಪರಮಭಕ್ತರಿದ್ದರು. ಇವರ ಧರ್ಮಪತ್ನಿ ಭಾಗೀರಥಿಬಾಯಿ ಇವರ ಗರ್ಭಾಂಬುಧಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ರಾಮೇಶ್ವರನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದಹಾಗೂ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಕೃಪೆಯಿಂದ ಒಂದು ಗಂಡು ಮಗು ಹುಟ್ಟಿತು. ಆ ಮಗುವೇ ರಾಮಭಟ್ಟ ಈ ರಾಮಭಟ್ಟರ ಈ ರಾಮಭಟ್ಟರ ದ್ವಿತೀಯ ಪುತ್ರ ರತ್ನವೇ ಸಾಧು ಶೇಷಾಚಲರು. ಶೇಷಾಚಲರು ಹುಟ್ಟಿದ್ದು 1848 ನೇ ಇಸವಿ ಕೀಲಕ ಸಂವತ್ಸರದ ಚೇತ್ರ ಕೃಷ್ಣ ಪಂಚಮಿ ಇವರು ಶುಕ್ಲ ಯಜುರ್ವೇದೀಯ ಕಾಣ್ವ ಶಾಖೆಯ ಕಾಂಡಿಪ್ಯ ಗೋತ್ರೋದ್ಭವರು.

ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸ ಹಾಗೂ ವಿವಾಹ :

ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಮಾಡಿದರು ನಂತರ ತಾಳಿಕೋಟೆಯ ಶ್ರೀ ಶೇಷಭಟ್ಟರಲ್ಲಿ ಶಿಷ್ಯವೃತ್ತಿ ಕೈಕೊಂಡು ಗುರುಗಳ ಪ್ರೀತಿ ವಾತ್ಸಲ್ಯ ಸಂಪಾದಿಸಿ ವೈದಿಕ ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಕರಗತ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು. ನೂರಾರು ಧರ್ಮಗ್ರಂಥಗಳನ್ನು ಓದಿ ಸರ್ವ ವಿದ್ಯಾಪಾರಂಗತರಾದರು ತಮ್ಮ ಪರಮ ಗುರು ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳ ಪೂಜಾ ಭಜನೆ ಅನುಷ್ಠಾನ ಮಾಡುತ್ತಾ ನಿತ್ಯೋಪಾಸನೆ ಕೈಗೊಂಡರು ಇವರು ಪ್ರಾಪ್ತವಯಸ್ಕರಾದಾಗ ಕುಂ.ಸೌ. ತುಳಸಿಮಾತೆಯವರೊಂದಿಗೆ ವಿವಾಹವಾಯಿತು. (ತುಳಸಾಬಾಯಿಯವರೂ ಸಹ ತಮ್ಮ ಪತಿಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಅನುಷ್ಠಾನ ಸದ್ಗ್ರಂಥ ಪಾರಾಯಣ, ಪೂಜೆ ಪುನಸ್ಕಾರಹಾಗೂ ಅತಿಥಿಗಳ ಸೇಯಲ್ಲಿ ಪಾಲ್ಗೊಂಡು ಪುನೀತರಾಗುತ್ತಿದ್ದರು. ಸದ್ಗೃಹಿಣಿಯ ಕರ್ತವ್ಯ ಕರ್ಮಗಳೇನು ಎಂಬುದನ್ನು ತುಳಸಾಬಾಯಿಯವರು ತಮ್ಮ ಅವಿಶ್ರಾಂತಿ ದುಡಿತದ ಮೂಲಕ ತೋರಿಸಿಕೊಟ್ಟಿರಲ್ಲದೇ ಯಾರೂ ಆಶ್ರಮದಲ್ಲಿ ಆಲಸಿಗರಾಗದಂತೆ ಧರ್ಮಾಧಿಕಾರಿಣಿಯಾಗಿ ಎಚ್ಚರವಹಿಸಿದ್ದರು) ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು ಐಹಿಕ ಸುಖಭೋಗದ ಆಮಿಷಕ್ಕೆ ಒಳಗಾಗಿ ದಾಂಪತ್ಯ ಜೀವನ ಸ್ವೀಕರಿಸದೇ "ಧನ್ಯೋಗೃಹಸ್ಥಾಶ್ರಮ" ಎಂಬ ಪವಿತ್ರ ನುಡಿಯನ್ನು ತಮ್ಮ ಪರಿಶುದ್ಧ ಜೀವನದಿಂದತೋರಿಸಿದರು. "ಅತಿದೇವೋಭವ" "ಅಭ್ಯಾಗತ ಸ್ವಯಂ ವಿಷ್ಣು" ಎಂಬ ದೇವಿಕ ಭಾವನೆಯಿಂದ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ದಂಪತಿಗಳು ಅತಿಥಿ ಅಭ್ಯಾಗತರನ್ನು ಸತ್ಕರಿಸುತ್ತಿದ್ದರಲ್ಲದೇ "ಸ್ವಾಧ್ಯಾಯ ಪ್ರವಚನಾಭ್ಯಾಂ ಪ್ರಮದಿತವ್ಯಂ" "ದೇವಪಿತ್ರ ಕಾರ್ಯಾಭ್ಯಾಂ ನ ಪ್ರಮದಿತವ್ಯಂ" ಎಂಬುದನ್ನು ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು ತಮ್ಮ ಜೀವನದುದ್ದಕ್ಕೂ ಆಚರಿಸಿ ತೋರಿಸಿದ ಆದರಣೀಯ ಆಚಾರ್ಯರು.

ಯಾತ್ರೆ :

ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು ತಾವೇ ಸದ್ಗುರು ಆಗಿದ್ದರೂ ಸದ್ಗುರುವನ್ನು ಅರಸಿಕೊಂಡು ಉಡುಪಿ ಮತ್ತು ಶೃಂಗೇರಿಗೆ ಪಾದಯಾತ್ರೆ ಕೈಗೊಂಡು ಉಡುಪಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣನ ದಿವ್ಯದರ್ಶನ ಪಡೆದರು. (ನಂತರ ಶೃಂಗೇರಿಗೆಭೆಟ್ಟಿಕೊಟ್ಟರು. ಆಗ

ನಿದರ್ಶನ.

ಪ್ರತಿವರ್ಷ ಚೈತ್ರ ಬ. ಪ್ರತಿಪದದಿಂದ ಷಷ್ಠಿಯವರೆಗೆ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಯ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವ ವಿಜೃಂಭಣೆಯಿಂದಜರಗುತ್ತಿದೆ. ಪಂಚಮಿಯಿಂದ ರಥೋತ್ಸವ ನಡೆಯುವುದು. ಜೇಷ್ಠಶುದ್ಧ ದ್ವಿತೀಯಾದಂದುಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲೇಶ್ವರ ಪ್ರತಿಷ್ಠೆ ಮಾಡಿದ ದಿನವನ್ನು ಪ್ರತಿಷ್ಠಾ ಜಯಂತಿ ಎಂದು ಆಚರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ಅಂದುಲಿಂಗರೂಪಿ ಶೇಷಾಚಲೇಶ್ವರರಿಗೆ ವಿವಿಧ ದ್ರವ್ಯಗಳಿಂದ ಹಣ್ಣುಗಳಿಂದ ರುದ್ರಾಭಿಷೇಕ ನಡೆಸಿ ವೈದಿಕರನ್ನು ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಗೌರವಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

**ಕ್ಷೇತ್ರದ ಪ್ರಮುಖ ರೂವಾರಿ :** ಈ ಕ್ಷೇತ್ರದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯ ಪ್ರಮುಖ ರೂವಾರಿ ಶ್ರೀ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿಗಳು. ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರುಗಳ ನಂತರದ 4ನೇ ತಲೆಮಾರಿನ ಧರ್ಮಕರ್ತರು ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರುಗಳ ಪ್ರಪೌತ್ರರು. ಕುಶಾಗ್ರಬುದ್ಧಿಯವರು, ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾಗ್ಮಿಗಳೂ ಮತ್ತು ಲೇಖಕರೂ ಆಗಿರುವ ಇವರ ಧಿಪಾಂದೇಪಿ ಮುಷ್ಠಿಭಿಕ್ಷೆ, ಸಜ್ಜನರ ಹೃದಯ, ಧರ್ಮರಕ್ಷಣೆ ಮೊದಲಾದ ಲೇಖನಗಳು ಪಂಡಿತ ಪಾಮರರನ್ನು ಬೆರಗುಗೊಳಿಸುವಂತಹವು. ಇವರಿಂದ ಕ್ಷೇತ್ರವು ಪ್ರಸಿದ್ಧಿಗೆ ಬಂದು ನಾಡಿನ ತುಂಬೆಲ್ಲಾ ಕ್ಷೆತ್ರದಕೀರ್ತಿ ಹರಡಿದೆ. ಸಾಧಾರಣ ಮೈಕಟ್ಟು, ಸಾವಿರಾರು ಜನಗಳ ಮಧ್ಯೆಯೂ ಕೂಡ ತಟ್ಟನೆ ಕಣ್ಣಿಗೆ ಬೀಳುವ ವ್ಯಕ್ತಿತ್ತ್ವ ಧೃಡವಾದ ಮಾತುಗಳು, ಸಾಮಾಜಿಕ ಕಳಕಳಿಯ ಮನೋಭಾವದಿಂದ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿಗಳು ಖ್ಯಾತರಾಗಿದ್ದಾರೆ. ನಾಳೆ ಆಗುವುದು ಇಂದೇ ಆಗಬೇಕು. ಇಂದಿನದು ಈಗಲೇ ಆಗಬೇಕು ಎಂಬ ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ಮನೋಭಾವದವರಾದ ಇವರಿಗೆ ನಿಧಾನದ ಜಯಮಾನ ಒಗ್ಗದು. ಧಾರ್ಮಿಕ, ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳಲ್ಲಿ ಇನ್ನಿಲ್ಲದ ಉತ್ಸಾಹ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಯಾವುದೇ ಗ್ರಾಮವಿರಲಿ. ಅಲ್ಲಿ ಯಾವದೇ ದೇವಸ್ಥಾನದ ಜೀರ್ಣೋದ್ಧಾರ ಪುನರ್ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾಪನೆ ಆಗಬೇಕಿರಲಿ ಗ್ರಾಮಸ್ಥರು ಧಾವಿಸುವುದು ಚಕ್ರವರ್ತಿಯವರಲ್ಲಿಯೇ. ಅವರ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದಂತೆ ಮುಂದಿನ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡುವುದು ಇಲ್ಲಿನವರ ಪರಿಪಾಠ.

ಧರ್ಮಕ್ಷೇತ್ರಗಳು ಪ್ರವಾಸಿ ತಾಣಗಳಾಗದೆ ಪುಣ್ಯಕ್ಷೇತ್ರಗಳಾಗಿ ಉಳಿಯಬೇಕು ಮನನೊಂದು ಬರುವ ಭಕ್ತರಿಗೆ ಶಾಂತಿ ನೆಮ್ಮದಿ ನೀಡುವ ಶಾಸ್ವತ ತಾಮಗಳಾಗಬೇಕು ಎನ್ನುವದು ಇವರ ವಿಚಾರ. ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು ಸರ್ವಧರ್ಮದ ಮೂಲವಾದ "ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ"ದ ಮಹತ್ವ ಅದರಲ್ಲಿಯ ತಥ್ಯ ತಿಳಿಸುವುದಕೋಸ್ಕರ 1978 ನೇಇಸ್ವಿಯಲ್ಲಿ "ಅಖಿಲ ಭಾರತ "ಶುಕ್ಲಯಜುರ್ವೇದ" ಸಮ್ಮೇಳನವನ್ನು ಸಂಯೋಜಿಸಿ ಸರ್ವಧರ್ಮದಲ್ಲಿ ಐಕ್ಯತೆ ಮೂಡಿಸಲು ಶ್ರಮಿಸಿ ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಅದೇ ರೀತಿ 1979-80 ನೇ ವರ್ಷದ ಶ್ರಾವಣಮಾಸದಲ್ಲಿ ಮಾನವ ಜನಾಂಗದಲ್ಲಿ ಶಾಂತಿ ಸಮಾದಾನ ನೆಲಸಲೆಂದು ಶ್ರೀ ಕ್ಷೇತ್ರ ಆನಂದವನದ ಸ್ವಾಮಿಗೆ ಅತಿರುದ್ರಾಭಿಷೇಕವನ್ನು ಅಖಂಡ ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಪರ್ಯಂತ ಸದ್ಬ್ರಾಹ್ಮಣರೊಡಗೂಡಿ ನೆರವೇರಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಇವರ ಧರ್ಮಪತ್ನಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಸರಸ್ವತಿಬಾಯಿ ಹಾಗೂ ಸಹೋದರರಾದ ಶಿವಣ್ಣ, ಶಂಕರಣ್ಣಾ ಹಾಗೂ ಸಿಂಗಣ್ಣಾ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಸಹ ಇವರ ಎಲ್ಲಾ ಸೇವಾ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಸಹಭಾಗಿನೀಯಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕಾರ್ಯವು ನೀರಿನೊಳಗಿನ ಕಲ್ಲಿತ್ತಿದಂತೆ ಸಾಗಲು ಬರಿ ಮನಸ್ಸೊಂದಿದ್ದರೆ, ಕೈಯಲ್ಲಿ ಐಶ್ವರ್ಯ ಇದ್ದರೆ ನಾಲದು ಫಲದೊಂದಿಗೆ ನಿಷ್ಕಾಮಕರ್ಮದ ಅಗತ್ಯವು ಇದೇ ಅಂತಹ ಧಿರೋತ್ತದಾತ್ತವಾದ ನಿಷ್ಕಾಮಕರ್ಮಿ, ಚೈತನ್ಯ ಸ್ವರೂಪಿ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಯವರಾಗಿದ್ದಾರೆ ಇಂತಹ ಚಿದಾನಂದ ಸ್ವರೂಪಿಯ ಕುರಿತು. ಎಷ್ಟು ಹೇಳಿದರು ತರದು. "ನಗುರೋರಧಿಕಂ-ನಗುರೋರಧಿಕಂ" ಎಂಬ ವಾಣಿಯು ಇಂತಹ ಮಹಾತ್ಮರಿಗೆ ಶೋಭೆ ತರುತ್ತದೆ. ಪೂಜ್ಯರ ತೇಜ ಪುಂಜ

ಪೀಠಸ್ಥರಾಗಿದ್ದ ಜ್ಞಾನಸಾಗರ ಬ್ರಹ್ಮತೇಜಸ್ವಿ, ದಯಾಸಿಂಧು, ಪ್ರಶಾಂತ ಮೂರ್ತಿ ಶಂಕರರ ಅಪರಾವತಾರ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ನೃಸಿಂಹ ಭಾರತಿ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರಿಗೆ ಭಕ್ತಿ, ಜ್ಞಾನ, ವೈರಾಗ್ಯಗಳೆಂಬ ಮಹಾಪ್ರಸಾದವ [illegible] ನೀಡಿ ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದರು). ಉಡುಪಿಯಲ್ಲಿದ್ದಾಗ ಅನೇಕ ಪವಾಡಗಳನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಮಧ್ವರಾಯ [illegible] ಮಹಾಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು ಮಾತನಾಡಿ ವೇದಾಂತ ಪ್ರತಿಪಾದ್ಯವಾದ ಅದ್ವೈತ ತತ್ವವನ್ನು [illegible] ಮನದಟ್ಟಾಗುವಂತೆ ಪ್ರತಿಪಾದಿಸಿ ಉಡುಪಿಯ ಆಗಿನ [illegible] ಶ್ರೀ ಪಾದಂಗಳವರಿಂದ ಸನ್ಮಾನಿತರಾದರು.

**ಆನಂದವನ ಸ್ಥಾಪನೆ :**

ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು [illegible] 1905 ವಿಶ್ವಾಸ ಸಂವತ್ಸರದ [illegible] "ಆನಂದವನ" [illegible] ಕ್ಷೇತ್ರ ಸ್ಥಾಪನೆಯಾಯಿತು ಹಾಗೂ ಧರ್ಮ ಪ್ರಸಾರದ ಕೇಂದ್ರವಾಯಿತು. ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರ ಅಲೌಕಿಕ ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವದಿಂದ ಆಕರ್ಷಿತರಾದ ಶ್ರೀ ನಾರಾಯಣ ಭಗವಾನ್ ಶ್ರೀ ಲಿಂಗೋ ಭಗವಾನ್ ಹಾಗೂ ಶ್ರೀ ಶಂಕರ ಭಗವಾನ್ ಎಂಬ ಶಿಷ್ಯತ್ರಯರು ತ್ರಿರತ್ನಗಳಂತೆ ಶೋಭಿತರಾಗಿ ಸದ್ಗುರುವಿನ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ನಿರತರಾಗಿದ್ದರು. ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ನಿತ್ಯ ಅನ್ನ ಸಂತರ್ಪಣೆ ಪ್ರಾರಂಭಿಸಲಾಯಿತು ಹಾಗೂ ಕ್ರಮೇಣ ಚತುಶಾಖೆಯ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲೆ ಹಾಗೂ "ಸದ್ಬೋಧ ಚಂದ್ರಿಕೆ" ಎಂಬ ಮಾಸಪತ್ರಿಕೆ ಪ್ರಾರಂಭಗೊಂಡಿತು.

**ಸಾಧು ಶೇಷಾಚಲರ ಭಾಗವತ ಸೇವೆ :**

ಜಗತ್ತಿನ ಚರಾಚರ ವಸ್ತುಗಳಲ್ಲಿ ಭಗವಂತನನ್ನು ಕಂಡ ಸಾಧುವರೇಣ್ಯರು ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರು. ಜನಸೇವೆಯೇ ಜನಾರ್ಧನ ಸೇವೆ ಎಂಬ ತತ್ವ ಅವರದಾಗಿತ್ತು. ತಾವೇ ಸಾಕ್ಷಾತ್ ಶಂಕರರಿದ್ದರೂ ಕಿಂಕರರಾಗಿ ಜಗತ್ತನ್ನು ಶಂಕರತ್ವದಿಂದಾಗಿ ಕಾಣುತ್ತಿದ್ದರು. ಜ್ಞಾನನಿಧಿಯಾಗಿದ್ದರೂ ಮೆರೆಯಲಿಲ್ಲ. ಶುದ್ಧ ಸಾತ್ವಿಕ ಜೀವನ ನಡೆಸಿ ನಡೆದಂತೆ ನುಡಿದು ಜನರನ್ನು ಸನ್ಮಾರ್ಗಕ್ಕೆ ಹಚ್ಚುವ ಸಾಧುಗಳಾಗಿದ್ದರು.

**ಸಾಧುಗಳ ನಿರ್ಯಾಣ :**

ಸಾಧು ಎಂದರೆ ಯೋಗಿ ಎನ್ನುವ ಅರ್ಥದಂತೆ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸಾಧುಗಳು ನಿಜವಾದ ಯೋಗಿಗಳಾಗಿದ್ದರು. ಸಾವನ್ನು ಸ್ನೇಹಿತನಂತೆ ಕಂಡ ಇವರಿಗೆ ತಮ್ಮ ನಿರ್ಯಾಣದ ದಿನ ಮೊದಲೇ ಗೊತ್ತಾಗಿತ್ತು ಅದಕ್ಕೆಂದೇ ತಮ್ಮ ಶಿಷ್ಯರು ಹಾಗೂ ಸೊಸೆಯನ್ನು ಕರೆದು ಅವರ ಪಾದಪೂಜೆ ಮಾಡಿ ತಮ್ಮ ಪಾದಪೂಜೆ ಮಾಡಿಸಿಕೊಂಡರು. ಅದೇ ರೀತಿ ಶಕೆ 1837 ನೇ ರಾಕ್ಷಸನಾಮ ಸಂವತ್ಸರ ಭಾದ್ರಪದಶುದ್ಧ ಸಪ್ತಮಿ ಬುಧವಾರ ಅನುರಾಧಾ ನಕ್ಷತ್ರ ಅಮೃತಸಿದ್ಧಿ ಯೋಗವಿರುವ ಶುಭಮುಹೂರ್ತದಲ್ಲಿ ಸಾಧುವರೇಣ್ಯರು ತಮ್ಮ ಭೌತಿಕ ದೇಹ ತ್ಯಾಗ ಮಾಡಿ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರರಲ್ಲಿ ಲೀನರಾದರು. ಪ್ರತಿ ವರ್ಷವೂ ಈ ದಿನ ಭಕ್ತರಿಗೆ ಪರಮಪಾವನಮಂಗಲ ದಿನ.

**ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲೇಶ್ವರ ದೇವಸ್ಥಾನ :**

ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರುಗಳು ತಮ್ಮ ಇಚ್ಛಾನುಸಾರ ಅವತಾರ ಸಮಾಪ್ತಿಮಾಡಿದ ನಂತರ 1920 ರಲ್ಲಿ ಕಾಶಿಯಿಂದ ಈಶ್ವರಲಿಂಗ ತರಿಸಿ, ಪ್ರತಿಷ್ಠಾಪಿಸಿದನಂತರ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲೇಶ್ವರ ದೇವಸ್ಥಾನ ನಿರ್ಮಿತವಾಯಿತು. ಸದ್ಗುರುಗಳು ಭೌತಿಕ ದೇಹದಿಂದ ಮರೆಯಾಗಿ ಅದೃಶ್ಯರೂಪದಿಂದಾನಂದವನದಲ್ಲಿ ಇಂದಿಗೂ ಸ್ಥಿರವಾಗಿನಿಂತು ಭಕ್ತ ಜನರ ಅನುಗ್ರಹಿಸುತ್ತಲೇ ಇದ್ದಾರೆ. ಈ ಸ್ಥಾನವು ಜಾಗೃತವಾಗಿದೆ ಎನ್ನುವುದಕ್ಕೆ ಭಕ್ತರಿಗಾಗುತ್ತಿರುವ ಅನೇಕ ದೃಷ್ಟಾಂತಗಳೇ

ಕಿರಣರೂಪದಿಂದ ಇಂದುಸಮಾಜದ ಎಲ್ಲ ದಿಕ್ಕುಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಪಸರಿಸುತ್ತಿದೆ. ಸಕಲರ ಕಲ್ಯಾಣ [illegible] ಸೂಚಿಸುತ್ತಾಧರ್ಮದ ನಿಜ ಸ್ವರೂಪ ತಿಳಿಸುತ್ತಾ ಹೆಮ್ಮರವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತಿದೆ.

**ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಚತುರ್ವೇದ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲೆ :**

ನಡೆದಾಡುವ ದೇವರು ಎಂದೇ ಪ್ರಖ್ಯಾತರಾಗಿದ್ದ ಕಂಚಿಕಾಮಕೋಟಿ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯ ಪೀಠದ ಜಗದ್ಗುರು [illegible] ಚಂದ್ರಶೇಖರ ಭಾರತಿ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳ ಕೃಪಾಶೀರ್ವಾದದಿಂದ ಸನ್ 1907 ರಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಚತುರ್ವೇದ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠ ಶಾಲೆ ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು. ಅಂದಿನಿಂದ ಇಂದಿನವರೆಗೆ 95 ವರ್ಷಗಳ ಸುದೀರ್ಘ ಸಮಯದ [illegible] ವೇದ ರಕ್ಷಣೆ ವೈದಿಕ ಪರಂಪರೆ ಹಾಗೂ ಧರ್ಮರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾ ಬಂದಿದೆ. ನೂರಾರು ವಟುಗಳು [illegible] ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ಈ ಪಾಠಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ 12 ವರ್ಷ ಪೂರ್ಣ ವೇದಾಧ್ಯಯನ ಮಾಡಿ ಘನಾಂತ [illegible] ಇದೆ. ವೇದ ಹಾಗೂ ಸಂಸ್ಕೃತ ಅಧ್ಯಾಪನ ಮಾಡಿಸಲು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಗುರುಗಳು ಇದ್ದು ಹಿಂದಿನ ಸಂಪ್ರದಾಯದಂತೆ ಸರ್ವ ವೇದ ಶಾಸ್ತ್ರಾಧ್ಯಯನ ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಸರಕಾರ ಅಥವಾ ಯಾವುದೇ ಸಂಸ್ಥೆಯಿಂದ ಸಹಾಯ ಯಾಚಿಸದೆ ಕೇವಲ ಭಕ್ತರ ಸಹಾಯ ಸಹಕಾರಗಳಿಂದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಅಶನ, ವಸನ, ವಸತಿ ಸೌಕರ್ಯಗಳಲ್ಲದೆ ಉಪಾಧ್ಯಾಯರ ಸಂಬಳ [illegible] ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ. "ಏಕಸ್ಥಪೋ ದ್ವಿರಧ್ಯಾಯಿ" ಎಂಬ ಉಕ್ತಿಯಂತೆ ಪ್ರತಿ ಕೊಠಡಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದೇ ತರಗತಿಯ ಇಬ್ಬರು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ವಸತಿ ಸೌಕರ್ಯವಿದೆ. ಇನ್ನು ಪಾಠಶಾಲೆಯ ಕಟ್ಟಡದ ಮುಖ್ಯ ಭಾಗವೆಂದರೆ ಸಭಾಂಗಣ ಇಲ್ಲಿ ಪಾಠಶಾಲಾ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಪ್ರತಿ ಪಕ್ಷ ನೆರವೇರಿಸುವ ಶಾರದ ಪೂಜೆ, ವಿದ್ವಾಂಸರಗಳಿಂದ ಆಗಾಗ್ಗೆ ಪ್ರವಚನ ಮುಂತಾದ ವಿವಿಧ [illegible] ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಅನುಕೂಲವಾಗುವಂತಹ ವಿನ್ಯಾಸವನ್ನು ಈ ಸಭಾಂಗಣ ಹೊಂದಿದೆ. ಒಟ್ಟಾರೆ ಹೇಳುವುದಾದರೆ ಹಿಂದಿನ ಗುರುಕುಲ ಪದ್ಧತಿಯಂತೆ ಗುರು ಶಿಷ್ಯರು ಒಂದೆಡೆ ಸೇರಿ ಅಧ್ಯಯನ ಅಧ್ಯಾಪನ ನಡೆಸುತ್ತಿರುವ ಒಂದು ವಿಶಿಷ್ಟ ಪಾಠಶಾಲೆ ಇದಾಗಿದೆ.

**ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ :** ಅನ್ನದಾನವಷ್ಟೇ ಶ್ರೇಷ್ಠ ವಿದ್ಯಾದಾನ ಎಂದು ಅರಿತವರು ಪರಮಪೂಜ್ಯರು ಈ ಕಾರಣವೇ ಅಗಡಿ ಗ್ರಾಮವು ಬಹುವಾಗಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲಾ ಶಿಕ್ಷಣಕ್ಕಾಗಿ ಹಂಬಲಿಸಿ ಬಾಯಿಬಿಟ್ಟಾಗ ಇನ್ನೇನು ತಮ್ಮ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಿಕ್ಷಣವೇ ಕೊನೆಯಾಯಿತೇ ? ಎಂದು ಚಡಪಡಿಸಿ [illegible] ವಿದ್ಯಾದಾನದ ಮಹತ್ವ ತಿಳಿದ ಪೂಜ್ಯರು ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆಯೊಂದನ್ನು ತೆರೆಯಲು ನಿರ್ಧರಿಸಿದರು ಅದರ ಫಲವೇ 1973 ರಲ್ಲಿ ಆರಂಭವಾದ ಈ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ.

ಅಗಡಿ ಹಾಗೂ ಸುತ್ತಲಿನ ಹಳ್ಳಿಗಳಾದ ಮಾಳಾಪೂರ, ತಿಮ್ಮನಹಳ್ಳಿ, ಬೂದಗಟ್ಟಿ, ಕನವಳ್ಳಿ, ಯಲಗಚ್, ಮುಂತಾದ ಅತೀ ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಪ್ರದೇಶದ ಬಡ ರೈತ ಕೂಲಿಕಾರರ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಗಗನ ಕುಸುಮವಾಗಿದ್ದ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಸಾಕಾರಗೊಳಿಸಿದ್ದು ಆನಂದವನದ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಸಮಾಜ ಸೇವೆಯ ಪ್ರತೀಕವಾಯಿತು. ಜಾತಿ ಮತ ಪಂಥಗಳನ್ನು ಮೀರಿ ಕರುಣೆಯ ಹೃದಯವಂತಿಕೆಯಿಂದ ಇವರು ಆರಂಭಿಸಿದ ಶಾಲೆಗೆ ಈಗ 30 ರ ಸಂಭ್ರಮ. ನಾಡಿಗೆ ಅನೇಕ ರತ್ನಗಳನ್ನು ನೀಡಿದ ಈ ಶಾಲೆಗೆ ಹಿರಿಯ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯಯೋಧರು, ವಿಧಾನಪರಿಷತ್ ಮಾಜಿ ಸಭಾಪತಿ, ಡಿ.ಬಿ. ಕಲ್ಮಣಕರ, ಮಾಜಿ ಸಚಿವ ಎಂ. ಪಿ.ಪ್ರಕಾಶ, ಲೋಕಶಿಕ್ಷಣ ಟ್ರಸ್ಟನ ಈಗಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಹಾರನಹಳ್ಳಿ ರಾಮಸ್ವಾಮಿ ಹಾಗೂ ಮಾಜಿ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ, ವಿ. ಕೆ. ಶಾಮರಾವ್, ಶಿಕ್ಷಣ ಸಚಿವ ಶ್ರೀ ಗೋವಿಂದಗೌಡರು ಶ್ರೀಮತಿ ಲೀಲಾದೇವಿ ಪ್ರಸಾದ [illegible] ಉಡುಪಿಯ ಪೇಜಾವರದ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದಂಗಳರು ಹಾಗೂ ಅನೇಕ ಗಣ್ಯರು ಭೇಟಿ ನೀಡಿ ಶಾಲೆಯ [illegible]

ಸಂತೃಪ್ತಿ ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆ ಮತ್ತು ತಮ್ಮ ಅನುಭವ ವಾಣಿ, ಅಮೃತವಾಣಿಗಳಿಂದ ಮಕ್ಕಳ ಜ್ಞಾನಾರ್ಜನೆ ಮಟ್ಟವನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಿದ್ದಾರೆ.

**ಕಂಪ್ಯೂಟರ್ ಶಿಕ್ಷಣ :**

ಪ್ರಪಂಚವೇ ನಿಬ್ಬೆರಗಾಗುವಂತೆ ಮಾಹಿತಿ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಬೆಳೆದಿದ್ದು, ಇಂದು ಕಂಪ್ಯೂಟರ್ ಶಿಕ್ಷಣ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರಿಗೂ ಅತೀ ಅವಶ್ಯವಾಗಿದೆ. ಅದರಲ್ಲೂ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಇದರ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಬಹಳ. ಗ್ರಾಮೀಣಭಾಗದವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೂ ಈ ಕಂಪ್ಯೂಟರ ಶಿಕ್ಷಣ ನೀಡಬೇಕೆಂಬ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಯವರ ಸದುದ್ದೇಶಕ್ಕೆ ಇನ್ಫೋಸಿಸನ ಶ್ರೀಮತಿ ಸುಧಾ ನಾರಾಯಣಮೂರ್ತಿಯವರು ಸಂಸ್ಥೆಗೆ 5 ಕಂಪ್ಯೂಟರ್‌ಗಳನ್ನು ನೀಡಿದ್ದು ಮುಂಬರುವ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಈ ಶಿಕ್ಷಣ ಸೇವೆಯೂ ಸಹ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲಿನ ಹಾಗೂ ಗ್ರಾಮದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ದೊರಕಲಿದೆ.

**ಸಾಹಿತ್ಯ ಸೇವೆ (ಸದ್ಬೋಧ ಚಂದ್ರಿಕೆ)** ಕಾದಂಬರಿಯ ಪಿತಾಮಹ ಎಂದೇ ಖ್ಯಾತರಾಗಿದ್ದ ಲೇಖಕರೂ, ಶಿಕ್ಷಕರು ಆಗಿದ್ದ ಶ್ರೀ ವೆಂಕಟೇಶ ತಿರಕೋ ಕುಲಕರ್ಣಿ (ಗಳಗನಾಥ) ಇವರು ಆಗಲೇ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ 1909 ರಂದ ಸದ್ಗುರುವಿನ ನಂಬಿಕೆಯ [illegible] ಇವರಿಗೆ ಮಾರ್ಗದರ್ಶಕರಾಗಿ "ಸದ್ಬೋಧಚಂದ್ರಿಕೆ" ಎಂಬ ತಿಳಿಗನ್ನಡ ಅಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಶಿಕ್ಷಣ ವಿಚಾರ ಪ್ರಚೋದಕ ಮಾಸಪತ್ರಿಕೆಯ ಏಳಿಗೆಗಾಗಿ ದುಡಿದವರು. ಕನ್ನಡ ಖ್ಯಾತ ಸಾಹಿತಿಗಳಾದ ಶ್ರೀರಂಗ ಕೃಷ್ಣಮೂರ್ತಿ ಪುರಾಣಿಕ ತಾರಾಸು. ಎನ್ಕೆ, ವಿ.ಕೆ.ಗೋಕಾಕ. ಮಾಸ್ತಿ ತ.ಸು.ಶ್ಯಾಮರಾವ್ ಮುಂತಾದವರೆಲ್ಲ ಸದ್ಬೋಧ ಚಂದ್ರಿಕೆಯೇ ನಮ್ಮ ಸಾಹಿತ್ಯ ರಚನೆಗೆ ಪ್ರೇರಣೆ ಸ್ಫೂರ್ತಿ ನೀಡಿತೆಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯಪಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ. ಕನ್ನಡ ನಾಡಿನ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ಅಖಂಡವಾಗಿ 95 ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಪ್ರಕಟಗೊಳ್ಳುತ್ತಿರುವ ಏಕೈಕ ಪತ್ರಿಕೆ ಸದ್ಬೋಧಚಂದ್ರಿಕೆಯಾಗಿದ್ದು ಆನಂದ ವನದ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಮುದ್ರಣಾಲಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟಗೊಳ್ಳುತ್ತಿದೆ. 1984 ರಲ್ಲಿ ಸದ್ಬೋಧ ಚಂದ್ರಿಕೆಯು ಅಸಾಮಾನ್ಯ ಸಾಹಿತ್ಯ ಸೇವೆಯನ್ನು ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವ ಆಚರಿಸುವುದರ ಮೂಲಕ ಕೃತಜ್ಞಾಪೂರ್ವಕವಾಗಿ ನೆನೆಯಲಾಯಿತು. ಅಮೃತಂ ಮಹೋತ್ಸವದ ನೆನಪಿಗಾಗಿ 1100 ಪುಟಗಳ "ಆನಂದವನ" ಎಂಬ ಅಪೂರ್ವ ಗ್ರಂಥವನ್ನು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಗಳವರ ನೇತೃತ್ವದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಖ್ಯಾತ ಸಾಹಿತಿಗಳಾದ ಶ್ರೀ ತ.ಸ. ಶಾಮರಾವ್ ಹಾಗೂ ಚಿದಂಬರಾನಂದ ಇವರ ಸಂಪಾದಕತ್ವದಲ್ಲಿ ಹೊರತರಲಾಯಿತು.

**ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಉಚಿತ ಆರೋಗ್ಯ ಸಲಹಾಕೇಂದ್ರ :**

ಅಧ್ಯಾತ್ಮದ, ಧಾರ್ಮಿಕ ತತ್ವಗಳ ಕೊಂಬೆರೆಂಬೆಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿದ ಈ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಸಮಾಜಸೇವೆಯ ಕೊಂಬೆಯೂ ಸಹ ಚಿಗುರೊಡೆದಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಕಳೆದ 5 ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಇಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರಂಭವಾದ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸದ್ಗುರು ಉಚಿತ ಆರೋಗ್ಯ ಸಲಹಾಕೇಂದ್ರವೇ ಸಾಕ್ಷಿ. ಇಂದು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮ ವೈದ್ಯಕೀಯ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ದೊರೆಯುವುದು ಬಹುಕಷ್ಟ. ಇಂಥ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರಂಭಗೊಂಡಿರುವ ಈ ಕೇಂದ್ರ ಇಲ್ಲಿಯ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲಿನ ಜನತೆಯ ಪಾಲಿಗೆವರದಾನವಾಗಿದೆ. ನಿವೃತ್ತ ಸರ್ಜನ ಡಾ. ವಿ.ಕೆ. ಕೆರೂರ ಇವರ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರಾದರೆ ಸಂಗೂರಿನ ಡಾ. ಬಿ. ಎಲ್. ಕುಲಕರ್ಣಿ, ಡಾ. ಸತೀಶ ಪಂಡಿತ, ಡಾ. ಎಸ್. ಆರ್. ದೇಶಪಾಂಡೆ ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದು ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸುವ ವೈದ್ಯರು. ಈಗಾಗಲೇ ಈ ಕೇಂದ್ರದ ವತಿಯಿಂದ ಆಲ್ ಇಂಡಿಯಾ ಜೈನ್ ಯುಥ ಫೆಡರೇಶನ್ ಇವರ ಸಹಯೋಗದೊಂದಿಗೆ 50 ಜನರಿಗೆ ಉಚಿತ ಕೃತಕ ಕಾಲು ಜೋಡಣಾ ಶಿಬಿರ ಹಾಗೂ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯ ನೇತ್ರ ತಜ್ಞ ಡಾ. ದೇವದತ್ತ ಗುಡದೂರರಿಂದ ಉಚಿತ ನೇತ್ರ ಶಸ್ತ್ರ ಚಿಕಿತ್ಸಾ ಶಿಬಿರಗಳು ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ನಡೆದಿವೆ. ಕೇವಲ ವೈದ್ಯಕೀಯ ಪರೀಕ್ಷೆಯಷ್ಟೆ ಅಲ್ಲದೇ ಉಚಿತ ಔಷಧಿ ವಿತರಣೆಯೂ ಸಹ ಇಲ್ಲಿ ನಡೆಯುತ್ತಿರುವುದು ವಿಶೇಷ. ಈ ಎಲ್ಲ ಸೇವೆ ಹಾಗೂ ಶಿಬಿರಗಳು ಭಕ್ತರ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರ್ಮಾಣಗೊಂಡಿರುವ "ಭಗವಾನ" ಎಂಬ ಕಟ್ಟಡದಲ್ಲಿ ತಿಂಗಳಿಗೆ ಎರಡು ಬಾರಿ ಚಾಚೂ ತಪ್ಪದೇ ನಡೆಯುತ್ತಿವೆ.

ನಮ್ಮ ಹೆಂಡತಿಯ [illegible]ಯಿಂದ ಬಂದ ಗಳಿಯನೆಳೆದಿದ್ದ, ಮುಗಿಲಲ್ಲಿ ಹೈಲು ಪ್ರಿಯೆಂತೆ ಅವನು ಬಂದುದು ಇದೇ ವೇಳೆಯ - ಇಲ್ಲಿಯ ಬೆಳ್ಳಗಳು ಅವನಿಗೆ ಅಲ್ಲಿ ಬರುತ್ತಿರುವಾಗಿದ್ದವು. ಅವನ್ನ ನೋಡಿದ, ಆಲಿಸಿದ್ದೇನಿಲೆ, ಮತ್ತೆ ಹೋಗುತ್ತ [illegible] ಅವನಿಗೆ ಎಲ ಹೋಗಿತು, ಆಲ[illegible] ನೋಡಿದ್ದರು. ಅದರ ನಿಡಿದ್ದಾಗ ನೋಡುವಿದ್ದ ಅವನಿಗೆ [illegible] ಅನುಭವ [illegible] ನಮಗೆಲ ಸಿಗಲ್ಲಿ ಹೀಗೆ ಉತ್ತರಿಸುವ ನಾನೆ ಅವನಿಗೆ ಪ್ರಿಯ ಚಿತ್ರಗಳನ್ನು ನೋಡುವದರಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಕ್ಕರೆ ಒಂದು ಆನಂದ,

ಇವನ್ನೆಲ್ಲ ಚಿತ್ರಿಸುತ್ತಲೇ ನಾವು ಹಿಂದುಬರುವ ಮಾರ್ಗಂತ್ರಿಯ ನ ಹಾದಿಗೆ ಹೋಗುವ. ನಾವು ತಲಿಸದ್ದು ಹಿತಿಷ್ಟಕ್ಕಂತ. ಆ ವಿದಿಯ ಬಿಸಿಲಾ [illegible] ಸುಂದರವಾಗಿತ್ತು ಅಗಾಧವಾಗಿತ್ತು ನಿಜವಾಗಿಯೂ ನಾನೊಂದು ವಿಚಿತ್ರ ಜಗತ್ತನ್ನು ಪ್ರವೇಶಿಸಿದ್ದೇವೆ ಎಂಬುವಿದ [illegible] ಆನಂದವನ್ನು ಮನಸ್ಸು ತುಂಬಿಕೊಂಡಿತು. ಸಮಾರಂಭವನ್ನು ನೋಡಿದ ಶೀತಿಕೊಂಡೆವು.

ನಮ್ಮಂತಿದ್ದ ದಾರಿಬಂದ ಜಲವಾರು ಹೊಂದಿಯಗಳು ಅಲ್ಲಿದ್ದಿದ್ದ ವು ಜೀವನ ಚೇತನ ನೋಡುತ್ತಲೆ ಅಂಬುದ [illegible] ಬುತ್ತಿಯ ಗಂಟನ್ನು ಬಿಚ್ಚಿದ್ದೆವು!

## ಗೋಕಾಕ ಜಲಪಾತಕ್ಕೆ

ಇಲ್ಲಿಂದ ೧೯/೧೧ ಕಿ. ಮಿ. ದೂರದಲ್ಲಿರುವ [illegible] ನಾವು ಗೋಕಾಕ ಜಲಪಾತಕ್ಕೆ ಬಂದೆವು. - ಅಲ್ಲಿ ಪ್ರವೇಶಿಸುತ್ತಿದ್ದಂತೆಯೇ [illegible] [illegible] ಅಂಗಡಿಗಳು. ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬ ತಿಂದು ಬಾಯಾರಿಕೆಯಾಗಿ, ಇವರದೇ ನಮಗೆ ಸ್ವಾಗತ.

ಈ ಜಲಪಾತವು ಕೂಡ ಮಳೆಗಾಲದಲ್ಲಂತೂ ಮೈತುಂಬಿ - ಧುಮ್ಮಿಕ್ಕುತ್ತದೆ. ನಾವು ಪ್ರವೇಶಿಸಿ ನಿಂತೆವು. ಆ ಬದಿಯ ದಡದಿಂದ ಈ ಜಲಪಾತವನ್ನು ನೋಡುವ [illegible] ಅಂದ. ಅಲ್ಲಿ ಹೋಗಬೇಕಾದರೆ ತೂಗುಸೇತುವೆಯನ್ನು ಬಳಸಬೇಕು - ಅಂತರ ಹಾಲಿನಂಥ ನೀರಾಗಿ [illegible] ಬಂದು ನಿಲುಕ್ಕಿ ಇಂತಹ ಜನ ಅಗಾಧವಾಗಿ [illegible] [illegible] ಜನರ ಇದ ಆದರೆ ಯಾರಿಗೆ ಅದನ್ನು ಕುಂದುವಿಲ್ಲ. ಅದರಲ್ಲಿ [illegible] ಸೇತುವೆ ಎಂದಮೇಲೆ ನಡೆಯುವಾಗ ಅದು [illegible] ನೀರಿನ [illegible] [illegible] ಅದ್ಭುತ [illegible] [illegible] ಪ್ರಕೃತಿ. ಅದು ಆನಂದವನ್ನು ನೀಡುತ್ತದೆ ನಿಜ ಅದರಲ್ಲಿ [illegible] ಬೀಳುವ ನೀರಿನ ಅಲುಗಾಡುವ ದೃಶ್ಯ ಮನುಷ್ಯರು [illegible] [illegible] [illegible] ಅದನ್ನು [illegible] [illegible] [illegible] ಬಲ್ಲ ಜೀವ ಮಾತ್ರ ಕಂಡು ಸುಖಿಯುತ್ತದೆ.

[illegible] [illegible] [illegible] ಮಾಡಿ [illegible]

ಗೋಕಾಕ ಧಬಧಬೆಯನ್ನು ನೋಡಲು ಪೂರ್ಣ ಪಾತ್ರ ತುಂಬಿ ಧುಮುಕುವ [illegible] ಚಿತ್ರ ಚಿಂತವೇ. ಅಭಾಗ್ಯ ನಮಗಿರಲಿಲ್ಲ ನಾವು ಹೋಗಿದ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ಮಳೆಯ ರಭಸ ಕಡಿಮೆ ಇದ್ದುದರಿಂದ. ಅರ್ಧಮಾತ್ರ ಜಲಧಾರೆಯಿತ್ತು ಹಾಗೆಂದು ನಮಗೆ [illegible] ಕೆಲ ಗೆಳೆಯರು ಹೇಳಿದರು

ಇತ್ತ ಜಲಪಾತ ಅಬ್ಬಿಯ ದಡದಲ್ಲಿ ವಿದ್ಯುತ್ ಆಗರ. ದ[illegible] ಗುವ ಕ್ರಿಯೆಯ ಬಹಳ ಉಪಯೋಗ ಮಾಡುವವರು, ಆಂಗ್ಲರಾಳಿಕೆಯ ಕಟ್ಟಡ ಹಿಂದೆಯೇ, ಸ್ವಂತ ಆಳಿಕೆಯನ್ನು ಕಟ್ಟಿ. ನೀರು ಹಿಂದೆ. [illegible] ಬತ್ತಾದಿ ನಾಲು ತಗೆಯುವ ನಿರ್ಣಯನ್ನು, ಇತ್ತ [illegible] ಗೋಕಾಕ ಕೈದಗಾಲಿನ ಕ್ಷೇತ್ರದ ನಿಲುವು ಬಂದಿದೆ. (ಹುಣಸಿಗಂಗಾದಿ ಅನುಕೂಲತೆಗಳು ಸಿಕ್ಕುತ್ತಿವೆ. ಉಂಡವರು ಬಸ್ಸಿನವರಾಗಿದ್ದ.

ಸ್ವಂತ ವಾಹನ, ಕಾರಿನಲ್ಲಿಯೇ ಹೋಗುತ್ತೇವೆಂದೇನಿಲ್ಲ ರೈಲಿನಿಂದಲೂ ಹೋಗಬಹುದು ಬೇಕಾದಷ್ಟು ಬಸ್ಸುಗಳ ಅನುಕೂಲತೆಯಾಗಿದೆ. ಅತ್ತ ಹೋದರೆ ಗೋಕಾಕ ಜಲಪಾತ, ಗೊಡಚಿಮಲ್ಕಿಯ ಜಲಧಾರೆ ಎರಡನ್ನು ನೋಡಬಹುದು

ಮುಂಗಳೂರಿನ ಶ್ರೀ ಹಿತವರಿಗೆ ಇವೆರಡೂ ವನೋಜಿ ಅಕ್ಷರ, ಬೆಳುವಲ ಮಿ-[illegible] ಅವನ್ನಲ್ಲ ಮಾಡಿತ್ತು. ಬೈಲುಸೀಮೆಯ ಹಸಿರೂ ಅವನ್ನು ಅಚ್ಚರಿಗೊಳಿಸಿತ್ತು ಮಲೆನಾಡಿ[illegible] ಹಸನ ತುಂಬಿರುವ ಎತ್ತರದ ಮರಗಳು. ನನ್ನೀ ಸ್ತ್ರೀಸುಂಬಿರುತ್ತಾಳೆ. ಇಲ್ಲಿ ಬೈಲು ಹೊಲಗಳು. ನೋಡಿದಷ್ಟೂ ಬೈಲೋ ಬೈಲು. [illegible] ತುಂಬಿದ ಆ ನೆಲ ಆಕಾಶದ ಅಂಚನ್ನೇ ತಲುಪಿದ್ದನ್ನು, ಆ ಗೆಳೆಯ ಬೇಂದ್ರೆಯವರ "ಶ್ರಾವಣ ಬಂತು" ಎಂಬುದನ್ನು ನೆನೆಸಿಕೊಂಡ. [illegible] ಹಸಿರುಟ್ಟ ಬಸುರಿ ... ಎಂದು ಬರ್ದಂತಿದ್ದ ಗೊಡಚಿಮಲ್ಕಿಗೆ ಹೋಗುವಾಗ ಹಳದಿ ಹೂವಿನ ಹೊಲವನ್ನು ನೆನಸಿಕೊಂಡು "ಅದೆಂತಹದು ಆ ಹಳದಿ [illegible]" ಎಂದು ಕೇಳಿದ, ಅದು ಸೂರ್ಯಕಾಂತಿ ಅಲ್ಲವೇ? ಎಂದು ನಾನೇ ಮಾತಾಡುತ್ತಿದ್ದೆ ನೇ, ಅದುವನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ. ಅದು ಆ ಚಿಕ್ಕ ಹಳದಿ ಹೂವು ಹೊಲ ತುಂ[illegible] ಇತ್ತಲ್ಲ ಅದು .. ನಾನು ~~[illegible]~~ ತಲೆಕೆರೆದುಕೊಂಡೆ. ಆ ಮೇಲೆ ನೆನಪಾಯಿತು ಅದು ಹುಚ್ಚೆಳ್ಳು ಹೂವು. ಎಂದು ಹೇಳಿದ ಅಂದರೆ ಅದೆಂತಹದು ಎಂದು ಅದಕ್ಕೆ ಪ್ರಶ್ನಿಸಿದವರು ಹುಚ್ಚೆಳ್ಳು ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಏನೋ, ನಾಳೆ ಬೆಳಗಾದರೆ ಬೆಳಗಾವಿಯ ಆ ಗುರುಳ್ಳನ್ನು ತೋರಿಸುತ್ತೇನೆ" ಎಂದೆ ನಾ[illegible]

ಸಂಪಾದಕರು ಉದಯವಾಣಿ

೨೨-೮-೨೦೦೧

ಮಾನ್ಯರೆ,

ಕಳುಹಿದ ಲೇಖನ ಬೇಡವಾದರೆ ದಯವಿಟ್ಟು ಕೂಡಲೇ ಮರಳಿಸಿಬಿಡಿ. — ಈ ನನ್ನ ಬೇಡಿಕೆಯನ್ನು ಮನ್ನಿಸಿರಿ. ಹಾಗು ನನಗೆ ಸಂಭಾವನೆಯಾದ ಬೇರಾವ ಹಣಬೇಕಿಲ್ಲ. ಅಂಚೆ ವೆಚ್ಚ - ಕೈಯಾಸ ವ ಖರ್ಚನ್ನು ವಜಾಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು.

ವಂದನೆಗಳು

ಲೇಖನ: ಗೋಕಾಕ್ ಜಲಪಾತ
೪ ಚಿತ್ರಗಳು

ತಮ್ಮ
ನಾ. ದೇಸಾಯಿ

ಆನಂದವನದ

# ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಗಳ ಸತ್ಕಾರ ಸಮಿತಿ, ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ.

No. 323, Aditya Arts, Goven Towers, Lamington Road,
Hubli – 580 020     Phone: 65099

ಆನಂದವನ ದ

ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಗಳ
ಸತ್ಕಾರ ಸಮಿತಿ, ಹುಬಳಿ.

No. 323, Aditya Arts, Goven Towers, Lamington Road,
Hubli – 580 020 Phone: 65099

## ವೈಚಿತ್ರ್ಯದ ವಿವಾಹ.

'ನೇತಲದೇವಿ' ಅಮರಕೋಟದ ಒಬ್ಬ ರಾಜಕುಮಾರಿ, ರಾಜ-ರಾಣಿ ಅವಳನ್ನು ಬಹುಪ್ರೀತಿಯಿಂದ ಬೆಳೆಸಿದ್ದರು. ಒಬ್ಬಳೇ ರಾಜಕುಮಾರಿ, ಸಹಜವಾಗಿಯಾಗಿ ಅತಿ ಪ್ರೀತಿಯಿಂದ ಬೆಳೆದ ಹುಡುಗಿ. ಎಲ್ಲಾರಿಗೆ ಬೇಡ ವಿಧದ ಹುಟ್ಟು ಆದರೆ. ನೇತಲದೇವಿ, ಕುರುಡಿ, ಕುಂಟಿ ಅಷ್ಟಾವಕ್ರಳಾಗಿದ್ದಳು. ತಂದೆ ತಾಯಿಗೆ ಅದೊಂದು ಬಹುದೊಡ್ಡ ಚಿಂತೆಯಾಗಿತ್ತು. ತಂದೆ ತಾಯಿಗಳು ವಿವಾಹ ಸಂಬಂಧದ ವಿಷಯವಾಗಿ ರಾಮದೇವಜಿಯ ಬಳಿ ಕೇಳಿದರು. - ಈ ಸಂಕಟವನ್ನು ಪಾರುಮಾಡಿದವರೆ ಅವನ್ನು ಮಾಡಲಿ ಎಂದು. ಈ ಸಂಬಂಧಕ್ಕೆ ರಾಮದೇವಜಿಯು ಒಪ್ಪಿದ್ದು ನೋಡಿ ಎಲ್ಲರೂ ಬೆರಗಾದರು!

ರಾಮದೇವಜಿ ಪರೋಪಕಾರಿ ಲೆಕ್ಕಿಸಲಿಲ್ಲ. ಹಾಗೆ ಎಲ್ಲರೂ ರೂಪವತಿಯಾದ ಕನ್ಯೆ, ಸುಂದರ ಸ್ತ್ರೀಯರನ್ನು ಮದುವೆಯಾಗಲು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತಾರೆ, ಅವರು ದೇಹದ ರೂಪವನ್ನು ಮಾತ್ರ ನೋಡುತ್ತಾರೆ - ಆ ಮೂಲಾಧಾರದ ಮೇಲೆ ಮದುವೆಯಾಗುತ್ತಾರೆ ಆದರೆ ಆ ಸ್ತ್ರೀಯ ಗುಣ ಸ್ವಭಾವ ಆತ್ಮ, ನಾನು 'ನೇತಲದೇವಿಯ' ಆತ್ಮದೊಂದಿಗೆ ಮದುವೆಯಾಗುತ್ತೇನೆಂದು ಹೇಳಿದನು ಆ ಪ್ರಕಾರ ಮದುವೆಯೂ ನಡೆದು ಹೋಯಿತು. ವಿಚಿತ್ರವೆಂದರೆ ಅವಳ ಕಾಲ್ಗಳಲ್ಲಿ ಪದವಾಳೆಯನ್ನು ಹಾಕುತ್ತಿದ್ದಂತೆಯೇ ನೇತಲದೇವಿಯ ದೇಹ ದೋಷ ಬದಲಾಯಿತು, ಸುಂದರ ಸ್ತ್ರೀಯಲ್ಲಿ ರೂಪಾಂತರಗೊಂಡಿತು,

ರಾಮದೇವಜಿ ಸಮಾಧಿ 'ರಾಮದೇವರಾ'ದಲ್ಲಿರುವ ಸಮಾಧಿ ಹೊಂದಿದರು. ಅವರ ಸಮಾಧಿಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿಯೇ ಇನ್ನೊಂದು ಸಮಾಧಿಯೂ ಇದೆ ಅದು ಅವರ ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರೀತಿಯ ಭಕ್ತೆಯಾದ ಡಾಲಿಬಾಯಿ ಎಂಬುವಳದು. ರಾಮದೇವಜಿ ಸಮಾಧಿಯನ್ನು ಪಡೆಯುವಲ್ಲಿ ಈ ಮಹಿಳೆಯು ಮಧ್ಯದಿಂದು ಗುರುವಿಗೆ, ಮೊದಲು ನನ್ನ ಸಮಾಧಿಯಾದ ನಂತರ ತಾವು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬಹುದು ಎಂದು ಗುರುವಿನ ಹತ್ತಿರ ಕೇಳಿದಳು, ಅದು ಹಾಗೆ ನಡೆದು ಹೋಯಿತು, ಅದರ ದ್ಯೋತಕವಾಗಿ ಇಂದಿಗೂ ಭಕ್ತರು ಮೊದಲು ಅವಳ ಸಮಾಧಿಯ ದರ್ಶನ ಪಡೆದು, ಪೂಜೆಯನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಿ ನಂತರ ಬಾಬಾಜಿಯವರ ಸಮಾಧಿಗೆ ತೆರಳುತ್ತಾರೆ!

## ಕುದುರೆ ಮತ್ತು ರಾಮದೇವಜಿ.

ರಾಮದೇವಜಿಯ ಹೆಸರು ಸ್ಮರಣೆ ಬರುತ್ತಿದ್ದಂತೆ ಅಶ್ವದ ಚಿತ್ರ ಕಣ್ಣುಮುಂದೆಯೇ ಬರುತ್ತದೆ ಅಷ್ಟು ಅನ್ಯೋನ್ಯ 'ದ್ಯೋತಕವಾಗಿದೆ' ಮಂದಿರದ ದ್ವಾರ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗಿದೆ ಅನುವು. (ಪ್ರವೇಶಿಸುತ್ತಿದ್ದಂತೆ ವಿವಿಧ ಆಕಾರದ ಅಲಂಕೃತ ಕುದುರೆಗಳು (ಭಕ್ತರಿಂದ ತಂದಿರಿಸಿದವು) ಸ್ವಾಗತಿಸುತ್ತವೆ ಉಳಿದ ದೇವಸ್ಥಾನಗಳಲ್ಲಿ ಹೂವು ತೆಂಗು, ಅರಿಶಿನ ಕುಂಕುಮ ಮುಂತಾದ ವಸ್ತುಗಳಂತೆ ಇಲ್ಲಿ ಕುದುರೆಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾಧಾನ್ಯ ಈ ದೃಶ್ಯ ಕಣ್ಣಿಗೆ ಇಷ್ಟವಾದುದು ಎಂದು!

ಮಂದಿರ ಪ್ರವೇಶದಲ್ಲಿಯೇ ನಾವು ಕುದುರೆಗಳ ಸಾಮ್ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿಯೇ ಪ್ರವೇಶಿಸುತ್ತೇವೆ. ಕೆಲವು ಮೈಲಿ ಉದ್ದವಿರುವ, ಕುದುರೆಗಳು!

ರಾಮದೇವನಿಗೆ ಅರ್ಪಿಸುವ ಈ ಕುದುರೆಗಳಿಗೆ ವಿಶಿಷ್ಟ ಆಕಾರವಿದೆ ತನ್ನದೇ ಆದ ವರ್ಣ ಸಂಯೋಜನೆಯಿದೆ, ಅರ್ಪಿಸುವ ಭಕ್ತರು ತಮ್ಮ ಆರ್ಥಿಕ ಯೋಗ್ಯತೆ, ಭಕ್ತಿ ಇವುಗಳನ್ನು ಗಮನದಲ್ಲಿಟ್ಟುಕೊಂಡು ಕುದುರೆಗಳನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತಾರೆ!

# ಶ್ರೀ ದೇವರ ಕೆಂದೂರಿನ ಅವರ್ಣನೀಯ ಶ್ರೀಲತೆ

(1)

ಎಸ್. ಡಿ. ದೇಸಾಯಿ.

ಭಾರತ ಎಂಬ ದೇವಭೂಮಿಯಲ್ಲಿ [illegible] ಪುರಾಣ, ಮಹಾಭಾರತ, ರಾಮಾಯಣ [illegible] ಉಪನಿಷತ್ತುಗಳಲ್ಲಿ ಬರುವ ದೇವತೆಗಳಲ್ಲಿ. ಭಕ್ತಿಯ [illegible]. ಜನರ [illegible] ಅಲ್ಲಿಯ ಜನರು [illegible] ಅಲ್ಲಲ್ಲಿ ಉದ್ಭವ ವಾದ [illegible] ಅಪಾರ [illegible] ಕಾಣುತ್ತೇವೆ!

[illegible] ಆ ದೇವತೆಗಳ [illegible] ಚಿತ್ರಕಲೆ, ಶಿಲ್ಪಕಲೆ, ನಾಟಕ [illegible] ಸಂಗೀತ, [illegible] ಎಲ್ಲ [illegible] ಕಾಣುತ್ತೇವೆ.

ಕೆಂದೂರಿನ [illegible] ಮೈಲಾರಲಿಂಗ [illegible] ಈ ದೇವತೆ 'ಮಹಾಭಾರತ'ದ [illegible] ಪ್ರಸಿದ್ಧಿ [illegible] ಪಾಂಡವರ [illegible] (ಉತ್ತರ) [illegible] ಬಂದಿದ್ದಾರೆ. ಮೈಲಾರಲಿಂಗನ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳು [illegible] ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳು [illegible] ಪಡೆಯುತ್ತವೆ!

[illegible] ಒಂದು ದೈವಕ್ಕೆ ಕೆಂದೂರಿನ [illegible] ಅದನ್ನು ಆದ್ಯವಂತೆ ಅವಿನಾಶಿ [illegible], ಅಂದರೆ [illegible] ಕೆಂದೂರನ್ನು ಅವಿನಾಶಿ ಅವನಿಗೆ [illegible] ತೃಪ್ತಿ -

"ಜೈನಲಮ್ಮರ" [illegible] ಒಂದು ಪ್ರಸಿದ್ಧ [illegible] - ಅಲ್ಲಿಯ [illegible] ಇರುವ ಒಂದು [illegible] ಈ [illegible] ದುರುಪಯೋಗ [illegible] ಕಾಣುತ್ತದೆ! [illegible] ಜನರು [illegible] ಜೀವನ [illegible] ಈ [illegible] "ದೇವಕರ್ಮ" ಎಂಬುವುದು [illegible], ಇದು ಜೈನಲಮ್ಮರ [illegible] ಬರುತ್ತದೆ [illegible] ಹೋಗುವ ದಾರಿಯಲ್ಲಿ! ಈ [illegible] ಬರುತ್ತಲೇ, ಅಲ್ಲಿಯ ಕೆಂಪು ಕಲ್ಲಿನ [illegible] ಕಾಣುತ್ತದೆ [illegible] ಅಲ್ಲಿ [illegible] ಕೆಂಪು [illegible]! ಅಲ್ಲಿಯ [illegible] ಮತ್ತು ಸುಂದರವಾಗಿವೆ. ಕಲಾತ್ಮಕವಾಗಿವೆ, ವೈಶಿಷ್ಟ್ಯಪೂರ್ಣವಾಗಿವೆ.

[illegible] 18. 20 ಕಿ.ಮಿ. ದೂರದಲ್ಲಿ "ರಾಮದೇವ" ಎಂಬುದು [illegible] ಈ [illegible] ಅನೇಕ ಪವಿತ್ರ ಸ್ಥಳಗಳಿವೆ, ದೇವಿ ದೇವತೆಗಳ ಮಂದಿರಗಳಿವೆ. [illegible] ಒಂದು ಪವಿತ್ರ ಸ್ಥಾನವು ಈ ಎಲ್ಲ ಸ್ಥಳಗಳ [illegible] 'ರಾಮದೇವ'ನ ಸ್ಥಾನ. ಲಕ್ಷಾವಧಿ ಜನರ ಶ್ರದ್ಧಾಸ್ಥಳ ಈ ದೇವರಿಗೆ [illegible] ಭಕ್ತರು [illegible] ~~[illegible]~~ [illegible] ಇಲ್ಲಿಗೆ ಬರುತ್ತಾರೆ!

## ರಾಮಜೀ

ಶ್ರೀ [illegible] 'ರಾಮಜೀ'ಯು ದ್ವಾರಕಾಧೀಶನ ಅವತಾರವೆಂದು [illegible] ನಂಬುತ್ತಾರೆ, [illegible] ~~[illegible]~~ ದ್ವಾರಕಾನಾಥನು [illegible] ರಾತ್ರಿ [illegible] "ರಾಣಿ [illegible]" [illegible] ಸ್ವಪ್ನದಲ್ಲಿ ~~[illegible]~~

[illegible]

೨೮-೫-೨೦೦೧

ಗುರುಗಳಾದ [illegible] ಅವರಿಗೆ
ನಮಸ್ಕಾರಗಳು.

ಈ [illegible] ಒಂದು [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ಕಳುಹಿಸಿದ್ದೇನೆ.

"[illegible]" ಮೇ. 20, 2001 ([illegible]) [illegible] [illegible] [illegible].

ಪ್ರಕಟವಾದರೆ ದಯವಿಟ್ಟು ತಿಳಿಸಿ [illegible].

ವಂದನೆಗಳು

([illegible])
[illegible]

ಆನಂದವನದ

# ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿಗಳ ಸತ್ಕಾರ ಸಮಿತಿ,ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ.

No. 323, Aditya Arts, Goven Towers, Lamington Road,
Hubli – 580 020 Phone: 65099

## PROFORMA FOR AWARD OF CERTIFICATE OF HONOUR TO EMINENT TRADITIONAL TYPE OF SANSKRIT/PALI/PRAKRIT SCHOLAR

1. Name in Block letters : M [illegible]

2. Full Address : "[illegible]" Vidyanagar [illegible]

3. Age and Date of Birth : [illegible]

4. Qualifications in the case of traditional Sanskrit/Pali scholars : NyayaVidwan [illegible] Mimamsavidwan (Govt of Karnataka)

   a) Subjects specialised in : Navina Nyaya [illegible] Purvamimamsa and Advaita Vedanta

   b) Place and duration of study and names of teachers : [illegible] Nyaya shastri [illegible] Mysore.

   c) Higher texts in which the Scholars specialised : Nyayavadas and [illegible] Bhattabhasya and Shabarabhasya on Mimamsa, [illegible] Bhasya on Vedanta.

   d) Duration of service as teacher and place of work : 1942 - to 1978 at Mysore, Poona, Dharwad Sanskrit College Mysore, Deccan College, and [illegible] Vidyapeetha [illegible], Karnatak University Dharwad

   e) Number of students who have studied under him and the shastras specialised : 20 in specialized subjects; 100 others in other subjects.

   f) What was the monthly averge income of the scholar : [illegible]

   g) Publications edited/written and translated (if any) : Paryaya Shabdaratna, Guruvachana [illegible], Nagavarma [illegible] Madhava Karuna Vilasa, Lakshana Vimarshah,

   h) Number of students who received guidance in research from him: 16 Students received guidance for research

   i) Recognition and honours already received by him : Karnataka state Award 1982. Recognition by H. H. Kanchi Paramacharya, and other Peethadhipatis

   j) Degres/Diplomas, if any with the name of the examining body year and division : Naveena Nyaya Vidwan, Purvamimamsa Vidwan of Government of Karnataka

   k) Special contribution to popularisation of Sanskrit language with details : Free Sanskrit classes conducted Articles published in many periodicals [illegible] Delhi, and [illegible] of Belgaum etc.

   l) Conference/Poetic Symposia/debates/Vidwat Sabhas attended if any : [illegible] Bangalore [illegible] University [illegible] Oriental Conference [illegible] Dharwad. [illegible]

5. Please state the special reasons if any, for your recommending this scholar for the award : Please [illegible] Bio [illegible] herewith. [illegible]

( [illegible] )
Name & signature of the recommending scholar

[illegible] Academy Award 199?.

॥ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಪ್ರಸನ್ನ ॥
॥ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಪ್ರಸನ್ನ ॥

## ಅಗಡಿ ಆನಂದವನದ ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರಮೂರ್ತಿ ಚಕ್ರವರ್ತಿಗಳವರ
## ೫೮ ನೇ ವರ್ಧಂತ್ಯುತ್ಸವ ಹಾಗೂ ಸನ್ಮಾನ ಸಮಿತಿ.


**ರೋಣ ವಿಭಾಗ, ರೋಣ—೫೮೨೨೦೯**

ಜಿಲ್ಲಾ : ಧಾರವಾಡ

ರೋಣ : ಫೋನ : 08381/77246
ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ : ಫೋನ : 0836/50476


ದಿ. ೯, ೧೦, ೧೧, ಫೆಬ್ರುವರಿ ೧೯೯೬
(ಶುಕ್ರವಾರ, ಶನಿವಾರ, ರವಿವಾರ)

# ಕೃಷಿಪೇಟೆ

ಜುಲೈ ೧೯೯೦

ಬೆಲೆ: ರೂ. ೧.೨೫

ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಮಾರಾಟ ಮಂಡಳಿ, ಬೆಂಗಳೂರು

Dear [illegible],

[illegible]

[illegible]

[illegible]

## Other References    Personal Interviews

① ಶ್ರೀ ವೆಂಕಟೇಶ, ರಾಮ~~ಚಂದ್ರ~~ಚಾರ್ಯ (ಅಮ್ಮಣಾಚಾರ್ಯರ) ರಾಜಪುರೋಹಿತ.
(ರಾಮಾಚಾರ್ಯ, ಕೃಷ್ಣಾಚಾರ್ಯರ ರಾಜಪುರೋಹಿತ)

② ಅಮ್ಮಣಾಚಾರ್ಯರ ಪುತ್ರಿಯರು.

a) ಶಾಂತಾಬಾಯಿ -
ಕಮಲಾಬಾಯಿ, ರಾಮಚಂದ್ರ ಕುಲಕರ್ಣಿ – ಕೊಟ್ಟೂರು ಜಿ: ಬಳ್ಳಾರಿ ತಾ: ಕೂಡ್ಲಿಗಿ

b) ಕೃಷ್ಣಾಬಾಯಿ -
ಸರಳಾಬಾಯಿ. ಕೃಷ್ಣರಾವ ಕುಲಕರ್ಣಿ: ಕಲ್ಯಾಣನಗರ ಪತ್ರೇಶ್ವರ ಚಾಳ Dharwar

c) ಸಾವಿತ್ರಿ.
ಲಕ್ಷ್ಮೀಬಾಯಿ ಅಮ್ಮಣಶಾಸ್ತ್ರಿ ಗೋಲಕೋಟೆ ಗಾಂಧಿನಗರ

d) ಸರಸೂಬಾಯಿ
ಗಂಗಾಬಾಯಿ ಹಣಮಂತ ಅಷ್ಟೇಕರ. ಮಟ್ಟಿಗರದವರ ಕೇರಿ ಧಾರವಾಡ

e) ರತ್ನಾಬಾಯಿ Died Young

③ ವೆಂಕಟೇಶ. ರಾಮಚಂದ್ರ ರಾಜಪುರೋಹಿತ
V.R. Rajapurit.    ಪತ್ನಿ: ಲಕ್ಷ್ಮೀಬಾಯಿ (ಅಂದಲಗಿ)
% C. B Telageri House
Mangalwar pethe
Near Janaki Medical Shop
Dharwar -

# ಶೇಷಾಚಲ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವ

23-4-97

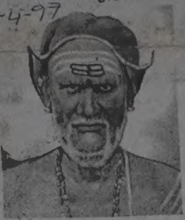

ಶೇಷಾಚಲ ಸ್ವಾಮಿಗಳು

ಅಗಡಿ ಆನಂದವನ, ೨೨- ಮಹಾನ್ ಸತ್ಪುರುಷರಾದ ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲರ ೧೪೯ನೇ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವ ಸಮಾರಂಭ ನಾಳೆ ದಿ. ೨೩ ರಿಂದ ಜರುಗಲಿದೆ.

ಶತಮಾನದ ಹಿಂದೆ ಅವತರಿಸಿ ಸಾಹಿತ್ಯ ಹಾಗೂ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ಗಮನಾರ್ಹ ಸಾಧನೆ ಮಾಡಿ ದೇವಾಂಶ ಮಾನವರೆಂದೇ ಖ್ಯಾತಿ ಪಡೆದಿದ್ದ ಶೇಷಾಚಲರು ತಮ್ಮ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಕೇಂದ್ರ, ಸಂಸ್ಕೃತ ವೇದ ಪಾಠಶಾಲೆ ಆರಂಭಿಸಿದರು.

ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಶೇಷಾಚಲರು ಆರಂಭಿಸಿದ 'ಸದ್ಬೋಧ ಚಂದ್ರಿಕೆ' ಮಾಸಿಕ ಕನ್ನಡ ಪತ್ರಿಕೆ ಕನ್ನಡಿಗರಲ್ಲಿ ಜಾಗೃತಿ ಮೂಡಿಸಿತು. ಕಳೆದ ೯೦ ವರ್ಷಗಳಿಂದ ನಿರಂತರವಾಗಿ ಪ್ರಕಟಗೊಳ್ಳುತ್ತ ಬಂದಿರುವದು ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ಒಂದು ದಾಖಲೆಯಾಗಿದೆ.

ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಚಿದಂಬರ ಮೂರ್ತಿಗಳ ಉಸ್ತುವಾರಿಯಲ್ಲಿ ಇಂದು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಪಥದತ್ತ ಮುನ್ನಡೆದಿರುವ ಆನಂದವನದಲ್ಲಿ ಆಫ್‌ಸೆಟ್ ಮುದ್ರಣಯಂತ್ರ, ಕಂಪ್ಯೂಟರ್, ಡಿ.ಟಿ.ಪಿ. ಮೊದಲಾದ ಸೌಕರ್ಯಗಳು ಬಂದಿವೆ. ಸುಸಜ್ಜಿತ ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣಗೊಂಡಿದೆ.

ಶ್ರೀ ಶೇಷಾಚಲ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ೧೪೯ನೇ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಈ ಕಟ್ಟಡದ ಉದ್ಘಾಟನೆ ನಡೆಯಲಿದೆ. ೨೩ ರಿಂದ ೨೮ರ ವರೆಗೆ ನಡೆಯಲಿರುವ ಜಯಂತ್ಯುತ್ಸವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ತೊಟ್ಟಿಲೋತ್ಸವ ಹಾಗೂ ರಥೋತ್ಸವ ನಡೆಯಲಿದೆ.

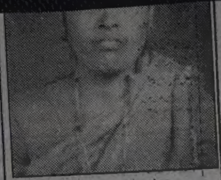

ಶ್ರೀಮತಿ ಶಕುಂತಲಾ

ನರಗುಂದ, ೨೨- ನರಗುಂದ ತಾಲ್ಲೂಕು ಪಂಚಾಯತಿಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಶಿರೋಳದ ದ್ಯಾಮಪ್ಪ ಯ. ಕಾಡಪ್ಪನವರ ಹಾಗೂ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಕಣ್ಣಕೊಪ್ಪದ ಶ್ರೀಮತಿ ಶಕುಂತಲಾ ಬಸುರಾಜು ಸವದಿ ಅವರು ಅವಿರೋಧವಾಗಿ ಆಯ್ಕೆಯಾಗಿದ್ದಾರೆ.

## ಹಿಂದಿ ಪರೀಕ್ಷೆ ರ್‍ಯಾಂಕ್ ವಿಜೇತ

ಗದಗ, ೨೨- ಮೈಸೂರು ಹಿಂದಿ ಪ್ರಚಾರ ಪರಿಷತ್‌ನವರ ಹಿಂದಿ ಪ್ರಥಮಾ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ಇಲ್ಲಿನ ಶಾರದಾ ಹಿಂದಿ ವಿದ್ಯಾಲಯದ ಕುಮಾರ ಬಿ. ಜಕ್ಕಲಿ. ರಾಜ್ಯಕ್ಕೆ ತೃತೀಯ ರ್‍ಯಾಂಕ್ ಗಳಿಸಿದ್ದಾರೆ.

## ಸರ್ಕಲ್ ಉದ್ಘಾಟನೆ

ರಾಣೆಬೆನ್ನೂರು, ೨೨- ಇಲ್ಲಿನ ಬಸ್‌ಸ್ಟ್ಯಾಂಡ್ ರಸ್ತೆಯ ಮಡ್ಲೇರಿ ಕ್ರಾಸ್ ಬಳಿ ಲಯನ್ಸ್ ಹಾಗೂ ಲಯನೆಸ್ ಕ್ಲಬ್‌ಗಳು ಸಂಯುಕ್ತವಾಗಿ ನಿರ್ಮಿಸಿ